Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

135499

CARAKA SAMHITĀ

[TEXT WITH ENGLISH TRANSLATION & CRITICAL EXPOSITION BASED ON CAKRAPĀṆI DATTA'S ĀYURVEDA DĪPIKĀ]

Vol. VII

By:- R.K. SHARMA
BHAGWAN DASH

336
A.T

CHOWKHAMBA SANSKRIT SERIES OFFICE
VARANASI. (India)

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

a Samaj Foundation Chenna

CARAKA SAMHITĀ

By : SH[illegible]SH

R
515. 586
SHA - A

Domain. Gurukul Kangri Col

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

135499

About the book

The Caraka Saṁhitā occupies a very important place in the History of world's medical science. But this work is quite difficult to understand to those who are not well accustomed with the particular style of Sanskrit in which it is written. Hence, an authentic translation was a desideratum.

The present translation is not only the result of painful labour of two renowned scholars, but it comprises valuable extracts from the famous Commentary of **Cakrapāṇidatta,** rendered into English.

Dr. Bhagwan Dash has been awarded the prestigious Medal of the Senate of the Italian Republic for his contribution to Āyurveda.

Vol. I. Sūtra-sthāna
Vol. II. Nidāna-sthāna to Indriya-sthāna
Vol. III. Cikitsā-sthāna (Chapter I-XIV)
Vol. IV. Cikitsā-sthāna
(Chapter XV-XXVI)
Vol. V. Cikitsā-sthāna
(Chapter XXVII-XXX)
Vol. VI. Kalpa & Siddhi-sthāna
Vol. VII Śloka Index

Rs. 250.00

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

R
615.536
SHA-A.7

पुस्तकालय
गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार 135499

वर्ग संख्या ....   आगत संख्या..........

पुस्तक विवरण की तिथि नीचे अंकित है। इस तिथि सहित ३० वें दिन यह पुस्तक पुस्तकालय में वापस आ जानी चाहिए। अन्यथा ५० पैसे प्रति दिन के हिसाब से विलम्ब दण्ड लगेगा।

Stock Verification-2024

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

CHOWKHAMBA SANSKRIT STUDIES
Vol. XCIV

AGNIVEŚA'S

CARAKA SAṂHITĀ

Text with English Translation & Critical Exposition
Based on
(CAKRAPĀṆI DATTA'S ĀYURVEDADĪPIKĀ)

By

Dr. Ram Karan Sharma
Ex. Vice-Chancellor
K.S.D. Sanskrit University
Darbhanga-Bihar

And

Vaidya Bhagwan Dash
Ex. Deputy Adviser in Ayurveda
Ministry of Health & Family Planning
New Delhi

135499

VOLUME VII

ŚLOKA-INDEX

135499

CHOWKHAMBA SANSKRIT SERIES OFFICE
VARANASI (India)

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

Publisher : Chowkhamba Sanskrit Series Office, Varanasi-1
Printer : Chowkhamba Press, Varanasi-1
Edition : 1st, 2002

ISBN : 81-7080-071-4

All rights reserved. No reproduction or translation of this book or part thereof in any form, should be made. Neither it may be stored in a retrieval system, or transmitted, by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without the written permission of the publisher.

R
615.536
SHA - P.7

© Chowkhamba Sanskrit Series Office

Publishers and Oriental & Foreign Book-Sellers
K.37/99, Gopal Mandir Lane
Near Golghar (Maidagin)
P.BOX 1008, VARANASI-221001 (India)
Phone : Office : 333458, **Resi.** : 334032 & 335020
e-mail :cssoffice@satyam.net.in

Also can be had from
KRISHNADAS ACADEMY
Oriental Publishers & Distributors
K. 37/118, Gopal Mandir Lane
Near Golghar (Maidagin)
Post Box No. 1118, Varaṇasi-221001 (India)
Phone : 335020

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

CARAKA-SAMHITĀ
ŚLOKA-INDEX

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
		अ			
अंशुमत्या शृतः प्रस्थः	चिकित्सा	29	80	5	108
अंसपार्श्वाभितापश्च	चिकित्सा	8	52	3	375
अंसाभितापो हिक्का	इन्द्रिय	9	7	2	569
अकल्याणमपि स्वप्नं	इन्द्रिय	5	46	2	551
अकालयोनिगमनान्	विमान	5	19	2	178
अकालादेशसञ्चारौ	शारीर	1	106	2	337
अकाले चातिपीतश्च	सूत्र	5	39	1	116
अकाले चाहितश्चैव	सूत्र	13	79	1	263
अकालेऽतिप्रसङ्गाच्च	सूत्र	21	37	1	381
अकालेऽल्पातिमात्रं च	सिद्धि	6	28	6	270
अकाले वाहमानाया	चिकित्सा	30	27	5	136
अकृतं कृतयूषं च	सूत्र	27	262	1	545
अकृत्स्नदोषहरणाद्	कल्प	12	57	6	120
अक्रियायां ध्रुवो मृत्युः	चिकित्सा	13	177	3	567
अक्लिन्नेष्वन्नमासिक्त	चिकित्सा	15	240	4	76
अक्षमात्रं तयोः पिण्डं	कल्प	11	6	6	99
अक्षमात्रैरजामूत्रे	चिकित्सा	30	80	5	150
अक्षमात्रैर्घृतप्रस्थं	चिकित्सा	18	164	4	195
अक्षीणबलमांसस्य	चिकित्सा	4	25	3	230
अक्षीणबलमांसस्य	चिकित्सा	4	55	3	237
अक्षीणबलमांसाग्नेः	चिकित्सा	3	169	3	163
अक्षीणश्चाप्यदीनश्च	चिकित्सा	17	44	4	127
अखण्डार्थं दृढबलो	सिद्धि	12	39	6	435
अगदोऽयं वैश्रवणाय	चिकित्सा	23.	81	4	347

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
अगस्त्यो वामदेवश्च	सूत्र	1	9	1	17
अग्निदोषान्मनुष्याणां	चिकित्सा	13	9	3	520
अग्निनेव च दग्धस्य	चिकित्सा	30	172	5	172
अग्निपूर्णानि पात्राणि	इन्द्रिय	12	34	2	588
अग्निमन्थकरञ्जौ च	चिकित्सा	27	57	5	14
अग्निमारुततुल्यस्य	चिकित्सा	29	4	5	87
अग्निवेशकृते तन्त्रे	सूत्र	30	90	1	619
अग्निवेशकृते तन्त्रे	चिकित्सा	30	341	5	221
अग्निवेशश्च भेलश्च	सूत्र	1	31	1	23
अग्निवेशस्य तद्वाक्यं	चिकित्सा	17	5	4	117
अग्निवेशाय गुरुणा	चिकित्सा	28	157	5	62
अग्निसंदीपनार्थं	चिकित्सा	14	182	3	618
अग्निसंधुक्षणार्थं तु	सिद्धि	12	6	6	396
अग्निसंरक्षणवता	सूत्र	6	38	1	140
अग्नेः समीपचारित्वाद्	चिकित्सा	15	204	4	68
अग्न्यधिष्ठानमन्नस्य	चिकित्सा	15	56	4	29
अग्र्याणां शतमुद्दिष्टं	सूत्र	25	41	1	436
अङ्गमर्दं मुहुश्छर्दिं	चिकित्सा	8	23	3	367
अङ्गमर्दज्वराध्मान	सिद्धि	4	28	6	240
अङ्गमर्दे रुजं तोदं	चिकित्सा	16	18	4	86
अङ्गव्यसनिनं दूतं	इन्द्रिय	12	17	2	584
अङ्गिरा जमदग्निश्च	सूत्र	1	8	1	17
अङ्गुल्यङ्गुष्ठतलज	शारीर	1	34	2	319
अङ्गुष्ठसम्मितां	सूत्र	5	24	1	113
अङ्गैकदेशेष्वनिलादिभिः	चिकित्सा	12	81	3	509
अचङ्क्रमणशीलानां	चिकित्सा	29	8	5	88
अचिकित्स्या भवन्त्येते	इन्द्रिय	9	9	2	569
अचिन्तनाच्च कार्याणां	सूत्र	21	34	1	380
अचेतनं क्रियावच्च	शारीर	1	75	2	330
अच्छं बहु सितं शीतं	निदान	4	13	2	58
अच्छपेयस्तु यः स्नेहो	सूत्र	13	26	1	252
अजगन्धाकषायेण	कल्प	12	35	6	110
अजगन्धा तुगाक्षीरी	कल्प	6	22	6	64

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
अजन्मनि च यो हेतु	शारीर	4	43	2	412
अजरैरमरैस्तावद्	चिकित्सा	1/4	49	3	66
अजशीर्षाम्बुजानूप	चिकित्सा	28	107	5	53
अजाजीं चाजगन्धां	सूत्र	2	4	1	63
अजातशोथमरुणं	चिकित्सा	13	55	3	538
अजातानामनुत्पत्तौ	सूत्र	28	34	1	581
अजातोदकमित्येतैः	चिकित्सा	13	58	3	538
अजीर्णकट्वम्लविदाहि	चिकित्सा	9	11	3	412
अजीर्णकट्वम्लविदाह्य	चिकित्सा	20	10	4	246
अजीर्णानाहयोर्वाते	सूत्र	1	92	1	53
अजीर्णासात्म्यविषम	चिकित्सा	30	232	5	187
अजीर्णिनो रुक्षभुजः	चिकित्सा	1	35	3	13
अजीर्णे भोजने भुक्ते	सिद्धि	9	111	6	361
अजीर्णे यदि तु स्नेहे	सूत्र	13	73	1	261
अजीर्णे वर्धते ग्लानि	सिद्धि	6	14	6	264
अञ्जनं चन्दनोशीर	सिद्धि	6	49	6	278
अञ्जनं धूमवर्तिश्च	सूत्र	5	106	1	128
अञ्जनमक्ष्युपरोधे	चिकित्सा	23	69	4	344
अञ्जनात्तिमिरं काचं	चिकित्सा	17	128	4	149
अञ्जनोत्सादनालेप	चिकित्सा	9	64	3	432
अटरूषकनिर्यूहे	चिकित्सा	4	66	3	239
अटरूषकमृद्वीका	चिकित्सा	4	65	3	239
अणुज्योतिरनेकाग्रो	इन्द्रिय	11	3	2	577
अणुज्योतिरिति	सूत्र	30	55	1	610
अणुर्हि प्रथमं भूत्वा	सूत्र	11	58	1	232
अत ऊर्ध्वं प्रवक्ष्यन्ते	चिकित्सा	3	197	3	172
अत ऊद्र्ध्वं प्रवक्ष्यामि	सूत्र	2	17	1	68
अत ऊद्र्ध्वं विकारा ये	सिद्धि	9	11	6	334
अत ऊद्र्ध्वं शरीरस्य	सूत्र	5	14	1	110
अतएवौषधगणान्	सूत्र	2	14	1	66
अतः कुष्ठानि जायन्ते	चिकित्सा	7	10	3	320
अतः परं ब्रह्मभूतो	शारीर	1	155	2	349
अतः स्वेदाः प्रवक्ष्यन्ते	सूत्र	14	3	1	268

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
अतत्त्वाभिनिवेशो य	चिकित्सा	10	55	3	454
अतश्च बुद्ध्वा	सूत्र	26	37	1	462
अतश्चामृतकल्पानि	चिकित्सा	1	37	3	13
अतिक्रान्तरसं वाऽपि	सूत्र	26	101	1	486
अतितीक्ष्णं क्षुधार्तस्य	सिद्धि	6	45	6	276
अतितीक्ष्णं मृदौ कोष्ठे	सिद्धि	6	78	6	286
अतितीक्ष्णः सवातो वा	सिद्धि	7	30	6	299
अतिदुःखा न सा चोरः	चिकित्सा	17	35	4	125
अतिपीतेन मद्येन	चिकित्सा	24	36	4	391
अतिप्रपीडितः कोष्ठे	सिद्धि	5	18	6	256
अतिप्रवृत्तिः सङ्गो वा	विमान	5	24	2	180
अतिप्रवृत्तिस्तत्रापि	चिकित्सा	28	213	5	78
अतिप्रवृद्ध्या रोगाणां	इन्द्रिय	11	23	2	580
अतिबालो ह्यसम्पूर्ण	चिकित्सा	2/4	41	3	101
अतिमात्रस्य चाकाले	विमान	5	12	2	177
अतिमृद्वतितीक्ष्णानां	शारीर	1	125	2	341
अतियोगानुबद्धानां	सूत्र	16	24	1	304
अतियोगोद्धतं वातं	चिकित्सा	17	86	4	140
अतिरूक्षदुर्बलानां	चिकित्सा	22	55	4	317
अतिव्यवायाद्व्यायामाद्	चिकित्सा	30	135	5	164
अतिव्यवायभाराध्व	सूत्र	7	1	1	153
अतिव्यवायभाराध्व	चिकित्सा	18	20	4	161
अतिव्यवायशीलानां	सिद्धि	12	21	6	429
अतिवृत्तस्य रक्तस्य	चिकित्सा	14	255	3	632
अतिवृद्धः शरीरार्धम्	चिकित्सा	28	38	5	31
अतिसंचितदोषस्य	चिकित्सा	17	42	4	127
अतिसंचितदोषाणां	चिकित्सा	13	15	3	522
अतिसारं प्रत्युक्तं मिश्रं	सिद्धि	8	45	6	322
अतिसृष्टं विबद्धं वा	चिकित्सा	15	53	4	28
अतिस्निग्धोऽतिद्रवश्च	चिकित्सा	21	105	4	290
अतिस्नेहात्तु मन्देऽग्नौ	चिकित्सा	15	206	4	69
अतीतानागतावेक्षा	सिद्धि	12	44	6	436
अतीन्द्रियैस्तैरतिसूक्ष्म	शारीर	2	37	2	361

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
अतीसारज्वरच्छर्दि	चिकित्सा	17	13	4	119
अतुल्यगोत्रस्य रजः	शारीर	2	3	2	351
अतोऽग्निबलरक्षार्थं	चिकित्सा	3	276	3	201
अतोऽन्यथा तु ये तेषां	चिकित्सा	1/4	28	3	63
अतोऽन्यथा हितं मांसं	सूत्र	27	312	1	555
अत्यम्ललवणक्षार	चिकित्सा	30	163	5	171
अत्यर्थं पुनरेवेयं	इन्द्रिय	12	42	2	589
अत्यर्थकटुतीक्ष्णोष्णं	कल्प	6	4	6	52
अत्यर्थमधुरं शीतमीषत्	निदान	4	14	2	58
अत्यर्थमधुरं शीतं मूत्रं	निदान	4	19	2	59
अत्यर्थमृदुकायाग्ने	चिकित्सा	14	79	3	598
अत्यर्थरसिकं कायं	इन्द्रिय	2	22	2	531
अत्यर्थविवृता यस्य	इन्द्रिय	8	11	2	565
अत्यर्थशङ्कितः स्याद्बहु	चिकित्सा	23	107	4	353
अत्यर्थस्निग्धरूक्षोष्ण	चिकित्सा	30	286	5	198
अत्यवाक्शिरसो नस्यं	सिद्धि	9	101	6	359
अत्यादानमनादान	शारीर	1	124	2	341
अत्यादानं गुरुस्निग्ध	सूत्र	17	34	1	316
अत्यादानं तथा क्रोधं	सूत्र	24	9	1	404
अत्युग्रशब्दश्रवणात्	शारीर	1	118	2	341
अत्युष्णतीक्ष्णश्च	सिद्धि	1	57	6	172
अत्युष्णवर्षशीता हि	सिद्धि	6	4	6	259
अत्युष्णलवणक्षार	चिकित्सा	13	12	3	521
अत्युष्णे वा दिवा	सूत्र	13	20	1	250
अत्राकर्म फलं चात्र	शारीर	1	37	2	321
अथ खल्वातुरं वैद्यः	सिद्धि	12	3	6	395
अथ चन्द्रमसः शुद्धां	चिकित्सा	8	9	3	364
अथ चार्तस्य भगवन्	शारीर	1	11	2	312
अथ चेज्ज्ञातयस्तस्य	इन्द्रिय	9	16	2	571
अथ तत्संशयच्छेत्ता	सूत्र	13	9	1	246
अथ नेत्राणि बस्तींश्च	सिद्धि	5	3	6	250
अथ पुत्रांश्च दारांश्च	सूत्र	11	60	1	232

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
अथ भेलादयश्चक्रुः	सूत्र	1	33	1	23
अथ मैत्रीपरः	सूत्र	1	30	1	23
अथ वत्सकनामानि	कल्प	5	3	6	48
अथवाऽतिविरिक्तः	सिद्धि	8	18	6	314
अथवाऽपि परीपाकं	चिकित्सा	3	336	3	218
अथवा राजपुरुषा	चिकित्सा	9	83	3	436
अथवा सघृतान्शक्तून्	चिकित्सा	26	136	4	511
अथ शोधनयोः सम्यग्	सिद्धि	6	3	6	258
अथाग्निवेशप्रमुखान्	सूत्र	1	39	1	24
अथाग्निवेशः सतता	सिद्धि	11	27	6	390
अथाधिगम्यार्थम	सिद्धि	11	19	6	386
अथापरे त्रयो	सूत्र	1	114	1	57
अथामजं लङ्घनपाचन	चिकित्सा	12	17	3	489
अथास्य दाहः क्षारेण	चिकित्सा	21	133	4	297
अथास्याः प्रणयेन्नेत्र	सिद्धि	9	68	6	348
अथास्योद्ध्वंसते कण्ठः	चिकित्सा	17	59	4	131
अथेमान् सुकुमाराणां	सिद्धि	8	3	6	309
अथेश्वरं देवगणः	चिकित्सा	3	22	3	113
अथोत्तीर्णव्रतो देवो	चिकित्सा	3	19	3	113
अथोदगयने शुक्ले	चिकित्सा	1/1	21	3	10
अदग्ध ईषत् परिशेषि	चिकित्सा	12	83	3	509
अदिग्धविद्धमक्लिष्टं	सूत्र	22	25	1	391
अदुष्टे प्राकृते बीजे	चिकित्सा	30	126	5	159
अदूषयन्तः पुरुषस्य	चिकित्सा	9	18	3	415
अद्यात्तथौदकानूप	चिकित्सा	15	224	4	73
अधः कफेऽल्पे वमनं	सिद्धि	1	10	6	143
अधःप्रतिहतो वायु	चिकित्सा	18	6	4	157
अधःशरीरोदरबाहु	सिद्धि	1	45	6	166
अधस्तु पक्वमामं	चिकित्सा	15	52	4	28
अधावनाद्वा मेढ्रस्य	चिकित्सा	30	167	5	171
अधिमांसार्बुदं कीलं	सूत्र	28	14	1	577
अधिशेते यथा भूमिं	चिकित्सा	3	68	3	131
अधीयानस्य वात्युच्चैः	चिकित्सा	11	6	3	459

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
अधोभागैर्घृतं सिद्धं	चिकित्सा	17	135	4	150
अधो वा यदि वा	चिकित्सा	19	101	4	236
अधोहरैश्चोर्ध्वहरैः	चिकित्सा	5	176	3	294
अध्यात्मलोको वाताद्यैः	चिकित्सा	26	292	4	547
अध्यस्थिदन्तौ दन्त	सूत्र	28	16	1	577
अनत्युत्सेधविस्तारां	सूत्र	14	52	1	281
अनन्तरमुवाचेदम्	चिकित्सा	10	54	3	454
अनभिष्यन्दिभिः	चिकित्सा	28	239	5	84
अनम्लं च कषायं	चिकित्सा	1/3	48	3	50
अनादिः पुरुषो	शारीर	1	59	2	326
अनादेश्चेतनाधातो	सूत्र	11	13	1	208
अनिष्टगन्धश्चैकश्च	चिकित्सा	2/1	17	3	75
अनुच्छ्वास्य च बद्धे	सिद्धि	5	9	6	253
अनुतर्षस्य मात्रा सा	चिकित्सा	24	148	4	417
अनुत्क्लिष्टकफा	चिकित्सा	17	91	4	141
अनुपानं हितं युक्तं	सूत्र	27	326	1	558
अनुमानात् परीक्षेत	इन्द्रिय	4	4	2	538
अनुलोमोऽनिलः	सिद्धि	6	26	6	269
अनुवासनमेतद्धि	सिद्धि	4	7	6	234
अनुवासं ततः कुर्याद्	चिकित्सा	30	201	5	179
अनुष्ट्रखरयानस्थ	इन्द्रिय	12	68	2	593
अनेन विधिना राजा	सूत्र	15	18	1	298
अनेनैव विधानेन	चिकित्सा	1/3	23	3	44
अनेनैव विधानेन	सिद्धि	9	70	6	349
अनेन सत्यवाक्येन	चिकित्सा	23	94	4	347
अनेनाश्च इवोदीर्णो	चिकित्सा	2/1	33	3	77
अनेनाश्च इवोदीर्णो	चिकित्सा	2/1	41	3	78
अन्तःप्रकुपिता दोषाः	चिकित्सा	21	25	4	264
अन्तःशरीरे मांसासृग्	सूत्र	17	93	1	329
अन्तःशरीरे संशुद्धे	चिकित्सा	21	71	4	283
अन्तरग्निगुणा देहं	चिकित्सा	15	244	4	78
अन्तराकण्डरागुल्फं	चिकित्सा	28	101	5	51
अन्तराधिरसं पूत्वा	चिकित्सा	19	40	4	222

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
अन्तरायम्यते ग्रीवा	चिकित्सा	28	44	5	32
अन्तरेण गुदं गच्छन्	इन्द्रिय	10	8	2	574
अन्तरेण तपस्तीव्रं	इन्द्रिय	4	24	2	542
अन्तर्दाहं ज्वरं तृष्णां	चिकित्सा	24	113	4	411
अन्तर्दाहः सतृष्णमोहः	चिकित्सा	3	78	3	134
अन्तर्भागस्य चाप्येतत्	चिकित्सा	5	45	3	266
अन्तर्वेगो बहिर्वेगो	चिकित्सा	3	33	3	118
अन्तोन्नता मध्यनिम्न	सूत्र	17	84	1	328
अन्न एकस्तथा ग्रेये	कल्प	4	20	6	46
अन्नं व्यापद्यतेऽत्यर्थं	इन्द्रिय	12	38	2	588
अन्नद्विषश्छर्दयन्तो	सूत्र	13	55	1	258
अन्नपानवयोव्याधि	चिकित्सा	24	68	4	400
अन्नपानानि वक्ष्यामि	चिकित्सा	21	108	4	292
अन्नपानैकदेशोऽयम्	सूत्र	27	329	1	559
अन्नपानैर्नयेच्छान्तिं	चिकित्सा	15	222	4	73
अन्नमादानकर्मा तु	चिकित्सा	15	6	4	3
अन्नमिष्टं ह्युपहित	चिकित्सा	15	12	4	8
अन्नस्य पक्ता सर्वेषां	चिकित्सा	15	39	4	22
अन्नस्य भुक्तमात्रस्य	चिकित्सा	15	9	4	5
अन्नावपीडितं बल्यं	चिकित्सा	15	209	4	69
अन्नाशनं ततः कुर्याद्	चिकित्सा	30	197	5	178
अन्यधातूपसंसृष्ट	चिकित्सा	30	140	5	165
अन्यस्यापि च रोगस्य	इन्द्रिय	5	5	2	544
अन्ये च रोगा बहवो	चिकित्सा	26	10	4	470
अन्येद्युष्कः प्रतिदिनं	चिकित्सा	3	67	3	130
अन्येद्युष्को द्व्यहग्राही	शारीर	1	113	2	339
अन्येऽप्येवंविधा व्याला	चिकित्सा	23	176	4	368
अन्यैरप्युपसृष्टस्य	चिकित्सा	17	7	4	117
अन्योऽन्यप्रत्यनीकानां	सिद्धि	12	8	6	396
अपकर्षणमेवादौ	विमान	7	28	2	213
अपकर्षो यथोत्कर्षो	चिकित्सा	14	83	3	598
अपक्तिमूत्रविट्सङ्गैः	सिद्धि	9	30	6	339
अपक्वं धारयत्यन्नं	चिकित्सा	15	57	4	29

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
अपक्वं वमनं दोषं	कल्प	12	62	6	122
अपक्वतण्डुलात्यर्थं	सूत्र	26	99	1	488
अपत्यसन्तानकरं	चिकित्सा	1	9	3	8
अपर्वणि यदा पश्येत्	इन्द्रिय	4	14	2	540
अपस्मारग्रहोन्माद	चिकित्सा	9	63	3	431
अपस्मारविषोन्माद	चिकित्सा	9	72	3	433
अपस्मारे तथोन्मादे	चिकित्सा	10	23	3	446
अपस्मारे तथोन्मादे	चिकित्सा	10	47	3	452
अपस्मारो हि वातेन	निदान	8	12	2	103
अपस्वरं भाषमाणं	इन्द्रिय	9	14	2	571
अपां क्षयाद्धि तृष्णा	चिकित्सा	22	25	4	311
अपाने विगुणे पूर्वं	चिकित्सा	30	299	5	204
अपानो मार्गसंरोधाद्	चिकित्सा	13	40	3	532
अपामार्गस्य बीजानि	सूत्र	2	3	1	63
अपि तक्षकदष्टानां	चिकित्सा	23	195	4	371
अपि वासुकिना दष्टः	चिकित्सा	23	199	4	372
अपीनसे पूतिनस्ये	चिकित्सा	26	151	4	514
अपूर्वामिव यां याति	चिकित्सा	2/1	14	3	74
अपेतराक्षसीकुष्ठ	चिकित्सा	10	39	3	450
अप्येवं तु भवेत् पुष्पं	इन्द्रिय	2	4	2	527
अप्राप्त्यतिगतिक्षोभ	सिद्धि	5	5	6	251
अब्रुवन्मरणं तस्य	इन्द्रिय	12	64	2	592
अब्धातुं देहस्थं	चिकित्सा	22	11	4	306
अभयामलकीयोक्त	चिकित्सा	28	243	5	84
अभयां पिप्पलीमूलं	चिकित्सा	15	103	4	43
अभिघाताभिषङ्गाभ्यां	चिकित्सा	3	112	3	142
अभिचारादविस्त्रम्भाद्	चिकित्सा	30	159	5	170
अभिष्यण्णाननगुदा	सूत्र	13	54	1	257
अभिष्यण्णा महादोषा	सूत्र	22	30	1	391
अभिष्यन्दीनि भोज्यानि	विमान	5	15	2	178
अभिष्यन्द्युपचाराच्च	चिकित्सा	17	16	4	119
अभिसन्ने शरीरे तु	चिकित्सा	8	57	3	377
अभुक्ते शून्यपायौ वा	सिद्धि	4	38	6	243

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
अभेषजमिति ज्ञेयं	चिकित्सा	1	15	3	10
अभेषजं च द्विविध	चिकित्सा	1	5	3	6
अभोजनादजीर्णाति	चिकित्सा	15	42	4	24
अभ्यक्तस्विन्नगात्रस्य	सिद्धि	7	25	6	297
अभ्यङ्गयोगाः परिषेच	चिकित्सा	4	91	3	246
अभ्यङ्गस्वेदवर्त्यादि	सिद्धि	6	60	6	280
अभ्यङ्गाः सार्षपं तैलं	चिकित्सा	10	32	3	449
अभ्यङ्गाः स्वेदनं धूमाः	चिकित्सा	14	250	3	631
अभ्यङ्गांश्च प्रदेहांश्च	चिकित्सा	3	256	3	193
अभ्यङ्गाद्याः प्रदेहान्ता	चिकित्सा	14	58	3	594
अभ्यङ्गोत्सादनस्नान	चिकित्सा	2/3	24	3	92
अभ्यङ्गोत्सादनस्नान	चिकित्सा	24	21	4	389
अभ्यङ्गोत्सादनं मूर्ध्नि	सूत्र	6	14	1	135
अभ्यङ्गोत्सादनं स्नानं	सूत्र	21	52	1	384
अभ्यङ्गोत्सादनैश्चैव	चिकित्सा	8	184	3	406
अभ्यङ्गोत्सादनैः स्नानैः	चिकित्सा	24	133	4	415
अभ्यङ्गोत्सादनैः	सूत्र	16	23	1	304
अभ्यङ्गोद्वर्तनस्नान	चिकित्सा	3	341	3	218
अभ्यज्य कुष्ठतैलेन	चिकित्सा	14	44	3	590
अभ्यञ्जनस्नेहनिरूह	चिकित्सा	26	45	4	482
अभ्यञ्जने भोजनार्थे	सूत्र	1	91	1	53
अभयामलकीयेऽस्मिन्	चिकित्सा	1	81	3	25
अभयामलकीयं च	सूत्र	30	56	1	611
अमनोरुचितं यच्च	सूत्र	26	100	1	486
अमर्त्यवाग्विक्रमवीय	चिकित्सा	9	17	3	414
अमर्षसंरम्भविनग्न	चिकित्सा	9	12	3	412
अमूढो मोहमूलैश्च	शारीर	7	20	2	462
अमृतप्राशमित्येतत्	चिकित्सा	11	41	3	467
अमृतार्थं समुद्रे तु	चिकित्सा	23	4	4	323
अमृताह्वा बिसं बिल्वं	चिकित्सा	26	243	4	536
अम्बष्ठा शाल्मली	चिकित्सा	30	91	5	152
अम्लं चानु पिबेत्तक्रं	चिकित्सा	15	145	4	53
अम्लं परुषकं द्राक्षा	सूत्र	27	132	1	516

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
अम्लात् कटुस्तत	सूत्र	26	56	1	472
अम्लिकायाः फलं	सूत्र	27	152	1	517
अम्लोष्णलवणक्षारैः	चिकित्सा	30	214	5	183
अयथाबलमारम्भैः	चिकित्सा	8	15	3	366
अयथाबलमारम्भं	चिकित्सा	8	13	3	366
अयनं पुनराख्यातम्	शारीर	1	151	2	349
अयमेव विकाराणां	विमान	7	29	2	213
अयश्चूर्णोऽम्लपिष्टश्च	चिकित्सा	26	282	4	544
अयोगमतियोगं वा	इन्द्रिय	11	22	2	580
अयोगादतियोगाच्च	सिद्धि	6	30	6	270
अयोरजः सकासीसं	चिकित्सा	25	115	4	465
अरक्तलोमं तनु यत्	चिकित्सा	7	176	3	362
अरजस्का पिबेत् सिद्धं	चिकित्सा	30	102	5	155
अरत्निमष्टादशषोडशा	सिद्धि	11	21	6	387
अरिष्टान्दापयेत्क्षारान्	चिकित्सा	13	157	3	561
अरिष्टांश्चानुपानार्थे	सूत्र	21	27	1	379
अरुचौ कवलग्राहा	चिकित्सा	26	215	4	529
अरुणाभं भवेद्वातात्	सूत्र	24	20	1	406
अरुष्कस्फोटपिडका	सूत्र	13	35	1	253
अरूँषि शीर्षश्रवणाक्षि	चिकित्सा	26	109	4	501
अरोचकात् कासवेगा	चिकित्सा	8	62	3	379
अरोचके शोकभयाति	चिकित्सा	26	126	4	506
अर्कस्तथैव चालर्क	सिद्धि	10	23	6	372
अर्णवानां प्रतरणं	इन्द्रिय	12	84	2	596
अर्थविद्यायशोहानि	सूत्र	10	8	1	196
अर्थे दश महामूला	सूत्र	30	3	1	592
अर्थे दश महामूलाः	सूत्र	30	86	1	618
अर्थे दश महामूले	सूत्र	30	88	1	618
अर्दितं शिरसः कम्पो	सूत्र	17	14	1	312
अर्दितैकाङ्गसर्वाङ्ग	सूत्र	14	21	1	273
अर्धश्लोकैरतः सिद्धान्	सिद्धि	10	18	6	372
अर्धाढ़कं तुगाक्षीर्या	चिकित्सा	2/4	26	3	99
अर्धावभेदको वा	सूत्र	17	13	1	312

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
अर्शःश्वासभगन्दर	चिकित्सा	7	79	3	340
अर्शःसु चातिसारेषु	चिकित्सा	30	94	5	152
अर्शःस्वानद्धेषु च	चिकित्सा	23	75	4	345
अर्शशोफोदरघ्नं	सूत्र	1	102	1	54
अर्शसां द्विविधं जन्म	चिकित्सा	14	249	3	631
अर्शांसि खलु जायन्ते	चिकित्सा	14	23	3	587
अर्शांसि ग्रहणीदोष	चिकित्सा	14	167	3	614
अर्शांसि ग्रहणीदोषं	चिकित्सा	1/3	35	3	46
अर्शांसि ग्रहणीदोषं	चिकित्सा	14	112	3	605
अर्शांसि च गुदे शूलं	चिकित्सा	15	131	4	50
अर्शांस्यचेष्टा न च देह	चिकित्सा	12	6	3	483
अर्शोऽतिसारानिलगुल्म	चिकित्सा	12	59	3	503
अर्शोऽतिसारानिलगुल्म	चिकित्सा	12	61	3	503
अल्पं तु बहुदोषस्य	सिद्धि	6	68	6	283
अल्पप्राणोऽल्पहर्षश्च	चिकित्सा	30	161	5	170
अल्पमात्रं महावेगं	सिद्धि	6	15	6	265
अल्पलिङ्गस्य दीप्ताग्नेः	चिकित्सा	11	14	3	462
अल्पवीर्यो महादोषे	सिद्धि	7	21	6	297
अल्पस्तु रागोऽनुपदेह	चिकित्सा	26	129	4	508
अल्पाग्नीनामनिद्राणां	सूत्र	27	324	1	557
अल्पादाने गुरूणां च	सूत्र	27	340	1	562
अल्पोदकद्रुमो यस्तु	विमान	3	47	2	159
अवक्षुतमथोत्क्रुष्टं	इन्द्रिय	12	26	2	587
अवगाढ़रुजाक्लेदा	सूत्र	17	89	1	328
अवगाढ़ार्तिनिस्तोदा	सूत्र	17	85	1	328
अवदंशक्षमं हृद्यं	सूत्र	27	145	1	516
अवपीडकसर्पिर्भिः	चिकित्सा	14	223	3	627
अवम्यस्याल्पकायाग्नेः	चिकित्सा	5	49	3	267
अवाक्पुष्पी बला	चिकित्सा	14	234	3	629
अवाक्शिरा वा जिह्वा	इन्द्रिय	8	3	2	564
अवाप्त्युपायान् गर्भस्य	शारीर	4	45	2	412
अविकारि च व्यापत्तौ	सिद्धि	6	16	6	265
अविक्षीरमजाक्षीरं	सूत्र	1	106	1	56

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
अविदाहिभिरन्नैश्च	चिकित्सा	15	123	4	48
अविपाकास्यवैरस्ये	चिकित्सा	3	29	3	116
अविपाकोऽरुचिः	सूत्र	16	13	1	302
अविमूत्रं सतिक्तं	सूत्र	1	100	1	54
अविरेच्यं तु यं विद्याद्	चिकित्सा	13	66	3	539
अविरेच्यौ शिशुवृद्धौ	सिद्धि	10	7	6	367
अवैषम्येण धातूनाम्	चिकित्सा	15	215	4	71
अव्यक्तमात्मा क्षेत्रज्ञः	शारीर	1	61	2	327
अव्यक्ताद्व्यक्ततां याति	शारीर	1	68	2	328
अव्यायामदिवास्वप्न	चिकित्सा	13	29	3	528
अव्यायामदिवास्वप्न	चिकित्सा	24	96	4	407
अव्यायामाद्दिवास्वप्नान्	विमान	5	16	2	178
अव्याहतगतिर्यस्य	चिकित्सा	28	4	5	19
अशब्दस्य च यः	इन्द्रिय	4	19	2	541
अशितं खादितं पीतं	विमान	2	15	2	139
अशितस्यातिसंक्षोभा	चिकित्सा	13	35	3	530
अश्मरीसमशूलं तं	सिद्धि	9	42	6	342
अश्रद्धा चारुचिश्वास्य	सूत्र	28	9	1	576
अश्वगन्धामपामार्गं	चिकित्सा	8	176	3	404
अश्वत्थपाटासनवेतसानां	चिकित्सा	6	32	3	307
अश्वत्थोदुम्बरप्लक्ष	सूत्र	27	164	1	517
अश्वावरोहिकाकाक	सिद्धि	10	37	6	376
अश्विनौ देवभिषजौ	चिकित्सा	1/4	41	3	65
अश्विभ्यां भगवान्	सूत्र	1	5	1	15
अष्टभागावशेषं तु	चिकित्सा	5	155	3	290
अष्टमानं तु विज्ञेयं	कल्प	12	93	6	130
अष्टवेगं दशगुणं	चिकित्सा	23	7	4	323
अष्टाभ्य एभ्यो हेतुभ्यः	चिकित्सा	2/4	49	3	103
अष्टाविंशतिरित्येता	सूत्र	2	34	1	72
अष्टाविंशत्यौषधस्य	सूत्र	24	55	1	412
अष्टाष्टौ त्रिवृतादीनां	कल्प	9	14	6	89
अष्टौ निन्दितसंख्यात	सूत्र	30	41	1	606
अष्टौ फलान्यर्धतुलां	सिद्धि	3	14	6	210

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
अष्टौ विमानान्युक्तानि	सूत्र	30	50	1	609
असंजातबलो यस्तु	चिकित्सा	3	333	3	218
असंस्पर्शोऽतिसंस्पर्शो	शारीर	1	120	2	341
असत्तमः पश्यति यः	इन्द्रिय	5	22	2	547
असत्पक्षाक्षणित्वर्ति	सूत्र	30	82	1	617
असाध्याश्चापरे सन्ति	सूत्र	18	39	1	344
असाध्यो बलवान्यश्च	चिकित्सा	3	53	3	127
असृङ्ङ्निरुद्धं पवनो	शारीर	2	8	2	352
अस्त्यूरुस्तम्भ इत्युक्ते	चिकित्सा	27	7	5	2
अस्त्येतद्भूरितन्त्रेण	चिकित्सा	14	34	3	589
अस्थानहासस्मित	चिकित्सा	9	10	3	412
अस्थिभेदात्सशल्यत्वात्	चिकित्सा	25	32	4	444
अस्थिमज्जगते देया	चिकित्सा	33	17	3	214
अस्थिश्वेता द्विजा यस्य	इन्द्रिय	8	13	2	566
अस्थिसन्धिशिरा	सूत्र	13	48	1	256
अस्थ्याश्रयाणां व्याधीनां	सूत्र	28	27	1	579
अस्निग्धास्विन्नदेहस्य	सिद्धि	6	38	6	274
अस्मिन् सप्तदशाध्यायाः	चिकित्सा	30	289	5	200
अस्य मात्रां प्रयुञ्जीत	चिकित्सा	1	72	3	20
अस्वप्नं गात्रशूलं च	कल्प	7	44	6	69
अस्वप्नारोचकश्वास	चिकित्सा	29	31	5	97
अस्वस्थं हृदयं चैव	चिकित्सा	28	72	5	40
अस्वेदनं महावास्तु	चिकित्सा	7	21	3	324
अहङ्कारः फलं कर्म	शारीर	1	52	2	324
अहमर्थे नियुज्येय	सूत्र	1	19	1	20
अहास्यहासी सम्मुह्यन्	इन्द्रिय	11	20	2	580
अहीनमांसस्य य एवं	चिकित्सा	12	16	3	488
अहोरात्रमहः कृत्स्न	सूत्र	13	29	1	253
अहोरात्रं जले तप्ते	चिकित्सा	19	100	4	236
अहो साध्विति निर्घोषो	सूत्र	1	37	1	23
		आ			
आक्तस्य तेनाम्बु	चिकित्सा	12	69	3	505
आखुभिः कुक्कुटैर्हंसै	चिकित्सा	26	175	4	520

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
आगन्तुरनुबन्धो हि	चिकित्सा	3	293	3	210
आगन्तुरन्वेति निजं	सूत्र	19	7	1	358
आगन्तू द्वावतीसारौ	चिकित्सा	19	11	4	215
आगन्तूनामनुत्पत्तावेष	सूत्र	7	54	1	159
आग्नेयो वातपित्ताभ्यां	चिकित्सा	21	14	4	261
आघातकालो हि सपूर्व	चिकित्सा	9	19	3	415
आजस्य पयसश्चैवं	चिकित्सा	8	116	3	391
आजेन पयसा पिष्ट्वा	चिकित्सा	26	255	4	539
आजोरणौ सौम्य	सिद्धि	11	20	6	387
आढ़की कफपित्तघ्नी	सूत्र	27	33	1	497
आढ़कीनां च बीजानि	सूत्र	21	26	1	379
आढक्यश्चणका मुद्गा	चिकित्सा	29	51	5	102
आढ्यवात इति ज्ञेयः	चिकित्सा	28	66	5	38
आतन्यते च जङ्गर	चिकित्सा	13	19	3	523
आतस्यं मधुराम्लं तु	सूत्र	27	292	1	551
आतुरस्य गृहे यस्य	इन्द्रिय	12	39	2	588
आतुराद्यास्तथा सिद्धौ	सूत्र	9	12	1	188
आतुरार्थमनुप्राप्तं	इन्द्रिय	12	18	2	584
आत्मगुप्ताफलं माषाः	सिद्धि	10	29	6	374
आत्मगुप्ताफलं माषान्	चिकित्सा	2/2	14	3	84
आत्मगुप्ता मधूकानि	चिकित्सा	2/1	28	3	76
आत्मगुप्तामहामेदा	चिकित्सा	26	168	4	519
आत्मरूपं तु तद्व्यक्तम्	चिकित्सा	28	20	5	24
आत्मा ज्ञः करणैर्योगाज्	शारीर	1	54	2	325
आत्मानमेव मन्येत	निदान	7	22	2	98
आत्मा मातुः पितुर्वा यः	सूत्र	11	9	1	206
आत्मेन्द्रियमनोऽर्थानां	सूत्र	11	20	1	211
आत्मेन्द्रियमनोऽर्थानां	शारीर	1	138	2	346
आत्रेयमुपसङ्गम्य	चिकित्सा	30	129	5	162
आत्रेयो भद्रकाप्यश्च	सूत्र	26	3	1	445
आदंशाच्छोणितं पाण्डु	चिकित्सा	23	147	4	362
आदशाहमुपक्रम्य	चिकित्सा	3	283	3	202
आदानदुर्बले देहे	सूत्र	6	33	1	140

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
आदानमध्ये तस्यापि	चिकित्सा	3	47	3	122
आदावन्ते च दौर्बल्यं	सूत्र	6	8	1	134
आदावामाशयगे वमनं	चिकित्सा	23	122	4	354
आदौ हृदयं रक्ष्यं तस्या	चिकित्सा	23	46	4	338
आद्या यवान्नविकृतिर्मन्था	चिकित्सा	6	60	3	316
आद्वादशात् स्यात् प्रसृता	सिद्धि	3	32	6	220
आध्मानं परिकर्तिश्च	सिद्धि	6	29	6	270
आध्मानहृल्लासविकर्ति	चिकित्सा	26	7	4	469
आध्मापने विग्रथिते पुरीषे	सिद्धि	1	33	6	161
आध्मापयन् बस्तिगुदं	सिद्धि	9	36	6	341
आनद्धवाते सुरया	चिकित्सा	13	130	3	556
आनद्धे गुरुलेपो योनौ	चिकित्सा	23	86	4	347
आनाहः पार्श्वशूलं च	चिकित्सा	17	20	4	121
आनाहश्चातितृष्णा च	इन्द्रिय	6	9	2	554
आनाहश्चातिसारश्च	इन्द्रिय	6	8	2	554
आनाहस्वेदमूर्च्छातो	चिकित्सा	17	53	4	130
आनुवासनिकैः पिष्टैः	चिकित्सा	14	135	3	609
आनूपमत्स्यामिष	सूत्र	3	19	1	78
आनूपरससिद्धान् वा	चिकित्सा	15	229	4	74
आनूपवारिजानां मांसानां	चिकित्सा	7	51	3	333
आनूपैर्दक्षशिखिवद्	सिद्धि	12	27	6	430
आनृशंस्यपरं नित्यं	चिकित्सा	1/4	32	3	63
आपस्ताः पुनरागुर्मा	शारीर	1	90	2	334
आपादतलमूर्धस्थान्	सिद्धि	7	64	6	307
आपाने सात्त्विकान्	चिकित्सा	24	79	4	403
आपूर्णरसवीर्याणि	चिकित्सा	1	39	3	15
आप्तश्चोपदेशेन	विमान	4	9	2	169
आप्ताः शिष्टा विबुद्धास्ते	सूत्र	11	19	1	210
आप्तोपदेशप्रज्ञानं	सूत्र	7	55	1	160
आप्लुतं मारुतेनेह	इन्द्रिय	10	14	2	575
आप्लुतानाप्लुते काये	इन्द्रिय	2	12	2	529
आबाधवर्जनं नित्यं	सिद्धि	9	10	6	333
आभिः क्रियाभिरथवा	चिकित्सा	14	222	3	627

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
आभिः क्रियाभिः समं	चिकित्सा	24	195	4	428
आभिः क्रियाभिः	चिकित्सा	10	52	3	453
आभिः क्रियाभिः सिद्धाभि	चिकित्सा	21	132	4	297
आभ्यन्तरं भेषजमुक्तम्	चिकित्सा	12	64	3	504
आभ्यां वा भावितान्	चिकित्सा	5	175	3	294
आमप्रदोषादानाहाद्	चिकित्सा	17	12	4	119
आमशेषे निरूहेण	सिद्धि	7	15	6	295
आमलिङ्गान्वितं दृष्ट्वा	चिकित्सा	15	74	4	34
आमान्वये पित्तगुल्मे	चिकित्सा	5	135	3	287
आमाशयं प्रविष्टे वैवर्ण्यं	चिकित्सा	23	114	4	354
आमाशयगते वाते	सूत्र	14	9	1	269
आमाशयगतं मत्वा	चिकित्सा	28	189	5	70
आमाशयगतः पाक	विमान	2	18	2	139
आमाशयसमुत्थाना	इन्द्रिय	10	16	2	575
आमाशयस्थमुत्क्लिष्टं	चिकित्सा	24	141	4	416
आमाशयस्थे शुद्धस्य	चिकित्सा	28	91	5	48
आमाशयोत्क्लेश	चिकित्सा	20	8	4	245
आमाशयोत्क्लेशभवा	चिकित्सा	20	20	4	249
आमे जीर्णेऽनुबन्धश्चेत्	सिद्धि	6	64	6	282
आमे परिणते यस्तु	चिकित्सा	19	30	4	221
आमे सोष्णा क्रिया	सूत्र	27	248	1	541
आम्रातकं दन्तशङ्ग	सूत्र	27	161	1	517
आम्रामलकपेशीनां	चिकित्सा	24	183	4	424
आम्रामलकलेहाश्च	सूत्र	27	282	1	549
आम्रास्थि कर्दमः कृष्णो	चिकित्सा	26	271	4	542
आयम्योत्पाटितान् केशान्	इन्द्रिय	8	8	2	565
आयसे भाजने सान्द्रात्	चिकित्सा	15	187	4	63
आयुः प्रकर्षकामाश्च	सूत्र	13	42	1	255
आयुःप्रदान्यामयनाश	चिकित्सा	1/3	31	3	46
आयुर्वर्णो बलं स्वास्थ्य	चिकित्सा	15	3	3	1
आयुर्वेदविदां श्रेष्ठं	चिकित्सा	13	4	3	519
आयुर्वेदसमुत्थानं	चिकित्सा	1/4	63	3	69
आयुर्वेदागमो हेतु	सूत्र	1	136	1	61

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
आयुष्यां पौष्टिकीं	चिकित्सा	1	30	3	13
आरग्वधं वा पयसा	चिकित्सा	3	232	3	187
आरग्वधः सैड़गज	सूत्र	3	3	1	74
आरग्वधमुशीरं च	चिकित्सा	3	245	3	191
आरग्वधो राजवृक्षः	कल्प	8	3	6	81
आरनालात् पचेत् प्रस्थं	चिकित्सा	27	46	5	13
आरनालाढ़के तैलं	चिकित्सा	29	122	5	118
आरोग्यं हीयते यस्य	इन्द्रिय	6	24	2	556
आरोग्याद्बलमायुश्च	इन्द्रिय	12	88	2	596
आर्कं पयः सुधाकाण्डं	चिकित्सा	14	57	3	593
आर्तवे सा विमुक्ते तु	चिकित्सा	30	26	5	135
आर्द्रं काष्ठं यथा वह्नि	सिद्धि	6	12	6	264
आर्द्रशाल्मलिवृन्तैस्तु	सिद्धि	7	60	6	306
आर्दिर्नास्त्यात्मनः क्षेत्र	शारीर	1	82	2	333
आर्द्राणि मत्स्यमांसानि	चिकित्सा	2/4	17	3	98
आलस्यं नयने सास्त्रे	चिकित्सा	3	28	3	116
आलस्यश्रमदौर्बल्यं	सूत्र	16	14	1	302
आलस्यारुचिहृल्लास	चिकित्सा	3	96	3	137
आलाघवात्तनुत्वाच्च	सिद्धि	6	22	6	267
आलिङ्ग्यागुरुदिग्धाङ्गी	सूत्र	6	17	1	135
आलुकानि च सर्वाणि	सूत्र	27	99	1	511
आलेपनं निर्वपणं	चिकित्सा	25	64	4	454
आलेपनं प्रघर्षण	चिकित्सा	7	99	3	345
आलेपनं प्रियङ्गुहरेणुका	चिकित्सा	7	132	3	353
आलेपनार्थे युज्यन्ते	सूत्र	1	90	1	53
आवपेत्तत् परं पक्ष्मान्	कल्प	9	10	6	88
आवापा बस्तीनामतः	सिद्धि	10	16	6	371
आविकं च भृतं मांस	चिकित्सा	15	225	4	73
आविश्य शिरसः खानि	चिकित्सा	18	7	4	158
आवेशश्चेतसो ज्ञान	शारीर	1	140	2	346
आश्च्योतनं मारुतजे	चिकित्सा	26	237	4	535
आश्वागतेऽन्यस्तु पुनः	सिद्धि	1	47	6	167
आश्वासयेत् सुहृद्वा तं	चिकित्सा	9	79	3	436

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
आश्विनं या महत्तेजो	चिकित्सा	24	8	4	385
आसवानां समुद्दिष्टाम्	सूत्र	27	320	1	557
आसां या सा समुत्पन्ना	चिकित्सा	17	43	4	127
आसिक्तक्षीरमापूर्ण	चिकित्सा	2/2	3	3	82
आसिक्तक्षीरिके पादे	चिकित्सा	2/4	32	3	87
आसीनं मुनिमव्यग्रं	चिकित्सा	14	3	3	373
आसुत्य च सुरामण्डे	कल्प	2	8	6	30
आस्थापनं यापनं वा	चिकित्सा	3	302	3	211
आस्यादामाशयस्थान् हि	चिकित्सा	30	294	5	203
आस्यासुखं स्वप्नसुखं	चिकित्सा	6	4	3	298
आस्यासुखैः स्वप्नसुखैः	सूत्र	17	24	1	314
आहारद्वेषिणं पश्यन्	इन्द्रिय	5	19	2	547
आहारभावात् प्राणाय	चिकित्सा	3	153	3	154
आहारमाप्नोति यदा	शारीर	2	15	2	354
आहारमुपयुञ्जानो	इन्द्रिय	12	8	2	583
आहारयोगिनां भक्ति	सूत्र	27	308	1	554
आहारश्च विहारश्च	विमान	5	23	2	180
आहारसम्भवं वस्तु	सूत्र	28	45	1	583
आहारस्य परं धाम	निदान	6	9	2	81
आहारस्य विधावष्टौ	सूत्र	28	42	1	582
आहाराचारचेष्टासु	सूत्र	7	61	1	161
आहारान् दोषपक्त्यर्थं	चिकित्सा	3	196	3	171
आहारायतनान्यष्टौ	विमान	1	28	2	131
आहारार्थे प्रयोक्तव्यं	चिकित्सा	5	134	3	286
आहारैरुपचारैश्च	चिकित्सा	16	17	4	86
आहिताग्निः सदा पथ्या	सूत्र	27	346	1	564
आह्वयंस्तं समीपस्थं	इन्द्रिय	11	21	2	580
		इ			
इक्षवः शालयो माषा	सूत्र	21	31	1	380
इक्षावेकस्तथा मुद्ग	कल्प	12	37	6	112
इक्षुं सुपक्वमथवा काकं	चिकित्सा	23	47	4	338
इक्षुरसमधुकवेतसनिर्यूहे	चिकित्सा	14	216	3	625
इक्ष्वाकुः फलिनी चैव	कल्प	3	4	6	34

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
इक्ष्वाकुफलतैलं वा	कल्प	3	13	6	37
इक्ष्वालिकाबिसग्रन्थि	चिकित्सा	11	18	3	463
इच्छत्युभयमेतत्तु	चिकित्सा	3	38	3	121
इच्छा द्वेषः सुखं दुःखं	शारीर	1	72	2	329
इच्छाद्वेषात्मिका तृष्णा	शारीर	1	134	2	344
इति क्षेत्रं समुद्दिष्टं	शारीर	1	65	2	327
इति तद्वचनानि हेतुभिः	सिद्धि	11	10	6	383
इति तिस्रः समुद्दिष्टा	सूत्र	13	30	1	253
इति दूताधिकारोऽयम्	इन्द्रिय	12	25	2	585
इति दोषाः समाख्याताः	चिकित्सा	30	145	5	166
इति पञ्चविधं कर्म	सिद्धि	2	24	6	202
इति पिप्रक्षवे सिद्धि	चिकित्सा	21	146	4	300
इति मूलविषविशेषाः	चिकित्सा	23	123	4	354
इति मेदस्विनो दोषा	सूत्र	21	10	1	376
इति रूपैः समुद्दिष्टा	चिकित्सा	25	29	4	443
इति वर्गस्तृतीयोऽयं	सूत्र	27	88	1	506
इति वर्णस्वरावुक्तौ	इन्द्रिय	1	26	2	526
इति वारिशयाः प्रोक्ता	सूत्र	27	41	1	500
इति विकाराणां प्रागु	विमान	3	27	2	150
इति व्याधिसमूहस्य	चिकित्सा	8	32	3	369
इति शिष्येण पृष्टस्तु	चिकित्सा	30	7	5	130
इति श्वासाः समुद्दिष्टा	चिकित्सा	17	68	4	134
इति षट् कषाययोगाः	चिकित्सा	7	98	3	345
इति षट् सर्वरोगाणां	सूत्र	22	42	1	393
इति षड्विधमुद्दिष्टं	चिकित्सा	25	61	4	454
इति संक्षेपतः प्रोक्तं	चिकित्सा	29	54	5	102
इति संग्रहः प्रणीतो	चिकित्सा	7	180	3	363
इति सर्वं यथाप्रश्न	सूत्र	30	71	1	615
इति सर्वविकाराणाम्	चिकित्सा	30	288	5	199
इति सहस्रपाकं शत	चिकित्सा	29	121	5	116
इति सामान्यतः प्रोक्तं	चिकित्सा	28	89	5	45
इति साहसिको यक्ष्मा	चिकित्सा	8	19	3	366
इति स्वलक्षणैरुक्ता	सूत्र	26	35	1	460

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

R
615.536
SHA-A.7
135499

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
इतीदमुक्तं द्विविधस्य	चिकित्सा	23	254	4	384
इतीदमुक्तं निखिलं	सिद्धि	3	71	6	232
इतीदमुक्तं प्रकृतं यथा	इन्द्रिय	12	90	2	597
इतीहोक्तानि मूत्राणि	सूत्र	1	105	1	54
इत्यग्निवेशप्रमुखैः	विमान	2	16	2	139
इत्यग्निवेशस्य वचः	शारीर	1	15	2	312
इत्यग्निवेशस्य वचो	चिकित्सा	25	5	4	434
इत्यध्यायाष्टकमिदं	सूत्र	30	48	1	608
इत्यन्नपानं निर्दिष्टं	चिकित्सा	4	54	3	236
इत्यर्धरूपैर्विहिताः	सूत्र	3	6	1	75
इत्यष्टविधमाख्यातं	शारीर	1	141	2	346
इत्यष्टशुक्रदोषाणां	चिकित्सा	30	153	5	168
इत्यसात्म्यार्थसंयोग	शारीर	1	127	2	341
इत्यस्य प्रकृतिः प्रोक्ता	चिकित्सा	3	14	3	112
इत्यस्मिल्लँघनाध्याये	सूत्र	22	44	1	394
इत्यात्रेयोऽग्निवेशेन	इन्द्रिय	6	4	2	553
इत्याभ्यन्तरमुद्दिष्ट	चिकित्सा	27	48	5	13
इत्युक्तं कारणं कार्यं	सूत्र	1	53	1	39
इत्युक्तं त्रिविधोदर्कं	निदान	2	21	2	40
इत्युक्तं भिन्नशकृतां	चिकित्सा	8	134	3	395
इत्युक्तं लक्षणं सम्यग्	इन्द्रिय	4	6	2	538
इत्युक्तमावृते वाते	चिकित्सा	28	199	5	73
इत्युक्तमृतुसात्म्यं	सूत्र	6	49	1	144
इत्युक्तवन्तमाचार्यं	चिकित्सा	15	22	4	19
इत्युक्ताः फलमूलिन्यः	सूत्र	1	119	1	58
इत्युक्ताः षडतीसाराः	चिकित्सा	19	13	4	215
इत्युक्ता रक्तपित्तघ्न्यः	चिकित्सा	4	48	3	233
इत्युक्तो भिन्नशकृता	चिकित्सा	14	96	3	602
इत्युक्तो भेषजगणः	चिकित्सा	25	54	4	451
इत्युक्तोऽश्मघनस्वेदः	सूत्र	14	50	1	280
इत्यूर्ध्वजत्रूत्यगदैक	चिकित्सा	26	133	4	510
इत्येतदखिलेनोक्तं	निदान	8	16	2	105
इत्येतद्भेषजं प्रोक्त	विमान	3	18	2	146

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
इत्येतानि मनुष्याणां	इन्द्रिय	12	61	2	590
इत्येतानि शरीराणि	इन्द्रिय	6	25	2	557
इत्येतानि समुत्क्वाथ	सूत्र	14	30	1	274
इत्येता व्यापदः प्रोक्ता	सिद्धि	6	94	6	290
इत्येता व्यापदः प्रोक्ता	सिद्धि	7	66	6	308
इत्येते दारुणाः स्वप्नाः	इन्द्रिय	5	40	2	549
इत्येते बस्तयः स्नेहा	सिद्धि	12	20	6	429
इत्येवं षड्विधं कालम्	चिकित्सा	30	307	5	204
इत्येष क्षयजः कासः	चिकित्सा	18	29	4	164
इत्येषां पञ्चमूलानां	चिकित्सा	1	45	3	16
इत्यौत्पातिकमाख्यातं	इन्द्रिय	12	32	2	587
इदं चाप्यतिदेशार्थं	इन्द्रिय	2	15	2	530
इदं रसायनं चक्रे	चिकित्सा	1/3	6	3	40
इदं रसायनं ब्राह्मं	चिकित्सा	1	59	3	18
इदं लिङ्गमरिष्टाख्य	इन्द्रिय	7	32	2	563
इदमखिलमधीत्य	सिद्धि	12	51	6	446
इदमेवमुदारार्थमज्ञानां	सूत्र	30	85	1	617
इन्द्राग्नी चाश्विनौ चैव	चिकित्सा	1/4	48	3	65
इन्द्राणिशाकं काकाह्वां	चिकित्सा	21	90	4	288
इन्द्राणिशाकं सघृतं	चिकित्सा	21	85	4	286
इन्द्रियस्रोतसां लेपो	सूत्र	23	7	1	395
इन्द्रियाणामृते दृष्टे	इन्द्रिय	4	25	2	542
इन्द्रियाणां च वैकृत्यं	चिकित्सा	3	37	3	120
इन्द्रियाणां बलं हत्वा	चिकित्सा	16	29	4	89
इन्द्रियाणि च संक्षिप्य	शारीर	3	21	2	385
इन्द्रियाणि प्रसीदन्ति	सूत्र	5	83	1	124
इन्द्रियानि मनोबुद्धि	सूत्र	16	18	1	303
इन्द्रियाणि यथा जन्तोः	इन्द्रिय	4	3	2	538
इन्द्रियाणि विनश्यन्ति	इन्द्रिय	12	47	2	590
इन्द्रियाणि समाश्रित्य	सूत्र	28	20	1	578
इन्द्रियाभिग्रहः कर्म	शारीर	1	21	2	315
इन्द्रियेणेन्द्रियार्थो हि	शारीर	1	22	2	316
इमां मतिं बहुविधहेतु	विमान	8	156	2	310

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
इमांश्चाप्यपरान्	इन्द्रिय	5	27	2	548
इमांस्तु धारयेद्वेगान्	सूत्र	7	26	1	150
इमांस्त्रीनपरान् वृक्षान्	सूत्र	1	116	1	58
इमानि लिङ्गानि नरेषु	इन्द्रिय	8	27	2	568
इष्टं च गुणसम्पन्न	इन्द्रिय	7	23	2	561
इष्टद्रव्यविनाशात्तु	चिकित्सा	9	85	3	437
इष्टमिष्टैरुपहितं	चिकित्सा	8	181	3	405
इष्टवर्णरसस्पर्श	कल्प	12	46	6	116
इष्टांस्तितिक्षतां प्राणान्	इन्द्रिय	12	44	2	589
इष्टा ह्येकैकशोऽप्यर्था	चिकित्सा	2/1	5	3	72
इह कुष्ठहिता गरागरी	सिद्धि	11	12	6	384
इह दर्वीकरः सर्पो	चिकित्सा	23	124	4	356
इहाग्निवेश! भूतानां	विमान	3	29	2	151
इहाग्निवेशस्य महार्थयुक्तं	शारीर	2	48	2	365
इहात्रिजः सिद्धतमा	सूत्र	3	30	1	82
इहौषधं पादगुणाः	सूत्र	10	23	1	200
		ई			
ईतेः प्रशमनं बल्यं	सूत्र	5	101	1	127
ईदृशीं प्रमदां मोहाद्यो	चिकित्सा	30	166	5	171
ईश्वराणां वसुमतां	सूत्र	15	23	1	299
ईषत्कषायमधुरं	सूत्र	27	202	1	529
ईषच्च पादाङ्गुलियुग्म	सिद्धि	3	29	6	216
ईषत्पाण्डु कफाद्दुष्टं	सूत्र	24	21	1	406
ईषत्सलवणं युक्तं	चिकित्सा	2/1	43	3	79
ईषत्सलवणं युक्त्या	चिकित्सा	3	249	3	191
ईषदम्लाननम्लान् वा	चिकित्सा	3	192	3	170
ईषन्मात्राधिकैर्युक्तं	कल्प	12	54	6	119
ईर्ष्यामानभयक्रोध	शारीर	1	107	2	337
ईर्ष्याशोकभयक्रोध	सूत्र	7	52	1	159
ईर्ष्योत्कण्ठामदोद्वेगान्	चिकित्सा	30	182	5	175
ईर्ष्यौत्कण्ठाभयत्रास	चिकित्सा	8	24	3	368
		उ			
उक्तं गोमयचूर्णीये	इन्द्रिय	12	89	2	597

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
उक्तं सन्तर्पणोत्थानां	सूत्र	23	26	1	397
उक्तवाङ्ज्येष्ठशिष्याय	चिकित्सा	11	97	3	481
उक्तस्तस्याशितीये	सूत्र	14	15	1	271
उक्तानुक्तचिकित्सा	चिकित्सा	30	338	5	219
उक्ता विस्तरतः सम्यङ्	चिकित्सा	30	128	5	162
उक्तो व्याधितरूपीये	विमान	7	32	2	213
उचितादहिताद्धीमान्	सूत्र	7	36	1	153
उचिते चाहिते वर्ज्ये	सूत्र	7	64	1	162
उच्चैर्भाष्यं रथक्षोभ	सिद्धि	12	11	6	399
उच्चैर्भाष्यातिभाष्याभ्यां	सूत्र	17	16	1	313
उच्छ्वासमार्गं तु कफः	चिकित्सा	26	112	4	502
उच्छ्रिताक्षो ललाटेन	चिकित्सा	17	61	4	131
उत्कारिकाभिरुष्णाभिः	चिकित्सा	21	121	4	295
उत्कारिकावेशवार	चिकित्सा	28	114	5	54
उत्कुञ्चिका हिङ्गु सवेत	चिकित्सा	26	61	4	486
उत्क्रोशः पुण्डरीकाक्षो	सूत्र	27	43	1	500
उत्क्लिष्टाल्पकफत्वेन	सिद्धि	6	19	6	266
उत्तानदेहश्च कृतोपधानः	सिद्धि	3	26	6	215
उत्तानमथ गम्भीरं	चिकित्सा	29	19	5	92
उत्तानस्य शयानस्य	सिद्धि	9	99	6	359
उत्ताना चोन्नता शूना	चिकित्सा	30	82	5	150
उत्थाने चातिबहुशः	चिकित्सा	14	241	3	629
उत्थाप्यमानः शयनात्	इन्द्रिय	7	19	2	561
उत्पद्येत हि साऽवस्था	सिद्धि	2	26	6	203
उत्पन्नमात्रे तरुणे	चिकित्सा	26	231	4	533
उत्पलं धातकीपुष्पं	चिकित्सा	19	54	4	227
उत्पलानि कषायाणि	सूत्र	27	115	1	513
उत्पाट्य पलिते देयौ	चिकित्सा	26	267	4	541
उत्पेषादत्यभिष्यन्दाद्	विमान	5	18	2	178
उत्सङ्ग्युत्सन्न एषां	चिकित्सा	25	21	4	439
उत्सवादुत्सवतरं	चिकित्सा	24	82	4	404
उत्साहोच्छ्वासनिःश्वास	सूत्र	18	49	1	386
उदरे कृतवेधनं हितं	सिद्धि	11	13	6	384

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
उदानस्य पुनः स्थानं	चिकित्सा	28	7	5	20
उदानाद्यास्तथाऽन्योन्यं	चिकित्सा	28	201	5	73
उदानेनावृते व्याने	चिकित्सा	28	215	5	78
उदारकीर्तिर्ब्रह्मर्षि	चिकित्सा	11	3	3	458
उदावर्तपरीता ये	चिकित्सा	14	130	3	608
उदावर्तरुजानाहै	चिकित्सा	13	75	3	543
उदावर्तहरं कर्म	चिकित्सा	13	91	3	546
उदावर्तात्तु मन्देऽग्नौ	चिकित्सा	15	207	4	69
उदावर्ते तथाऽऽध्माने	चिकित्सा	17	87	4	140
उदीरणं गतिमताम्	शारीर	1	103	2	337
उदीर्णपित्ता ग्रहणी	सूत्र	13	70	1	261
उदीर्णपित्ताल्पकफा	सूत्र	13	69	1	260
उदीर्यते भृशतरं	चिकित्सा	17	122	4	147
उदुम्बरत्वङ्मधुकं	चिकित्सा	21	72	4	284
उदुम्बरशलाटूनि	सिद्धि	8	36	6	320
उदुम्बराश्वत्थवटार्जुनाख्ये	चिकित्सा	26	98	4	496
उद्गारोऽम्लो विदाहश्च	चिकित्सा	16	22	4	87
उद्गारशब्दप्रबलं	चिकित्सा	20	9	4	245
उद्धूयमानवातो यः	चिकित्सा	17	46	4	128
उन्मादानां समुत्थानं	चिकित्सा	9	98	3	440
उद्वृत्तान् स्थूलपर्यन्तान्	चिकित्सा	25	58	4	453
उन्मादापस्मारौ काचपटल	चिकित्सा	23	73	4	345
उन्मादारत्यपस्मारान्	चिकित्सा	30	69	5	147
उन्मादे वातजे पूर्वं	चिकित्सा	9	25	3	421
उपक्रमाणां करणं	चिकित्सा	30	305	5	204
उपचारज्ञता दाक्ष्य	सूत्र	9	8	1	187
उपचारैरशिशिरैर्यव	चिकित्सा	24	23	4	389
उपद्रवेषु योनीनां	चिकित्सा	30	131	5	162
उपधा हि परो हेतु	शारीर	1	95	2	335
उपनाहः शिरोबस्ति	सिद्धि	9	78	6	350
उपनाहनं सशस्त्रं	चिकित्सा	5	185	3	296
उपनाहश्च कर्तव्यः	चिकित्सा	25	79	4	457
उपयुज्यान्नपानं वा	चिकित्सा	3	301	3	211

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
उपयुञ्जीत तक्रेण	चिकित्सा	16	76	4	101
उपरुद्धस्य रोगेण	इन्द्रिय	7	21	2	561
उपर्युपरि लेपस्य	चिकित्सा	21	104	4	290
उपलक्ष्य भिषग्विद्वान्	चिकित्सा	28	232	5	82
उपवासातिशोकाति	सिद्धि	9	84	6	354
उपवासादभीघाताद्	सूत्र	17	17	1	313
उपवासाध्वभाष्यस्त्री	सूत्र	27	322	1	557
उपवासोऽसुखा शय्या	सूत्र	21	56	1	385
उपस्थिते श्लेष्मपित्ते	सूत्र	2	8	1	64
उपाचरेत् स्नेहभवं	चिकित्सा	12	18	3	489
उपाचरेद्यथाकालं	चिकित्सा	25	72	4	456
उपादत्ते हि सा भावान्	शारीर	1	135	2	345
उपानद्युगनाशश्च	इन्द्रिय	5	34	2	549
उपासितारं वृद्धानां	चिकित्सा	1/4	24	3	64
उपेक्षणादसाध्याः स्युः	चिकित्सा	28	236	5	83
उपेक्षयाऽस्य जायन्ते	सूत्र	17	82	1	327
उपेक्षिते भवेत्तस्मिन्	चिकित्सा	11	95	3	481
उपोदिकां तण्डुलीयं	चिकित्सा	14	123	3	607
उपोदिकादधिभ्यां तु	सूत्र	2	33	1	70
उभे शताह्वे मधुकं	सूत्र	3	21	1	79
उभे हरिद्रे कुटजस्य	सूत्र	3	14	1	77
उमाऽथो गुग्गुलुः सौधं	चिकित्सा	25	53	4	451
उरःस्थिते कफे दद्यात्	कल्प	3	8	6	35
उरःस्थितैरूर्ध्वमधस्तु	चिकित्सा	12	9	3	484
उरःस्रोतः समाविश्य	चिकित्सा	17	40	4	126
उरो मत्वा क्षतं लाक्षां	चिकित्सा	11	15	3	463
उरोयुक्तो बहुश्लेष्मा	इन्द्रिय	6	15	2	555
उरोविबन्धः कासश्च	चिकित्सा	24	103	4	408
उरो विरुज्यते तस्य	चिकित्सा	11	9	3	460
उरो रुक्शोणितच्छर्दिः	चिकित्सा	11	13	3	462
उल्काभिरेवमन्यैश्च	सिद्धि	7	35	6	300
उशीरकालीयकलोध्र	चिकित्सा	4	73	3	241
उसीरपद्मोत्पलचन्द	चिकित्सा	4	80	3	243

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
उसीरलोध्राञ्जनचन्द	चिकित्सा	6	30	3	307
उष्णं तीक्ष्णं सरं स्निग्धं	सूत्र	22	16	1	388
उष्णाः कषायाः पाके	सूत्र	27	26	1	497
उष्णाः स्निग्धाः	चिकित्सा	30	62	5	145
उष्णाच्छीतान् खरान्	इन्द्रिय	4	23	2	542
उष्णाभिभूतेषु वदन्ति	सिद्धि	1	35	6	162
उष्णाम्ललवणक्षार	सूत्र	17	32	1	315
उष्णार्तानां शीताच्छीता	सिद्धि	10	10	6	368
उष्णे चात्यध्ववैषम्याद्	चिकित्सा	29	10	5	88
उष्णोदकोपचारी	सूत्र	13	62	1	260
उष्मणा सोष्मकं मूत्रं	सिद्धि	9	38	6	341
		ऊ			
ऊरू श्लेष्मा समेदस्को	चिकित्सा	27	14	5	5
ऊर्ध्वं कफानुगे पित्ते	सिद्धि	6	20	6	266
ऊद्र्ध्वं च यः प्रश्वसिति	इन्द्रिय	7	26	2	562
ऊद्र्ध्वं चाधश्च शुद्धाय	चिकित्सा	21	120	4	294
ऊर्ध्वगं कफसंसृष्ट	चिकित्सा	4	24	3	229
ऊर्ध्वगे तर्पणं पूर्वं	चिकित्सा	4	32	3	231
ऊर्ध्वगे रक्तपित्ते च	चिकित्सा	3	155	3	154
ऊर्ध्वगे शुद्धकोष्ठस्य	चिकित्सा	4	61	3	237
ऊर्ध्वदृष्टिर्विपश्यंश्च	चिकित्सा	17	50	4	129
ऊर्ध्वश्वासं गतोष्माणं	इन्द्रिय	9	13	2	569
ऊर्ध्वश्वासे प्रकुपिते	चिकित्सा	17	51	4	129
ऊर्ध्वाग्रे नयने यस्य	इन्द्रिय	7	27	2	562
ऊर्ध्वानुलोमभागानाम्	कल्प	12	42	6	115
ऊष्मा तथा स्याद्दवथुः	चिकित्सा	12	10	3	485
ऊष्माणः प्रलयं यान्ति	इन्द्रिय	12	51	2	590
		ऋ			
ऋचः पशुपतेर्याश्च	चिकित्सा	3	18	3	113
ऋजोः सुखोपविष्टस्य	सिद्धि	9	54	6	345
ऋतावनाहारतया भयेन	चिकित्सा	5	18	3	259
ऋतावृतौ नृभिः	सूत्र	6	51	1	145
ऋतुस्नाता तथा नारी	चिकित्सा	29	174	4	519

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
ऋत्वहोरात्रदोषाणां	चिकित्सा	3	75	3	134
ऋद्धिं तामलकीं चव्यं	चिकित्सा	29	153	5	125
ऋद्धिर्गोक्षुरकं रास्ना	चिकित्सा	2/1	26	3	76
ऋषभकजीवकभार्गी	चिकित्सा	23	95	4	350
ऋषयश्च भरद्वाजा	सूत्र	1	27	1	22
		ए			
एकं तथा त्रीन् कफजे	सिद्धि	1	25	6	156
एकं शान्तिरनेकस्य	निदान	8	30	2	108
एकः सौवीरकेऽथैको	कल्प	12	39	6	112
एकदंष्ट्रार्दितः शूनः	चिकित्सा	23	154	4	363
एकदेशेन दृश्यन्ते	सिद्धि	12	46	6	444
एकदोषानुगं साध्यं	चिकित्सा	29	30	5	96
एकद्वित्रिचतुर्वृद्ध	चिकित्सा	23	139	4	359
एकमार्गं बलवतो	चिकित्सा	4	22	3	228
एकश्च मोदके मद्ये	कल्प	12	38	6	112
एकाङ्गसर्वाङ्गगतः	सूत्र	14	66	1	284
एकादशावशिष्टा	सूत्र	1	80	1	51
एका षोडशिका धान्याद्	चिकित्सा	11	88	3	479
एकाहोपरतस्तद्वत्	सूत्र	13	81	1	263
एकैकं मरिचाजाज्यो	चिकित्सा	11	86	3	479
एकैकं सैन्धवादीनां	कल्प	7	14	6	62
एकैकः प्रसृतस्तैल	सिद्धि	8	5	6	310
एकैकशोऽभिसंचूर्ण्य	कल्प	4	14	6	45
एकैकस्य कषायेण	कल्प	2	11	6	31
एकैकाधिकयुक्तानि	शारीर	1	24	2	317
एकैकार्धांशसंयुक्तं	कल्प	7	17	6	62
एकोऽम्लादिभिरष्टौ च	कल्प	7	77	6	78
एको वा यदि वाऽनेको	इन्द्रिय	1	24	2	525
एको हेतुरनेकस्य	निदान	8	24	2	107
एडगजः सर्जरसो	चिकित्सा	7	127	3	352
एडगजः सविडङ्गो	चिकित्सा	7	160	3	358
एडगजः सविडङ्गो द्वे	चिकित्सा	7	161	3	358
एडगजकुष्ठसैन्धव	चिकित्सा	7	126	3	351

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
एडगजनिम्बपाठा	चिकित्सा	7	103	3	346
एतं पञ्चविधं केचिद्	चिकित्सा	30	176	5	172
एत एव च निर्यूहा	सूत्र	14	34	1	275
एत एव यथोद्दिष्टा	सूत्र	22	22	1	390
एत एव च विज्ञेया	सूत्र	29	57	1	385
एतज्जरासम्भवं हि	चिकित्सा	30	181	5	174
एतत्तत् सौम्य विज्ञानं	शारीर	5	24	2	424
एतत्तदेकमयनं मुक्तै	शारीर	1	150	2	348
एतत् प्रक्षालनं सर्पि	चिकित्सा	21	98	4	289
एतत् प्रायोगिकं सर्पिः	चिकित्सा	29	60	5	104
एतत् षाड्गुण्यम्	सूत्र	27	200	1	529
एतदर्शःस्वतीसारे	चिकित्सा	14	240	3	629
एतदिन्द्रियविज्ञानं	इन्द्रिय	4	27	2	543
एतदुत्सादनं कार्यं	चिकित्सा	8	178	3	404
एतदेव पुनर्युक्त्या	चिकित्सा	24	179	4	423
एतदेव महायोन्यां	चिकित्सा	30	112	5	157
एतदेवोच्चिटिङ्गेऽपि	चिकित्सा	23	174	4	367
एतद्धि पूरणं श्रेष्ठं	चिकित्सा	26	223	4	531
एतद्भल्लातकघृतं	चिकित्सा	5	146	3	288
एतद्यथाबलं पीत्वा	चिकित्सा	17	144	4	152
एतद्रसायनं पूर्वं	चिकित्सा	1/3	4	3	40
एतद्व्याधिसमूहस्य	चिकित्सा	8	113	3	390
एतन्निशम्य निपुणं	सूत्र	25	44	1	437
एतन्नेत्राञ्जनं कार्यं	चिकित्सा	26	258	4	539
एतल्लवणमष्टाङ्ग	चिकित्सा	24	178	4	423
एतां प्रकृतिमप्राप्तः	सिद्धि	12	10	6	399
एतान् द्विपलिकान्भागां	चिकित्सा	16	74	4	101
एतान् धारयतो	सूत्र	7	5	1	146
एतान् स्पृश्यान् बहून्	इन्द्रिय	3	7	2	537
एतानि खलु लिङ्गानि	इन्द्रिय	10	21	2	576
एतानि चान्यानि	चिकित्सा	26	48	4	482
एतानि पथि वैद्येन	इन्द्रिय	12	31	2	587
एतानि पूर्वरूपाणि	इन्द्रिय	5	26	2	548

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
एतानृतून् विकल्प्यैवं	सिद्धि	6	6	6	259
एतानेव च योगांस्त्रीन्	चिकित्सा	8	128	3	394
एतानेवंविधाश्चान्यान्	सूत्र	7	35	1	152
एतान्यग्निविवृद्ध्यर्थं	चिकित्सा	18	167	4	195
एतावद्ग्रन्थविज्ञानं	इन्द्रिय	2	17	2	530
एतावुपद्रवकरौ	सूत्र	21	7	1	376
एता विज्ञाय मतिमान्	सिद्धि	6	95	6	290
एताश्चान्याश्च याः	इन्द्रिय	7	6	2	559
एते करचरणदाहतोद	चिकित्सा	23	119	4	354
एते चान्ये च ये केचित्	शारीर	1	114	2	340
एते त्वसाध्या व्याख्याताः	चिकित्सा	30	191	5	176
एते दशविधास्त्वेषां	चिकित्सा	1/2	18	3	38
एतेन लिप्तगात्रः सर्पान्	चिकित्सा	23	85	4	347
एते निष्परिहाराः स्युः	कल्प	12	29	6	109
एतेनैव कषायेण	चिकित्सा	26	166	4	519
एते श्रुतवयोवृद्धा	सूत्र	26	6	1	445
एतेषु रोगः क्रमते	इन्द्रिय	11	26	2	581
एते स्थानस्य गाम्भीर्यात्	चिकित्सा	28	74	5	41
एते हि कफसंरुद्ध	चिकित्सा	17	120	4	147
एतैः प्रयोगैर्विधिवत्	चिकित्सा	2/2	30	3	87
एतैरविमलं सत्त्वं	शारीर	5	13	2	422
एतैरुपद्रवैर्वर्ज्यं	चिकित्सा	29	33	5	97
एतैरेव च सर्पिः सिद्धं	चिकित्सा	7	101	3	346
एतैरेवौषधैः सिद्धं	चिकित्सा	15	170	4	59
एतैर्निदानैर्व्यामिश्रैः	चिकित्सा	21	22	4	263
एतैश्चान्यैश्च बहुभिः	चिकित्सा	1/4	45	3	65
एतैस्तैलं सिद्धं कल्कैः	चिकित्सा	7	107	3	347
एतैस्तैलं सिद्धं कुष्ठघ्नं	चिकित्सा	7	104	3	346
एतौ पूपलिकायोगौ	चिकित्सा	2/4	22	3	98
एभिश्चोद्वर्तनोद्धर्ष	सूत्र	23	14	1	396
एभिः पूपलिकाः कार्या	चिकित्सा	2/2	12	3	83
एभिः प्रसिद्धवचनै	शारीर	1	88	2	334
एभ्योऽन्ये समुपक्रम्या	सिद्धि	2	7	6	177

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
एरण्डनलदक्षौम	चिकित्सा	26	182	4	521
एरण्डपत्रक्षारं वा	चिकित्सा	18	171	4	196
एरण्डमूलोत्क्वथितं	चिकित्सा	3	235	3	189
एरण्डसीसकासक्तं	सूत्र	26	93	1	486
एर्वारुबीजं त्रपुषात्	चिकित्सा	26	52	4	484
एर्वारुबीजं मधुकं सदारु	चिकित्सा	26	53	4	484
एला कुष्ठं दार्वीं शत	चिकित्सा	7	84	3	342
एलापत्रत्वचोऽर्धाक्षाः	चिकित्सा	11	21	3	464
एलामृणालागुरुभि	चिकित्सा	15	148	4	54
एवं कृच्छ्रतया नृणां	निदान	8	22	2	106
एवं क्षीरप्रयोगेण	चिकित्सा	19	49	4	225
एवं ज्ञात्वा विधिं धीरो	कल्प	12	84	6	128
एवं यो वेद तत्त्वेन	शारीर	1	38	2	321
एवं रसमलायात्र	चिकित्सा	15	8	4	4
एवंविधांश्चाप्यपरान्	चिकित्सा	12	101	3	517
एवं विशुद्धकोष्ठस्य	सूत्र	16	17	1	303
एवं व्यवस्यन्त्यतीतं	सूत्र	11	22	1	212
एवमन्येऽपि च गदा	चिकित्सा	3	338	3	218
एवमुक्तार्थमाचार्य	सूत्र	16	29	1	305
एवमेकैकशः पुष्पैर्यस्य	इन्द्रिय	2	10	2	529
एवमेताश्चतुःषष्टिः	सूत्र	13	28	1	252
एवमेव विकारोऽपि	निदान	5	15	2	76
एवमेवोपशमनं सर्वशो	निदान	2	20	2	40
एष कषायः साध्यो	चिकित्सा	7	137	3	354
एष कषायो वमनं	चिकित्सा	7	92	3	343
एष कासान् पृथग्दोष	चिकित्सा	18	70	4	174
एष क्रियाक्रमः प्रोक्तो	चिकित्सा	13	79	3	543
एषणाः समुपस्तम्भा	सूत्र	11	64	1	233
एष प्रयोगः पुष्ट्यायुः	चिकित्सा	11	92	3	480
एष मूलासवः सिद्धो	चिकित्सा	15	159	4	56
एष शट्यादिको वर्ग	चिकित्सा	3	212	3	180
एषां कषायकल्काभ्यां	चिकित्सा	29	74	5	106
एषां कषाये द्विक्षीरे	चिकित्सा	11	57	3	472

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
एषां क्वाथे चतुःक्षीरं	चिकित्सा	29	77	5	107
एषां चानु पिबेत् पेयां	चिकित्सा	13	142	3	559
एषां चाशु जरां स्नेहो	सिद्धि	4	47	6	245
एषां त्रियवकान् भागान्	चिकित्सा	1/3	25	3	45
एषां दशपलान् भागान्	चिकित्सा	28	173	5	66
एषां पलोन्मितान् भागान्	चिकित्सा	1	65	3	20
एषां पाणितलं चूर्णं	चिकित्सा	17	127	4	148
एषां प्रयोगाद्भक्ष्याणां	चिकित्सा	2/2	13	3	83
एषां स्वकर्मणां हानि	चिकित्सा	28	216	5	78
एषा दृष्टिप्रदा वार्ति	चिकित्सा	26	256	4	539
एषा परीक्ष्या नास्त्यन्या	सूत्र	11	26	1	215
एषामग्निबले हीने	चिकित्सा	14	245	3	630
एषामष्टपलान् भागान्	चिकित्सा	26	244	4	537
ऐ					
ऐकध्यं यमके भृष्टं	चिकित्सा	19	36	4	222
ऐकध्यं साधयेत् सर्वं	चिकित्सा	14	232	3	628
ऐन्द्री मत्स्याख्यको	चिकित्सा	1/3	24	3	45
ऐरण्डतैलं मधुरं	सूत्र	27	289	1	550
ओ					
ओजस्यविहते पूर्वो	चिकित्सा	24	37	4	393
ओजोभ्रंशश्च सादश्च	चिकित्सा	28	224	5	81
ओजोशनानां रजनीचरा	शारीर	2	10	2	352
ओदनं रक्तशालीनां	चिकित्सा	19	41	4	222
ओदनं रक्तशालीनां	चिकित्सा	19	72	4	231
ओदनश्च विलेपी	सूत्र	13	23	1	251
ओषधिर्नामरूपाभ्यां	सूत्र	1	120	1	58
ओषधींनां परा भूमि	चिकित्सा	1	38	3	15
ओषधीनां प्रभावेण	चिकित्सा	1/4	9	3	59
ओष्ठयोः पादयोः पाण्योः	इन्द्रिय	1	22	2	525
औ					
औचित्याद्यस्य यत् सात्म्यं	चिकित्सा	30	315	5	209
औत्सुक्यारतिसम्मोह	सूत्र	10	20	1	200
औदकप्रसहानूप	चिकित्सा	29	137	5	122

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
औदकानूपमांसानां	चिकित्सा	8	76	3	381
औदकानूपमांसानि	चिकित्सा	8	74	3	381
औषधं ह्यनभिज्ञातं	सूत्र	1	125	1	59
औषधस्वस्थनिर्दोष	सूत्र	30	44	1	608
औष्ण्यादामाद्भयात्	विमान	5	11	2	177
औष्ण्यात् प्रमाथिभावात्	चिकित्सा	18	157	4	193
	क				
कंसश्चतुर्गुणो द्रोण	कल्प	12	95	6	130
कंसे क्षीरेक्षुरसयोः	चिकित्सा	10	29	3	448
कः स्यात्तेषां शमोपाय	सूत्र	1	17	1	19
कङ्कशारपदेन्द्राभ	सूत्र	27	49	1	500
ककुभोदुम्बराश्वत्थ	चिकित्सा	25	113	4	465
कच्छुराधातकीबिल्व	सिद्धि	8	38	6	320
कच्छुरामूलशाल्यादि	सिद्धि	8	41	6	320
कटभीदन्त्यपामार्गान्	चिकित्सा	23	245	4	382
कटभीनिम्बकट्वङ्ग	चिकित्सा	10	33	3	449
कटभ्यर्जुनशैरीष	चिकित्सा	23	204	4	373
कटम्भरां वृश्चिकालीं	चिकित्सा	9	47	3	428
कटिवङ्क्षणहृत्पार्श्व	चिकित्सा	30	213	5	182
कटीपृष्ठत्रिकाभ्यङ्गं	चिकित्सा	30	81	5	150
कटुकः कटुकः पाके	सूत्र	26	68	1	478
कटुकातिविषापाठा	चिकित्सा	26	201	4	527
कटुका रोहिणी मुस्तं	चिकित्सा	16	47	4	95
कटुकोष्णविदाह्यम्ल	चिकित्सा	18	14	4	159
कटुकोष्णादिसात्म्यस्य	सूत्र	26	91	1	486
कटुतिक्तकषायाति	चिकित्सा	15	59	4	30
कटुतिक्तकषायाणां	सूत्र	22	29	1	391
कटुतिक्तकषायाणां	सूत्र	26	58	1	473
कटुतिक्तकषायाणि	सूत्र	6	21	1	137
कटुतिक्तकषायास्तु	सूत्र	26	60	1	473
कटुतुम्बममन्यतोत्तमं	सिद्धि	11	6	6	382
कटु पर्वतविस्तारे	सूत्र	27	200	1	529
कटूनां लवणानां च	सिद्धि	4	35	6	242

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
कटूष्णं तैलमैरण्डं	सूत्र	13	12	1	247
कटूष्णं सार्षपं तैलं	सूत्र	27	290	1	551
कटूष्णलवणक्षार	चिकित्सा	14	15	3	584
कट्फलं मधुयुक्तं वा	चिकित्सा	19	113	4	239
कट्फलं कत्तृणं भार्गी	चिकित्सा	18	112	4	184
कट्यूरुगुदशूलं च	चिकित्सा	14	172	3	616
कट्वङ्गीं मरिचं शुण्ठीं	चिकित्सा	30	92	5	152
कट्वजीर्णविदाह्यम्ल	चिकित्सा	15	65	4	32
कट्वम्लतीक्ष्णोष्णविदाहि	चिकित्सा	5	12	3	256
कट्वम्लमुष्णं विरसं	चिकित्सा	26	125	4	506
कट्वम्ललवणं मांसं	चिकित्सा	24	174	4	422
कट्वम्ललवणक्षार	सूत्र	17	22	1	314
कट्वम्ललवणात्युष्ण	चिकित्सा	13	26	3	527
कट्वम्ललवणोष्णैश्च	चिकित्सा	28	62	5	37
कट्वम्लस्वादुलवणा	सूत्र	27	281	1	549
कट्वाद्यैरम्ललवणौ	सूत्र	26	20	1	455
कठिनं चैव यद्द्रव्यं	सूत्र	22	13	1	388
कठिनत्वं व्रणा यान्ति	चिकित्सा	25	108	4	464
कण्टकाकीरसे सिद्धो	चिकित्सा	18	184	4	199
कण्टकारीगुडूचीभ्यां	चिकित्सा	18	35	4	166
कण्टकार्या शृतं वाऽपि	चिकित्सा	14	129	3	608
कण्डूः संधिषु रुग्भूत्वा	चिकित्सा	29	18	5	91
कण्डूकोठारुचिव्यङ्ग	सूत्र	7	14	1	148
कण्डूदाहरुगायाम	चिकित्सा	29	20	5	92
कण्डूनिस्तोदवैवर्ण्य	चिकित्सा	23	177	4	369
कण्डूपाण्ड्वामयोन्माद	चिकित्सा	9	40	3	425
कण्डूमद्भिः सरागैश्च	चिकित्सा	7	23	3	325
कण्डूमान्मशकैरीषत्	चिकित्सा	23	157	4	364
कण्डूर्गुरुत्वं सित	चिकित्सा	26	121	4	505
कण्ड्वरुःकोठपिडका	सूत्र	24	16	1	405
कण्ड्वरुःकोठपिडकाः	चिकित्सा	14	179	3	617
कण्ठरोगेषु सर्वेषु	चिकित्सा	26	194	4	525
कण्ठादागच्छतः स्तम्भ	सिद्धि	4	40	6	243

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
कण्ठास्यशोषः क्षुत्तृष्णा	चिकित्सा	15	61	4	31
कण्ठास्यशोषोबाधिर्यं	सूत्र	7	21	1	149
कण्ठोरसोर्गुरुत्वं च	चिकित्सा	17	19	4	121
कतकस्य फलं शङ्खः	चिकित्सा	26	252	4	538
कतमानि शरीराणि	इन्द्रिय	6	3	2	553
कतमानि शरीरीयः	सूत्र	30	54	1	610
कतिधा पुरुषो धीमन्	शारीर	1	3	2	311
कति मात्राः कथंमानाः	सूत्र	13	5	1	244
कथं शरीरे धातूनां	सूत्र	16	35	1	307
कथयत्यप्रशस्तानि	इन्द्रिय	12	13	2	584
कदम्बपुष्पाकृतिरश्म	चिकित्सा	26	37	4	479
कदम्बामलकाक्षोट	चिकित्सा	29	99	5	112
कदलीक्षारयुतं वा	चिकित्सा	7	168	3	360
कदम्बार्जुननिम्बानां	चिकित्सा	25	95	4	460
कदलीदलैरभिनवैः	चिकित्सा	14	218	3	626
कदलीपलाशपाटलिनि	चिकित्सा	7	89	3	343
कदाचिच्छ्लेष्मणा रुद्ध	कल्प	12	74	6	126
कदाचित्पिच्छिलो वाऽपि	चिकित्सा	30	173	5	172
कनकक्षीरी शैला भार्ङ्गी	चिकित्सा	7	111	3	348
कन्दमूलफलं सात्म्यं	चिकित्सा	30	318	5	210
कन्यां सुतं वा सहितौ	शारीर	2	11	2	353
कन्यापुंवर्धमानानां	इन्द्रिय	12	73	2	594
कपित्थं बिल्वमम्बष्ठां	चिकित्सा	15	113	4	45
कपित्थमक्षिपीडोऽर्क	चिकित्सा	23	216	4	376
कपित्थमामं ससिता	चिकित्सा	23	184	4	369
कपित्थानि विडङ्गानि	चिकित्सा	19	111	4	239
कपिलानां गवां मूत्रं	चिकित्सा	10	41	3	451
कपोत इव कूजेच्च	सिद्धि	9	14	6	334
कपोतशुकशारङ्गा	सूत्र	27	52	1	500
कफं कफस्थानगतं	चिकित्सा	27	22	5	7
कफं च पित्तं च स दुष्ट	चिकित्सा	5	6	3	253
कफः स्नपित्तः पवनश्च	चिकित्सा	6	8	3	300
कफक्षयार्थं शक्येषु	चिकित्सा	27	58	5	14

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
कफगुल्मी पिबेत् काले	चिकित्सा	5	53	3	268
कफघ्नं तत्र कर्तव्यं	सिद्धि	9	24	6	337
कफजेऽथ ज्वरे कासे	कल्प	3	20	6	39
कफजे स्वेदितं धूम	चिकित्सा	26	180	4	521
कफजे स्वरभेदे तु	चिकित्सा	26	280	4	546
कफजो न सरोगोऽस्ति	चिकित्सा	1/2	19	3	38
कफजो यद्यतीसारः	चिकित्सा	19	104	4	237
कफदेशगं कफस्य च	चिकित्सा	23	30	4	322
कफपाण्डुस्तु गोमूत्र	चिकित्सा	16	58	4	98
कफपित्तं प्रकुपितं	चिकित्सा	21	37	4	272
कफपित्तहरं वरं फले	सिद्धि	11	5	6	382
कफपित्तनिर्बहणं परं	सिद्धि	11	7	6	382
कफपित्तहृदाशुकारि	सिद्धि	11	14	6	384
कफपित्तात्रिकग्राही	चिकित्सा	3	71	3	132
कफपित्ते विशुद्धेऽल्पं	सिद्धि	6	25	6	269
कफपित्तोद्रवेऽप्यादौ	चिकित्सा	9	26	3	422
कफप्रसेकं वैस्वर्यं	चिकित्सा	1	33	3	13
कफप्रसेके बलवान्	चिकित्सा	8	118	3	392
कफमारुतसम्भूते	चिकित्सा	13	116	3	553
कफवातविबन्धेषु	चिकित्सा	5	151	3	289
कफवातात्मकावेतौ	चिकित्सा	17	8	4	118
कफवाते च दातव्यं	चिकित्सा	30	103	5	155
कफवातोत्तरे शीतैः	चिकित्सा	29	47	5	101
कफशोणितशुक्राणां	सूत्र	17	77	1	326
कफश्च तनुतां प्राप्तः	सूत्र	5	53	1	119
कफसम्मूर्च्छितो वायुः	चिकित्सा	16	126	4	112
कफस्थानानुपूर्व्या च	चिकित्सा	24	108	4	410
कफस्थानानुपूर्व्या वा	चिकित्सा	3	287	3	204
कफात्मिकायां वमनं	चिकित्सा	20	34	4	253
कफाद्भवति रूक्षाद्यै	चिकित्सा	30	238	5	188
कफाधिके बलस्थे च	चिकित्सा	17	89	4	141
कफानुगे यूषशाकं	चिकित्सा	4	43	3	233
कफानुबन्धे रुधिरे	चिकित्सा	4	93	3	246

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
कफावृते यवान्नानि	चिकित्सा	28	187	5	69
कफावृते समाने स्याद्	चिकित्सा	28	227	5	81
कफे च यूषादिकमन्न	चिकित्सा	26	71	4	488
कफे तु कृष्णासिकता	चिकित्सा	12	70	3	506
कफेन विशि पित्ते वा	सिद्धि	8	31	6	317
कफोऽभिष्यन्दिभिर्वृद्धो	चिकित्सा	30	13	5	132
कफो वाते जितप्राये	चिकित्सा	5	27	3	262
कम्पते प्रदशेद्दन्तान्	चिकित्सा	10	9	3	443
कम्पिल्लकं नीलिनीं च	चिकित्सा	13	120	3	555
कम्पिल्लकं विडङ्गानि	चिकित्सा	21	137	4	298
कम्पिल्लकं विडङ्गानि	चिकित्सा	25	90	4	459
कम्पिल्लकारग्वधयोः	सूत्र	1	83	1	52
कम्पिल्लसप्तच्छदशाल	चिकित्सा	6	35	3	308
करणानि मनो बुद्धि	शारीर	1	56	2	325
करणान्यान्यता दृष्टा	शारीर	1	49	2	324
करप्रचितिके पादे	चिकित्सा	1/3	66	3	54
करोति कुपितो मन्द	चिकित्सा	15	60	4	31
करोति खञ्जं पङ्गुं वा	चिकित्सा	29	23	5	93
करोति दुःखं तेष्वेव	चिकित्सा	29	15	5	90
करोति जीर्णेऽभ्यधिकं	चिकित्सा	5	11	3	255
करोति पीनसं तेन	चिकित्सा	17	56	4	131
करोति विण्मारुतमूत्र	चिकित्सा	26	6	4	469
करोति विविधान् व्याधीन्	चिकित्सा	28	19	5	23
करोति सततं हिक्का	चिकित्सा	17	23	4	122
करोत्यावृतमार्गत्वाद्	चिकित्सा	28	61	5	36
कर्कशं रक्तपर्यन्त	चिकित्सा	7	17	3	322
कर्कशं सृजतो वातं	चिकित्सा	13	57	3	538
कर्कोटकं कठिल्लं च	चिकित्सा	3	190	3	170
कर्कोटकावल्गुजकौ	सूत्र	27	96	1	509
कर्कोटकी कोठफला	कल्प	4	3	6	42
कर्णतैले तथाभ्यङ्गे	सूत्र	5	110	1	129
कर्णशूले तु वातघ्नी	चिकित्सा	26	221	4	531
कर्णाक्षिनासिकाजिह्वा	चिकित्सा	26	165	4	517

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
कर्णाक्षिशूलं कासश्च	सूत्र	5	28	1	114
कर्पूरकुडवं चापि	चिकित्सा	26	211	4	528
कर्बुदाराढ़कीनीप	सिद्धि	10	34	6	375
कर्मकालातिपातश्च	शारीर	1	104	2	337
कर्म किञ्चित् क्वचित्	विमान	3	35	2	152
कर्मजस्तु मतो जन्तुः	सूत्र	25	19	1	417
कर्मणां वमनादीनाम्	सिद्धि	6	7	6	262
कर्मणाऽनेन सिद्धेन	चिकित्सा	24	131	4	414
कर्मणामसमारम्भः	शारीर	1	145	2	347
कर्मव्यायामभाराध्व	सिद्धि	4	52	6	247
कर्मात्मकत्वाद्विषमांश	शारीर	2	16	2	354
कर्मान्यद्वस्तिसमं न	सिद्धि	10	5	6	366
कर्मापवर्गे यच्चोक्तं	सूत्र	27	351	1	565
कर्मौजोबलवर्णानां	चिकित्सा	28	208	5	76
कर्षं मधुकचूर्णस्य	चिकित्सा	2/3	19	3	91
कर्षं च श्वेतमरिचा	चिकित्सा	26	245	4	537
कर्षेत् पित्तमधोभाग	सूत्र	1	99	1	54
कर्षोन्मितैस्तैः क्वथितः	चिकित्सा	12	54	3	501
कलम्बनालिकासूर्यः	सूत्र	27	101	1	511
कलायाश्च मसूराश्च	चिकित्सा	25	62	4	454
कलिङ्गकाश्वित्रकमूलपाठे	चिकित्सा	12	44	3	498
कलिङ्गकुष्ठे मधुकं च	सिद्धि	11	23	6	388
कलिङ्गपाठाम्बुदसैन्ध	सिद्धि	3	63	6	229
कलिङ्गहिङ्ग्वतिविषा	चिकित्सा	15	101	4	43
कलिङ्गाः शाल्मलं पुष्पं	चिकित्सा	14	236	3	629
कलुषेऽम्भसि पङ्को वा	इन्द्रिय	5	32	2	548
कल्कं तथा चन्दनचव्य	चिकित्सा	20	33	4	251
कल्कं दत्त्वा महास्नेहं	चिकित्सा	28	133	5	58
कल्कं दन्तीद्रवन्त्योश्च	कल्प	12	14	6	107
कल्कः स्याद्वालबिल्वानां	चिकित्सा	19	34	4	221
कल्कः स्यान्मूत्रकृच्छ्रे	सिद्धि	8	14	6	312
कल्कश्चातुर्भागो	चिकित्सा	7	147	3	355
कल्कस्तिलानां कृष्णानां	चिकित्सा	19	84	4	233

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
कल्काः शाल्मलिनिर्यास	चिकित्सा	14	227	3	627
कल्कानावाप्य मेदे द्वे	चिकित्सा	29	64	5	105
कल्कार्थे जीवनीयानि	चिकित्सा	29	142	5	123
कल्कीकृतैर्घृतं सिद्धं	चिकित्सा	5	66	3	271
कल्के सिद्धं घृतप्रस्थं	चिकित्सा	13	117	3	554
कल्कैः कोलसमैः पीत्वा	चिकित्सा	13	149	3	561
कल्कैरक्षसमैः पेयं	चिकित्सा	15	128	4	49
कल्कैरेतैस्तैलं	चिकित्सा	7	115	3	348
कल्कैर्गुड़क्षौद्रघृतैः	सिद्धि	3	15	6	211
कल्कैर्निम्बपटोलानां	चिकित्सा	30	253	5	191
कल्कैर्मदनमुस्तानां	चिकित्सा	3	243	3	191
कल्कैस्तत् क्षीणवीर्याग्नि	चिकित्सा	28	163	5	64
कल्कैस्तत् सर्वकासेषु	चिकित्सा	18	128	4	186
कल्पं जीमूतकस्येमं	कल्प	2	3	6	28
कल्प एषोऽग्निमन्थादौ	कल्प	3	19	6	38
कल्पना पञ्चकर्माख्या	सूत्र	30	65	1	613
कल्पना विधिभिस्तैस्तै	चिकित्सा	30	332	5	217
कल्पनीयानि भिषजा	चिकित्सा	24	159	4	419
कल्पयेद्गुटिकां चैतत्	चिकित्सा	8	148	3	398
कल्पार्थः शोधनं संज्ञा	कल्प	12	106	6	135
कल्पोऽयमश्वगन्धायां	चिकित्सा	28	166	5	64
कल्याणकमिदं सर्पिः	चिकित्सा	9	42	3	425
कशाभिस्ताडयित्वा वा	चिकित्सा	9	81	3	436
कशेरुकाशैवलशृङ्गवेर	चिकित्सा	26	94	4	495
कश्चिदेवास्यवैरस्य	इन्द्रिय	2	19	2	531
कश्चिद्धि रोगा रोगस्य	निदान	8	21	2	106
कषाय एषां पेष्यास्तु	चिकित्सा	14	235	3	629
कषायकटुतिक्तानि	चिकित्सा	14	12	3	582
कषायकटुतिक्ताल्प	चिकित्सा	29	9	5	88
कषायकटुतीक्ष्णोष्णै	सिद्धि	4	33	6	241
कषायकटुरूक्षोष्णैः	चिकित्सा	25	16	4	437
कषायतिक्तमधुरैः	चिकित्सा	8	61	3	378
कषायतिक्तोषणरूक्ष	चिकित्सा	26	5	4	469

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
कषायमद्यनित्यानां	सूत्र	14	16	1	271
कषायमधुरं टङ्कं	सूत्र	27	136	1	516
कषायमधुरं पाण्डु	निदान	4	44	2	64
कषायमधुरं रूक्षं	सूत्र	27	206	1	529
कषायमधुरं शीतं	सूत्र	27	142	1	516
कषायमधुरं शीतं	सिद्धि	6	67	6	283
कषायमधुरप्रायं	सूत्र	27	140	1	516
कषायमधुराः शीता	सूत्र	27	256	1	542
कषायमधुराः शीताः	सिद्धि	5	15	6	255
कषायमधुरैः शीतैः	सिद्धि	6	48	6	277
कषायमधुरो रूक्षः	सूत्र	27	23	1	497
कषायमभयानां वा	चिकित्सा	29	84	5	108
कषाययोगा च इहो	चिकित्सा	4	97	3	248
कषाययोगान् पयसा	चिकित्सा	4	87	3	244
कषाययोगैर्विविधैर्यथोक्तै	चिकित्सा	4	82	3	243
कषायाः शमयन्त्याशु	चिकित्सा	3	203	3	178
कषायाः सर्व एवैते	चिकित्सा	3	218	3	183
कषायात् प्रसृताः पञ्च	सिद्धि	8	10	6	311
कषाया दश षट् चैव	कल्प	11	18	6	102
कषायानुरसं स्वादु	सूत्र	27	286	1	550
कषायान् पाययेद्वैद्यः	चिकित्सा	21	55	4	280
कषाया मधुरा रूक्षा	कल्प	7	5	6	59
कषायाश्च यवाग्वश्च	चिकित्सा	3	215	3	180
कषाया स्तम्भनाः शीता	सूत्र	27	106	1	511
कषायेणाथवा तस्य	कल्प	8	12	6	83
कषायेषु फलादीनाम्	कल्प	6	11	6	55
कषायेष्वासुतं पूत्वा	कल्प	2	10	6	30
कषायैः कोविदाराद्यैः	कल्प	3	15	6	38
कषायैः साधितः स्नेहः	चिकित्सा	30	109	5	156
कषायैर्नव चूर्णैश्च	कल्प	5	12	6	50
कषायैर्मधुकादीनां	कल्प	6	6	6	53
कषायोष्णं च विषमे	चिकित्सा	3	296	3	210
कस्मात् प्रजां स्त्री विकृतां	शारीर	2	28	2	359

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
कस्माद्द्विरेताः पवनेन्द्रियो	शारीर	2	17	2	355
का कति व्यापदो बस्तेः	सिद्धि	7	4	6	291
काकमाचीं रुहापत्रं	चिकित्सा	14	124	3	607
का कल्पना पञ्चसु	सिद्धि	1	3	6	138
काकाण्डरससंयुक्तो	चिकित्सा	23	217	4	376
काकाण्डसुरसगवाक्षी	चिकित्सा	23	53	4	340
काकास्तित्तिरिशब्देन	चिकित्सा	8	150	3	399
काकोदुम्बरिका वा	चिकित्सा	7	170	3	360
काकोलीं क्षीरकाकोली	कल्प	7	19	6	63
काकोलीक्षीरकाकोली	चिकित्सा	29	93	5	111
काकोली क्षीरकाकोली	सिद्धि	10	28	6	374
काकोलीबृहतीमेदा	चिकित्सा	18	99	4	181
काङ्कायनः कैकशेयो	सूत्र	1	12	1	17
काङ्कायनस्तु नेत्याह	सूत्र	25	22	1	417
काननानि च शीतानि	सूत्र	6	32	1	139
कान्तः प्रजानां सिद्धाथ	चिकित्सा	1	60	3	18
कामं तु पयसा तस्य	चिकित्सा	3	170	3	163
कामं प्राणहरा रोगा	चिकित्सा	17	6	4	117
कामचिन्ताभयक्रोध	चिकित्सा	16	9	4	84
कामलाऽक्ष्णोर्मुखं पूर्णं	इन्द्रिय	7	18	2	561
कामला द्विविधा तेषां	चिकित्सा	16	139	4	116
कामलार्शोऽनिलाष्ठीला	चिकित्सा	18	42	4	167
कामली त्रिवृतां वाऽपि	चिकित्सा	16	60	4	98
कामशोकभयक्रोध	चिकित्सा	9	86	3	437
कामादिजानां रोगाणां	चिकित्सा	3	126	3	143
काम्यं यशस्यमायुष्य	सूत्र	5	95	1	126
कायस्थया च तत् पानाद्	चिकित्सा	17	141	4	151
कायस्थां शारदान्मुद्गा	चिकित्सा	10	46	3	452
कायस्य शिरसश्चैव	सूत्र	21	55	1	385
कायेऽल्पमपि संस्पृष्टं	इन्द्रिय	5	14	2	546
कारणं नामनिर्वृत्तिं	निदान	2	28	2	42
कारणं पुरुषः सर्वैः	शारीर	1	45	2	322
कारणं रससंख्याया	सूत्र	26	108	1	489

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
कारणं वेदनानां किं	शारीर	1	13	2	312
कारणं षोडशगुणं	सूत्र	9	10	1	187
कारणस्थानमूलैक्याद्	चिकित्सा	17	70	4	135
कारयेद्रक्तपितघ्नं	चिकित्सा	30	42	5	141
कारवी कुञ्चिकाऽजाजी	सूत्र	27	307	1	554
कारवी पिप्पलीमूल	चिकित्सा	13	126	3	556
कारवीमरिचाजाजी	चिकित्सा	26	219	4	530
कार्पाससंगृहीतेन	चिकित्सा	19	93	4	235
कार्पासास्थिकुलत्थानां	चिकित्सा	28	136	5	59
कार्यतत्त्वविशेषज्ञः	विमान	4	11	2	169
कार्यस्ततः स्नेहपिचु	चिकित्सा	30	108	5	156
कार्याकार्यं सुखं दुःखं	चिकित्सा	24	50	4	395
कार्श्यदौर्बल्यवैवर्ण्य	सूत्र	7	20	1	149
कार्षिकं पिप्पलीमूलं	चिकित्सा	13	163	3	562
कार्षिकाण्युदकप्रस्थे	चिकित्सा	15	143	4	53
कार्षिकानर्धकर्षांशां	चिकित्सा	16	61	4	99
कार्षिकांस्तत् स्थितं	चिकित्सा	15	166	4	58
कार्षिकैस्तैलकुडवो	चिकित्सा	26	277	4	543
कालकं नाम तच्चूर्णं	चिकित्सा	26	196	4	525
कालक्रमज्ञः सहसा	चिकित्सा	14	82	3	598
कालङ्कतककाण्डेक्षु	सिद्धि	10	33	6	375
कालजस्त्वेव पुरुषः	सूत्र	25	25	1	418
कालतोऽपि विरुद्धं	सूत्र	26	89	1	485
कालप्रकृतिदूष्याणां	चिकित्सा	3	63	3	130
कालबुद्धीन्द्रियार्थानां	सूत्र	1	54	1	39
कालयुक्तेन रूक्षेण	चिकित्सा	24	186	4	425
कालयोगबलाः केचित्	चिकित्सा	2/4	7	3	95
कालश्च गौरमात्मानं	चिकित्सा	23	237	4	380
कालस्तु बस्त्यादिषु	सिद्धि	1	54	6	171
कालस्य परिणामेन	शारीर	1	115	2	340
कालान्तरात् खरीभूता	चिकित्सा	16	37	4	92
कालीयं मधुकं हेम	चिकित्सा	21	74	4	284
कालीयकनताम्रास्थि	चिकित्सा	25	116	4	465

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
कालीयकरसोपेतं	चिकित्सा	24	160	4	419
काले पुनस्तर्पणाद्यं	चिकित्सा	24	143	4	417
काले फलानि संगृह्य	कल्प	5	7	6	49
काले संशोधनार्हस्य	चिकित्सा	4	56	3	237
काश्मर्यं त्रिवृतां द्राक्षां	चिकित्सा	29	85	5	109
काश्मर्यं वटशुङ्गानि	चिकित्सा	23	197	4	372
काश्मर्यधात्रीमरिचाभयाक्ष	चिकित्सा	12	32	3	494
काश्मर्यबदरीदूवा	सिद्धि	10	39	6	377
काश्मर्याढकमित्येत	चिकित्सा	29	97	5	111
काश्मर्याणां सुशुष्काणां	चिकित्सा	29	105	5	113
काश्मर्यामलकानां	चिकित्सा	14	202	3	622
काषायिणामसौम्यानां	इन्द्रिय	5	38	2	549
कासं गुल्ममुदावर्तं	चिकित्सा	14	152	3	612
कासं श्वासं ज्वरं हिक्कां	चिकित्सा	11	23	3	464
कासं श्लेष्मामयांश्चोग्रान्	चिकित्सा	14	168	3	614
कासः कण्ठास्यशोषश्च	चिकित्सा	28	28	5	27
कासज्वरानाहविबन्ध	चिकित्सा	4	96	3	247
कासमर्दकपत्राणां	चिकित्सा	17	99	4	143
कासमर्दाभयामुस्त	चिकित्सा	18	163	4	195
कासमर्दाश्वविट्भङ्गः	चिकित्सा	18	117	4	184
कासमात्ययिकं मत्वा	चिकित्सा	18	134	4	188
कासश्वासहरश्चैव	चिकित्सा	1	70	3	20
कासहिक्काज्वरश्वास	चिकित्सा	11	43	3	467
कासहिक्कारुचिश्वास	चिकित्सा	14	118	3	605
कासहिक्कारुचिश्वासां	चिकित्सा	16	114	4	109
कासाच्छ्वासाच्छिरः	चिकित्सा	3	234	3	189
कासाजीर्णारुचिश्वास	चिकित्सा	15	112	4	45
कासिने च्छर्दनं दद्यात्	चिकित्सा	17	121	4	147
कासी श्वासी च हिक्की	चिकित्सा	3	184	3	167
कासीसहिङ्गुशिग्रु	चिकित्सा	7	109	3	348
कासे सरक्तनिष्ठीवे	चिकित्सा	24	144	4	417
कासोऽसतापो वैस्वर्यं	चिकित्सा	8	45	3	372
किंयोनयः कति स्नेहाः	सूत्र	13	4	1	244

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
किं वर्जनीयं प्रतिकम	सिद्धि	1	4	6	138
किंस्विद्दोषप्रशमनं	सूत्र	1	67	1	47
किञ्चित्तुवरानुरसं तनु	चिकित्सा	22	26	4	311
किञ्चित्सन्धुक्षिते त्वग्नौ	चिकित्सा	15	78	4	35
किञ्चिदम्लं हि संग्राहि	सूत्र	26	50	1	471
किञ्चिदेभिर्गुणैर्हीनं	कल्प	12	55	6	119
किट्टमन्नस्य विण्मूत्रं	चिकित्सा	15	18	4	15
किण्वं वराहरुधिरं	चिकित्सा	7	122	3	350
किन्नुभोः पुरुषो यज्ज	सूत्र	25	6	1	414
किन्नु मद्यं स्वभावेन	चिकित्सा	24	59	4	397
किमज्ञो ज्ञः स नित्यः	शारीर	1	4	2	311
कियन्तः शिरसि प्रोक्ता	सूत्र	17	3	1	310
कियन्तः शिरसीयश्च	सूत्र	30	40	1	606
कियन्तः शिरसीयेऽस्मिन्	सूत्र	17	121	1	335
किराततिक्तः षड्ग्रन्था	चिकित्सा	15	137	4	52
किराततिक्तकं तिक्ता	चिकित्सा	3	343	3	218
किराततिक्तकक्वाथं	चिकित्सा	30	262	5	193
किराततिक्तको मुस्तं	चिकित्सा	19	52	4	227
किराततिक्तममृता	चिकित्सा	3	202	3	178
किलासकुष्ठग्रहणीगदानां	सूत्र	26	103	1	487
किलासानि सकुष्ठानि	चिकित्सा	25	59	4	453
कीटैर्दूषीविषैर्दष्टं लिङ्गं	चिकित्सा	23	142	4	360
कीर्तितं स्तन्यदोषाणां	चिकित्सा	30	263	5	193
कुक्कुटाण्डकपालानि	चिकित्सा	26	253	4	538
कुक्कुटाश्च मयूराश्च	चिकित्सा	5	110	3	281
कुक्षेराध्मानमाटोपः	चिकित्सा	13	21	3	524
कुङ्कुमस्य पलार्धेन	चिकित्सा	29	113	5	114
कुटजं प्रशशंस चोत्तमं	सिद्धि	11	8	6	383
कुटजत्वक्फलं मुस्तं	चिकित्सा	15	138	4	52
कुटजत्वङनिर्यूहः	चिकित्सा	14	185	3	619
कुटजत्वचो विपाच्यं	चिकित्सा	14	188	3	619
कुटजफलवल्ककेशर	चिकित्सा	14	197	3	621
कुटजस्य फलं पिष्टं	चिकित्सा	23	206	4	373

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
कुटीप्रावेशिकस्यादौ	चिकित्सा	1	17	3	10
कुटीमध्ये भिषक्शय्यां	सूत्र	14	53	1	281
कुडवश्चैव माषाणां	चिकित्सा	2/3	16	3	91
कुडवार्थं तुगाक्षीर्याः	चिकित्सा	11	72	3	476
कुडवार्धं विडङ्गानां	चिकित्सा	15	164	4	58
कुडवांशान् रसानिक्षु	कल्प	7	26	6	65
कुपिताः क्षयजं कासं	चिकित्सा	18	25	4	163
कुपिते मार्गसंरोधान्	चिकित्सा	29	156	5	126
कुमुदोत्पलपद्माद्यैः	चिकित्सा	29	128	5	120
कुम्भीं वाताहरक्वाथ	सूत्र	14	56	1	282
कुरङ्गान् कालपुच्छांश्च	चिकित्सा	3	191	3	170
कुरण्टकं देवदारु	चिकित्सा	21	89	4	287
कुर्याच्चाग्निबलोत्क्लेश	सिद्धि	6	68	6	283
कुर्याच्चिकित्सितं प्राज्ञो	चिकित्सा	30	327	5	213
कुर्याच्चिकित्सिताद्	चिकित्सा	21	116	4	294
कुर्याच्चेष्टानिवृत्तिं हि	चिकित्सा	28	54	5	35
कुर्याच्छोणितरोगेषु	सूत्र	24	18	1	406
कुर्यात् प्रस्थोन्मितं तेन	चिकित्सा	11	39	3	467
कुर्यात्तान्भक्षयेत् क्षीणः	चिकित्सा	11	69	3	475
कुर्यात् संयोगविश्लेष	कल्प	12	49	6	117
कुर्यात् सतक्रगोमूत्र	चिकित्सा	30	84	5	150
कुर्यात् सपित्तः पवनः	चिकित्सा	26	117	4	504
कुर्यात् सबिल्वतैलोष्ण	सिद्धि	7	52	6	304
कुर्याद्रक्तातिसारी च	चिकित्सा	19	69	4	230
कुर्याद्विण्मूत्रसङ्गार्तिं	चिकित्सा	30	33	5	137
कुर्यान्निपतितो मूर्ध्नि	सूत्र	1	128	1	60
कुर्यान्निरनुबन्धानां	चिकित्सा	3	280	3	201
कुर्वते ये तु वृत्त्यर्थं	चिकित्सा	1/4	59	3	68
कुलत्थकाकमाच्यादि	चिकित्सा	16	80	4	103
कुलत्थमाषनिष्पाव	सूत्र	24	6	1	403
कुलत्थमाषनिष्पाव	चिकित्सा	29	6	5	88
कुलत्थयूषश्च सपिप्पली	चिकित्सा	12	62	3	504
कुलत्थरसयुक्तं वा	चिकित्सा	18	129	4	187

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
कुलत्थान् बदरान् माषां	चिकित्सा	28	111	5	54
कुलमाहात्म्यदाक्षिण्य	चिकित्सा	2/3	22	3	92
कुष्ठं करञ्जबीजान्	चिकित्सा	7	93	3	344
कुष्ठं गुल्ममुदावर्तं	चिकित्सा	1	31	3	13
कुष्ठं गोमेदको हिङ्गु	सूत्र	23	15	1	396
कुष्ठं च बस्तमूत्रेण	चिकित्सा	9	65	3	432
कुष्ठं तमालपत्रं मरिचं	चिकित्सा	7	117	3	349
कुष्ठं दारुहरिद्रां च	चिकित्सा	14	160	3	613
कुष्ठं पाठा मुस्तं तुम्बु	चिकित्सा	7	113	3	348
कुष्ठं प्लीहानमानाह	चिकित्सा	5	160	3	291
कुष्ठं हरिद्रे त्रिफला	चिकित्सा	16	94	4	105
कुष्ठं हरिद्रे सुरसं	सूत्र	3	8	1	76
कुष्ठज्वरगुल्मार्शो	चिकित्सा	7	143	3	354
कुष्ठविशेषैर्दोषा	चिकित्सा	7	33	3	327
कुष्ठश्रीवेष्टकोदीच्य	चिकित्सा	27	43	5	12
कुष्ठसौवर्चलाजाजी	चिकित्सा	26	216	4	530
कुष्ठानि कृच्छ्राणि नवं	सूत्र	3	7	1	75
कुष्ठानि रक्तपित्त	चिकित्सा	7	148	3	355
कुष्ठानि शोफं ग्रहणी	चिकित्सा	7	64	3	336
कुष्ठान्यजीर्णकं शोथ	चिकित्सा	16	77	4	102
कुष्ठान्यभिहतं चाङ्गं	चिकित्सा	25	60	4	453
कुष्ठान्यर्शांसि वीसर्पं	चिकित्सा	4	27	3	230
कुष्ठान्यामप्रदोषाश्च	सूत्र	23	6	1	395
कुष्ठामृतासङ्गकटङ्क	सूत्र	3	10	1	76
कुष्ठार्कतुत्थकट्फल	चिकित्सा	7	102	3	346
कुष्ठेषु वातलिङ्गं	चिकित्सा	7	35	3	328
कुष्ठेष्वनिलकफकृते	चिकित्सा	7	80	3	340
कुसुम्भतैलमुष्णं च	सूत्र	27	293	1	551
कुसुम्भपुष्पं गोदन्तः	चिकित्सा	23	203	4	373
कूपं शयनविस्तारं	सूत्र	14	59	1	282
कूपतडागादिजलं दुर्गन्धं	चिकित्सा	23	121	4	354
कूपो होलाक इत्येते	सूत्र	14	40	1	276
कूर्चिका चिल्लटो भेटो	सूत्र	27	38	1	499

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
कूर्चिकानां किलाटानां	चिकित्सा	21	18	4	262
कूर्चिकांश्च किलाटांश्च	सूत्र	5	11	1	109
कूर्मः कर्कटको मत्स्यः	सूत्र	27	40	1	500
कृच्छ्रमूत्रपुरीषत्वग्	चिकित्सा	28	29	5	27
कृच्छ्रेण शुष्कस्य	चिकित्सा	26	8	4	469
कृतं मृद्दण्डचक्रैश्च	शारीर	1	43	2	322
कृतक्षणं शैलवरस्य	सिद्धि	3	3	6	205
कृतवेधनकल्कांशं	कल्प	6	7	6	53
कृतवेधननामानि	कल्प	6	3	6	52
कृतवेधनमाह वातलं	सिद्धि	11	9	6	383
कृतातिकृतलिङ्गं यत्	सूत्र	22	39	1	393
कृतानुवासनस्यास्य	चिकित्सा	19	63	4	229
कृतैककृत्याः सिद्धाथा	चिकित्सा	2/3	21	3	92
कृतो राजिमता दंशः	चिकित्सा	23	129	4	356
कृत्योत्कृत्यस्तथा	चिकित्सा	25	20	4	438
कृत्वा कल्कं करञ्जं	चिकित्सा	26	154	4	514
कृत्वा कषायं पेष्यार्थे	चिकित्सा	3	225	3	187
कृत्वा चूर्णमतो मात्रा	चिकित्सा	11	87	3	479
कृत्वा चूर्णमतो मुष्टिं	चिकित्सा	13	121	3	555
कृत्वा दोषवशाद्वेगं	चिकित्सा	3	328	3	216
कृत्वा वेगं गतबलाः	चिकित्सा	3	70	3	131
कृत्वा वर्तिं पिबेद्धूमं	चिकित्सा	18	72	4	175
कृत्वा समांशं तच्चूर्णं	चिकित्सा	15	169	4	58
कृत्स्नं संदूषयेद्रक्तं	चिकित्सा	29	11	5	88
कृमिकोष्ठाः क्रूरकोष्ठाः	सूत्र	13	46	1	256
कृशदुर्बलवृद्धानां	चिकित्सा	11	76	3	476
कृशरोत्कारिकामाष	चिकित्सा	8	71	3	381
कृशस्य रोगैरबलस्य यो	चिकित्सा	12	15	3	487
कृशानां सक्तमूत्राणां	सूत्र	27	179	1	524
कृष्णगन्धात्वगाढक्योः	चिकित्सा	28	130	5	57
कृष्णमृन्मधुकं शङ्खं	चिकित्सा	19	82	4	233
कृष्णसर्पवराहोष्ट्र	चिकित्सा	14	48	3	592
कृष्णा पर्पटको निम्बो	चिकित्सा	16	48	4	95

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
कृष्णा पापा निराचारा	इन्द्रिय	5	39	2	549
कृष्णालवणयोरक्षं	सिद्धि	7	29	6	298
कृष्णा वक्त्रे प्रलेपः	चिकित्सा	26	279	4	543
कृष्णा सपाठा गज	चिकित्सा	12	41	3	497
केचित् क्लैब्ये त्वसाध्ये	चिकित्सा	30	188	5	176
के मृदुक्रूरकोष्ठाः	सूत्र	13	7	1	245
केशलोमनखश्मश्रु	सूत्र	17	67	1	324
केशेष्वालम्ब्य चाकाशे	सिद्धि	7	34	6	300
केलूटं च कदम्बं च	सूत्र	27	114	1	513
केवलं तु पयस्तस्याः	चिकित्सा	2/3	5	3	88
केवलं विदितं यस्य	विमान	5	31	2	181
केवलं समनस्कं च	चिकित्सा	3	30	3	116
केवलः सकफो वाऽर्धं	सिद्धि	9	75	6	350
केषाञ्चिद्गुणवैशेष्यात्	सूत्र	27	64	1	505
के स्नेहाः स्नेहनीयाश्च	सूत्र	22	7	1	387
कैलासे किन्नराकीर्णे	चिकित्सा	21	3	4	259
कोठानां श्यावरक्तानां	चिकित्सा	3	108	3	138
कोपयेन्मृदरसादींश्च	चिकित्सा	16	28	4	89
को मदं तादृशं विद्वान्	चिकित्सा	24	47	4	395
कोलं कुलत्थाः सुर	सूत्र	3	18	1	78
कोलदाडिमघर्माम्बु	चिकित्सा	5	77	3	274
कोलदाडिमवृक्षाम्ल	चिकित्सा	24	151	4	418
कोलदाडिमवृक्षाम्ल	चिकित्सा	28	132	5	58
कोलद्विप्रस्थसंयुक्तं	चिकित्सा	13	84	3	543
कोलमात्रैर्घृतप्रस्थाद्	चिकित्सा	18	37	4	166
कोललाक्षारसे तद्वत्	चिकित्सा	11	34	3	465
कोविदारस्य पुष्पाणि	चिकित्सा	4	39	3	233
कोशातकानि पञ्चाशत्	कल्प	6	9	6	55
कोषकारो यथा ह्यंशू	शारीर	1	96	2	335
कोषातकारग्वधदेव	सिद्धि	3	56	6	227
कोष्ठस्य गुरुतां ज्ञात्वा	सिद्धि	6	36	6	274
कोष्णेन वातप्रबले	चिकित्सा	14	224	3	627
कोष्णैः काममुरःकण्ठं	चिकित्सा	17	83	4	139

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
क्रममुष्णमनुष्णं वा	चिकित्सा	28	219	5	79
क्रमवृद्ध्या दशाहानि	चिकित्सा	1/3	36	3	47
क्रमाद्वीर्यं बलं वर्णो	चिकित्सा	11	10	3	460
क्रमेण सेवेत विशुद्ध	सिद्धि	1	12	6	144
क्रमेणापचिता दोषाः	सूत्र	7	38	1	154
क्रमेणाल्पेऽनुसज्येत	चिकित्सा	16	128	4	112
क्रव्यादमांसनिर्यूहं	चिकित्सा	11	30	3	465
क्रिमयो ग्रहणीदोषाः	सूत्र	23	24	1	397
क्रिमिकुष्ठकिलासघ्नो	सूत्र	27	176	1	522
क्रिमिवातातपहतं शुष्कं	सूत्र	27	316	1	556
क्रिम्यस्थिसूक्ष्मक्षण	चिकित्सा	12	96	3	515
क्रिया कफप्रसेके या	चिकित्सा	8	122	3	393
क्रियाक्रममतः सिद्धं	चिकित्सा	5	20	3	260
क्रियाक्रमविधौ युक्तः	चिकित्सा	3	61	3	128
क्रियापथमतिक्रान्ताः	इन्द्रिय	11	29	2	581
क्रियामतः परं सिद्धां	चिकित्सा	28	75	5	43
क्रियाविशेष एषोऽस्य	चिकित्सा	16	124	4	112
क्रिया साधारणी सर्वा	चिकित्सा	28	183	5	68
क्रिया हिता साऽश्मरि	चिकित्सा	26	59	4	486
क्रुद्धेन श्लेष्मणा स्रोतः	चिकित्सा	13	30	3	528
क्रुद्धो गुर्वादिभिः श्लेष्मा	चिकित्सा	30	246	5	190
क्रुद्धः स्वैः कोपनैर्वायुः	सिद्धि	9	12	6	334
क्रोधनं त्रासबहुलं	इन्द्रिय	5	20	2	547
क्रोधप्रवातव्यायामान्	चिकित्सा	3	139	3	149
क्रोधो यक्ष्मा ज्वरो रोग	चिकित्सा	8	11	3	365
क्रोधशोकभयक्लान्ता	सूत्र	21	41	1	382
क्रोधिनोऽनुचिताः क्षीणाः	चिकित्सा	24	87	4	405
क्लमं विदाहं हृच्छूलं	सिद्धि	7	16	6	296
क्लमो दाहोऽङ्गसदनं	सिद्धि	6	27	6	270
क्लिन्नेष्वन्यदपक्वेषु	चिकित्सा	15	242	4	77
क्लिष्टं वासो यथोत्क्लेश	सिद्धि	6	13	6	264
क्लीबतां विषमाग्नित्वं	सिद्धि	4	22	6	237
क्लीबस्त्रस्त्यधोदृष्टिः	चिकित्सा	23	131	4	358

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
क्लेदश्च मेदश्च कफश्च	चिकित्सा	6	51	3	312
क्लेदे प्रपतति चाङ्गे	चिकित्सा	7	134	3	353
क्लैब्यं संपद्यते तस्य	चिकित्सा	30	155	5	168
क्लैब्यान्युक्तानि चत्वारि	चिकित्सा	30	336	5	219
क्वचिदेको रसः कल्प्यः	सूत्र	26	25	1	457
क्वाथः कृतः पौष्कर	चिकित्सा	.26	85	4	493
क्वाथः स एवाष्टपलं च	चिकित्सा	6	45	3	310
क्षणनादुरसः कासात्	चिकित्सा	8	18	3	366
क्षणे क्षणे प्रयोक्तव्या	चिकित्सा	21	99	4	290
क्षतं क्षयं रक्तपित्तं	चिकित्सा	30	68	5	147
क्षतकासाभिभूतानां	चिकित्सा	18	138	4	189
क्षतकासे च ये धूमाः	चिकित्सा	18	186	4	199
क्षतक्षयसमुत्थानं	चिकित्सा	11	96	3	481
क्षतजं क्षताच्च नायात्ये	चिकित्सा	23	34	4	334
क्षतबन्धप्रपतनात्	चिकित्सा	21	21	4	263
क्षतशोषमपस्मार	चिकित्सा	28	69	5	105
क्षतानां व्रणितानां च	चिकित्सा	3	320	3	215
क्षयं कासं शिरःशूलं	चिकित्सा	3	221	3	183
क्षयं वृद्धिं समत्वं च	चिकित्सा	28	247	5	85
क्षयः स्थानं च वृद्धिश्च	सूत्र	17	112	1	333
क्षयकासेन तु तुल्या	चिकित्सा	22	50	4	317
क्षयदौर्बल्यमदात्यय	चिकित्सा	23	74	4	345
क्षयस्तमो ज्वरः पाप्मा	चिकित्सा	3	13	3	112
क्षयाः कति समाख्याताः	सूत्र	17	4	1	310
क्षयात्साधारणाद्रौक्ष्यात्	विमान	5	10	2	177
क्षयाद्भयादविश्रम्भा	चिकित्सा	2/4	44	3	101
क्षयानिलभयक्रोध	चिकित्सा	3	140	3	149
क्षरति विषतेजसाऽसृक्	चिकित्सा	23	32	4	333
क्षवथुश्चातितन्द्रा च	सूत्र	5	31	1	114
क्षामः क्षीणः क्षतोरस्क	चिकित्सा	11	28	3	465
क्षामक्षीणकृशाङ्गानां	चिकित्सा	11	54	3	470
क्षामे विरेचिते गर्भे	सिद्धि	9	113	6	362
क्षारं चाप्यश्वगन्धायाः	चिकित्सा	17	117	4	147

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
क्षारचित्रकहिंग्वम्ल	सूत्र	2	29	1	70
क्षारद्वयं स्याल्लवणानि	चिकित्सा	12	43	3	498
क्षारप्रयोगे भिषजां	चिकित्सा	5	64	3	270
क्षारस्तैलं गवां मूत्रं	चिकित्सा	29	147	5	124
क्षारागदः कफस्थानगते	चिकित्सा	23	63	4	342
क्षारागदस्तृतीये शोफहरै	चिकित्सा	23	48	4	338
क्षाराम्ललवणात्युष्ण	चिकित्सा	16	7	4	83
क्षारारिष्टप्रयोगाश्च	चिकित्सा	27	28	5	9
क्षारेण गवां मूत्रस्नुतेन	चिकित्सा	7	86	3	342
क्षारोष्णतीक्ष्णौषध	चिकित्सा	26	54	4	484
क्षारो हि याति माधुर्यं	चिकित्सा	24	114	4	411
क्षिपेच्छीते त्रिवृच्चूर्णे	कल्प	7	25	6	65
क्षिप्यमाणं खवैगुण्याद्	चिकित्सा	15	37	4	21
क्षिप्रं मुञ्चति बध्नाति	चिकित्सा	28	34	5	29
क्षीणक्षतानां न विशोध	सिद्धि	1	37	6	163
क्षीणमांसबलप्राणः	चिकित्सा	17	22	4	122
क्षीणशोणितमांसस्य	इन्द्रिय	10	7	2	574
क्षीणस्य या छर्दिरति	चिकित्सा	20	19	4	249
क्षीणाः क्षत्ताः कृशा	सूत्र	22	26	1	391
क्षीणे मार्गीकृते देहे	चिकित्सा	30	328	5	214
क्षीणे वातादिभिर्दुष्टे	चिकित्सा	30	251	5	191
क्षीणे शकृति चान्त्रणि	सूत्र	17	70	1	324
क्षीणेषु दोषेष्ववकृष्य	चिकित्सा	6	6	3	299
क्षीरं घटे चित्रककल्क	चिकित्सा	12	58	3	503
क्षीरतैलघृतानां च	चिकित्सा	11	68	3	475
क्षीरदोषास्तथा चाष्टौ	चिकित्सा	30	337	5	219
क्षीरपिष्टमुमालेप	चिकित्सा	29	140	5	123
क्षीरप्रस्थं च तत्	चिकित्सा	5	148	3	289
क्षीरप्रस्थं जलप्रस्थ	चिकित्सा	2/2	15	3	84
क्षीरप्रस्थे शृतं दद्यात्	कल्प	3	6	6	35
क्षीरमांसरसोपेतै	चिकित्सा	8	169	3	403
क्षीरवतां मधुराणां	चिकित्सा	22	46	4	315
क्षीरशुक्ला नतं कुष्ठं	चिकित्सा	23	201	4	373

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
क्षीरशेषेण तेनाद्याद्	चिकित्सा	2/2	20	3	85
क्षीरसर्पिर्वृष्ययोगा	चिकित्सा	30	203	5	180
क्षीरादि कुसुमादीनां	कल्प	6	5	6	52
क्षीरादौ सप्त लेहेऽष्टौ	कल्प	7	78	6	78
क्षीराद् द्वौ प्रसृतौ कायौ	सिद्धि	8	4	6	310
क्षीरानुपानां गोमूत्रे	चिकित्सा	13	151	3	561
क्षीराम्बुना ततः सिक्तं	चिकित्सा	28	116	5	54
क्षीरिण्या नीलिकायाश्च	कल्प	11	14	6	101
क्षीरेक्षुरसगुडोदक	चिकित्सा	22	34	4	313
क्षीरेण बस्तिर्मधुरौषधैः	चिकित्सा	26	75	4	490
क्षीरेणामलकैः सर्पिश्च	कल्प	10	20	6	96
क्षीरेणालोड्य संपक्वं	कल्प	11	13	6	101
क्षीरेणैरण्डतैलं वा	चिकित्सा	29	83	5	108
क्षीरे द्वौ द्वौ सुरा चैका	कल्प	6	13	6	56
क्षुत्तृष्णाग्लानिदौर्बल्य	सूत्र	27	250	1	542
क्षुत्पिपासातपसहः	सूत्र	21	19	1	377
क्षुत्पिपासापरीताश्च	चिकित्सा	24	86	4	405
क्षुत्पिपासापहः पथ्यः	सूत्र	27	256	1	542
क्षुद्रप्रमाणाः पिडकाः	चिकित्सा	12	92	3	513
क्षुद्रवातो यथा कोष्ठाद्	चिकित्सा	17	34	4	125
क्षुद्रो गुडश्चतुर्भाग	सूत्र	27	239	1	539
क्षुद्वेगमोक्षौ लघुता	चिकित्सा	30	303	5	204
क्षुधार्तमृदुकोष्ठाभ्यां	सिद्धि	6	33	6	272
क्षुन्नाशः स्वाद्वतिस्निग्ध	चिकित्सा	13	16	3	523
क्षोभात् क्षते मूत्रयतीह	चिकित्सा	26	39	4	479
क्षोभाद्भयाच्छ्रमादपि	चिकित्सा	22	4	4	303
क्षौद्रपादं जयेच्छीघ्रं	चिकित्सा	19	99	4	236
क्षौद्रप्रमाणं स्नेहार्धं	चिकित्सा	1/1	52	3	16
क्षौद्रयुक्तं विधातव्यं	चिकित्सा	26	200	4	526
क्षौद्रयुक्ता निहन्त्यान्ध्यं	चिकित्सा	26	262	4	540
क्षौद्रसर्षपवल्मीक	चिकित्सा	27	51	5	14
क्षौद्रस्य तैलस्य च	सिद्धि	3	68	6	230
क्षौद्राम्बुना रसेनेक्षो	चिकित्सा	3	229	3	187

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
क्षौद्राष्टांशेन संयुक्तं	चिकित्सा	16	112	4	109
क्षौद्रेण संयुतं पेयं	चिकित्सा	30	88	5	151
क्षौमपद्मोत्पलानां च	चिकित्सा	24	153	4	419
क्ष्वेडस्य तत्र भागः स्यात्	कल्प	6	10	6	55
		ख			
खण्डीकृतानि निष्क्वाथ	चिकित्सा	15	175	4	60
खण्डेन च व्रणालेप	चिकित्सा	23	170	4	367
खदिरं धातकीं सज	चिकित्सा	25	91	4	459
खदिरकषायद्रोणं	चिकित्सा	7	76	3	340
खदिरघृतं निम्बघृतं	चिकित्सा	7	135	3	353
खदिरसुरदारुसारं	चिकित्सा	7	73	3	339
खदिरस्य तुलाः पञ्च	चिकित्सा	7	152	3	356
खदिरस्य प्रियङ्गूणां	चिकित्सा	4	70	3	239
खदिरावघातककुभ	चिकित्सा	7	129	3	352
खरत्वं प्रकरोत्तस्य	चिकित्सा	15	31	4	19
खरत्वं स्तब्धता रौक्ष्यं	सूत्र	5	90	1	125
खरद्रवचलोष्णत्वं	शारीर	1	29	2	318
खराश्वगोहंसपृषद्भृतानां	चिकित्सा	6	24	3	305
खराश्वोष्ट्रवराहाणां	चिकित्सा	17	116	4	145
खरेष्वस्थिषु मज्जा	चिकित्सा	15	25	4	19
खरोऽभ्यङ्गे स्मृतः पाको	कल्प	12	104	6	134
खरोष्ट्रयोः पीलुकरीर	सिद्धि	11	26	6	389
खर्जूरं तालशस्यं च	सूत्र	27	116	1	514
खर्जूरं पिप्पली द्राक्षा	चिकित्सा	8	100	3	385
खर्जूरं पिप्पली वांशी	चिकित्सा	18	89	4	178
खर्जूरफलमेदाभिः	चिकित्सा	11	63	3	474
खर्जूराक्षोटवाता	चिकित्सा	29	66	5	105
खर्जूराक्षोटवाता	चिकित्सा	26	171	4	519
खर्जूराणां मधूकानां	चिकित्सा	1/4	14	3	61
खर्जूरीमस्तकं माषान्	चिकित्सा	2/2	18	3	84
खवैगुण्यानिलाक्षेपैः	सिद्धि	9	33	6	340
खाञ्जयादीन् वातरोगांश्च	चिकित्सा	29	40	5	99
खात् पतत् सोमवाय्वर्कैः	सूत्र	27	197	1	528

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
खादयश्चेतनाषष्ठा	शारीर	1	16	2	314
खादीनां पञ्च पञ्चानां	इन्द्रिय	7	10	2	559
खादीनि बुद्धिरव्यक्त	शारीर	1	63	2	327
खादीन्यात्मा मनः	सूत्र	1	48	1	33
खुड्डाकपद्मकमिदं	चिकित्सा	29	115	5	115
खुड्डाकश्च चतुष्पादो	सूत्र	30	38	1	606
खुड्डिका महती चैव	सूत्र	30	51	1	609
		ग			
गङ्गां मरुद्गणांश्चेष्ट्या	चिकित्सा	3	313	3	218
गजखड्गितुरङ्गाणां	चिकित्सा	8	154	3	399
गजेऽधिकाऽश्वत्थवटाश्व	सिद्धि	11	24	6	388
गणैर्वातहरैस्तस्मात्	चिकित्सा	28	182	5	68
गण्डीरं पिप्पलीमूलं	चिकित्सा	14	114	3	605
गण्डीरभल्लातकचित्र	चिकित्सा	12	29	3	493
गण्डीरो जलपिप्पल्यः	सूत्र	27	171	1	522
गण्डूषः कर्णतैलं च	सूत्र	13	25	1	251
गतिरुद्र्ध्वमधश्चैव	चिकित्सा	4	15	3	226
गुदे सेकाः प्रदेहाश्च	सिद्धि	7	62	6	306
गतिः कालकृता चैषा	सूत्र	17	115	1	333
गतिर्ह्येकास्तराऽन्येद्युः	चिकित्सा	3	65	3	130
गतिवैषम्यविस्रत्व	सिद्धि	5	7	6	252
गतिसङ्गादुदावृत्तः	सिद्धि	9	39	6	341
गत्वा स्नात्वा पयः	चिकित्सा	2/4	38	3	101
गद्योक्तो यः पुनः श्लोकैः	निदान	1	41	2	31
गन्धं रसं स्पर्शमथापि	चिकित्सा	20	44	4	256
गन्धमाल्यं तदाघ्राय	कल्प	10	17	6	95
गन्धर्वपुरवन्नाशं	सूत्र	9	14	1	188
गन्धवर्णरसस्पर्शैर्यथा	निदान	4	29	2	61
गन्धादसात्म्यादाघ्राताद्	सूत्र	17	9	1	312
गन्धा विचित्रा मनसो	चिकित्सा	20	42	4	256
गन्धाश्चागुरुपत्राद्या	सूत्र	5	27	1	114
गन्धैः सुरायाः किण्वेन	सूत्र	14	36	1	275
गम्भीरं बहुधातुस्थं	सूत्र	10	18	1	199

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
गम्भीरं श्वयथुं स्तम्भं	चिकित्सा	29	39	5	98
गम्भीरानुगतं श्लक्ष्ण	कल्प	7	11	6	60
गम्भीरे मांसले देशे	चिकित्सा	25	82	4	458
गम्भीरे रक्तमाक्रान्तं	चिकित्सा	29	160	5	127
गम्भीरे श्वयथुः स्तब्धः	चिकित्सा	29	21	5	92
गरसंयोगजं चान्यद्	चिकित्सा	23	14	4	326
गरीयस्त्वेन पश्यन्ति	चिकित्सा	28	234	5	83
गरे गुल्मोदरे कासे	कल्प	4	4	6	42
गर्दभं पित्तलानां च	चिकित्सा	30	70	5	147
गर्भं योनिस्तदा शीघ्रं	सिद्धि	9	63	6	347
गर्भशुक्ररजोनाशः	चिकित्सा	28	22	5	25
गर्भस्य चत्वारि चतुर्विधानि	शारीर	2	26	2	357
गर्भस्य सद्योऽनुगतस्य	शारीर	2	22	2	357
गर्भार्थिनीनां गर्भश्च	चिकित्सा	11	77	3	476
गर्भाशयस्य योन्याश्च	चिकित्सा	30	36	5	138
गर्भिणीं स्थविरं बालं	चिकित्सा	4	63	3	239
गर्भिणी वृद्धबालानां	सूत्र	10	15	1	198
गर्भिण्याः श्लेष्मला	चिकित्सा	30	21	5	134
गलगण्डास्तु वातोत्था	चिकित्सा	21	140	4	299
गलग्रहं पूतिनस्यं	चिकित्सा	4	26	3	230
गलस्य पार्श्वे गलगण्ड	चिकित्सा	12	79	3	509
गलस्य सन्धौ चिबुके	चिकित्सा	12	76	3	507
गलोपलेपः शिरसो	सिद्धि	1	52	6	170
गव्यं समधुरं किंचित्	सूत्र	1	101	1	54
गव्यं सर्पिर्वराहस्य	चिकित्सा	2/2	11	3	83
गव्यमांसरसैः साम्ला	सूत्र	2	31	1	70
गात्रं रक्तं सितं कृष्णं	चिकित्सा	23	141	4	360
गात्रविक्षेपसङ्गश्च	चिकित्सा	28	228	5	82
गात्रशूलज्वरश्वास	चिकित्सा	16	14	4	85
गीताध्ययनमद्यस्त्री	सूत्र	21	39	1	382
गुञ्जाफलसवर्णं च	चिकित्सा	30	226	5	185
गुटिकाचूर्णनिर्यूहाः	चिकित्सा	5	55	3	268
गुटिका मातुलुङ्गस्य	चिकित्सा	15	97	4	41

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
गुटिकां धारयेदास्ये	चिकित्सा	8	139	3	396
गुडं सनागरं पाठां	चिकित्सा	14	98	3	602
गुडनागरमण्डूर	चिकित्सा	16	72	4	101
गुडमिक्षुरसं मस्तु	सूत्र	13	66	1	260
गुडशीताम्बुना पीतं	चिकित्सा	15	133	4	51
गुडस्यैकां तुलां वैद्य	चिकित्सा	14	150	3	612
गुडान् कृत्वा न चान्यत्र	कल्प	7	43	6	69
गुडान् गोधूमचूर्णेन	चिकित्सा	18	105	4	182
गुडूचीं त्रायमाणां च	चिकित्सा	3	247	3	191
गुडूचीं पिप्पलीं मूर्वां	चिकित्सा	18	161	4	194
गुडूचीं मधुकं ह्रस्वं	चिकित्सा	29	103	5	113
गुडूचीत्रिफलादन्ती	चिकित्सा	30	58	5	144
गुडूचीभद्रमुस्तानां	सूत्र	21	22	1	378
गुडूचीभद्रमुस्तानां	चिकित्सा	24	145	4	417
गुडूचीरसदुग्धाभ्यां	चिकित्सा	29	121	5	117
गुडेन मधुयुक्तेन	चिकित्सा	24	184	4	424
गुडे पुराणे द्विगुणे	चिकित्सा	26	193	4	524
गुणकर्माधिकं पाना	चिकित्सा	9	60	3	431
गुणवत्यां तयोर्भूमौ	कल्प	7	10	6	60
गुणाः शरीरदेशानां	इन्द्रिय	12	54	2	590
गुणाः शरीरे गुणिनां	शारीर	1·	31	2	319
गुणाः षड् द्विविधो	सूत्र	12	16	1	242
गुणा गुणाश्रया नोक्ता	सूत्र	26	36	1	461
गुणाश्च दश पूर्वोक्ता	चिकित्सा	24	116	4	411
गुणैरन्यतमैर्हीन	चिकित्सा	25	37	4	446
गुणैरेतैः समुदितैः	चिकित्सा	1/4	35	3	64
गुदं भ्रष्टं कषायैश्च	सिद्धि	6	85	6	288
गुदं सपिच्छं स्तिमितं	चिकित्सा	14	174	3	616
गुदनिःसरणं शूलं	चिकित्सा	14	133	3	608
गुदनिःसंरणे शूले	चिकित्सा	19	42	4	223
गुदमेढ्रास्यपाकश्च	सूत्र	28	12	1	576
गुदवङ्क्षणकट्यूरु	चिकित्सा	19	92	4	235
गुदश्वयथुशूलात	चिकित्सा	14	62	3	594

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
गुदो बहुभिरुत्थानैः	चिकित्सा	19	87	4	234
गुरुः कठिनसंस्थानो	चिकित्सा	5	40	3	265
गुरुः स्थिरः पाण्डुर	चिकित्सा	12	14	3	487
गुरुकोष्ठोऽनिलप्राये	सिद्धि	7	7	6	293
गुरु चातर्पणं चेष्टं	सूत्र	21	20	1	378
गुरुणा तमवध्यातं	चिकित्सा	8	7	3	364
गुरुणेति वचस्युदाहृते	सिद्धि	11	15	6	385
गुरुत्वं दैन्यमुद्वेगः	चिकित्सा	3	76	3	134
गुरुत्वं लाघवाच्छैत्य	चिकित्सा	24	32	4	391
गुरु पिष्टमयं तस्मात्	सूत्र	5	9	1	109
गुरुभक्ष्याश्च ये सत्त्वाः	सूत्र	27	333	1	560
गुरुभिः प्रावृतैरङ्गैः	सूत्र	24	40	1	409
गुरुलाघवचिन्तेयं	सूत्र	27	343	1	563
गुरुशीतमतिस्निग्ध	विमान	5	13	2	178
गुरुशीतमृदुस्निग्ध	सूत्र	1	61	1	43
गुरु शीतं मृदु श्लक्ष्णं	चिकित्सा	24	31	4	390
गुरुस्निग्धाम्ललवणा	सूत्र	17	78	1	327
गुरूणां लाघवं विद्यात्	सूत्र	27	339	1	562
गुरूणामल्पमादेयं	सूत्र	27	341	1	562
गुरूष्णत्वान्न शंसन्ति	चिकित्सा	3	193	3	170
गुरूष्णवासा दिग्धाङ्गो	सूत्र	6	15	1	135
गुरूष्णास्निग्धमधुरा	सूत्र	27	57	1	504
गुरूष्णं मधुरं रुक्षं	सूत्र	27	159	1	517
गुर्वङ्गं तुद्यतेऽत्यर्थं	चिकित्सा	28	32	5	28
गुर्वतिस्निग्धशीतादि	चिकित्सा	15	67	4	32
गुर्वन्नपयः स्नेहैः	चिकित्सा	22	20	4	309
गुर्वभिष्यन्दि पानीयं	सूत्र	27	203	1	529
गुर्वभिष्यन्दिमधुर	चिकित्सा	18	17	4	160
गुर्वादिभिर्हेतुभिश्च	चिकित्सा	30	217	5	183
गुर्व्यभिष्यन्द्यसात्म्यानां	चिकित्सा	3	342	3	218
गुलिटिकाः कारयेद्वैद्यो	चिकित्सा	2/4	32	3	100
गुल्मं प्लीहानमानाहं	चिकित्सा	5	89	3	276
गुल्मं प्लीहोदरं श्वासं	कल्प	7	39	6	69

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
गुल्मं श्वयथुमर्शांसि	चिकित्सा	5	159	3	291
गुल्मः क्षयो मेहनबस्ति	चिकित्सा	6	17	3	303
गुल्मकुष्ठोदरव्यङ्ग	चिकित्सा	5	109	3	280
गुल्मघ्नं नीलिनीसर्पिः	चिकित्सा	13	146	3	560
गुल्मघ्ना विविधा दिष्टा	चिकित्सा	5	100	3	279
गुल्मस्यान्ते दाहः	चिकित्सा	5	187	3	296
गुल्महृद्रोगसम्मोहा	सूत्र	7	24	1	150
गुल्मातिसारोदावत	सिद्धि	10	44	6	378
गुल्मानां गरदोषाणां	चिकित्सा	13	145	3	559
गुल्मानाहामवातांश्च	चिकित्सा	16	63	4	99
गुल्मार्शःप्रदरादींश्च	चिकित्सा	30	39	5	139
गुल्मिनः सर्पदष्टाश्च	सूत्र	13	32	1	253
गुल्मिनामनिलशान्ति	निदान	3	17	2	51
गुल्मोदरब्रध्नार्शः	चिकित्सा	26	27	4	476
गुल्मोदरार्शः श्वयथु	चिकित्सा	12	48	3	499
गुल्मोपकुशवीसर्प	सूत्र	24	12	1	404
गुहामतिगुहां श्वेता	चिकित्सा	23	213	4	375
गूढ़पूयलसीकेषु	चिकित्सा	25	102	4	462
गूढ़सम्पादितं वृत्तं	चिकित्सा	23	135	4	358
गृञ्जनकसुरासिद्धां	चिकित्सा	14	201	3	622
गृध्नमभ्यवहार्येषु	निदान	4	50	2	65
गृध्रसिपक्षवधादिषु	चिकित्सा	26	28	4	476
गृध्रोलूकश्वकाकाद्यैः	इन्द्रिय	5	29	2	548
गृहधूमो वचा कुष्ठं	चिकित्सा	29	149	5	124
गृहीत्वा तं रसं पूतं	चिकित्सा	2/2	4	3	82
गृहीत्वा सज्वरश्वासं	चिकित्सा	5	171	3	293
गृह्णात्यम्बु यथा वस्त्रं	सूत्र	13	96	1	266
गैरिकं सैन्धवं मुस्तं	चिकित्सा	26	235	4	534
गोऽव्यजामहिषीमूत्र	कल्प	7	13	6	61
गोक्षीरार्धाढ़कं सर्पिः	चिकित्सा	11	70	3	475
गोखराश्वतरोष्ट्राश्च	सूत्र	27	35	1	499
गोखराश्वशकृत्पिण्डैः	चिकित्सा	14	41	3	590
गोखरोष्ट्रवराहाश्व	सूत्र	14	26	1	273

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
गोधालोपाकमार्जारः	चिकित्सा	14	126	3	607
गोधूमचूर्णमन्थं वा	चिकित्सा	15	226	4	74
गोधूमचूर्णषष्ठानि	चिकित्सा	2/1	39	3	78
गोधूमचूर्णैश्च तथाऽक्षमात्रैः	सिद्धि	3	54	6	227
गोधूमशकलैश्चूर्णैः	सूत्र	14	35	1	275
गोधूमशालीन् सयवान्	चिकित्सा	20	35	4	253
गोपित्तयुतैर्गुटिकाः	चिकित्सा	23	52	4	340
गोपित्तयुना रजनी	चिकित्सा	23	50	4	339
गोमहिष्याश्वनागाजैः	चिकित्सा	11	83	3	477
गोमूत्रगन्धयः सर्वे	चिकित्सा	1/3	60	3	51
गोमूत्राञ्जलिना पिष्टं	चिकित्सा	16	67	4	100
गोमूत्राध्युषितां दद्यात्	चिकित्सा	14	67	3	595
गोमूत्रारिष्टपानैश्च	चिकित्सा	13	73	3	542
गोमूत्रेण समांशानि	चिकित्सा	15	180	4	61
गोमूत्रे द्विगुणे दार्व्याः	चिकित्सा	16	54	4	97
गोमूत्रेऽष्टगुणे पक्त्वा	चिकित्सा	16	75	4	101
गोमूत्रैः पत्रनिर्यूहै	चिकित्सा	21	123	4	295
गोरसानिक्षुविकृती	सूत्र	6	13	1	135
गोरसैर्गौडिकैश्चान्नैः	सूत्र	23	4	1	395
गोशकृद्रसदध्यम्ल	चिकित्सा	10	17	3	445
गोशकृद्रसदध्यम्लक्षीर	चिकित्सा	10	22	3	446
गोसर्गे वदनाद्यस्य	इन्द्रिय	8	24	2	567
गौरवं मृदुतामग्नेर्भक्ता	सूत्र	17	56	1	320
गौरवं लिङ्गसामान्ये	सूत्र	27	338	1	562
गौरवायाससङ्कोच	चिकित्सा	27	13	5	4
गौरवारोचकेष्वादौ	चिकित्सा	26	149	4	514
गौरवे लाघवे चैव	सूत्र	26	57	1	472
गौरवे शिरसः शूले	सूत्र	2	6	1	63
ग्रन्थिश्च भौर्जो लशुनः	सूत्र	3	4	1	74
ग्रन्थ्यर्बुदानां च यतो	चिकित्सा	12	87	3	511
ग्रहणीं दीपयत्येव	चिकित्सा	15	149	4	54
ग्रहणीदोषपार्श्वर्ते	चिकित्सा	14	22	3	587
ग्रहणीपाण्डुरोगघ्नं	चिकित्सा	14	147	3	611

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
ग्रहणीपाण्डुरोगघ्नं	कल्प	7	71	6	76
ग्रहणीपाण्डुरोगाणां	सूत्र	30	60	1	611
ग्रहणीपाण्डुरोगार्शः	चिकित्सा	15	155	4	55
ग्रहणीपाण्डुरोगांश्च	कल्प	7	45	6	69
ग्रहणीपाण्डुहृद्रोग	चिकित्सा	14	142	3	610
ग्रहणीमाश्रितं दोषं	चिकित्सा	15	73	4	34
ग्रहणीरोगिभिः सेव्याः	चिकित्सा	15	198	4	65
ग्रहण्यर्शोविकारघ्नं	चिकित्सा	14	117	3	606
ग्रहण्यर्शोनुदश्चैव	चिकित्सा	16	105	4	107
ग्रहण्यर्शोविकारेषु	चिकित्सा	5	83	3	275
ग्रहण्यां श्लेष्मदुष्टायां	चिकित्सा	15	141	4	52
ग्रहाम्बुदरजोधूम	शारीर	5	14	2	422
ग्रहाः स्तोत्राणि मन्त्राणि	चिकित्सा	1/4	46	3	65
ग्राम्यबैलाम्बुजानूपैः	चिकित्सा	25	73	4	456
ग्राम्यानूपौदकं मांसं	सूत्र	13	91	1	265
ग्राम्यानूपौदकं मांसं	सूत्र	14	29	1	274
ग्राम्यानूपौदकैः शालि	चिकित्सा	18	76	4	176
ग्राम्याब्जानूपं पिशित	चिकित्सा	12	20	3	490
ग्राम्यौदकानि मेद्यानि	चिकित्सा	30	206	5	181
ग्राहि गृञ्जनकस्तीक्ष्णो	सूत्र	27	174	1	522
ग्राहि शस्तं विशेषेण	सूत्र	27	91	1	509
ग्रीवावमर्दो बलवान्	इन्द्रिय	11	15	2	579
ग्रीष्मवर्ज्येषु कालेषु	सूत्र	21	44	1	383
ग्रीष्मे त्वादानरूक्षाणां	सूत्र	21	43	1	382
ग्लानिर्मोहोऽतिसारश्च	चिकित्सा	23	222	4	378
ग्लानिर्हि न हिता तस्य	चिकित्सा	25	71	4	456
ग्लायते नासिकावंशः	इन्द्रिय	8	10	2	565
		घ			
घट्टते सहते शब्दं	सूत्र	17	64	1	324
घट्टयञ्जानुना जानु	इन्द्रिय	8	17	2	566
घनश्लेष्माणे लेहास्तु	चिकित्सा	18	97	4	180
घनीभूतमिवाकाश	इन्द्रिय	4	7	2	539
घर्मश्रमभयार्तानां	चिकित्सा	7	6	3	319

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
घृणित्वमश्नतश्चापि	चिकित्सा	8	34	3	370
घृतं क्षीरं यवाः शालि	चिकित्सा	26	148	4	513
घृतं खर्जूरमृद्वीका	चिकित्सा	8	96	3	385
घृतं च जीवनीयं	चिकित्सा	30	148	5	167
घृतं चतुर्गुणक्षीरं	चिकित्सा	29	57	5	104
घृतं पयश्च तत्सिद्धं	चिकित्सा	3	226	3	187
घृतं पित्तानिलहरं	सूत्र	13	14	1	248
घृतं माषान् सबस्ताण्डान्	चिकित्सा	2/1	42	3	79
घृतं यवागूमण्डेन	चिकित्सा	19	79	4	232
घृतं शतावरीगर्भं	चिकित्सा	2/3	18	3	91
घृतं श्वदंष्ट्रास्वरसेन	चिकित्सा	26	74	4	489
घृतं सहचरान्मूलं	चिकित्सा	29	139	5	122
घृतं सैन्धवहिङ्गुभ्यां	चिकित्सा	10	26	3	447
घृतक्षारासवारिष्टान्	चिकित्सा	15	195	4	64
घृतक्षीराशनो निर्भी	चिकित्सा	2/3	20	3	92
घृततैलयुतैः साम्लैः	चिकित्सा	28	109	5	53
घृततैलरसक्षीर	चिकित्सा	2/4	10	3	95
घृततैलावसेकांश्च	चिकित्सा	5	181	3	294
घृतपात्रं शतगुणे	चिकित्सा	2/4	30	3	100
घृतभृष्टान् रसे च्छागे	चिकित्सा	2/4	18	3	98
घृतमण्डाञ्जनयुतं	सिद्धि	6	84	6	286
घृतमण्डेन शीतेन	चिकित्सा	21	94	4	289
घृतमांसरसैर्भृष्टं	चिकित्सा	29	53	5	102
घृतमांसवितृप्तं वा	चिकित्सा	9	78	3	435
घृतमेकं कषायेषु	कल्प	3	22	6	40
घृतयुक्ते नतकुष्ठे	चिकित्सा	23	99	4	350
घृतानामौषधगणा	चिकित्सा	5	76	3	274
घोरान् प्राणोपरोधाय	चिकित्सा	17	18	4	121
घ्राणमूले स्थितः श्लेष्मा	चिकित्सा	8	48	3	375
घ्राणे तथोच्छ्वासगतिं	चिकित्सा	26	116	4	503
घ्राणेनास्येन कण्ठस्थे	सूत्र	5	47	1	118
घ्रेयाश्च रोहिषाजाजी	चिकित्सा	26	138	4	511
घ्रेयनस्योपचाराश्च	चिकित्सा	26	147	4	513

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
च					
चक्षुष्यं स्पर्शनहितं	सूत्र	5	100	1	127
चक्षुस्तेजोमयं तस्य	सूत्र	5	16	1	111
चटकानां सहंसानां	चिकित्सा	2/2	10	3	83
चटकांस्तित्तिररसे	चिकित्सा	2/1	44	3	79
चणकाश्च मसूराश्च	सूत्र	27	28	1	497
चण्डः साहसिको भीरुः	सिद्धि	2	4	6	177
चतुरङ्गुलमज्ज्ञस्तु	कल्प	8	9	6	82
चतुरङ्गुलसिद्धाद्वा	कल्प	8	13	6	83
चतुर्गुणे जले सम्यग्	चिकित्सा	9	38	3	424
चतुर्गुणेन पयसा	चिकित्सा	29	75	5	106
चतुर्गुणेनाम्भसा वा	चिकित्सा	3	238	3	189
चतुर्णां प्रस्थमम्लानां	चिकित्सा	15	111	4	45
चतुर्ण्णां भिषगादीनां	सूत्र	9	5	1	186
चतुर्थको दर्शयति	चिकित्सा	3	72	3	132
चतुर्द्रोणेऽम्भसः	सिद्धि	4	6	6	234
चतुर्द्रोणेऽम्भसः पक्त्वा	चिकित्सा	15	153	4	55
चतुर्भागावशेषेण	चिकित्सा	15	84	4	36
चतुर्विधं व्यासतस्तु	चिकित्सा	30	210	5	182
चतुर्विधविकल्पाश्च	सूत्र	10	24	1	200
चतुर्ष्वपि तु दुष्टेषु	विमान	3	12	2	145
चतुष्कद्वयमप्येत	सूत्र	30	58	1	611
चतुष्काणां महार्थानां	सूत्र	30	46	1	608
चतुष्पदानां त्वग्लोम	चिकित्सा	25	18	4	466
चतुष्पद्विद्विपद्विर्वा	चिकित्सा	23	219	4	377
चतुष्पलं तुगाक्षीया	चिकित्सा	18	56	4	170
चतुष्पलं सुधाकाण्डात्	चिकित्सा	15	183	4	62
चतुष्पले तैलघृतस्य	सिद्धि	3	43	6	224
चतुष्प्रकारा संशुद्धिः	सूत्र	22	18	1	389
चतुष्प्रयोगाः शस्यन्ते	चिकित्सा	28	205	5	75
चतुष्प्रयोगाण्यायुष्य	चिकित्सा	28	143	5	60
चतुष्प्रस्थे शृतं प्रस्थं	चिकित्सा	14	238	3	629
चतुःस्नेहोत्तमा मात्रा	सिद्धि	9	77	6	350

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
चत्वारः कुडवा प्रस्थ	कल्प	12	94	6	130
चत्वार एते श्लोकार्धैः	चिकित्सा	8	80	3	382
चत्वारश्च घृते क्षीरे	कल्प	7	79	6	78
चत्वारश्चाष्टका वर्गाः	सूत्र	19	9	1	358
चत्वारस्तैलगोमूत्रं	सिद्धि	8	12	6	312
चत्वारि नागपुष्पस्य	चिकित्सा	14	161	3	613
चत्वारो मूत्रसिद्धास्ते	सिद्धि	10	27	6	373
चन्दनं च मृणालं च	चिकित्सा	19	53	4	227
चन्दनं धातकीं कुष्ठं	चिकित्सा	27	30	5	9
चन्दनं पद्मकिञ्जल्कं	चिकित्सा	25	88	4	459
चन्दनं पद्मकोशीरं	सिद्धि	10	22	6	372
चन्दनं पद्मकोशीरं	चिकित्सा	15	125	4	49
चन्दनं पद्मकोशीरं	चिकित्सा	26	208	4	528
चन्दनकिराततिक्त	चिकित्सा	14	180	3	619
चन्दनागुरुकाश्मय	चिकित्सा	3	253	3	192
चन्दनागुरुदिग्धाङ्गो	सूत्र	6	25	1	138
चन्दनाद्येन तैलेन	चिकित्सा	8	85	3	383
चन्दनार्द्रस्तनकराः	चिकित्सा	29	130	5	120
चन्दनोदकशीतेषु	चिकित्सा	3	261	3	197
चन्दनोशीरयष्ट्याह्व	चिकित्सा	26	177	4	521
चन्दनोशीरलोध्राणां	चिकित्सा	4	45	3	233
चन्द्रपादाम्बुसंसिक्ते	चिकित्सा	29	129	5	120
चन्द्रांशुकल्पं पयसा	चिकित्सा	2/2	27	3	86
चयादयश्च दोषाणां	चिकित्सा	30	304	5	204
चरः शरीरावयवा	सूत्र	27	331	1	560
चरोऽनूपजलाकाश	सूत्र	27	332	1	560
चर्मकषाया कल्कं	चिकित्सा	23	66	4	344
चर्मभिश्चोपनद्धव्यः	सूत्र	14	37	1	275
चर्माख्यमेककुष्ठं च	चिकित्सा	7	29	3	326
चलस्तनुत्वक्परुषो	चिकित्सा	12	12	3	485
चव्यं चित्रकमूलानि	चिकित्सा	27	32	5	10
चव्यं त्रिकटुकं पाठां	चिकित्सा	14	107	3	604
चव्यचित्रकसिद्धं वा	चिकित्सा	14	105	3	604

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
चव्यभार्ग्यभयाव्योष	चिकित्सा	26	287	4	546
चाङ्गेरीकोलदध्यम्ल	चिकित्सा	19	43	4	223
चाङ्गेरीस्वरसे सर्पिः	चिकित्सा	14	111	3	605
चाङ्गेर्याश्शुक्रिकायाश्च	चिकित्सा	8	131	3	395
चापवन्नाम्यमानस्य	चिकित्सा	28	47	5	32
चारुष्को हरिणैणौ च	सूत्र	27	46	1	500
चारूपचितगात्र्यश्च	चिकित्सा	3	270	3	200
चाषपक्षनिभं मूत्रमम्लं	निदान	4	31	2	61
चिकित्सति भिषक्	चिकित्सा	1	86	2	334
चिकित्सते त्रयः पादाः	सूत्र	9	25	1	190
चिकित्सया विषघ्न्यैश्च	चिकित्सा	3	118	3	142
चिकित्सा चापि निर्दिष्टा	चिकित्सा	30	335	5	219
चिकित्साप्राभृतं तस्मात्	सूत्र	16	12	1	302
चिकित्साप्राभृतगुणो	सूत्र	16	39	1	308
चिकित्साप्राभृतो धीमान्	सूत्र	16	3	1	300
चिकित्सितं व्याधिहरं	चिकित्सा	1	3	3	4
चिकित्सितमिदं सिद्धं	चिकित्सा	14	170	3	616
चिकित्सितश्च शीतांशु	चिकित्सा	1/4	43	3	65
चिकित्सितस्तु संश्रुत्ये	चिकित्सा	1/4	55	3	68
चिकित्सितार्थ एतावान्	चिकित्सा	1	14	3	9
चितः शीते कफश्चैवं	चिकित्सा	3	43	3	122
चित्तेन्द्रियशरीराणां	चिकित्सा	3	120	3	142
चित्रकं च पिबेच्चूर्णं	चिकित्सा	13	138	3	558
चित्रकं त्रिफलाजाजी	चिकित्सा	18	173	4	196
चित्रकं पिप्पलीमूलं	चिकित्सा	15	96	4	41
चित्रकं पिप्पलीमूलं	चिकित्सा	18	53	4	170
चित्रकं बिल्वमभयां	चिकित्सा	14	108	3	605
चित्रकं मधुकं रास्नां	चिकित्सा	5	145	3	288
चित्रकं हपुषां हिङ्गुं	चिकित्सा	14	71	3	595
चित्रकक्षारबिल्वानां	चिकित्सा	14	40	3	590
चित्रकमेलां बिम्बीं	चिकित्सा	7	85	3	342
चित्रकशोभाञ्जनको	चिकित्सा	7	124	3	351
चिन्ताकामभयक्रोध	चिकित्सा	10	5	3	441

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
चिन्ताव्यायामवाक्चेष्टा	चिकित्सा	26	143	4	511
चिन्ताशोकादविस्रम्भाद्	चिकित्सा	30	137	5	164
चिन्त्यं विचार्यमूह्यं च	चिकित्सा	1	20	2	315
चिरं धारयतो मूत्रं	सिद्धि	9	35	6	340
चिरकालपरिक्लिष्टं	चिकित्सा	3	335	3	218
चिरजातकठिनबलेषु	सिद्धि	10	17	6	371
चिराच्च पाकं व्रजति	चिकित्सा	30	174	5	172
चिरात् पाकश्च दोषाणां	चिकित्सा	3	109	3	138
चिरात् पीडितमन्त्रेन	चिकित्सा	28	71	5	40
चिराद्दुःखं द्रवं शुष्कं	चिकित्सा	15	64	4	31
चूर्णं तर्पणभागैर्नवभिः	चिकित्सा	7	66	3	337
चूर्णं पुष्यानुगं नाम	चिकित्सा	30	96	5	152
चूर्णं पौनर्नवं रक्तं	चिकित्सा	11	26	3	464
चूर्णं वा सर्वगन्धानां	चिकित्सा	30	125	5	159
चूर्णं ससैन्धवानन्तं	चिकित्सा	23	232	4	380
चूर्णतैलघृतक्षौद्रभागाः	सूत्र	23	21	1	396
चूर्णमेतत् प्रयोक्तव्यं	चिकित्सा	5	81	3	275
चूर्णयेत्तु त्रिधा कृत्वा	कल्प	9	4	6	86
चूर्णस्याध्मापनं तद्धि	सिद्धि	9	91	6	355
चूर्णानि मातुलुङ्गस्य	चिकित्सा	5	78	3	274
चूर्णानि लवणक्षार	चिकित्सा	15	197	4	65
चूर्णानि लिह्यान्मधुना	चिकित्सा	20	21	4	249
चूर्णितं प्राशयेद्वा तत्	चिकित्सा	8	104	3	388
चूर्णितं मधुनः कुर्यान्	चिकित्सा	16	90	4	104
चूर्णितं मोदकान् कुर्याद्	कल्प	7	53	6	72
चूर्णीकृतं चित्रकहिङ्गु	चिकित्सा	26	65	4	486
चूर्णीकृतस्य वर्तिं वा	कल्प	4	11	6	44
चूर्णीकृतैरर्धपलांशिकैस्तं	चिकित्सा	12	36	3	495
चूर्णीकृत्य समांशानि	चिकित्सा	18	179	4	198
चूर्णैर्वाऽप्युत्पलादीनि	कल्प	4	10	6	44
चेतनावान् यतश्चात्मा	चिकित्सा	1	76	2	330

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
चैत्यध्वजपताकानां	इन्द्रिय	12	28	2	587
छ					
छगलीपयसा पीता	चिकित्सा	14	191	3	620
छत्री झर्झरपाणिश्च	चिकित्सा	23	250	4	383
छर्दनं च विदग्धस्य	चिकित्सा	28	222	5	80
छर्दनः कुन्थनस्तेन	चिकित्सा	30	247	5	190
छर्दयेन्माल्यमाघ्राय	कल्प	3	12	6	36
छर्दिः शैत्यं मुहुर्दाहः	चिकित्सा	3	93	2	137
छर्दिः श्वासेऽरुचिः	सूत्र	18	18	6	341
छर्दिमूर्च्छारुचिग्लानि	सिद्धि	4	34	6	241
छर्दिर्हृद्रोगगुल्मानां	सिद्धि	2	27	6	203
छर्द्यतीसारशूलार्तः	चिकित्सा	30	162	5	170
छर्द्यतीसारहृल्लासा	चिकित्सा	24	104	4	408
छर्द्यरोचकहृल्लास	चिकित्सा	24	97	4	407
छर्द्यरोचकहृल्लास	चिकित्सा	30	219	5	183
छर्द्यर्शोग्रन्थिशूलेषु	चिकित्सा	15	102	4	43
छर्द्युत्थितानां च चिकि	चिकित्सा	20	45	4	257
छागं कषायमधुरं	सूत्र	27	222	6	533
छागं गव्यं माहिषं वा	चिकित्सा	23	67	4	344
छागं पयः स्यात् परमं	चिकित्सा	4	83	2	243
छागमांसरसं रूक्षमम्लं	चिकित्सा	24	173	4	422
छागलिपयः प्रयुक्तं	चिकित्सा	14	194	3	621
छागलं वा रसं दद्यात्	चिकित्सा	14	94	3	602
छागान्तराधि तरुणं	चिकित्सा	14	209	32	624
छित्त्वा छित्त्वाऽऽशयात्	चिकित्सा	5	59	3	269
छिद्रं न दृश्यतेऽस्थ्नां	चिकित्सा	15	27	4	19
छिन्नभिन्नानि दग्धानि	इन्द्रिय	12	35	2	588
छिन्नमूला विदह्यन्ते	चिकित्सा	5	37	3	264
छिन्ना भिन्नाऽकुला	इन्द्रिय	7	5	2	588
ज					
जग्ध्वा वा बाल	चिकित्सा	19	114	4	239
जघन्यमध्यप्रवरं	चिकित्सा	30	177	5	174
जङ्गमं स्यादधोभाग	चिकित्सा	23	17	4	327

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
जङ्गमस्थावराणां तद्	चिकित्सा	23	6	4	323
जङ्घासु पिण्डीप्रपदो	चिकित्सा	12	98	3	515
जङ्घोरुग्लानिरत्यर्थं	चिकित्सा	27	17	5	6
जङ्घोरुत्रिकपात्पृष्ठ	चिकित्सा	28	27	5	27
जङ्घोरुसदनं तन्द्रा	सूत्र	16	8	1	301
जटिलां पूतनां केशीं	चिकित्सा	9	45	3	428
जटीभूतानि पक्ष्माणि	इन्द्रिय	8	4	2	564
जठरं ग्रहणीदोषो	चिकित्सा	23	235	4	380
जठरं ग्रहणीदोषः	सूत्र	13	76	1	262
जतुसेव्यपत्रगुग्गुलु	चिकित्सा	23	100	4	350
जनयन्ति भृशं शोथं	सूत्र	18	35	1	342
जनयेद्यस्य तं तैलं	चिकित्सा	13	170	3	562
जन्मनैवोदरं सर्वं	चिकित्सा	13	54	3	537
जपशौचपरं धीरं	चिकित्सा	1/4	31	3	63
जम्बूत्वङ्नागरं धान्यं	चिकित्सा	19	110	4	239
जम्ब्वाम्रबिल्वमध्यानि	चिकित्सा	15	136	4	51
जम्ब्वाम्रमध्यं बिल्वं च	चिकित्सा	8	127	3	393
जम्ब्वाम्रमध्यकासीस	चिकित्सा	30	79	5	149
जम्ब्वाम्रातकबदरी	चिकित्सा	22	35	4	313
जयेत्कफकृतं गुल्मं	चिकित्सा	5	56	3	268
जरणान्तेऽभयामेकां	चिकित्सा	1/3	41	3	48
जरणीयो विबन्धघ्नः	सूत्र	27	185	1	525
जरया चिन्तया शुक्रं	चिकित्सा	2/4	43	3	101
जरां कृच्छ्रेण लभते	सूत्र	16	19	1	303
जरापरीतोऽप्यबलो	चिकित्सा	2/2	17	3	84
जराव्याधिप्रशमनं	चिकित्सा	1/3	27	3	45
जराव्याधिप्रशमनं	चिकित्सा	1/3	53	3	50
जरासंभवजे क्लैब्ये	चिकित्सा	30	202	5	180
जलं खर्जूरमृद्वीका	चिकित्सा	4	33	3	231
जलं मुस्तैः शृतं वाऽपि	चिकित्सा	24	167	4	421
जलकर्षणबीजर्तु	सूत्र	11	23	1	213
जलजानूपबैलानां	सूत्र	24	7	1	404
जलजैर्यवचूर्णैर्वा	चिकित्सा	29	132	5	120

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
जलद्रोणे पचेत् पाद	चिकित्सा	28	131	5	58
जलद्रोणे विपक्तव्या	चिकित्सा	5	154	3	290
जलद्विकंसेऽष्टपलं	सिद्धि	3	44	6	224
जलमुष्णं घृते पेयं	सूत्र	13	22	1	251
जलमेकविधं सर्वं	सूत्र	27	196	1	527
जलवाप्यलोहकेशर	चिकित्सा	7	130	3	352
जलस्नेहौषधानां तु	कल्प	12	101	6	133
जलाग्निद्रुमशैलेभ्यो	चिकित्सा	10	66	3	457
जलाढ़कशते पक्त्वा	चिकित्सा	28	149	5	62
जलाढ़के पादशेषे	चिकित्सा	5	124	3	284
जलाशयानां शैलानां	चिकित्सा	8	37	3	371
जले चतुर्गुणे पक्त्वा	चिकित्सा	18	162	4	194
जले दशगुणे साध्यं	चिकित्सा	5	118	3	283
जलेन शोभाञ्जनमूल	चिकित्सा	26	67	4	486
जलेनामलकीबीजं	चिकित्सा	30	117	5	159
जलेनोत्क्वाथ्य शूलार्तं	चिकित्सा	14	46	3	592
जले पक्त्वा घृतप्रस्थं	चिकित्सा	26	164	4	517
जले पक्त्वा रसः पूतः	चिकित्सा	17	95	4	142
जले शृतैः पचेत्तैल	चिकित्सा	29	111	5	114
जले सुविमले जाल	इन्द्रिय	4	9	2	539
जलैश्च वासार्ककरञ्ज	चिकित्सा	12	67	3	504
जलोपमं चेक्षुरसोपमं	चिकित्सा	6	9	3	301
जलौकः शकृता तद्वद्	चिकित्सा	10	40	3	450
जलौकोभिस्तथा शस्त्रैः	चिकित्सा	14	61	3	594
जाग्रत् पश्यति यः प्रेतान्	इन्द्रिय	4	10	2	539
जाङ्गलानां च मांसानां	चिकित्सा	21	112	4	292
जाङ्गलैः प्रतिभुक्तस्य·	चिकित्सा	18	156	4	193
जाङ्गलैर्वा रसैर्भोज्यं	सिद्धि	6	51	6	278
जातं जातं जलं स्राव्यं	चिकित्सा	13	92	3	547
जातं विमथ्य तद्युक्त्या	चिकित्सा	13	139	3	559
जातं स्यात् सकफे	कल्प	3	9	6	35
जातः प्रमेही मधुमेहिनो	चिकित्सा	6	57	3	315
जाताजाताम्बुलिङ्गानि	चिकित्सा	13	196	3	571

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
जातीकन्दुकपूगानां	सूत्र	5	77	1	123
जात्यर्कनिम्बजैर्वा	चिकित्सा	7	57	3	334
जात्यर्कपुष्परसरजनी	चिकित्सा	23	56	4	341
जात्यश्वहनवृन्तेन	सिद्धि	9	51	6	344
जात्याः सौमनसायिन्या	कल्प	4	16	6	45
जानञ्जुगुप्सन्नैवाद्या	चिकित्सा	8	157	3	400
जानन्नपि मृदोऽभावात्	शारीर	3	20	2	384
जानुजङ्घोरुकट्यंस	चिकित्सा	29	17	5	91
जायते च यथाऽत्यग्नि	चिकित्सा	15	249	4	78
जायते तेन सोऽत्यर्थं	चिकित्सा	30	180	5	174
जायते बुद्धिरव्यक्तात्	शारीर	1	66	2	328
जायते विषमे तत्र	शारीर	1	23	2	317
जायन्ते मोहनिद्रास्ता	चिकित्सा	24	40	4	393
जायन्ते व्याधयश्चातः	चिकित्सा	8	44	3	372
जायन्ते हेतुवैषम्यात्	सूत्र	16	27	1	305
जिङ्गिनीवृषमूलानां	चिकित्सा	30	83	5	150
जिह्वानिर्गममरुचिं	चिकित्सा	22	10	4	305
जिह्वानिर्लेखनानि स्युः	सूत्र	5	75	1	122
जीमूतकं त्रिदोषघ्नं	कल्प	2	4	6	29
जीर्णं घृतं च सर्वाक्षि	चिकित्सा	26	259	4	539
जीर्णं सर्पिस्तथा तैलं	चिकित्सा	28	188	5	69
जीर्णज्वरहरं कुर्यात्	चिकित्सा	3	281	3	201
जीर्णज्वराणां सर्वेषां	चिकित्सा	3	239	3	189
जीर्णज्वरे रुचिकरं	चिकित्सा	3	174	3	165
जीर्णानां च सुशुष्काणां	कल्प	2	7	6	29
जीर्णान्ते वातजा रोगा	चिकित्सा	30	312	5	208
जीर्णाममद्यदोषाय	चिकित्सा	24	110	4	410
जीर्णार्शोग्रहणीदोष	सूत्र	27	59	1	504
जीर्णे जीर्णे च भुञ्जीत	चिकित्सा	1/3	37	3	47
जीर्णे जीर्यति चाध्मानं	चिकित्सा	15	63	4	31
जीर्णे तक्रे प्रदद्याद्वा	चिकित्सा	14	80	3	598
जीर्णे तैले च दुग्धेन	चिकित्सा	28	148	5	61
जीर्णेऽधिके स्नेहविरेचनं	चिकित्सा	26	102	4	497

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
जीर्णे रसैर्वा मधुरैः	चिकित्सा	15	194	4	64
जीर्णे समधुराम्लेन	चिकित्सा	24	147	4	417
जीर्णौषधानां शस्यन्ते	चिकित्सा	19	56	4	227
जीर्यतश्चोत्तमाङ्गेषु	सूत्र	5	63	1	120
जीवकर्षभकेक्षूणां	कल्प	2	12	6	31
जीवकर्षभकौ मेदां	चिकित्सा	1	44	3	16
जीवकर्षभकौ मेदां	चिकित्सा	2/2	21	3	85
जीवकर्षभकौ मेदा	चिकित्सा	29	72	5	106
जीवकर्षभकौ मेदान्	कल्प	7	18	6	63
जीवकर्षभकौ वीरां	चिकित्सा	2/1	34	3	77
जीवकर्षभकौ वीरां	चिकित्सा	11	35	3	467
जीवकर्षभकौ वीरा	कल्प	4	13	6	45
जीवकस्य कषायेण	कल्प	5	10	6	50
जीवकादिषु चत्वारो	कल्प	2	15	6	32
जीवकाद्यैर्मधुरकैः	चिकित्सा	18	103	4	181
जीवणं बृहणं सात्म्यं	सूत्र	27	224	1	533
जीवनीयं श्रमहरं	सूत्र	1	108	1	56
जीवनीयैश्च संसिद्धं	चिकित्सा	29	100	5	112
जीवनीयोपसिद्धं वा	चिकित्सा	11	82	3	477
जीवनीयोपसिद्धं वा	चिकित्सा	17	146	4	152
जीवन्तीं पृश्निपर्णीं च	सूत्र	5	65	1	120
जीवन्तीं मदनं रोदां	सिद्धि	4	9	6	235
जीवन्तीं मधुकं पाठां	चिकित्सा	18	176	4	197
जीवन्तीं मधुकं मेदां	चिकित्सा	3	250	3	194
जीवन्ती चाग्निमन्थश्च	सिद्धि	10	30	6	374
जीवन्तीत्रिफलामेदा	चिकित्सा	26	167	4	519
जीवन्तीपिप्पलीगर्भं	चिकित्सा	8	171	3	403
जीवन्ती मञ्जिष्ठा दार्वी	चिकित्सा	7	120	3	350
जीवन्ती मधुकं द्राक्षां	चिकित्सा	8	111	3	390
जीवन्ती शर्करा क्षीरं	चिकित्सा	25	76	4	457
जीवन्त्यजाजीशटिपुष्क	चिकित्सा	12	60	3	503
जीवन्त्याः शतपुष्पाया	चिकित्सा	8	75	3	381
जुह्वत्यग्निं तथा पिण्डान्	इन्द्रिय	12	12	2	584

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
जृम्भाङ्गमर्दस्तन्द्रा च	सूत्र	7	23	1	150
जृम्भाऽङ्गमर्दस्तृष्णा च	चिकित्सा	15	46	4	25
जृम्भा वदनसङ्गश्च	चिकित्सा	28	45	5	32
जृम्भोत्क्लेशारुचि	सूत्र	17	97	1	329
ज्योतिष्मती च बिम्बी	सूत्र	1	78	1	51
ज्योत्स्नायामातपे दीपे	इन्द्रिय	7	4	2	558
ज्वरं दाहं भ्रमं कास	चिकित्सा	8	110	3	389
ज्वरः कासः कफोत्क्लेशः	चिकित्सा	8	50	3	375
ज्वरः पिपासा वदना	चिकित्सा	5	13	3	256
ज्वरः पौर्वाह्णिको यस्य	इन्द्रिय	6	10	2	554
ज्वरः प्राणान्तकृद्यश्च	चिकित्सा	3	51	3	126
ज्वरः प्राप्नोति कामाद्यैः	चिकित्सा	3	128	3	143
ज्वरः प्राप्नोति वाताद्यैः	चिकित्सा	3	127	3	143
ज्वरकासप्रसक्तानां	सूत्र	23	34	1	400
ज्वरप्रत्यात्मिकं लिङ्गं	चिकित्सा	3	31	3	117
ज्वरप्रमोक्षे पुरुषः	चिकित्सा	3	324	3	216
ज्वरभ्रमप्रलापाद्या	निदान	8	25	2	107
ज्वरमष्टविधं तस्य	निदान	1	43	2	33
ज्वरमूर्च्छापरीतस्य	चिकित्सा	17	63	4	133
ज्वरशोकातिप्तानां	सिद्धि	9	115	6	363
ज्वरस्तृष्णा भ्रमो मूर्च्छा	चिकित्सा	30	171	5	172
ज्वरहृद्रोगवातासृग्	कल्प	8	4	6	81
ज्वराः कषायैर्वमनैः	चिकित्सा	3	216	3	181
ज्वराणां रक्तपित्तस्य	सूत्र	30	47	1	608
ज्वराणां रक्तपित्तस्य	सूत्र	30	59	1	611
ज्वराणां शमनीयो यः	चिकित्सा	8	117	3	392
ज्वरातिसारौ शोफान्ते	इन्द्रिय	6	18	2	555
ज्वरातीसारकासाश्च	सूत्र	13	39	1	253
ज्वरादीनां विकाराणाम्	निदान	8	43	2	111
ज्वराद्विमुच्यते पीत्वा	चिकित्सा	3	233	3	187
ज्वराद्विमुच्यते शीघ्रं	चिकित्सा	3	315	3	213
ज्वरानुपचरेद्धीमान्	चिकित्सा	3	285	3	204
ज्वरानुपचरेद्धीमान्	चिकित्सा	3	154	3	154

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
ज्वरान् दोषक्रमापेक्षी	चिकित्सा	3	286	3	204
ज्वरान्विता वङ्क्षण	चिकित्सा	12	89	3	512
ज्वरापहैः फलरसैः	चिकित्सा	3	156	3	156
ज्वरावसृष्टो रक्ष्यश्च	चिकित्सा	3	8	3	108
ज्वरासृक्पित्तवीसर्प	सूत्र	7	62	1	161
ज्वरिभ्यो बहुदोषेभ्यः	चिकित्सा	3	227	3	187
ज्वरितं षडहेऽतीते	चिकित्सा	3	161	3	158
ज्वरे पेयाः कषायाश्च	चिकित्सा	30	302	5	204
ज्वरो मिश्राकृतिस्तस्य	चिकित्सा	18	28	4	164
ज्वरो विकारो रोगश्च	चिकित्सा	3	11	3	110
ज्वलत्यात्मनि संरुद्धं	शारीर	5	15	2	422
ज्वालामालाकुलो रौद्रो	चिकित्सा	3	24	3	113
ज्ञः सात्युण्यते नाज्ञः	शारीर	1	83	2	333
ज्ञातानां स्वयमर्थानां	शारीर	1	105	2	337
ज्ञातीन् ससुहृदो दारान्	चिकित्सा	13	176	3	567
ज्ञात्वा गतरसान्येतान्	चिकित्सा	1	66	3	20
ज्ञात्वा तान्यञ्जनामानि	चिकित्सा	1/3	17	3	44
ज्ञात्वा तु परिपक्वामं	चिकित्सा	15	77	4	35
ज्ञात्वा दोषावनुबलौ	चिकित्सा	4	52	3	236
ज्ञात्वैवं वृद्धिमभ्यास	चिकित्सा	30	331	5	215
ज्ञानप्रशमतपोभिः ख्यातो	चिकित्सा	22	3	4	302
ज्ञानबुद्धिप्रदीपेन	विमान	4	12	2	169
ज्ञानसंबोधनार्थं तु	इन्द्रिय	2	7	2	529
ज्ञानानि बुद्धिर्ब्राह्मी च	सूत्र	9	28	1	191
ज्ञानार्थं यानि चोक्तानि	निदान	8	40	2	110
ज्ञेयं क्षेत्रं विना पूर्वं	शारीर	1	9	2	312
		त			
तं क्वाथं पाययेद्धात्रीं	चिकित्सा	30	268	5	194
तं तं प्राप्य विवर्धन्ते	चिकित्सा	2/1	9	3	75
तं तैलशीतज्वरनाशनाक्तं	चिकित्सा	26	11	4	470
तं तैललवणाभ्यक्तं	सिद्धि	6	42	6	276
तं तैललवणाभ्यक्तं	सिद्धि	7	50	6	304
तं दंशं वा चूषेन्मुखेन	चिकित्सा	23	39	4	336

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
तं पवनं सपित्तकफ	सिद्धि	11	18	6	385
तं पिबन् ग्रहणीदोषान्	चिकित्सा	15	151	4	55
तं पीत्वा सुस्निग्धो	चिकित्सा	7	163	3	359
तं पुण्यं सुश्रुवुः शब्दं	सूत्र	1	36	1	23
तं भिषक् शमनैः	चिकित्सा	13	67	3	539
तं मन्दलवणं कृत्वा	चिकित्सा	17	107	4	145
तं लेहं योजयेच्छीतं	कल्प	7	27	6	66
तं स्नेहं दशमूलस्य	चिकित्सा	28	125	5	56
तं स्नेहं श्लेष्मणा साकं	सिद्धि	9	104	6	359
त एवापरिसंख्येया	सूत्र	18	42	1	345
तक्रं दोषाग्निबलवित्	चिकित्सा	14	85	3	598
तक्रं पिबेद्वा गुरुभिन्न	चिकित्सा	12	27	3	493
तक्रं वातकफार्तानां	चिकित्सा	13	107	3	550
तक्रमस्तुसुरामण्ड	चिकित्सा	15	90	4	38
तक्रसिद्धा यवागू	सूत्र	2	30	1	70
तक्रामयप्रयोगैश्च	सूत्र	23	17	1	396
तक्रारनालमद्यानि	चिकित्सा	15	117	4	46
तक्रारिष्टं पिबेच्चापि	चिकित्सा	30	278	5	197
तक्रारिष्टप्रयोगश्च	सूत्र	13	78	1	262
तक्रेण दधिमण्डेन	सूत्र	23	16	1	396
तक्रेण युक्तं यवचूर्णम्	सूत्र	3	20	1	79
तक्रेण युक्तं शितिवारक	चिकित्सा	26	56	4	484
तक्रेणावन्तिसोमेन	चिकित्सा	19	24	4	219
तगरं कटुका क्षौद्रं	चिकित्सा	23	198	4	372
तगरं त्वक् शताह्वैला	चिकित्सा	29	150	5	125
तच्च नित्यं प्रयुञ्जीत	सूत्र	5	13	1	110
तच्चायोगावहं तत्र	निदान	2	17	2	40
तच्चूर्णं कल्पयेत्तेन	सिद्धि	9	97	6	358
तच्चूर्णं शर्करातुल्यं	कल्प	7	64	6	74
तच्चूर्णं सयवक्षारं	चिकित्सा	15	107	4	44
तच्चूर्णक्वाथमाषाम्बु	कल्प	12	34	6	110
तच्छिष्यवचनं श्रुत्वा	सूत्र	16	31	1	306
तच्छ्वासकासहृत्पार्श्व	चिकित्सा	18	38	4	167

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
तज्जं वा घृतमिष्टं	चिकित्सा	22	33	4	312
तज्जा देहोर्ध्वसर्वाधो	सिद्धि	12	12	6	399
तण्डुलीयकजीवन्ती	चिकित्सा	23	225	4	378
ततः कोलसमां मात्रां	कल्प	10	11	6	93
ततः कुर्याद्यथादोषं	चिकित्सा	30	87	5	151
ततः क्रमुककल्काक्षं	सिद्धि	7	37	6	300
ततः शिरसि संक्लेदात्	सूत्र	17	28	1	315
ततः शेफः प्रमाणेन	सिद्धि	9	55	6	345
ततः शोणितजा रोगाः	सूत्र	24	11	1	404
ततः श्लेष्मणि संवृद्धे	चिकित्सा	17	75	4	135
ततः सम्पूर्णसर्वाङ्गो	शारीर	1	67	2	328
ततः स्नेहक्षयाद्वायु	चिकित्सा	8	25	3	368
तत एरण्डतैलेन	चिकित्सा	15	79	4	35
ततस्तस्मात् समुद्धृत्य	चिकित्सा	26	257	4	539
ततस्तु रोगाः क्षवथुश्च	चिकित्सा	26	108	4	501
ततो घृतपलं दद्यात्	चिकित्सा	5	108	3	280
ततो दौर्बल्यमातङ्कान्	चिकित्सा	15	220	4	72
ततो नस्तः कृते धूमं	सिद्धि	9	106	6	359
ततो भुक्तवतस्तस्य	सिद्धि	7	53	6	304
ततो मत्स्यण्डिकाखण्ड	सूत्र	27	240	1	539
तो यज्ञः स विध्वस्तो	चिकित्सा	3	21	3	113
ततो लेहपलं लीढ्वा	चिकित्सा	5	158	3	290
ततो वक्रं व्रजत्यास्ये	चिकित्सा	28	40	5	31
ततो वक्ष्यामि ते सम्यग्	चिकित्सा	30	154	5	168
ततो वर्णबलस्नेहा	चिकित्सा	16	5	4	82
तत्कषायात्त्रयो भागा	कल्प	12	20	6	109
तत्तु ये सुकुमारा स्युः	सूत्र	27	204	1	529
तत् परस्यौजसः स्थानं	सूत्र	30	7	1	593
तत् पुनस्त्रिविधं प्रोक्तं	सूत्र	1	68	1	49
तत्पूर्वमभितो वाक्यं	इन्द्रिय	12	24	2	585
तत्फला बहुधा वा ताः	सूत्र	30	12	1	595
तत्र च्छागं पयः शस्तं	चिकित्सा	19	71	4	231
तत्र धन्वन्तरीयाणां	चिकित्सा	5	44	3	266

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
तत्र पञ्चविधं पूर्वं	इन्द्रिय	5	44	2	551
तत्र पाण्ड्वामयी स्निग्ध	चिकित्सा	16	40	4	93
तत्र मुञ्चेदसृक् शृङ्ग	चिकित्सा	29	36	5	98
तत्र वातहरः सर्वो	सिद्धि	9	114	6	362
तत्र वातेऽधिके वा	चिकित्सा	29	24	5	94
तत्र शुष्कार्शसां पूर्वं	चिकित्सा	14	39	3	590
तत्र सर्वे यथावस्थं	चिकित्सा	23	179	4	369
तत्रस्थाश्च विलम्बन्ते	सूत्र	28	32	1	580
तत्रात्युल्लेखनं शस्तं	सूत्र	13	77	1	262
तत्रादौ सर्पिषः पानं	चिकित्सा	3	291	3	209
तत्रान्नपानं मधुरं	सूत्र	6	42	1	142
तत्राभ्यङ्गो गुदे स्वेदो	सिद्धि	5	10	6	253
तत्राभ्यङ्गोऽवगाहश्च	सूत्र	7	11	1	147
तत्रामलकचूर्णानां	चिकित्सा	1/4	19	3	61
तत्रामृताबलारास्ना	सिद्धि	9	87	6	354
तत्रामेऽन्तरपानं स्यात्	सिद्धि	8	23	6	315
तत्रायश्चूर्णानामष्टपलं	चिकित्सा	7	74	3	339
तत्रासाध्यत्वमेकं स्यात्	निदान	2	23	2	41
तत्रासाध्यं परित्याज्यं	निदान	2	27	2	42
तत्राहुरेके शस्त्रेण	चिकित्सा	14	33	3	589
तत्रोर्ध्वजत्रुकेऽभ्यङ्ग	सूत्र	7	17	1	148
तत्रोष्णायाः प्रमथ्यायाः	सिद्धि	7	10	6	293
तत्त्वज्ञानप्रकाशार्थ	सूत्र	30	80	1	616
तत्त्वज्ञाने स्मृतिर्यस्य	शारीर	1	101	2	337
तत् संयोज्योष्णवीर्येण	सूत्र	26	94	1	486
तत् समासेन वक्ष्यामः	इन्द्रिय	12	41	2	589
तत् सर्वं सर्वदा कार्यम्	चिकित्सा	27	61	5	16
तत् सर्वं स्थापयेत् पक्षं	चिकित्सा	14	165	3	614
तत् सर्वमेकतः सूक्ष्मं	चिकित्सा	15	110	4	44
तत्साध्यं लेहवच्छीते	चिकित्सा	5	157	3	290
तत् स्त्रीपुरुषसंयोगे	चिकित्सा	2/4	47	3	103
तथर्षीणां विवदता	सूत्र	25	26	1	418
तथा कल्पनमप्येषां	सूत्र	4	25	1	103

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
तथा खर्जूरकाश्मर्य	चिकित्सा	28	121	5	55
तथा गुल्मोदरश्वास	चिकित्सा	13	86	3	544
तथा चोपक्रमाः सिद्धाः	चिकित्सा	25	19	4	438
तथा जातोदकं सर्वं	चिकित्सा	13	189	3	570
तथा जीमूतकक्षीरात्	कल्प	2	13	6	32
तथाऽतिरोषभाष्याध्व	चिकित्सा	17	39	4	126
तथा दन्तीद्रवन्त्योश्च	कल्प	12	33	6	110
तथाऽन्याः पिडकाः	सूत्र	17	108	1	332
तथाऽन्यैर्विविधैः स्वेदैः	चिकित्सा	28	79	5	43
तथा ब्रुवाणं कुशिक	सूत्र	25	16	1	416
तथा मदनकल्पोक्तान्	कल्प	7	74	6	77
तथाऽऽमलककाश्मर्य	चिकित्सा	29	98	5	112
तथाऽऽमे कफसंसृष्टे	सिद्धि	8	28	6	317
तथाविधं च कः शक्तो	सूत्र	11	61	1	232
तथा विशुष्केऽस्य कफे	चिकित्सा	27	60	5	14
तथा व्यसनिनं प्रेतं	इन्द्रिय	12	22	2	585
तथा शरीरमभ्यङ्गाद्	सूत्र	5	86	1	124
तथा शावरकं लोध्रं	चिकित्सा	26	233	4	534
तथा स्नेहमृदौ कोष्ठे	चिकित्सा	28	83	5	44
तथैव वायुः कुपितः	चिकित्सा	30	240	5	189
तदग्निवेशस्य वचः	चिकित्सा	21	10	4	259
तदग्निवेशस्य वचो	सूत्र	22	9	1	388
तदग्निवेशस्य वचो	चिकित्सा	3	10	3	108
तदग्निवेशस्य वचो	चिकित्सा	20	5	4	243
तदग्निसूर्यश्रमशोकरोगैः	शारीर	2	9	2	352
तदा कुर्वन्ति कण्ड्वादीन्	सिद्धि	6	87	6	288
तदात्रेयवचः श्रुत्वा	सूत्र	12	15	1	242
तदात्रेयोऽग्निवेशाय	विमान	3	52	2	160
तदात्वसुखसंज्ञेषु	सूत्र	28	40	1	582
तदात्वे चानुबन्धे वा	विमान	3	46	2	159
तदा भूतेष्वनुक्रोशं	सूत्र	1	7	1	17
तदा भेदश्च दाहश्च	सूत्र	17	46	1	319
तदाम्बुसम्भवं तस्माद्	चिकित्सा	23	7	4	323

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
तदा वेगप्रतीघातात्	चिकित्सा	8	21	3	367
तदा ह्यवश्यममृतं	चिकित्सा	1/3	12	3	43
तदेतन्न भवेद्वाच्यं	चिकित्सा	1/4	38	3	65
तदेवंगुणमेवौजः	सूत्र	27	218	1	533
तदेव तैलं पयसा	चिकित्सा	5	93	3	277
तदेव दर्भमृदितं	सिद्धि	6	83	6	286
तदेव दशमूलस्य	कल्प	8	14	6	83
तदेव भावादग्राह्यं	शारीर	1	60	2	326
तदेव युक्तं भैषज्यं	सूत्र	1	134	1	61
तद्गुरुरब्रवीदिदं शरीरं	सिद्धि	11	17	6	385
तद्दोषागन्तुसम्भूता	चिकित्सा	9	51	3	429
तद्भस्म श्च्योतयेत्तेन	चिकित्सा	26	225	4	532
तद्यथा चन्दनं कुष्ठं	इन्द्रिय	2	13	2	529
तद्यथा ज्वरसन्तापाद्	निदान	8	17	2	105
तद्युक्तमुपनाहेषु	सूत्र	1	97	1	54
तद्योज्यं तर्पणे यूषे	कल्प	7	66	6	75
तद्रक्तपित्ते निखिलेन	चिकित्सा	4	92	3	246
तद्वत् केशरयष्ट्याह्व	चिकित्सा	16	121	4	111
तद्वत् पिण्डालुकं विद्यात्	सूत्र	27	123	1	514
तद्वत् प्रियङ्गोः पिप्पल्या	चिकित्सा	15	154	4	55
तद्वदङ्गोऽङ्गमध्यस्थः	सूत्र	30	76	1	616
तद्वद्द्रव्याविकच्छागैः	चिकित्सा	29	126	5	119
तद्वन्माषतिलक्षीर	सूत्र	27	260	1	544
तद्वलीपलितं हन्ति	चिकित्सा	18	61	4	171
तद्वातनुत्स्वभावात् संयोग	चिकित्सा	26	30	4	476
तद्वातपित्तकुष्ठं	चिकित्सा	7	139	3	354
तद्विधैश्च हते गात्रे	चिकित्सा	3	113	3	142
तद्विशुद्धं हि रुधिरं	सूत्र	24	4	1	403
तद्धि पित्तशकृद्वातान्	सिद्धि	8	17	6	313
तनुना मुद्गयूषेण	चिकित्सा	3	157	3	157
तनुनाऽल्पेन लघुना	चिकित्सा	24	171	4	422
तन्तुबद्धमिवालालं	निदान	4	22	2	59
तन्द्रा क्लैब्यमबुद्धित्व	सूत्र	16	15	1	302

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
तन्द्रा तथा च्छर्दिररोचक	सिद्धि	1	19	6	151
तन्द्रा मोहः प्रलापश्च	चिकित्सा	3	105	3	138
तन्द्राशीतज्वरालस्य	सिद्धि	4	32	6	241
तन्द्रा सोत्क्लेश	सूत्र	13	75	1	262
तन्द्रास्यमाधुर्यकफ	चिकित्सा	20	13	4	247
तन्नेति भिक्षुरात्रेयो	सूत्र	25	24	1	418
तन्महत् ता महामूलाः	सूत्र	30	13	1	596
तन्वालिप्तं न कुर्वीत	चिकित्सा	21	106	4	290
तन्वालिप्तेन ये दोषा	चिकित्सा	21	106	4	290
तपःस्वाध्यायनिरतान्	सूत्र	22	3	1	387
तपनीयेन्द्रगोपाभं	सूत्र	24	22	1	407
तपसा ब्रह्मचर्येण	चिकित्सा	1/3	7	3	42
तपसा यशसा धृत्या	चिकित्सा	18	3	4	156
तपोविघ्नाशनाः कर्तुं	चिकित्सा	3	16	3	113
तप्तानि नवकपालान्	चिकित्सा	22	45	4	315
तप्तास्विव सिकतासु	चिकित्सा	22	22	4	309
तप्ते सर्पिषि नक्राण्डं	चिकित्सा	2/2	28	3	86
तमकः कफकासे तु	चिकित्सा	18	131	4	187
तमनेनानुमानेन	इन्द्रिय	2	20	2	531
तमर्तिकालमुद्दिश्य	शारीर	1	89	2	334
तमसा वर्धतेऽत्यर्थं	चिकित्सा	17	64	4	133
तमाहुः पुष्पितं धीरा	इन्द्रिय	2	9	2	529
तमुक्तवन्तमात्रेय	सूत्र	22	5	1	387
तमवेक्ष्य भिषक् प्राज्ञः	चिकित्सा	23	238	4	380
तमुवाचेश्वरः क्रोधं	चिकित्सा	3	25	3	114
तमोभवा श्लेष्मसमुद्भवा	सूत्र	21	58	1	385
तया प्रवाहिते दोषो	चिकित्सा	19	18	4	217
तयोः कर्म तदेवेष्टं	चिकित्सा	24	203	4	429
तयोः कल्के कषाये च	कल्प	12	9	6	106
तयोः क्रिया विधातव्या	चिकित्सा	29	162	5	127
तयोः शमाच्च संघातो	चिकित्सा	5	63	3	270
तयोरुदारयोर्युक्ति	विमान	3	32	2	151
तयोर्बिल्वसमं चूर्णं	कल्प	12	16	6	108

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
तयोर्मूलानि संगृह्य	कल्प	12	4	6	104
तयोर्वाऽपि कषायेण	कल्प	12	19	6	108
तरुणं मधुरप्रायं	चिकित्सा	24	95	4	407
तरुणपलाशक्षारं	चिकित्सा	23	101	4	351
तरुणाः कृष्णसर्पास्तु	चिकित्सा	23	136	4	359
तरुरिव मूलच्छेदाद्	चिकित्सा	23	44	4	338
तर्जनं त्रासनं दानं	चिकित्सा	9	31	3	422
तर्पणं बृंहणं फल्गु	सूत्र	27	128	1	515
तर्पणं सघृतक्षौद्रं	चिकित्सा	4	34	3	231
तर्पणी ग्राहिणी लघ्वी	सूत्र	27	251	1	542
तर्पणैर्यवशालीनां	चिकित्सा	21	110	4	292
तस्माच्चिकित्सार्धमिति	सिद्धि	1	40	6	163
तस्माच्छास्त्रेऽर्थविज्ञाने	सूत्र	9	18	1	189
तस्माच्छुद्धानशुद्धांश्च	चिकित्सा	17	150	4	153
तस्माज्ज्ञः प्रकृतिश्चात्मा	शारीर	2	25	2	386
तस्मात्तं विधिवद्युक्तैः	चिकित्सा	15	40	4	23
तस्मात्तान् पूर्वसंजल्पे	सूत्र	30	73	1	615
तस्मात्तुषारसमये	सूत्र	6	11	1	135
तस्मात्तेषां समुत्पत्ति	चिकित्सा	30	6	5	130
तस्मात् त्रिदोषजं लिङ्गं	चिकित्सा	24	100	4	408
तस्मात्त्रिदोषशमनीं	चिकित्सा	13	96	3	548
तस्मात् पलं सुजातात्तु	चिकित्सा	15	161	4	57
तस्मात् पुरा शोधनमेव	चिकित्सा	2/1	51	3	81
तस्मात् पुरीषं संरक्ष्यं	चिकित्सा	8	42	3	372
तस्मात् प्रयोगान्	चिकित्सा	2/4	8	3	95
तस्मात् प्रागेव रोगेभ्यो	सूत्र	11	63	1	232
तस्मात् श्राव्यं निशायां	सूत्र	5	18	1	111
तस्मात् सत्यपि निर्देशे	सिद्धि	2	28	6	203
तस्मात् स शीघ्रं	सूत्र	21	6	1	375
तस्मात् साधारणः सर्वो	सूत्र	6	35	1	140
तस्मात् साधारणावेतौ	चिकित्सा	17	9	4	118
तस्मात् स्वभावो निर्दिष्ट	सूत्र	25	47	1	437
तस्मादभीक्ष्णशस्तेषां	चिकित्सा	19	96	4	235

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
तस्मादभीक्ष्णशो गुल्मा	चिकित्सा	5	101	3	279
तस्मादर्शांसि दुःखानि	चिकित्सा	14	25	3	587
तस्मादायुः प्रकर्षार्थं	चिकित्सा	1/2	22	3	38
तस्मादुपेक्ष्यं बलिनो	चिकित्सा	4	28	3	230
तस्मादुपेक्षेतोत्क्लिष्टान्	चिकित्सा	19	17	4	217
तस्मादेताः प्रवक्ष्यन्ते	सिद्धि	12	50	6	445
तस्माद्धान्याम्बु पिबेत्	चिकित्सा	22	61	4	319
तस्माद्धैमन्तिकः सर्वः	सूत्र	6	20	1	137
तस्माद्भोज्यानि भोज्यानि	चिकित्सा	13	97	3	549
तस्माद्रसोपदेशेन	सूत्र	26	52	1	471
तस्माद्वसन्ते कर्माणि	सूत्र	6	23	1	138
तस्माद्विकारप्रकृती	सूत्र	18	46	1	345
तस्माद्विरेकमेवादौ	चिकित्सा	21	49	4	278
तस्मान्न भिषजा युक्तं	सूत्र	1	127	1	60
तस्मान्निरूढः संस्नेह्यो	सिद्धि	4	51	6	246
तस्मान्नैषा मृदौ कोष्ठे	कल्प	10	4	6	91
तस्मान्मतिं विमुच्यैताम्	सूत्र	11	16	1	209
तस्मिन् काले पचत्यग्नि	चिकित्सा	8	41	3	371
तस्मिन् पित्तान्विते	सिद्धि	9	47	6	343
तस्मिन् सङ्कोचयत्यर्धे	चिकित्सा	28	39	5	31
तस्मिंश्चरमसंन्यासे	शारीर	1	154	2	349
तस्मिंस्तैले चतुर्द्रोणे	चिकित्सा	29	116	5	115
तस्मै जगादागदवेदसिन्धु	चिकित्सा	12	4	3	482
तस्मै प्रोवाच भगवान्	सूत्र	1	23	1	20
तस्मै बृंहणमेवादौ	चिकित्सा	18	150	4	191
तस्य न स्नेहनं कार्यं	चिकित्सा	27	20	5	7
तस्य प्रकृतिरुद्दिष्टा	चिकित्सा	3	12	3	111
तस्य प्राणिसपत्नस्य	चिकित्सा	3	5	3	108
तस्य मद्यविदग्धस्य	चिकित्सा	24	197	4	428
तस्य मात्रां पिबेत् काले	चिकित्सा	14	156	3	613
तस्य मात्रावतो लिङ्गं	विमान	2	19	2	139
तस्य लिङ्गमजीर्णस्य	चिकित्सा	15	45	4	25
तस्य शुक्तिः प्रकुञ्चो	चिकित्सा	28	124	5	56

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
तस्य संशमनं नित्यं	चिकित्सा	27	25	5	8
तस्य स्थानं करौ पादा	चिकित्सा	29	12	5	90
तस्यां तस्यामवस्थायां	चिकित्सा	3	344	3	219
तस्यां विनिवृत्तायां	चिकित्सा	22	62	4	319
तस्यां संशोधनैः शुद्धं	चिकित्सा	1	24	3	10
तस्यां स्वभ्यक्तसर्वाङ्ग	सूत्र	14	49	1	280
तस्याग्निदीपनान्	चिकित्सा	8	124	3	393
तस्याग्निर्दीप्यते ताभिः	चिकित्सा	3	151	3	154
तस्या दाहे हृते रक्ते	चिकित्सा	5	62	3	270
तस्यान्नं पच्यते दुःखं	चिकित्सा	15	68	4	32
तस्याम्लस्य त्रिभिः	चिकियास	28	137	5	59
तस्यायुषः पुण्यतमो	सूत्र	1	43	1	26
तस्याशु क्षीयते शुक्रं	चिकित्सा	30	186	5	175
तस्यासिताद्यादाहारा	सूत्र	6	3	1	130
तस्येष्टैस्तु विचित्रैश्च	चिकित्सा	3	324	3	216
तस्योपघातान्मूर्च्छायं	सूत्र	30	6	1	593
तस्योपजायते पित्ताद्	चिकित्सा	24	93	4	406
तस्योष्णं तीक्ष्णमम्लं च	चिकित्सा	4	6	3	221
तस्योष्मणा द्रवो धातु	चिकित्सा	4	8	3	222
तांश्चावमृद्नीत सुखं	सिद्धि	3	30	6	216
ताः पाण्डुरोगान् प्लीहान्	चिकित्सा	16	96	4	106
ताञ्जग्ध्वा पालिकान्क्षीरं	चिकित्सा	11	60	3	472
तानि चानुमतान्येषां	सूत्र	1	40	1	24
तानि मारुतजे गुल्मे	चिकित्सा	5	103	3	279
तानि सर्वाणि लक्ष्यन्ते	इन्द्रिय	9	24	2	573
तानि सर्वाण्यनस्थीनि	चिकित्सा	1	47	3	16
तानीन्द्रियाणि विज्ञानं	सूत्र	29	4	1	585
तानुच्यमानान् पर्यायैः	चिकित्सा	28	14	5	23
तानेतान् कापिलबलिः	चिकित्सा	30	290	5	200
तानेव जनयेद्रोगान्	सिद्धि	6	41	6	275
तानेव दोषान् परिरक्षता	सिद्धि	1	23	6	154
तान् कालपाशसदृशान्	सूत्र	30	83	1	617
तान् गुणांस्तानि कर्माणि	चिकित्सा	1	36	3	13

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
तान् दोषलिङ्गैरादित्य	सूत्र	7	44	1	157
तान् भक्षयित्वाऽनुपिबेत्	चिकित्सा	16	91	4	104
तान् सर्षपैलामदनैः	सिद्धि	·3	57	6	228
तान्युपस्थितदोषाणां	सूत्र	2	15	1	67
तापे पाण्ड्वामयेऽल्पे	कल्प	7	49	6	71
ताप्याद्रिजतुरूप्यायो	चिकित्सा	16	78	4	102
ता बुद्ध्वा मारुतादीनां	सूत्र	17	110	1	332
ताभ्यां संशुद्धकोष्ठाभ्यां	चिकित्सा	16	41	4	93
ताम्यत्यायच्छते शर्म	इन्दिय	6	21	2	556
ताम्रचूडरसे सिद्धा	सूत्र	2	32	1	70
ताम्रायोरजसी रूप्यं	चिकित्सा	17	126	4	148
ताम्रा सशूला पिडका	चिकित्सा	12	88	3	511
ता यथाग्नि प्रयुञ्जानः	चिकित्सा	2/2	9	3	82
तालसस्यानि सिद्धानि	सूत्र	27	130	1	516
तालीशपत्रं मरिचं	चिकित्सा	8	145	3	398
तालीसपत्रं जीवन्ती	चिकित्सा	17	143	4	152
तालुकण्ठपरिप्लोषः	चिकित्सा	8	54	3	376
तालुशोषे त्वतृष्णस्य	चिकित्सा 26		203	4	527
ताश्च लघ्वशनाद्याश्च	निदान	8	32	2	108
तासां या स्युर्विकासिन्य	इन्द्रिय	7	15	2	560
तासु पथ्योपचारः स्याद्	चिकित्सा	30	334	5	217
तिक्तघृतैर्धौतघृतैः	चिकित्सा	7	133	3	353
तिक्तस्य सर्पिषः पानं	सूत्र	6	44	1	142
तिक्तालाबुकबीजं द्वे	चिकित्सा	7	108	3	348
तिक्तास्यतामात्मशोषं	सूत्र	27	126	1	515
तिक्तास्य शिरसो	चिकित्सा	22	14	4	307
तिक्तोष्णकषायकटु	सिद्धि	8	44	6	322
तित्तिरिश्च मयूरश्च	चिकित्सा	3	298	3	211
तित्तिरिः संजयेच्छीघ्रं	सूत्र	27	68	1	505
तिन्तिडीकं च मण्डेन·	चिकित्सा	14	64	3	595
तिन्दुकं च विजानीयात्	कल्प	12	91	6	130
तिन्दुकं कफपित्तघ्नं	सूत्र	27	147	1	516
तिर्यग्वल्यावृतद्वारे	सिद्धि	5	12	6	254

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
तिलः प्रियालाभिषुकौ	सूत्र	13	10	1	246
तिलकल्कः सलवणो	चिकित्सा	25	85	4	458
तिलकाः पिप्लवो व्यङ्गाः	इन्द्रिय	1	20	2	525
तिलक्षीरगुडादीनि	सूत्र	17	37	1	316
तिलमाषकुलत्थानां	चिकित्सा	21	19	4	262
तिलमाषकुलत्थाम्ल	सूत्र	14	25	1	273
तिलवेतसशाकं च	सूत्र	27	109	1	511
तिलाः प्रियालो मधुकं	चिकित्सा	29	133	5	121
तिलैरण्डातसीबीज	चिकित्सा	5	141	3	287
तिलोमामाषगोधूम	चिकित्सा	17	84	4	139
तिल्वकस्तु मतो लोध्रो	कल्प	9	3	6	86
तिल्वकस्य कषायेण	कल्प	9	13	6	88
तिल्वकस्य सुधायाश्च	सूत्र	30	64	1	613
तिस्रस्तिस्रस्तु पूर्वाह्णे	चिकित्सा	1/3	33	3	46
तीक्ष्णत्वं मूत्रपील्वग्नि	सिद्धि	7	63	6	307
तीक्ष्णमध्यमृदूनां तु	कल्प	12	51	6	118
तीक्ष्णाधोभागयुक्तोऽस्य	चिकित्सा	13	65	3	539
तीक्ष्णायशस्य पत्राणि	चिकित्सा	1/3	16	3	43
तीक्ष्णैः सक्षारगोमूत्रैः	चिकित्सा	13	175	3	562
तीक्ष्णो मध्यो मृदुर्व्याधिः	कल्प	12	58	6	120
तीक्ष्णोष्णं मद्यमम्लं च	चिकित्सा	24	92	4	406
तीक्ष्णोष्णरूक्षभावान्	चिकित्सा	22	21	4	309
तीक्ष्णोष्णान्याशुकारीणि	कल्प	12	6	6	105
तीक्ष्णोष्णेनातिमात्रेण	चिकित्सा	24	112	4	411
तीक्ष्णोष्णो लघुरूक्षश्च	सूत्र	27	306	1	554
तीव्रां कुर्वन्ति सा चाक्षि	सिद्धि	9	85	6	354
तीव्रा रुजो वङ्क्षणबस्ति	चिकित्सा	26	34	4	478
तीव्रार्ति मूत्रेण सहाश्मरी	चिकित्सा	26	44	4	481
तुगाक्षीर्याः समाषाणां	चिकित्सा	2/2	7	3	82
तुगालतावेतसतण्डुलीयं	चिकित्सा	4	76	3	241
तुद्यमानं स हृदयं	सूत्र	17	39	1	316
तुम्बुरूणि विडङ्गानि	चिकित्सा	14	50	3	592
तुम्बुरूण्युभया हिङ्गु	सिद्धि	9	18	6	335

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
तुष्टिः पुष्टिर्बलं मेधा	सूत्र	27	350	1	565
तुलां खदिरसारस्य	चिकित्सा	26	206	4	528
तुलां गुडस्य तत्तिष्ठेन्	चिकित्सा	14	146	3	611
तुलार्धं चाजमांसस्य	चिकित्सा	18	44	4	168
तुल्या अयोरजः पथ्या	चिकित्सा	16	98	4	106
तुल्याम्बुच्छागगोमूत्र	चिकित्सा	23	247	4	382
तृट्दाहमूर्च्छाभ्रमक्लम	चिकित्सा	22	57	4	319
तृट्श्वासदाहमूर्च्छाद्याः	चिकित्सा	15	221	4	73
तृट्श्वासमांससङ्कोथ	सूत्र	17	111	1	332
तृणकाष्ठतुषाङ्गारं	इन्द्रिय	12	20	2	584
तृणपञ्चमूलमुञ्जा	चिकित्सा	22	30	4	312
तृणभस्मलतापर्ण	चिकित्सा	24	105	4	408
तृण्मोहदन्तहर्षप्रसेक	चिकित्सा	23	18	4	328
तृण्मोहभ्रममूर्च्छायाः	कल्प	12	76	6	126
तृण्मोहमूर्च्छानिलकोप	सिद्धि	1	17	6	150
तृतीयं तु मदं प्राप्य	चिकित्सा	24	48	4	395
तृप्तस्यापि स्त्रियो गन्तुं	चिकित्सा	2/4	45	3	101
तृप्तिं चटकमांसानां	चिकित्सा	2/1	46	3	80
तृष्णाज्वरपरीदाह	चिकित्सा	5	36	3	264
तृष्णाज्वरस्फोटकतालु	चिकित्सा	26	120	4	505
तृष्णातीसारशमनो	सूत्र	27	254	1	542
तृष्णातीसारशूलार्ता	सूत्र	21	40	1	382
तृष्णादाहज्वरस्वेद	चिकित्सा	24	94	4	406
तृष्णामूर्च्छामदार्तस्य	सिद्धि	6	81	6	286
तृष्णामोहज्वरस्वेद	चिकित्सा	25	13	4	437
तृष्णा याऽऽमप्रभवा	चिकित्सा	22	15	4	307
तृष्णा येनोपशाम्येत	चिकित्सा	24	149	4	418
तृष्णारुचिप्रशमना	चिकित्सा	3	200	3	172
तृष्णाश्वासशिरोरोग	इन्द्रिय	10	20	2	575
तृष्यतां क्षुधितानां च	सूत्र	14	18	1	271
तृष्यते ऽातिबलवद्	चिकित्सा	24	146	4	417
तृष्यते तिक्तकैः सिद्धं	चिकित्सा	4	51	3	235
तृष्यते मुह्यते जन्तु	सूत्र	5	55	1	119

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
तृष्यते सलिलं चास्मै	चिकित्सा	24	165	4	421
ते गुल्मगरहृद्रोग	कल्प	11	4	6	98
ते च कषायेऽष्टपले	चिकित्सा	7	138	3	354
ते च सर्वव्रणान् हन्युः	चिकित्सा	16	93	4	104
ते चूर्णयोगा वीसर्प	चिकित्सा	21	96	4	289
तेजोऽनिलाद्यैः सहकेश	चिकित्सा	26	132	4	509
तेजो रसानां सर्वेषां	चिकित्सा	15	28	4	19
तेजोह्वा त्रिफला लोध्रं	चिकित्सा	26	195	4	525
तेन क्षामस्वरो बालो	चिकित्सा	30	240	5	189
तेन तक्रं विपक्वं वा	कल्प	3	11	6	36
तेन तैलं कषायेण	सूत्र	5	67	1	120
तेन पादावशेषेण	चिकित्सा	5	107	3	280
तेन मूलेन महता	सूत्र	30	8	1	594
तेन मेहादयो यान्ति	सूत्र	23	11	1	396
तेन षड्विनिवर्तन्ते	चिकित्सा	8	68	3	380
तेन सिद्धं घृतं शीतं	चिकित्सा	5	127	3	285
तेन सिद्धं समं तैलं	चिकित्सा	28	135	5	58
तेनाजबस्तियुक्तेन	सिद्धि	9	52	6	345
तेनान्नं मिश्रितं दद्याद्	सिद्धि	6	79	6	286
तेनायुरमितं लेभे	सूत्र	1	26	1	21
तेनालिप्तं शिरः शुद्धम्	चिकित्सा	26	281	4	544
तेनालिप्तं सिध्मं	चिकित्सा	7	118	3	349
तेनैव पयसा पिष्ट्वा	चिकित्सा	25	75	4	457
ते पूर्वं केवला रोगाः	निदान	8	20	2	106
ते भेषजमयोगेन	विमान	7	6	2	198
तेभ्यो बस्तिं पुरा दत्वा	कल्प	12	80	6	127
तेषां कट्वम्लसंयोगान्	सूत्र	27	280	1	549
तेषां कर्मसु बाह्येषु	सूत्र	4	29	1	103
तेषां चैव प्रशमनं	सूत्र	28	47	1	583
तेषां तत्रोपविष्टानां	सूत्र	26	7	1	445
तेषां त्रिकाणामष्टानां	चिकित्सा	24	69	4	400
तेषां प्रशमने यत्न	चिकित्सा	14	32	3	588
तेषां रसोपदेशेन	सूत्र	26	46	1	470

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
तेषां विघाते तु भिषग्	चिकित्सा	26	16	4	472
तेषां विशेषाद्बलवन्ति	शारीर	2	27	2	357
तेषां विस्तरतो लिङ्ग	सिद्धि	12	13	6	399
तेषां सिराकायशिरो	चिकित्सा	12	80	3	509
तेषां सन्तर्पणं तज्ज्ञैः	सूत्र	23	40	1	399
तेषां हेतुं भिषक्श्रेष्ठ	चिकित्सा	30	130	5	162
तेषामनातुराः पूर्वे	सूत्र	7	40	1	154
तेषामन्यैः कृतस्यान्ये	शारीर	1	48	2	323
तेषामभिव्यक्तिरभिप्रदिष्टा	चिकित्सा	26	131	4	508
तेषामायतनं संख्यां	चिकित्सा	13	7	3	519
तेषामिच्छन्ननुत्पत्तिं	सूत्र	28	24	1	579
तेषामेकगुणः पूर्वो	शारीर	1	28	2	318
ते ह्यत्यन्तविरुद्धत्वाद्	चिकित्सा	1/3	63	3	52
तैः कल्कैर्विंशतिपलं	चिकित्सा	16	45	4	94
तैः पचेत् कुडवं तैलात्	चिकित्सा	26	268	4	541
तैः स्यात् पाण्डुः कृशो	चिकित्सा	23	234	4	380
तैक्ष्ण्यात् कर्षति हृत्कण्ठ	कल्प	7	9	6	60
तैक्ष्ण्याद्यादौष्ण्याद्	सूत्र	27	302	1	552
तैरल्पसत्त्वस्य मलाः	चिकित्सा	9	5	3	410
तैरस्य ग्रथितः श्लेष्मा	चिकित्सा	17	72	4	135
तैरावृतगतिर्वायुरोज	सूत्र	17	80	1	327
तैरावृतानां हृत्स्रोतो	चिकित्सा	10	14	3	444
तैर्मदकः सुजातः	चिकित्सा	7	90	3	343
तैर्हेतुभिः समुत्क्लिष्टं	चिकित्सा	4	7	3	222
तैलं क्वाथेन तस्यैव	चिकित्सा	30	78	5	149
तैलं चानेन कल्केन	चिकित्सा	26	212	4	528
तैलं पयः शर्करां च	चिकित्सा	29	79	5	108
तैलं प्रसन्ना गोमूत्रं	चिकित्सा	5	96	3	278
तैलं मेहे च गुल्मे च	कल्प	12	10	6	106
तैलं रसेन तेनैव	चिकित्सा	13	154	3	561
तैलं वराहर्क्षवसा घृतं च	चिकित्सा	26	47	4	482
तैलं विदारिगन्धाद्यैः	कल्प	11	9	6	100
तैलं संकुचितेऽभ्यङ्गो	चिकित्सा	28	98	5	50

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
तैलं ससौवीरकमस्तुतक्रं	चिकित्सा	26	81	4	493
तैलं सिद्धं बस्तमूत्रे	चिकित्सा	26	224	4	532
तैलं सुराया मण्डेन	सूत्र	13	87	1	264
तैलद्रोणं पचेत्तेन	चिकित्सा	29	106	5	113
तैलप्रयोगादजरा	सूत्र	27	288	1	550
तैलप्रस्थं घृतप्रस्थं	चिकित्सा	10	28	3	448
तैलभृष्टं च पिप्पल्याः	चिकित्सा	18	116	4	184
तैलभृष्टैरगुर्वाद्यैः	चिकित्सा	26	159	4	516
तैलमज्जावसासर्पि	सूत्र	13	95	1	266
तैलाक्तगात्रं कृतमूत्र	सिद्धि	3	17	6	211
तैलाक्तगात्रस्य कृतानि	सूत्र	3	11	1	76
तैलाक्तगात्राय ततो	सिद्धि	1	21	6	152
तैलात् सपिप्पलीचूर्णात्	चिकित्सा	18	60	4	171
तैलान्यभ्यङ्गपानार्थं	चिकित्सा	13	156	3	561
तैलान्येतान्यृतुस्नाता	चिकित्सा	28	178	5	67
तैलेन सर्पिषा वाऽपि	चिकित्सा	25	50	4	450
तैस्तक्रपिष्टैः प्रथमं	सूत्र	3	9	1	76
तोयदानां च शब्दा हि	चिकित्सा	24	158	4	419
तोये समुत्क्वाथ रसेन	सिद्धि	3	49	6	226
तौ द्वौ नानात्वभेदेन	चिकित्सा	25	17	4	438
तौ विपाट्याहरेत् क्षीरं	कल्प	10	9	6	93
त्यक्तधर्मस्य पापस्य	सूत्र	1	130	1	60
त्यक्तव्यायामचिन्तानां	सूत्र	17	79	1	327
त्यागः प्रज्ञापराधानाम्	सूत्र	7	53	1	159
त्यागाद्विषमहेतूनां	सूत्र	16	36	1	307
त्रपु सोसमयश्चूर्णं	चिकित्सा	7	88	3	343
त्रयः प्रकुपिता यस्य	इन्द्रिय	6	17	2	555
त्रयोदशविधः स्वेदः	चिकित्सा	3	268	3	200
त्रयोदशविधः स्वेदो	सूत्र	14	70	1	285
त्रयोदशानां मूलानि	विमान	5	29	2	181
त्रयो विकाराः प्रायेण	चिकित्सा	14	244	3	630
त्रायन्तिकातामलकी	चिकित्सा	29	58	5	104
त्रायन्तिकाशिग्रुफल	सिद्धि	3	62	6	229

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
त्रायमाणाघृतं सिद्धं	चिकित्सा	21	63	4	282
त्रायमाणामृतानिम्ब	चिकित्सा	30	279	5	197
त्रिकटुगृहधूमरजनी	चिकित्सा	23	41	4	337
त्रिकण्टकबलाव्याघ्री	चिकित्सा	3	236	3	189
त्रिकण्टकाश्मन्तकसोम	चिकित्सा	6	38	3	309
त्रिकवङ्क्षणबस्तीनां	सिद्धि	7	55	6	305
त्रिकवङ्क्षणहृद्बस्ति	कल्प	7	55	6	72
त्रिकास्त्रयोऽनिलादीनां	सिद्धि	10	46	6	378
त्रिचतुःपञ्चसंसर्गान्	सिद्धि	8	34	6	319
त्रित्वेनाष्टौ समुद्दिष्टाः	सूत्र	11	65	1	233
त्रिदोषं मन्दकं जातं	सूत्र	27	228	1	536
त्रिदोषजे लङ्घनमादितः	चिकित्सा	26	100	4	497
त्रिपलं त्रिफलायाश्च	चिकित्सा	14	145	3	611
त्रिप्रस्थं सलिलस्यैतत्	चिकित्सा	14	226	3	627
त्रिफलां कटभीं चव्यं	चिकित्सा	15	188	4	63
त्रिफलां मधुकं वीरां	चिकित्सा	21	91	4	288
त्रिफलाकण्टकार्योश्च	चिकित्सा	1/4	16	3	61
त्रिफलाकुक्कुटाण्डत्वक्	चिकित्सा	26	254	4	539
त्रिफला खदिरो दार्वी	चिकित्सा	25	84	4	458
त्रिफलातिविषाकटुका	चिकित्सा	7	68	3	338
त्रिफलात्वचोऽर्धपलिकाः	चिकित्सा	7	136	3	354
त्रिफला निम्बपटोलं	चिकित्सा	7	100	3	346
त्रिफलायाः कषायं वा	चिकित्सा	3	299	3	211
त्रिफलायाः कषायं	चिकित्सा	29	86	5	109
त्रिफलायाः कषायेण	कल्प	9	12	6	88
त्रिफलाया रसे मूत्रे	चिकित्सा	1/3	15	3	43
त्रिफलारग्वधं पाठां	सूत्र	23	10	1	396
त्रिफलारससंयुक्तं	चिकित्सा	21	66	4	282
त्रिफलाव्योषपत्रैला	चिकित्सा	29	152	5	125
त्रिफलाव्योषविडङ्ग	चिकित्सा	7	77	3	340
त्रिफलासवश्च गौड़ः	चिकित्सा	7	81	3	341
त्रिबृद्दन्तीपलाशानां	चिकित्सा	14	122	3	607
त्रिभण्डी त्रिवृता चैव	कल्प	7	4	6	59

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
त्रिभागशेषं च सुपूतशीतं	चिकित्सा	12	30	3	493
त्रिमर्मजानां रोगाणां	चिकित्सा	26	294	4	548
त्रिरसानि यथासंख्यं	सूत्र	26	17	1	455
त्रिरात्रं परमं तस्य	सूत्र	18	36	1	342
त्रिरात्रं यावकं दद्यात्	चिकित्सा	1	27	3	12
त्रिविधं नामपर्यायैर्हेतुं	निदान	1	42	2	33
त्रिविधस्य दोषभेदात्	चिकित्सा	12	103	3	517
त्रिविधा चापरा कोष्ठ	सूत्र	17	113	1	333
त्रिविधे रोगविज्ञाने	सूत्र	30	49	1	609
त्रिवृच्चूर्णं समालोड्य	चिकित्सा	21	64	4	282
त्रिवृच्छाणा मतास्तिस्र	कल्प	ʻ7	37	6	68
त्रिवृच्छ्यामा दुरालम्भा	कल्प	7	61	6	74
त्रिवृतां कौटजं बीजं	कल्प	7	56	6	73
त्रिवृतां चित्रकं पाठाम्	कल्प	7	58	6	73
त्रिवृतां त्रिफलां दन्तीं	सूत्र	2	9	1	65
त्रिवृतां त्रिफलां दन्तीं	चिकित्सा	5	149	3	289
त्रिवृतां त्रिफलां दन्तीं	कल्प	7	65	6	75
त्रिवृतामभयां प्राज्ञः	चिकित्सा	4	57	3	237
त्रिवृतारग्वधं दन्तीं	कल्प	10	15	6	95
त्रिवृतो वा कषायेण	कल्प	8	11	6	83
त्रिवृतोऽष्टगुणं भागं	कल्प	7	47	6	70
त्रिवृत्कल्पेन सर्पिश्च	कल्प	11	16	6	101
त्रिवृत्सुधापत्रतिलादि	चिकित्सा	26	18	4	473
त्रिवृद्दुरालभामुस्त	कल्प	7	57	6	73
त्रिवृद्विशाले द्विगुणे	चिकित्सा	13	128	3	556
त्रिवृन्मुष्टींस्तु सन्नखा	कल्प	7	69	6	76
त्रिशतं पञ्चपञ्चाशद्	कल्प	12	41	6	115
त्रिंशच्चिकित्सान्युक्तानि	सूत्र	30	62	1	611
त्रिंशत्पलानि खण्डाश्च	चिकित्सा	11	73	3	476
त्रिंशत् सुपिष्टाः	चिकित्सा	2/3	12	3	90
त्रिस्नेहयुक्तः प्रवरो	सिद्धि	3	36	6	222
त्रीणि यस्मात् प्रधानानि	सिद्धि	9	118	6	365
त्रीण्यप्येतानि मृत्युं वा	चिकित्सा	15	237	4	76

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
त्रीन् मासान् पयसा	चिकित्सा	13	192	3	570
त्रीन्साध्यान्साधयेत्	चिकित्सा	18	31	4	165
त्रींस्तु तस्य कषायस्य	कल्प	12	13	6	107
त्रुटिं सुराह्वं लवणानि	चिकित्सा	26	64	4	486
त्रैफलेनायसीं पात्रीं	चिकित्सा	1/3	43	3	49
त्र्यहमेतेन जीवन्ति	इन्द्रिय	8	7	2	564
त्र्यूषणं त्रिफला क्षौद्रं	सूत्र	23	18	1	396
त्र्यूषणं त्रिफलां दन्तीं	कल्प	10	14	6	94
त्र्यूषणं त्रिफलां द्राक्षां	चिकित्सा	18	39	4	167
त्र्यूषणं त्रिफला मुस्तं	चिकित्सा	16	73	4	101
त्र्यूषणं त्रिफला हिङ्गु	कल्प	7	63	6	74
त्र्यूषणक्षारलवणैः	चिकित्सा	13	102	3	550
त्र्यूषणत्रिफलाकल्के	चिकित्सा	15	87	4	37
त्र्यूषणत्रिफलामुस्त	चिकित्सा	16	70	4	101
त्वक्कल्कैर्बहुसर्पिर्भिः	चिकित्सा	21	86	4	287
त्वक्केशराम्रातकदाडि	कल्प	7	75	6	77
त्वक्क्षीरी पिप्पली धात्री	चिकित्सा	16	89	4	104
त्वक्क्षीरीश्रावणीदाक्षा	चिकित्सा	11	62	3	474
त्वक्च दारुहरिद्रायाः	चिकित्सा	19	80	4	233
त्वक्पत्रकेशरैलानां	कल्प	7	32	6	67
त्वक्पत्रशर्कराकल्कः	चिकित्सा	26	178	4	521
त्वक्सिरामंसमेदोऽस्थि	चिकित्सा	25	26	4	442
त्वगेलाकेशराणां च	चिकित्सा	2/1	31	3	77
त्वगेलापत्रकशटी	चिकित्सा	15	165	4	58
त्वगेलाप्लवपत्राम्बु	चिकित्सा	14	164	3	614
त्वगेलाव्योषमृद्वीका	चिकित्सा	18	92	4	179
त्वगैङ्गुदी बृहत्यौ द्वे	चिकित्सा	18	75	4	176
त्वग्गतस्योष्मणो रोधात्	चिकित्सा	30	325	5	212
त्वग्दन्तीव्याघ्रकरज	चिकित्सा	26	184	4	522
त्वग्दोषिणां प्रमीढ़ानां	सूत्र	22	24	1	390
त्वग्रूक्षा स्फुटिता सुप्ता	चिकित्सा	28	30	5	28
वङ्मात्रशेषा येषां च	चिकित्सा	3	177	3	166
त्वङ्मांसगतं दाहो	चिकित्सा	23	45	4	338

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
त्वङ्मांसजः सुखे देशे	चिकित्सा	25	36	4	446
त्वङ्मांसान्तरमागत्य	चिकित्सा	13	11	3	520
त्वङ्मुस्तमेलाधान्यानि	चिकित्सा	8	137	3	396
त्वचं च नागरं चैव	चिकित्सा	23	205	4	373
त्वचं चित्रकमूलस्य	चिकित्सा	14	76	3	597
त्वचाकुन्दुरुकर्पूर	चिकित्सा	28	153	5	62
द					
दंशस्य मध्ये यत् कृष्णं	चिकित्सा	23	144	4	361
दंशात्तु विषं दष्टस्य	चिकित्सा	23	38	4	336
दंशावदरणं स्फोटाः	चिकित्सा	23	178	4	369
दंशोऽक्षिगौरवं मूर्च्छा	चिकित्सा	23	143	4	360
दकोदराणि संपक्व	चिकित्सा	25	57	4	452
दक्षकाकमयूराणां	चिकित्सा	23	182	4	369
दक्षशिखितित्तिरिरसैः	चिकित्सा	14	207	3	623
दग्धानि वार्ताकुरसे	चिकित्सा	15	184	4	62
दग्ध्वा कपाले पयसा	चिकित्सा	13	81	3	543
दण्डकालासकाध्मान	चिकित्सा	19	16	4	217
दण्डवत्स्तब्धगात्रस्य	चिकित्सा	28	52	5	34
दत्तः शनैर्नाशयमेति	सिद्धि	3	21	6	213
दत्तस्तैरावृतः स्नेहो	सिद्धि	4	27	6	239
दत्वा घृतं सशर्कर	चिकित्सा	14	217	3	625
दत्वा परूषका द्राक्षा	चिकित्सा	29	59	5	104
दत्वा मत्स्यण्डिकायाश्च	चिकित्सा	18	55	4	170
दत्वा मृद्वग्निना साध्यं	चिकित्सा	2/1	36	3	78
दत्वा सलवणं क्षारं	चिकित्सा	17	98	4	142
दद्यात्तैलानि चेमानि	चिकित्सा	29	90	5	110
दद्यात् सातिविषां पेयां	सूत्र	2	22	1	69
दद्यात् सिध्यति तस्मिन्	चिकित्सा	11	71	3	475
दद्यादालोडनं मासे	चिकित्सा	1/3	19	3	44
दद्यादेषोऽणुतैलस्य	सूत्र	5	68	1	121
दधाद्गुल्मोदरार्तेभ्यो	कल्प	4	9	6	43
दद्याद्विषग्धन्वरसांश्च	चिकित्सा	26	92	4	495
दद्यान्नासापुटे स्नेहं	सिद्धि	9	100	6	359

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
दद्यान्निरूहं कफरोगिणे	सिद्धि	3	58	6	228
दद्यान्मनःशिलाकर्षं	चिकित्सा	18	169	4	196
दद्यान्मूत्रयुतं क्षीरं	चिकित्सा	13	169	3	562
दद्रुविद्रधिगण्डेषु	सूत्र	1	118	1	58
दद्रुश्चर्मदलं श्वित्रं	सूत्र	28	13	1	576
दधिक्षीरानूपमांस	चिकित्सा	30	164	5	171
दधितक्रसुरामण्ड	कल्प	9	6	6	87
दधितक्रसुरामण्डैः	कल्प	12	7	6	105
दधित्थबिल्वचाङ्गेरी	सूत्र	2	19	1	69
दधिदाडिमसिद्धानि	चिकित्सा	14	125	3	607
दधिमण्डाढ़के सिद्धात्	चिकित्सा	13	141	3	559
दधिमण्डाढ़कोपेतं	चिकित्सा	13	114	3	553
दधिमण्डेन वा युक्तं	कल्प	8	10	6	82
दधिमण्डेन सन्नीय	कल्प	11	10	6	100
दधिसर्पिर्वसामज्ज	चिकित्सा	13	160	3	561
दधिसैन्धवसंयुक्तं	चिकित्सा	27	55	5	14
दध्नः सरं वा यमके	चिकित्सा	19	37	4	222
दध्नः सरं शरच्चन्द्र	चिकित्सा	2/2	24	3	85
दध्यक्षतद्विजातीनां	इन्द्रिय	12	71	2	594
दध्यादिषु त्रयः पञ्च	कल्प	12	36	6	112
दध्यारनालमाषाम्बु	चिकित्सा	28	174	5	66
दध्यारनालाम्लफल	चिकित्सा	18	82	4	176
दन्तचन्द्रार्कनक्षत्र	इन्द्रिय	5	35	2	549
दन्तपवनस्य कूर्चो	चिकित्सा	23	116	4	354
दन्तहर्षान्मुखास्रावात्	सूत्र	26	75	1	480
दन्ताः कर्दमदिग्धाभा	इन्द्रिय	10	19	2	575
दन्तानां दशनं जृम्भा	चिकित्सा	28	48	5	33
दन्तान् खादति यो जाग्रद्	इन्द्रिय	8	19	2	566
दन्तास्यगलरोगेषु तैलं	चिकित्सा	26	214	4	528
दन्तीकल्कं समगुडं	कल्प	12	31	6	110
दन्तीक्वाथेऽञ्जलिं मज्ज्ञः	कल्प	8	15	6	84
दन्तीक्वाथेन चालोड्य	कल्प	12	22	6	109
दन्ती चित्रकमूलत्वक्	चिकित्सा	21	126	4	295

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
दन्तीचित्रकमूलानां	चिकित्सा	14	144	3	611
दन्तीचित्रकयोर्द्रोणे	कल्प	9	9	6	87
दन्तीत्रिवृत्त्र्यूषणचित्रकैः	चिकित्सा	12	24	3	492
दन्तीद्रवन्तीकल्पेऽस्मिन्	कल्प	12	40	6	114
दन्तीद्रवन्तीसुरसा	चिकित्सा	27	52	5	14
दन्तीद्रवन्त्योः कल्पेन	कल्प	11	17	6	102
दन्तीद्विपलनिर्यूहो	कल्प	12	30	6	109
दन्ती श्यामामृतासङ्गः	चिकित्सा	14	55	3	593
दंतैश्छिन्दन्नखाग्राणि	इन्द्रिय	8	18	2	566
दन्त्याश्चतुष्पलरसे	चिकित्सा	16	51	4	96
दन्त्याश्च द्विपलान्	चिकित्सा	14	154	3	613
दन्त्युदुम्बरपर्णी स्यात्	कल्प	12	3	6	104
दम्भिनो मुखरा ह्यज्ञाः	सूत्र	30	79	1	616
दरिद्रस्त्वापदं प्राप्य	सूत्र	15	19	1	298
दर्वीकरःफणी ज्ञेयो	चिकित्सा	23	125	4	356
दर्वीकरकृतो दंशः	चिकित्सा	23	127	4	356
दर्शनं पक्तिरूष्मा च	सूत्र	18	50	1	346
दर्शनं शुक्लवस्त्राणां	इन्द्रिय	12	85	2	596
दर्शनप्रश्नसंस्पर्शैः	चिकित्सा	25	22	4	440
दश कर्कटकाद्यैश्च	सिद्धि	12	26	6	430
दश तान्मोदकान् कुर्याद्	कल्प	7	51	6	71
दश द्वौ चापरो वर्गौ	सूत्र	27	7	1	493
दश पञ्च च संयोगा	चिकित्सा	2/1	53	3	81
दशपैप्पलिकः श्रेष्ठो	चिकित्सा	1/3	39	3	47
दश प्राणायतनिक	सूत्र	30	43	1	606
दश प्राणायतनिके	सूत्र	29	14	1	589
दशभागावशेषं तु	चिकित्सा	1	46	3	16
दशमूलं बलां रास्नां	सिद्धि	4	4	6	234
दशमूलपयोबस्ति	चिकित्सा	30	111	5	157
दशमूलबलारास्ना	चिकित्सा	26	163	4	517
दशमूलरसे तद्वत्	चिकित्सा	18	79	4	176
दशमूलरसे सर्पिर्दधि	चिकित्सा	17	140	4	151
दशमूलशृतं क्षीरं	चिकित्सा	29	124	5	119

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
दशमूलशृतात् क्षीरात्	चिकित्सा	8	97	3	385
दशमूलस्य वा क्वाथ	चिकित्सा	17	105	4	144
दशमूलाढ़के प्रस्थं	चिकित्सा	18	123	4	186
दशमूलीं स्वयङ्गुप्तां	चिकित्सा	18	57	4	171
दशमूलीशटीरास्ना	चिकित्सा	17	102	4	144
दशमूलीशृता कास	सूत्र	2	27	1	70
दशमूलेन पयसा	चिकित्सा	8	93	3	384
दशमूलोपसिद्धं वा	चिकित्सा	19	45	4	223
दशमूलोपसिद्धेन	चिकित्सा	21	122	4	295
दश श्लेष्मकृता यस्मात्	निदान	4	54	2	66
दशाङ्गुलोन्मितां नाडीं	चिकित्सा	18	66	4	173
दशान्ये षाडवाद्येषु	कल्प	1	30	6	25
दशाष्टौ च क्षयाः	सूत्र	17	7	1	310
दशाहं द्वादशाहं वा	चिकित्सा	5	47	3	267
दशाहं यावदश्नीयात्	चिकित्सा	3	164	3	160
दशैव ते द्वित्रिगुणा	सिद्धि	1	14	6	146
दशैवायतनान्याहुः	सूत्र	29	3	1	585
दष्टमात्रो दशेदाशु	चिकित्सा	23	251	4	383
दष्टोऽसाध्यस्तु दृग्घ्राण	चिकित्सा	23	151	4	362
दहति त्वचमुत्थाने	सूत्र	17	88	1	328
दहत्यग्निरिवादौ तु	चिकित्सा	23	150	4	362
दहल्लिङ्गं विनिर्याति	चिकित्सा	30	142	5	165
दह्येते रुज्यते तेन	सूत्र	17	23	1	314
दाडिमं पुष्करं धान्यं	चिकित्सा	5	80	3	275
दाडिमत्रिफलामांस	चिकित्सा	13	135	3	558
दाड़िमदधित्थलोध्रैः	चिकित्सा	22	36	4	313
दडिममम्लफलं वा	चिकित्सा	22	49	4	316
दाडिमात्कुड़वो धान्यात्	चिकित्सा	16	44	4	94
दाडिमाम्बुसुरामस्तु	चिकित्सा	9	54	3	430
दडिमाम्लैः ससर्पिष्कैः	चिकित्सा	15	124	4	48
दारुणं चारुणं श्वित्रं	चिकित्सा	7	173	3	361
दारुणं स वलीपाकं	चिकित्सा	19	102	4	237
दारुणैः कृष्यमाणानां	चिकित्सा	1/4	60	3	68

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
दारु त्रिकटुकं पथ्यां	सिद्धि	7	19	6	296
दार्वीं पर्पटकं पाठां	चिकित्सा	15	135	4	51
दार्ढ्यं बृहत्वमुत्साहं	सूत्र	27	81	1	506
दार्वीं किराततिक्तं मुस्तं	चिकित्सा	14	196	3	621
दार्वीत्वक्चेति तच्चूर्णं	चिकित्सा	26	197	4	525
दार्वीत्वक् त्रिफला	चिकित्सा	16	97	4	106
दार्वीत्वक्सर्पिर्भ्यां	चिकित्सा	14	221	3	626
दार्वीत्वङ्नागरं मांसी	चिकित्सा	14	231	3	628
दार्वीत्वङ्मधुकं लोध्रं	चिकित्सा	21	97	4	289
दार्वीबृहतीसेव्यैः	चिकित्सा	7	46	3	330
दार्वी रसाञ्जनं वा	चिकित्सा	7	61	3	335
दार्वी विडङ्गं खदिरो	चिकित्सा	6	28	3	306
दार्वी सुराह्वां त्रिफलां	चिकित्सा	6	26	3	306
दार्व्या रसाञ्जनस्य च	चिकित्सा	7	97	3	345
दाहकण्डूरुजाराग	चिकित्सा	7	15	3	322
दाहकृत्तेजसा युक्तः	चिकित्सा	3	39	3	121
दाहज्वरापहं स्पर्शात्	सूत्र	27	192	1	525
दाहतोदस्वेदशोथ	चिकित्सा	23	156	4	364
दाहपाकज्वरोष्णार्ता	चिकित्सा	30	12	5	132
दाहप्रशमनोऽभ्यङ्गः	चिकित्सा	5	131	3	286
दाहरागतृषामोह	चिकित्सा	30	216	5	183
दाहरागतृषामोह	सिद्धि	4	31	6	240
दाहशूलार्तिसंक्षोभ	चिकित्सा	5	41	3	265
दाहातिसारप्रदरास्रपित्त	सिद्धि	3	52	6	226
दाहातिसारौ लवणोऽति	सिद्धि	3	23	6	213
दाहाविपाकदौर्बल्य	चिकित्सा	16	36	4	91
दिग्धास्तैः प्रस्रवन्त्याशु	चिकित्सा	14	136	3	609
दिनक्षते ततः स्त्याने	सिद्धि	9	81	6	352
दिनातुरौषधव्याधि	चिकित्सा	30	296	5	204
दिने दिने प्रयुञ्जीत	चिकित्सा	16	84	4	103
दिवा तत्र प्रयोक्तव्यं	सूत्र	5	17	1	111
दिवा प्रबुध्यतेऽर्केण	चिकित्सा	15	238	4	76
दिवा शीतगृहे निद्रां	सूत्र	6	30	1	139

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
दिवा सूर्यांशुसंतप्तं	सूत्र	6	46	1	142
दिवास्वप्नं ससन्तापं	चिकित्सा	29	49	5	102
दिवौकसां कथयतां	चिकित्सा	8	3	3	364
दिव्यतीर्थौषधिमत	चिकित्सा	30	3	5	129
दिव्यानामोषधीनां यः	चिकित्सा	1/4	8	3	60
दीनः प्रश्वसितं चास्य	चिकित्सा	17	48	4	128
दीनतां श्वयथुं ग्लानिं	चिकित्सा	3	337	3	218
दीनभीतद्रुतत्रस्त	इन्द्रिय	12	16	2	584
दीना जिह्वा समुत्क्षिप्ता	चिकित्सा	28	41	5	31
दीपनं जरणीयं च	सूत्र	27	191	1	525
दीपनं बहुपित्तस्य	चिकित्सा	15	200	4	66
दीपनं बृंहणं चैव	चिकित्सा	18	187	4	200
दीपनं रोचनं वर्ण्यं	चिकित्सा	14	75	3	597
दीपनं श्वासकासघ्नं	चिकित्सा	16	46	4	94
दीपनत्वाल्लघुत्वाच्च	सूत्र	27	253	1	542
दीपनीयानि सर्पींषि	चिकित्सा	13	112	3	552
दीपनीयौषधैर्युक्तां	चिकित्सा	15	203	4	67
दीप्ततेजाश्चतुर्दंष्ट्रो	चिकित्सा	23	5	4	323
दीप्ताग्नयः क्लेशसहाः	सूत्र	13	50	1	257
दीप्ताग्नयः खराहाराः	सूत्र	27	344	1	564
दीप्ताग्निं बहुदोषं तु	कल्प	12	64	6	123
दीप्तेऽग्नौ वातिके गुल्मे	चिकित्सा	5	25	3	260
दीप्तेऽग्नौ विधिरेषः	चिकित्सा	11	84	3	477
दीप्त्यग्नीनामनिद्राणां	सूत्र	27	235	1	537
दीप्त्योजः स्मृतिमेधाग्नि	सूत्र	13	43	1	255
दीर्घं जीवितमन्विच्छन्	सूत्र	1	3	1	12
दीर्घं श्वसिति यस्तूर्ध्वं	चिकित्सा	17	49	4	129
दीर्घञ्जीवोऽप्यपामार्ग	सूत्र	30	36	1	606
दीर्घमुच्छ्वस्य यो ह्रस्वं	इन्द्रिय	8	15	2	566
दीर्घरोगां चिरोत्सृष्टां	चिकित्सा	30	165	5	171
दुरन्धकारे विद्धस्य	चिकित्सा	23	221	4	378
दुरालभां करञ्जौ द्वौ	चिकित्सा	15	179	4	61
दुरालभां शटीं द्राक्षां	चिकित्सा	18	50	4	169

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
दुरालभां श्वदंष्ट्रां च	चिकित्सा	8	106	3	389
दुरालभायाः प्रस्थः	चिकित्सा	14	153	3	612
दुरुपक्रमं लघुत्वाद्	चिकित्सा	23	27	4	330
दुर्गेऽम्भसि यथा मज्जद्	सूत्र	24	45	1	411
दुर्गृहीतं क्षिणोत्येव	सिद्धि	12	49	6	445
दुर्जयत्वे समुत्पत्तौ	चिकित्सा	17	151	4	155
दुर्बलं चेतसः स्थानं	सूत्र	24	28	1	408
दुर्बलं पाययित्वा वा	चिकित्सा	19	76	4	231
दुर्बलं शोधितं पूर्वं	कल्प	12	67	6	124
दुर्बलप्रकृतिश्चैव	चिकित्सा	30	183	5	175
दुर्बलाग्नेरपथ्याम	चिकित्सा	13	32	3	528
दुर्बलातिविशुष्काणां	सूत्र	14	19	1	271
दुर्बलाय प्रयुञ्जीत	चिकित्सा	13	184	3	567
दुर्बले क्रूरकोष्ठे च	सिद्धि	7	43	6	302
दुर्बलोऽपि महादोषो	कल्प	12	69	6	124
दुर्बलो बहुदोषश्च	कल्प	12	65	6	123
दुर्बलो बहु भुंक्ते यः	इन्द्रिय	7	22	2	561
दुर्भगाजीर्णपार्श्वार्ति	कल्प	12	26	6	109
दुर्लभोपशमः कालं	चिकित्सा	3	60	3	128
दुर्हृतेषु च दोषेषु	चिकित्सा	3	334	3	218
दुश्चिकित्स्यो ह्यपस्मार	चिकित्सा	10	65	3	456
दुष्टः श्यावः सुदुर्गन्धः	चिकित्सा	11	11	3	460
दुष्टरक्तातिमात्रत्वात्	सूत्र	17	95	1	329
दुष्टशोणितजं नार्या	चिकित्सा	30	29	5	136
दुष्टेऽञ्जनेऽक्षिदाह	चिकित्सा	23	117	4	354
दुःखशय्यासनात् क्रोधा	चिकित्सा	28	17	5	23
दुःखिताय शयानाय	सूत्र	1	129	1	60
दुःस्पर्शकेन बिल्वेन	चिकित्सा	14	100	3	602
दुःस्पर्शां पिप्पलीं मुस्तं	चिकित्सा	18	51	4	169
दुष्यत्यग्निः स दुष्टेऽन्नं	चिकित्सा	15	44	4	24
दुहितॄणामसम्भोगात्	चिकित्सा	8	5	3	364
दूताधिकारे वक्ष्यामो	इन्द्रिय	12	9	2	584
दूतैरौत्पातिकैर्भावैः	इन्द्रिय	12	66	2	593

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
दूर्वाघृतप्रदेहः शतधौतं	चिकित्सा	14	219	3	626
दूर्वास्वरससिद्धं वा	चिकित्सा	25	93	4	459
दूषीविषाभिर्लूताभिः	चिकित्सा	23	145	4	361
दूषीविषं तु शोणित	चिकित्सा	23	31	4	333
दृढ़स्तनुर्नष्टसिरो विगन्धः	सिद्धि	3	11	6	209
दृढ़ान् बहुकफांस्तस्माद्	चिकित्सा	17	92	4	141
दृश्यन्ते दारुणाः स्वप्ना	इन्द्रिय	12	59	2	590
दृष्टं श्रुतानुभूतं च	इन्द्रिय	5	43	2	551
दृष्टः प्रथमरात्रे यः	इन्द्रिय	5	45	2	551
दृष्टाः पञ्च शिरोरोगाः	सूत्र	17	6	1	310
दृष्टिर्निराकुला भाति	सूत्र	5	20	1	112
दृष्ट्यां यस्य विजानीयात्	इन्द्रिय	7	3	2	558
दृष्ट्वा तु रक्तपित्तं	चिकित्सा	14	213	3	625
दृष्ट्वाऽऽदौ स्वेदयेद्युक्त्या	चिकित्सा	5	52	3	268
दृष्ट्वाऽनुबन्धं पवनात्	चिकित्सा	6	37	3	308
दृष्ट्वा प्रमेहं मधुरं	चिकित्सा	6	55	3	313
दृष्ट्वा वातोल्बणं लिङ्गं	चिकित्सा	24	123	4	413
दृष्ट्वैवं न तु सहसा	चिकित्सा	23	108	4	353
देयं त्वनिर्हृते पूर्वं	कल्प	12	59	6	121
देयः समधूच्छिष्टो	चिकित्सा	7	121	3	350
देयाः प्रदेहाः कफजे	चिकित्सा	21	100	4	290
देवगोब्राह्मणानां च	चिकित्सा	9	94	3	439
देवताः पूजयित्वाऽग्रे	चिकित्सा	1	23	3	10
देवदारुतिलानां वा	सिद्धि	6	66	6	282
देवदारुवचामुस्त	चिकित्सा	15	99	4	42
देवदारु शटी रास्ना	चिकित्सा	18	118	4	185
देवदारुहरिद्रे द्वे	चिकित्सा	13	159	3	561
देवदारु हरिद्रे द्वे	चिकित्सा	23	231	4	379
देवदारु हरिद्रे द्वे	चिकित्सा	27	31	5	10
देवर्षिगन्धर्वपिशाच	चिकित्सा	9	16	3	414
देवर्षिपितृगन्धर्वैः	चिकित्सा	9	88	3	438
देवादीनामपचितिर्हितानां	निदान	7	23	2	98
देवेन चेतरत् कर्म	विमान	3	34	2	152

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
देशकालप्रमाणज्ञं	चिकित्सा	1/4	33	3	64
देशकालप्रमाणानां	चिकित्सा	30	293	5	202
देशंकालवयोमान	सूत्र	26	31	1	460
देशाद्देशं व्रजत् स्राव्यं	चिकित्सा	29	38	5	98
देशानामामयानां च	सूत्र	6	50	1	144
देशान्तरगतिः स्वप्ने	शारीर	1	71	2	329
देशे देशे च यत् सात्म्यं	चिकित्सा	30	339	5	219
देशे यथर्तुके शस्ते	चिकित्सा	24	13	4	387
देहं वातादयस्तासां	चिकित्सा	30	41	5	139
देहं व्याप्नोति सर्वं तु	चिकित्सा	28	9	5	21
देहदुःखभयेभ्यो हि	चिकित्सा	9	84	3	436
देहप्रवृत्तिर्या काचित्	सूत्र	7	29	1	151
देहवृत्तौ यथाऽऽहार	सूत्र	21	51	1	384
देहाग्निदोषभैषज्य	सूत्र	23	32	1	400
देहाग्निबलवर्णौजः	सूत्र	23	27	1	399
देही सर्वगतोऽप्यात्मा	शारीर	1	79	2	332
देहे निरूहेण विशुद्धमार्गे	सिद्धि	1	29	6	159
देहेन्द्रियमनस्तापी	चिकित्सा	3	4	3	108
देहो रजसोऽम्बुभवो	चिकित्सा	22	16	4	308
दैवं पुरा यत् कृतमुच्यते	शारीर	2	44	2	363
दैवमात्मकृतं विद्यात्	विमान	3	30	2	151
दैवव्यपाश्रयं चैव	चिकित्सा	30	195	5	177
दैवव्यपाश्रयं तत्र	चिकित्सा	3	318	3	214
दोषकालबलापेक्षी	चिकित्सा	30	254	5	192
दोषजोऽस्त्यामयः कश्चिद्	चिकित्सा	27	6	5	2
दोषदूष्यनिदानानां	चिकित्सा	30	292	5	201
दोषप्रकृतिवैशेष्यं	सूत्र	18	53	1	347
दोषप्रवृत्तिरष्टाहो	चिकित्सा	3	138	3	148
दोषविष्यन्दनार्थं हि	चिकित्सा	24	118	4	412
दोषवेगे च विगते	चिकित्सा	10	8	3	442
दोषशेषनिवृत्त्यर्थं	चिकित्सा	13	147	3	561
दोषश्चैकः समुत्पत्तौ	सूत्र	10	13	1	197
दोषसंख्या विकाराणां	विमान	6	21	2	196

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
दोषस्थानानि रोगाणां	सूत्र	20	24	1	372
दोषस्य यस्य पश्येत्	चिकित्सा	7	32	3	327
दोषहेतुः पृथक्त्वेन	विमान	5	30	2	181
दोषाः कदाचित् कुप्यन्ति	सूत्र	16	20	1	303
दोषाः क्षीरवहाः प्राप्य	चिकित्सा	30	236	5	187
दोषाः पित्तप्रधानास्तु	चिकित्सा	16	4	4	82
दोषाः प्रवृद्धा स्वं लिङ्गं	सूत्र	17	62	1	322
दोषाः फलानामामानां	चिकित्सा	3	149	3	153
दोषाः सन्निचिता यस्य	चिकित्सा	19	14	4	216
दोषाणां च द्रुमाणां च	सूत्र	16	21	1	303
दोषाणां बहुसंसर्गात्	सूत्र	22	43	1	394
दोषाणामपि चैवं स्याद्	चिकित्सा	15	38	4	21
दोषातिमात्रोपचयात्	चिकित्सा	13	61	3	539
दोषादिकं समीक्ष्यैव	सिद्धि	9	96	6	357
दोषादीनां तु भावानां	विमान	8	157	2	310
दोषाधिकानां वमनं	चिकित्सा	8	87	3	384
दोषाधिक्यविभागात्	चिकित्सा	7	60	3	335
दोषानुकर्षिणी मात्रा	सूत्र	13	34	1	253
दोषा बद्धाः कषायेण	चिकित्सा	3	162	3	160
दोषानुबन्धरक्षार्थं	चिकित्सा	13	194	3	571
दोषानुबलयोगाच्च	चिकित्सा	18	189	4	200
दोषास्त्रयः स्वैः कुपिता	चिकित्सा	12	75	3	507
दोषे कोष्ठगते भूय	चिकित्सा	21	68	4	282
दोषेषु मदमूर्च्छायाः	सूत्र	24	42	1	410
दोषे रक्ताश्रिते रक्तं	चिकित्सा	7	174	3	361
दोषे हृतेऽपनीते रक्ते	चिकित्सा	7	151	3	356
दोषैः पृथक् त्रिप्रभवा	चिकित्सा	20	6	4	244
दोषोत्क्लिष्टे हृदये	चिकित्सा	7	43	3	330
दोषौ बहुविधान् व्याधीन्	चिकित्सा	28	233	5	83
दौर्गन्ध्यं गौरवं तन्द्रा	सूत्र	5	93	1	125
दौर्गन्ध्यं भजते तेन	सूत्र	5	76	1	123
दौर्बल्यं गुरुगात्रत्व	चिकित्सा	28	225	5	81
दौर्बल्यं चाङ्गसादं च	सिद्धि	6	93	6	289

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
दौर्बल्यं मुखशोषश्च	सूत्र	17	69	1	324
दौर्बल्यं लाघवं ग्लानि	सूत्र	16	5	1	301
दौर्बल्यारुचिहृल्लास	चिकित्सा	5	170	3	293
द्रवं तन्वसरं यावत्	सूत्र	22	32	1	392
द्रवकार्येऽपि चानुक्ते	कल्प	12	100	6	133
द्रवधातोः स्थिरान्मांसान्	चिकित्सा	15	24	4	19
द्रवेभ्यश्चोदकादिभ्यो	चिकित्सा	13	95	3	548
द्रवोष्णमनभिष्यन्दि	सूत्र	13	60	1	259
द्रव्यं गुणेन पाकेन	सूत्र	26	72	1	478
द्रव्यप्रमाणं तु यदुक्त	कल्प	12	86	6	129
द्रव्यसंयोगसंस्कारं	सूत्र	27	276	1	548
द्रव्याणां तत्र योग्यानां	इन्द्रिय	12	82	2	595
द्रव्याणि द्विरसादीनि	सूत्र	26	26	1	458
द्रव्येषु स्विन्नजग्धेषु	चिकित्सा	30	326	5	212
द्रव्यैरेवंविधैस्तस्माद्	चिकित्सा	2/4	37	3	101
द्राक्षां पर्पटकं शुण्ठीं	चिकित्सा	21	58	4	280
द्राक्षां मधूकं खर्जूरं	चिकित्सा	5	123	3	284
द्राक्षादिकाश्मर्यमधूक	सिद्धि	3	53	6	227
द्राक्षाखर्जूरकोलानां	सूत्र	27	279	1	549
द्राक्षाखर्जूरसर्पिर्भिः	चिकित्सा	8	115	3	390
द्राक्षाञ्जलिं मृदित्वा वा	चिकित्सा	16	57	4	98
द्राक्षापद्मकवार्ताक	चिकित्सा	18	172	4	196
द्राक्षापुनर्नवाचव्य	चिकित्सा	18	127	4	186
द्राक्षाबलाश्रेयसिशर्कराभिः	चिकित्सा	26	93	4	495
द्राक्षामधुककल्केन	चिकित्सा	30	272	5	196
द्राक्षामधुकतोयाभ्यां	चिकित्सा	29	71	5	106
द्राक्षामयारसं गुल्मे	चिकित्सा	5	130	3	286
द्राक्षामलकखर्जूर	चिकित्सा	24	140	4	416
द्राक्षामलकबिल्वानि	चिकित्सा	3	220	3	183
द्राक्षामलकयूषाभ्यां	सूत्र	13	93	1	265
द्राक्षायाः पक्वलोष्टस्य	सिद्धि	7	14	6	295
द्राक्षायाः पञ्च लाक्षायाः	चिकित्सा	16	107	4	108
द्राक्षारसं पीलुरसं	सूत्र	13	67	1	260

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
द्राक्षारसं वाऽपि पिबेत्	चिकित्सा	20	30	4	251
द्राक्षारसयुतं दद्याद्	कल्प	8	8	6	82
द्राक्षारसस्येक्षुरसस्य	चिकित्सा	4	100	3	248
द्राक्षारसे सुरासीध्वो	कल्प	8	17	6	84
द्राक्षालेहं च पूर्वोक्तं	चिकित्सा	16	136	4	115
द्राक्षाशृतं नागरकैः शृतं	चिकित्सा	4	84	3	243
द्राक्षेक्षुरसमद्यानि	चिकित्सा	29	127	5	120
द्रोणं मधुकपुष्पाणां	चिकित्सा	15	146	4	54
द्रोणशेषं कषायं तं	चिकित्सा	26	207	4	528
द्रोणशेषे रसे तस्मिन्	चिकित्सा	14	140	3	610
द्रोणशेषे रसे पूते	चिकित्सा	15	157	4	56
द्रोणस्तु द्विगुणः शूर्पो	कल्प	12	96	6	130
द्रोणेऽपां साधयेत् पाद	चिकित्सा	15	127	4	49
द्रोणेऽपां साधयेद्रास्नां	चिकित्सा	18	43	4	168
द्रोणेऽम्भसः कर्षसमानि	चिकित्सा	6	43	3	310
द्रुताध्वलङ्घनायासाद्	सिद्धि	9	44	6	343
द्वन्द्वजानि द्वितीयायां	चिकित्सा	14	30	3	588
द्वात्रिंशतं विजानीयाद्	कल्प	12	97	6	130
द्वात्रिंशदङ्गुलं स्नेहे	सूत्र	5	50	1	118
द्वादश व्यापदो बस्ते	सिद्धि	7	6	6	292
द्वादशावरणान्यन्या	चिकित्सा	28	218	5	79
द्वादशैते समुद्दिष्टाः	चिकित्सा	3	59	3	127
द्विकार्षिकाणि पत्रैला	चिकित्सा	11	40	3	467
द्विकार्षिकाश्चन्दन	सिद्धि	3	48	6	226
द्विजो हि वेदाध्ययन	सिद्धि	11	28	6	390
द्वितीये हि युगे शर्व	चिकित्सा	3	15	3	113
द्वित्रान् सविट्कानपनीय	सिद्धि	1	15	6	146
द्विपञ्चमूलक्वथितेन	चिकित्सा	25	77	4	457
द्विपञ्चमूलस्य पचेत्	चिकित्सो	12	50	3	500
द्विपञ्चमूलिको वाऽपि	चिकित्सा	5	67	3	272
द्विपञ्चमूलीत्रिफला	चिकित्सा	18	158	4	193
द्विपञ्चमूले त्रिफलां	सिद्धि	3	59	6	228
द्विपलं त्रायमाणाय	चिकित्सा	5	128	3	285

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
द्विपलांशां तुगाक्षीरीं	चिकित्सा	16	100	4	107
द्विरुत्तरं हिङ्गु वचाग्नि	चिकित्सा	26	20	4	473
द्विवर्गार्धांशकल्केन	कल्प	11	15	6	101
द्विविधं शीतमुष्णं च	सूत्र	27	134	1	516
द्विविधं सानुबन्धानां	चिकित्सा	14	253	3	631
द्विविधामेषणीं विद्यात्	चिकित्सा	25	81	4	458
द्विविधो विधिभेदेन	चिकित्सा	3	32	3	118
द्विव्रणीयं त्रिमर्मीय	सूत्र	30	61	1	611
द्विव्रणीयोपदिष्टेन	चिकित्सा	21	138	4	298
द्विष्टप्रतीपाशुचि	चिकित्सा	20	18	4	248
द्विष्टभैरवबीभत्स	शारीर	1	123	2	341
द्वे अधः सप्त शिरसि	सूत्र	7	42	1	156
द्वे चापोथ्याथवा त्रीणि	कल्प	2	9	6	30
द्वे त्रिंशके द्वादशकं	सूत्र	30	34	1	606
द्वे द्वे पले समापोथ्य	चिकित्सा	14	149	3	612
द्वे पञ्चमूले वर्षाभू	चिकित्सा	29	61	5	104
द्वे पञ्चमूले सरलं	चिकित्सा	15	82	4	36
द्वे पञ्चमूल्यौ त्रिफला	चिकित्सा	10	18	3	445
द्वे पलार्धे पलं मुष्टिः	कल्प	12	92	6	130
द्वे पले च मसूराणां	चिकित्सा	5	116	3	282
द्वे पले सैन्धवात्पञ्च	चिकित्सा	27	45	5	13
द्वे पात्रे तिलतैलस्य	चिकित्सा	1/4	18	3	61
द्वे बले सारिवास्फोता	चिकित्सा	23	243	4	382
द्वे मेदे मधुकं द्वे च	चिकित्सा	18	145	4	190
द्वेष्यार्थं भावितां कामं	चिकित्सा	16	122	4	112
द्वे सारिवे रोहिषं च	चिकित्सा	10	21	3	446
द्वे हरिद्रे वचा कुष्ठं	चिकित्सा	15	182	4	62
द्वौ कालौ दन्तपवनं	चिकित्सा	8	135	3	396
द्वौ क्षारौ पौष्करं मूलं	चिकित्सा	13	127	3	556
द्वौ क्षारौ सातलां दन्तीं	चिकित्सा	13	164	3	562
द्वौ चान्त्यौ संग्रहाध्याया	सूत्र	30	45	1	608
द्वौ रक्तपित्ते मेहे च	सिद्धि	10	48	6	378
द्वौ व्रणौ व्रणभेदाश्च	चिकित्सा	25	120	4	466

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
द्वौ शुष्कमत्स्यमांसाभ्यां	कल्प	10	22	6	96
द्व्यङ्गुलं मूत्रमार्गे तु	सिद्धि	9	67	6	348
द्व्युल्बणैकोल्बणैः	सूत्र	17	41	1	317
		ध			
धत्ते रसविशेषाणां	चिकित्सा	3	159	3	157
धनधान्यकार्यसिद्धिः	चिकित्सा	23	60	4	341
धनुर्वन्त्रमयेद्रात्रा	सिद्धि	9	13	6	334
धनुषाऽऽयस्यतोऽत्यर्थं	चिकित्सा	11	4	3	459
धन्यं मङ्गल्यमायुष्यं	सूत्र	5	97	1	126
धन्वजानमसृग्लिह्या	चिकित्सा	4	72	3	239
धन्वमांसं यवाः शालि	चिकित्सा	28	185	5	69
धन्वयवासं चन्दनम्	चिकित्सा	7	145	3	355
धमनीनामपूर्वाणां	इन्द्रिय	11	8	2	578
धमनीभिः श्रिता दोषा	चिकित्सा	10	6	3	442
धमन्यङ्गुलिसन्धीनां	चिकित्सा	29	26	5	94
धरणीधरसारश्च	चिकित्सा	1	61	3	18
धर्मस्यार्थस्य कामस्य	सूत्र	16	38	1	307
धर्मार्थं चार्थकामार्थं	चिकित्सा	1/4	57	3	68
धर्मार्थदाता सदृश	चिकित्सा	1/4	61	3	68
धर्मार्थौ स्त्रीषु लक्ष्मीश्च	चिकित्सा	2/1	7	3	72
धर्म्या क्रिया हर्षनिमित्त	शारीर	2	41	2	362
धातकीद्विगुणं दद्यात्	चिकित्सा	19	109	4	238
धातकीद्विगुणं दद्यात्	चिकित्सा	19	108	4	238
धातकीधन्वयासाम्बु	चिकित्सा	4	46	3	233
धातकीलोध्रचूर्णैर्वा	चिकित्सा	19	90	4	234
धातकीलोध्रचूर्णैर्वा	चिकित्सा	25	68	4	455
धातक्याऽभिषुतो हृद्यो	सूत्र	27	188	1	525
धातुक्षयगदकर्षण	चिकित्सा	22	5	4	303
धातुसाम्यं तथा ह्येषां	सूत्र	21	42	1	382
धातूनां शोणितादीनां	सूत्र	27	337	1	561
धात्री दाडिममम्लार्थे	चिकित्सा	23	226	4	378
धात्रीफलरसद्रोणे	चिकित्सा	16	101	4	107
धात्रीफलरसप्रस्थां	कल्प	7	42	6	69

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
धात्रीफलविदारीक्षु	चिकित्सा	11	50	3	470
धात्रीफलैः क्षीरसिद्धैः	चिकित्सा	18	165	4	195
धात्रीरसं च तुल्यांशं	चिकित्सा	7	155	3	357
धात्रीस्तनस्तन्यसंपद्	चिकित्सा	30	229	5	186
धानासंज्ञास्तु ये भक्ष्याः	सूत्र	27	266	1	546
धान्यनागरतोयं च	चिकित्सा	24	130	4	414
धान्यनागरसिद्धं वा	चिकित्सा	8	70	3	380
धान्यनागरसिद्धं हि	सिद्धि	4	43	6	244
धान्यमाषो भवेदेको	कल्प	12	88	6	129
धान्यसौवर्चलाजाजी	चिकित्सा	8	142	3	397
धान्याकं चाजगन्धा च	सूत्र	27	173	1	522
धान्वबैलरसैः स्नेहैः	चिकित्सा	18	110	4	183
धारणं धर्मशास्त्राणां	शारीर	1	144	2	347
धारणादगदानां च	चिकित्सा	3	310	3	211
धारयेद्वेशवारं वा	चिकित्सा	30	124	5	159
धारागृहं भूमिगृहं सुशीतं	चिकित्सा	4	106	3	249
धारोष्णं मूत्रयुक्तं वा	चिकित्सा	29	82	5	108
धारोष्णं स्नेहसंयुक्तं	सूत्र	13	88	1	264
धार्यं गरमणिर्याश्च	चिकित्सा	23	253	4	383
धार्या मधुयुता वर्तिः	चिकित्सा	30	120	5	159
धीतीकां तु करीषाणां	सूत्र	14	61	1	283
धीधृतिस्मृतिविज्ञान	चिकित्सा	27	4	5	1
धीधृतिस्मृतिविभ्रष्टः	शारीर	1	102	2	337
धीधृतिस्मृतिविभ्रंशः	शारीर	1	98	2	336
धीधैर्यौदार्यगाम्भीर्य	सिद्धि	7	3	6	291
धीमतो वैद्यवश्यस्य	चिकित्सा	24	164	4	419
धीमान् यशस्वी वाक्	चिकित्सा	1/3	22	3	44
धीविभ्रमः सत्त्वपरि	चिकित्सा	9	6	3	410
धूमं न भुक्त्वा	सूत्र	5	44	1	117
धूममाषवचाकिण्व	सिद्धि	7	24	6	297
धूमवक्त्रकपानस्य	सूत्र	5	33	1	114
धूमांस्तानेव दद्याच्च	चिकित्सा	18	130	4	187
धूमिका कुररश्चेति	सूत्र	27	37	1	499

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
धूमैर्विरेकैः शिरसः	चिकित्सा	21	131	4	296
धूमो विरेकः शिरसः	चिकित्सा	21	135	4	297
धृतिस्मृतिबलं कृत्वा	चिकित्सा	1	22	2	10
ध्यानायासौ तथोद्वेगो	इन्द्रिय	5	18	2	547
ध्यामकाश्वत्थनिचुल	चिकित्सा	25	117	4	465
ध्यायति विहगः प्रथमे	चिकित्सा	23	23	4	328
ध्वंसको विक्षयश्चैव	चिकित्सा	24	205	4	429
		न			
न कर्णरोगा वातोत्था	सूत्र	5	84	1	124
न कर्तुरिन्द्रियाभावात्	शारीर	3	19	2	384
न केवलं दीर्घमिहायु	चिकित्सा	1	80	3	24
नकुलोलूकमार्जार	चिकित्सा	10	51	3	453
नक्तं सूर्यमहश्चन्द्र	इन्द्रिय	4	15	2	540
न क्षीणक्षतदुर्बल	सिद्धि	10	12	6	369
नखेषु जायते पुष्पं	इन्द्रिय	12	55	2	590
न गच्छेद्विभ्रमं तत्र	सिद्धि	6	73	6	284
नगरी नगरस्येव	सूत्र	5	103	1	128
नग्नस्याज्यावसिक्तस्य	इन्द्रिय	5	15	2	546
न घृतं बहुदोषाय	चिकित्सा	21	48	4	278
न च कालगुणस्तुल्यो	सूत्र	10	12	1	197
न च केशाः प्रमुच्यन्ते	सूत्र	5	59	1	120
न च तेनैव लेपेन	चिकित्सा	21	102	4	290
न च बुद्धिस्मृतिहरो	चिकित्सा	24	43	4	394
न च स्यादृगृध्रसीवातः	सूत्र	5	92	1	125
न चालमतिसंक्षेपः	सूत्र	4	27	1	103
न चास्य कण्ठशोषः	सूत्र	5	79	1	123
न चास्य जायते गर्भः	सूत्र	28	19	1	578
न चेत्कारणमात्मा स्यात्	शारीर	1	42	2	321
न चैकान्तेन निर्दिष्टे	सिद्धि	2	25	6	203
न चैव गुदकण्ठाभ्यां	सिद्धि	4	49	6	246
न जरां न च दौर्बल्यं	चिकित्सा	1	79	3	24
न तन्निमित्तं व्यसनं	चिकित्सा	15	234	4	74
न तस्य चक्षुर्न घ्राणं	सूत्र	5	58	1	120

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
न तु श्रुतवतां वेशं	सूत्र	1	132	1	60
न तु संग्रहणं देयं	चिकित्सा	19	15	4	217
न ते तत्सदृशास्त्वन्ये	शारीर	1	46	2	323
न त्वरिष्टस्य जातस्य	इन्द्रिय	2	5	2	527
न त्वामं प्रणयेत् स्नेहं	सिद्धि	4	48	6	246
न देवा नर्षयः सिद्धाः	सूत्र	11	15	1	209
नद्यः पाषाणविच्छन्न	सूत्र	27	209	1	530
नद्यः पाषाणसिकता	सूत्र	27	210	1	531
नद्यः फेनोत्तरीयाश्च	चिकित्सा	2/3	27	3	93
नद्यस्तड़ागाः पद्मिन्यो	चिकित्सा	3	264	3	197
न नक्तं दधि भुञ्जीत	सूत्र	7	61	1	161
न नाशकारणाभावात्	सूत्र	16	32	1	306
न ना स्वपिति रात्रिषु	चिकित्सा	2/1	48	3	80
न परीक्षा न परीक्ष्यं	सूत्र	11	14	1	209
न पश्यति विभुः कस्मात्	शारीर	1	8	2	312
न बन्धो न च मोक्षः	शारीर	1	41	2	321
न बृंहणीयान् विदधीत	सिद्धि	1	36	6	162
न विभर्ति शिरो ग्रीवा	इन्द्रिय	8	22	2	567
न भावयति मन्दस्तु	सिद्धि	5	17	6	256
न मर्मबाधाजननी	चिकित्सा	17	41	4	126
न मूढो लभते संज्ञां	सूत्र	11	59	1	232
न मूर्च्छाभ्रमतृष्णासु	सूत्र	5	43	1	117
न याति बस्तिर्न सुखं	सिद्धि	1	56	6	172
नरं निःश्रेयसे युक्तं	सूत्र	27	347	1	564
नरः श्वो वमनं पाता	सिद्धि	6	18	6	266
नरः संवत्सरेणैवं	चिकित्सा	13	193	3	570
न रक्ती न विषेणार्तौ	सूत्र	5	42	1	117
नरस्ततो निश्यनुवास	सिद्धि	1	22	6	152
न रागान्नाप्यविज्ञानात्	सूत्र	28	41	1	582
नराश्चटकवत् केचिद्	चिकित्सा	2/4	6	3	95
नराणां वातलादीनां	विमान	6	22	2	196
नरो विरिक्तस्तु निरूह	सिद्धि	1	26	6	157
नरो हिताहारविहारसेवी	शारीर	2	46	2	364

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
नर्ते वै षोडशाद्वर्षात्	चिकित्सा	2/4	40	3	101
नलदं च हरेणुश्च	चिकित्सा	21	77	4	285
नलमूलान्यनन्तां च	चिकित्सा	21	88	4	287
नलवञ्जुलवानीर	सिद्धि	10	21	6	372
नवको निर्णयश्चास्य	शारीर	6	34	2	448
नवज्वरामदोषेषु	चिकित्सा	17	85	4	140
नवनीतघृतं छागं	चिकित्सा	14	211	3	624
नवनीततिलाभ्यासात्	चिकित्सा	14	210	3	624
नवसर्पिषि संतप्तान्	चिकित्सा	2/1	45	3	79
नवमामलकं द्राक्षा	चिकित्सा	11	66	3	475
नव योगाः कषायेषु	कल्प	1	28	6	25
नवस्यामलकस्यैकां	चिकित्सा	14	158	3	613
नवान्नदधिमत्स्याति	चिकित्सा	7	7	3	319
नवान्नानि नवं मद्यं	सूत्र	21	30	1	380
न विड्जीर्णा न च	चिकित्सा	3	136	3	147
न वेगान्धारणेऽध्याये	सूत्र	28	30	1	579
न वेगान् धारयेद्धीमान्	सूत्र	7	3	1	148
न वेत्ति यो गन्धरसांश्च	चिकित्सा	26	114	4	503
नवे पिप्पलीमध्वाक्ते	चिकित्सा	15	163	4	58
नवौ कदाचित् सिध्येतां	चिकित्सा	18	30	4	164
न शंखके न रोहिण्यां	सूत्र	5	45	1	117
न शुक्रं धारयत्येभिः	चिकित्सा	30	38	5	139
न शूल्यन्ते न चाम्लेन	सूत्र	5	80	1	123
नष्टशुक्रक्षतक्षीण	चिकित्सा	11	42	3	467
नष्टाग्निसंज्ञः क्षिप्रं हि	चिकित्सा	16	39	4	92
न समा यान्ति वैषम्यं	शारीर	1	93	2	334
न सर्पिः केवलं पित्ते	सूत्र	13	74	1	261
न सर्पिः पाययेद्वैद्यः	चिकित्सा	3	166	3	162
न सोऽस्ति रोगो भुवि-	चिकित्सा	1/3	65	3	53
न सिद्ध्यन्ति नरा दष्टाः	चिकित्सा	23	160	4	365
नस्तः प्रच्छर्दने चैव	सूत्र	1	85	1	52
नस्तः स्नेहाङ्गुलिं दद्यात्	सिद्धि	9	117	6	364
नस्तकर्म च कुर्वीत	सिद्धि	9	88	6	355

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
न स्नेह्या वर्तमानेषु	सूत्र	13	56	1	258
नस्यं स्यादणुतैलं वा	चिकित्सा	26	264	4	541
नस्यं स्याद्भिषजा	चिकित्सा	26	266	4	541
नस्यकर्मगुणा नस्तः	सूत्र	5	108	1	129
नस्यालेपावगाहेषु	सूत्र	1	112	1	56
नस्ये पाने तथाऽभ्यङ्गे	चिकित्सा	26	172	4	519
नस्यैस्तैलैः शिरोवक्त्र	चिकित्सा	26	263	4	540
न स्वेद्याः पित्तदाहार्ता	चिकित्सा	17	82	4	139
न हि कर्म महत् किञ्चित्	शारीर	1	117	2	341
न हि जातबलाः सर्वे	चिकित्सा	2/4	4	3	95
नहि संशोधनं किञ्चिद्	निदान	2	19	2	40
न हि सर्वमनुष्याणां	सूत्र	15	20	1	298
न ह्येको वर्तते भावो	शारीर	1	58	2	326
नाकार्यमस्ति क्रुद्धस्य	विमान	8	23	2	230
नाक्षोभ्य हि मनो मद्यं	चिकित्सा	24	194	4	427
नागदन्तीत्रिवृद्दन्ती	चिकित्सा	23	241	4	380
नागरं क्षीरकाकोलीं	चिकित्सा	29	65	5	105
नागरं पद्मकिञ्जल्क	चिकित्सा	21	56	4	280
नागरं पिप्पलीमूलं	चिकित्सा	14	110	3	605
नागरं पुष्करं मेदां	सिद्धि	4	14	6	236
नागरं सैन्धवं सर्पिः	चिकित्सा	26	232	4	534
नागरत्रिफलाप्रस्थं	चिकित्सा	13	115	3	553
नागरत्रिफलामुस्त	चिकित्सा	26	239	4	535
नागरातिविषामुस्त	चिकित्सा	15	98	4	42
नागरातिविषे मुस्तं	चिकित्सा	15	129	4	50
नागरातिविषे मुस्तं	चिकित्सा	18	115	4	184
नागरामलकैः सिद्धां	चिकित्सा	3	188	3	167
नागरार्धपलं पिष्ट्वा	चिकित्सा	5	91	3	276
नाग्निं विना हि तर्षः	चिकित्सा	22	19	4	309
नाग्निकर्मोपदेष्टव्यं	चिकित्सा	25	106	4	462
ना चाभिघाताभिहतं	सूत्र	5	88	1	125
नाच्छायो नाप्रभः	इन्द्रिय	7	17	2	561
नाड़ी कलायं गोजिह्वा	सूत्र	27	97	1	509

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
नाडीव्रणाः पक्वशोथा	चिकित्सा	25	56	4	452
नाडीस्वेदं प्रयुञ्जीत	चिकित्सा	28	112	5	54
नाडीस्वेदोपनाहाश्च	चिकित्सा	28	100	5	51
नातः कष्टतमं किञ्चित्	सूत्र	27	247	1	541
नातःपरं स्नेहनम्	सिद्धि	1	7	6	140
नाति गुर्वीति वा स्निग्धं	चिकित्सा	3	279	3	201
नातिग्लानिकरं पायौ	कल्प	12	52	6	118
नातिप्रसुप्तः पुरुषः	इन्द्रिय	5	42	2	550
नातिबह्वाशिनश्चैव	सूत्र	13	36	1	253
नातियोगं न वाऽयोगं	सिद्धि	12	29	6	431
नातियोगौ क्लमाध्माने	सिद्धि	7	5	6	292
नातिरक्तो नातिपाण्डु	चिकित्सा	25	86	4	459
नातिशीतगुरुस्निग्ध	चिकित्सा	25	98	4	461
नातिशुष्कं फलं ग्राह्यं	कल्प	11	5	6	99
नातिस्निग्धं न चाम्लेन	चिकित्सा	24	127	4	414
नातिस्निग्धशरीराय	कल्प	12	83	6	128
नातिस्निग्धशरीराय	सिद्धि	6	9	6	262
नातिस्निग्धो न रूक्षश्च	चिकित्सा	21	101	4	290
नात्मज्ञानादृते चैकं	शारीर	3	24	2	385
नात्मनः करणाभावात्	शारीर	5	22	2	424
नात्मेन्द्रियं मनो बुद्धिं	शारीर	1	132	2	344
नात्यर्थमुष्णं मरिचम्	सूत्र	27	298	1	552
नात्युष्णं गुरु संपक्वं	सूत्र	27	133	1	516
नात्युष्णः कफवातघ्नो	सूत्र	27	122	1	514
नात्युष्णशीतं लघु	सूत्र	24	23	1	407
नात्युष्णशीतवीर्या च	सूत्र	27	90	1	509
नादोऽतिरुक्कर्णमलस्य	चिकित्सा	26	127	4	507
नाद्यादन्नानि जठरी	चिकित्सा	13	101	3	549
नानाद्रव्यात्मकत्वाच्च	सूत्र	27	249	1	541
नानाद्रव्यैः समायुक्तः	सूत्र	27	277	1	548
नानापुष्पोपमो गन्धो	इन्द्रिय	2	8	2	529
नानाप्रकृतयः क्रूराः	इन्द्रिय	12	57	2	590
नानार्थं नापि कामार्थं	चिकित्सा	1/4	58	3	68

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
नान्दीमुखी मधूली च	सूत्र	27	22	1	496
नान्यः स्नेहस्तथा कश्चित्	निदान	1	40	2	31
नाभिं मूत्रं बस्तिशीर्षं	इन्द्रिय	10	12	2	574
नाभिं विष्टभ्य पायौ	चिकित्सा	13	56	3	538
नाभिघातैर्न चातङ्कैः	चिकित्सा	1/3	21	3	44
नाभिध्यायेन्न चाक्रोशेद्	चिकित्सा	1/4	54	3	67
नाभिबस्तिरुजं दाहं	सिद्धि	7	9	6	293
नाभिस्तनान्तरं जन्तो	विमान	2	17	2	139
नाभेः पक्वाशयाद्वाऽपि	चिकित्सा	17	29	4	123
नामकर्मभिरुक्तानि	सूत्र	1	86	1	52
नामहेतुरसाध्यत्वं	चिकित्सा	8	191	3	407
नारीक्षीरेण सिद्धं वा	चिकित्सा	17	133	4	150
नारीणां यौवनोष्णानां	चिकित्सा	24	134	4	415
नारीणामप्रजातानां	सिद्धि	12	22	6	429
नारीणामरसज्ञत्वात्	चिकित्सा	30	160	5	170
नारी त्वतिपरिक्लिष्टा	चिकित्सा	30	221	5	184
नारीस्तन्येन संयुक्तां	चिकित्सा	15	230	4	74
नालं स्नेहसमिद्धस्य	चिकित्सा	15	202	4	67
नालं स्नेहसमृद्धस्य	सूत्र	13	72	1	261
नाल्पं हन्त्यौषधं व्याधिं	चिकित्सा	30	313	5	209
नावनं चावपीडश्च	सिद्धि	9	89	6	355
नावनं धूमपानानि	चिकित्सा	8	81	3	382
नावनं स्नेहनं रोगान्	सिद्धि	9	112	6	362
नावनप्रीणिताश्चास्य	सूत्र	5	61	1	120
नावनाञ्जननिद्रान्ते	सूत्र	5	35	1	115
नावनैस्तर्पणैश्चान्नैः	चिकित्सा	28	78	5	43
नाश्रयो न सुखं नार्तिः	शारीर	1	40	2	321
नासाक्षिकर्णजिह्वा	चिकित्सा	23	68	4	344
नासाग्रपाकज्वरवक्त्र	चिकित्सा	26	106	4	500
नासाध्यं नाम तस्यास्ति	चिकित्सा	9	62	3	431
नासाध्यः साध्यतां याति	निदान	8	35	2	108
नास्ति तैलात्परं किञ्चित्	चिकित्सा	28	181	5	68
निःश्लेष्मपित्तमुदकं	सूत्र	16	10	1	301

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
निःसंज्ञः परिशुष्कास्यः	इन्द्रिय	9	4	2	569
निःस्राव्य मत्स्याण्डरसं	चिकित्सा	2/1	49	3	80
निःस्रुते लङ्घितः पेया	चिकित्सा	13	191	3	570
निकषन्निव यः पादौ	इन्द्रिय	12	4	2	583
निचितं यस्य मांसं	इन्द्रिय	7	31	2	562
नित्यं सन्निहितामित्रं	सूत्र	17	119	1	334
नित्यं स्नेहार्द्रशिरसः	सूत्र	5	81	1	124
नित्याः प्राणभृतां देहे	सूत्र	18	48	1	346
नित्यानुबन्धं मनसा	शारीर	1	81	2	332
निदधीत धान्यमध्ये	चिकित्सा	7	78	3	340
निदानं रक्तपित्तस्य	चिकित्सा	4	53	3	236
निदाने रक्तपित्तस्य	निदान	2	29	2	42
निदानाकृतिसंसर्गात्	सूत्र	18	15	1	340
निदिग्धिकां बिल्वमध्यं	चिकित्सा	17	94	4	142
निदिग्धिकादेवदारु	चिकित्सा	30	60	5	145
निद्रां तन्द्रां क्लमं दाहं	चिकित्सा	23	15	4	326
निद्रां तन्द्रां प्रलापश्च	सूत्र	17	52	1	320
निद्रानाशः शिरसो	चिकित्सा	22	12	4	306
निद्राबलाभावतमः	सिद्धि	1	20	6	151
निद्रायत्तं सुखं दुःखं	सूत्र	21	36	1	381
निन्दिताः पुरुषास्तेषां	सूत्र	21	60	1	386
निपीडितोन्नते स्तब्धे	चिकित्सा	5	43	3	266
निमित्तपूर्वरूपाणां	सूत्र	10	14	1	198
निमित्तमात्मा प्रकृतिः	शारीर	4	42	2	412
निमित्तलिङ्गान्युपलभ्य	चिकित्सा	5	16	3	258
निमिश्च राजा वैदेहो	सूत्र	26	5	1	445
निमेषकालाद्भावानां	शारीर	1	50	2	324
निम्बपटोलं दार्वीं	चिकित्सा	7	140	3	354
निम्बपाठासहचर	सिद्धि	4	19	6	237
निम्बवेत्राग्रकुलक	चिकित्सा	30	259	5	192
निरत्ययं पीयमानं	चिकित्सा	24	168	4	421
निरत्ययः प्रयोक्तव्यः	चिकित्सा	28	122	5	55
निरत्ययानि सिद्धानि	चिकित्सा	28	144	5	60

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
निरामश्चाप्यतः प्रोक्तो	चिकित्सा	3	277	3	201
निरिन्धनोऽन्तरं लब्ध्वा	चिकित्सा	15	223	4	73
निरुक्तं तन्त्रणात्तन्त्रं	सूत्र	30	70	1	615
निरुक्तं नामभेदाश्च	चिकित्सा	21	144	4	300
निरूढं च रसैर्धान्वैः	सिद्धि	6	43	6	276
निरूढं च विरिक्तं च	चिकित्सा	15	81	4	35
निरूहं वा प्रयुञ्जीत	चिकित्सा	14	137	3	609
निरूहं स्नेहबस्तिं च	चिकित्सा	9	27	3	422
निरूहः पञ्चतिक्तोऽयं	सिद्धि	8	9	6	311
निरूहकल्पः प्रणिधान	सिद्धि	3	5	6	205
निरूहपादांशसमेन	सिद्धि	3	28	6	216
निरूहमात्रा प्रसृतप्रमाणा	सिद्धि	3	33	6	220
निरूहमुख्यः कफजान्	सिद्धि	3	60	6	228
निरूहैः पित्तसंसृष्टं	चिकित्सा	28	192	5	70
निरूहैर्निर्हरेत् सम्यक्	सिद्धि	4	30	6	240
निर्घोषदैन्यस्तनन	चिकित्सा	18	12	4	159
निर्दिष्टं दैवशब्देन	शारीर	1	116	2	340
निर्दिष्टा कालसम्प्राप्ति	शारीर	1	110	2	338
निर्दिष्टा क्षीरदोषोत्था	चिकित्सा	30	282	5	198
निर्मोहमानानुशयोः	चिकित्सा	6	3	3	298
निर्वापयेत् सुशीतेन	चिकित्सा	25	65	4	455
निर्हरेद्वा मलं तस्य	चिकित्सा	29	88	5	110
निर्हृतानिलविण्मूत्र	सिद्धि	12	4	6	395
निर्हृते वाऽपि जीर्णे वा	कल्प	12	61	6	122
निर्हृते सुखमाप्नोति	चिकित्सा	17	76	4	135
निवर्तते चोदरिणां	चिकित्सा	13	172	3	562
निवर्तते तदुभयं	शारीर	1	139	2	346
निवातोष्णसमाचारी	सूत्र	5	70	1	121
निवारयेदादित एव	चिकित्सा	12	85	3	510
निवासे निर्भये शस्ते	चिकित्सा	1	18	3	10
निवृत्तः सर्वमद्येभ्यो	चिकित्सा	24	206	4	430
निवृत्तामिषमद्यो यो	चिकित्सा	9	96	3	439
निवृत्ते क्षतदोषे तु	चिकित्सा	18	144	4	190

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
निवृत्तेन्द्रियवाक्चेष्टः	शारीर	3	23	2	385
निर्वृत्तेऽपि ज्वरे तस्मात्	चिकित्सा	3	339	3	218
निवृत्तोपद्रवस्य स्यात्	चिकित्सा	16	132	4	114
निशान्ते दिवसान्ते च	चिकित्सा	30	310	5	208
निशि स्थितं वारि	चिकित्सा	20	31	4	251
निशिस्थितानां त्रिफला	चिकित्सा	6	22	3	305
निशि स्थिता वा	चिकित्सा	4	77	3	241
निष्कृष्य रुचिमाधत्ते	सूत्र	5	73	1	122
निष्क्रियं च स्वतन्त्रं च	शारीर	1	5	2	311
निष्क्रियस्य क्रिया तस्य	शारीर	1	6	2	311
निष्ठीविका गौरवमङ्गसाद	शारीर	2	23	2	357
निष्ठ्यूतं च पुरीषं च	इन्द्रिय	9	18	2	572
निष्ठ्यूते यस्य दृश्यन्ते	इन्द्रिय	9	19	2	572
निष्पावः कोविदारश्च	सूत्र	27	100	1	511
निष्प्रजस्तृणपूलीति	चिकित्सा	2/1	18	3	75
निष्प्रत्यनीकः कुरुते	चिकित्सा	3	56	3	127
निस्तुद्येते भृशं शंखौ	सूत्र	17	19	1	311
निहन्ति सर्वकुष्ठानि	चिकित्सा	7	156	3	357
नीयते बहिरुष्णैर्हि	चिकित्सा	30	323	5	212
नीलं वा यदि वा कृष्ण	सूत्र	24	35	1	409
नीलं वा यदि वा	इन्द्रिय	1	18	2	525
नीलिनीं त्रायमाणां च	चिकित्सा	13	134	3	558
नीलिनीं त्रिफलां	चिकित्सा	5	106	3	280
नीलिनीचूर्णसंयुक्तं	चिकित्सा	5	104	3	279
नीलिनीत्रिवृतादन्ती	चिकित्सा	5	105	3	280
नीलोत्पलं गैरिकशङ्ख	चिकित्सा	4	99	3	248
नीलोत्पलं तामलकीं	चिकित्सा	8	112	3	390
नीलोत्पलं मोचरसं	चिकित्सा	19	75	4	231
नीलोत्पलं सकुष्ठं	चिकित्सा	7	169	3	360
नीलोत्पलं समङ्गा	चिकित्सा	14	193	3	621
नीलोत्पलैलामञ्जिष्ठा	चिकित्सा	9	36	3	424
नीलौष्ठदन्तशैथिल्य	चिकित्सा	23	33	4	334
नृकेशाः सर्पनिर्मोको	चिकित्सा	14	49	3	592

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
नृचित्तवर्तिन्युपचार	सिद्धि	11	29	6	390
नृत्यन् रक्षोगणैः साकं	इन्द्रिय	5	21	2	547
नृद्वेषिण्यस्तनी चैव	चिकित्सा	30	35	5	138
नृभिर्धेन्वाः सवत्साया	इन्द्रिय	12	75	2	594
नृलोकमापूरयते	सूत्र	8	32	1	181
नेत्रदीर्घो घृताभ्यक्तां	सिद्धि	9	60	6	346
नेत्रबस्तिप्रणेतृणां	सिद्धि	5	19	6	256
नेत्राञ्जनं तैलपिष्टं	चिकित्सा	3	307	3	211
नेत्रे पृष्ठमुरःपार्श्वे	चिकित्सा	18	8	4	158
नेन्द्रियं बाधते धूमो	सूत्र	5	52	1	118
नेन्द्रियाणां व्यथां नापि	चिकित्सा	17	67	4	134
नेन्द्रियाणि न चैवार्थाः	शारीर	1	130	2	343
नैकः कदाचिद्भूतात्मा	शारीर	1	84	2	333
नैकः प्रवर्तते कर्तुं	शारीर	1	57	2	325
नैतत् प्राप्यातिवर्तन्ते	चिकित्सा	13	129	3	556
नैवं विघातं जनयेन्	चिकित्सा	24	38	4	393
नैव दूष्यति तेनैव	चिकित्सा	15	241	4	76
नैव देवा न गन्धर्वा	निदान	7	19	2	97
नैशेष्वाहारजातेषु	चिकित्सा	15	243	4	77
नोद्गारस्य न जृम्भाया	सूत्र	7	4	1	148
नोर्ध्वाङ्गमारुताविष्टा	सूत्र	27	327	1	559
नोपैति कण्ठमाहारो	इन्द्रिय	8	25	2	567
न्यग्रोधत्वक्कषायेण	चिकित्सा	30	118	5	159
न्यग्रोधपत्रदुग्धीके	चिकित्सा	21	83	4	286
न्यग्रोधपादास्तरुणाः	चिकित्सा	21	73	4	284
न्यग्रोधशुङ्गकानां	चिकित्सा	14	203	3	622
न्यग्रोधाद्यैश्चतुर्भिश्च	सिद्धि	10	38	6	376
न्यग्रोधोदुम्बराश्वत्थ	सूत्र	5	22	1	113
न्यग्रोधोदुम्बराश्वत्थ	चिकित्सा	11	31	3	465
न्यग्रोधोदुम्बराश्वत्थ	चिकित्सा	25	87	4	459
प					
पक्तिस्थानात्तथा दोषैः	चिकित्सा	3	275	3	201
पक्तौ हि कारणं पक्तुः	सूत्र	9	11	1	187

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
पक्त्वा तस्य रसं पूत्वा	चिकित्सा	28	139	5	59
पक्त्वा पूपलिकाः	चिकित्सा	2/2	29	3	86
पक्त्वा मात्रा ततः क्षीर	चिकित्सा	29	78	5	107
पक्वः स्रोतांसि संक्लेद्य	चिकित्सा	5	46	3	267
पक्वता प्रशमं याति	चिकित्सा	19	91	4	235
पक्वाशयं तु प्राप्तस्य	चिकित्सा	15	11	4	5
पक्वाशयं तु याते	चिकित्सा	23	115	4	354
पक्वाशयमधिष्ठाय	इन्द्रिय	10	18	2	575
पक्वाशयशिरःशूलं	सूत्र	7	8	1	147
पक्वाशयसमुत्थाना	इन्द्रिय	10	17	2	575
पक्वाशयस्थाः सर्वेऽपि	चिकित्सा	27	23	5	7
पक्वाशयस्थिते स्विन्ने	सिद्धि	7	38	6	300
पक्वाशये पित्तकफाशये	चिकित्सा	5	7	3	253
पक्वाशये विरेकं तु	चिकित्सा	28	190	5	70
पक्षाघातोऽङ्गसंशोषः	चिकित्सा	28	73	5	41
पक्षादूर्ध्वं भवेत् पेया	चिकित्सा	14	141	3	610
पक्षादूर्ध्वमरिष्टोऽयं	चिकित्सा	14	166	3	614
पक्षाद्वा द्वादशाहाद्वा	चिकित्सा	10	13	3	443
पक्षिणां मृगमत्स्याना	चिकित्सा	24	124	4	413
पक्ष्मबालैः सहात्रेन	चिकित्सा	13	39	3	531
पक्ष्माद्बद्धगुदं तूर्ध्वं	चिकित्सा	13	51	3	537
पचत्यन्नं तदारोग्य	चिकित्सा	15	216	4	71
पचेत् साजपयोऽर्धांशैः	चिकित्सा	28	150	5	62
पचेद्दशगुणे तोये	चिकित्सा	8	107	3	389
पचेल्लेहं घृतक्षौद्र	चिकित्सा	18	137	4	188
पञ्च कषाययोनय इति	सूत्र	4	6	1	84
पञ्चकासान् शिरःकम्पं	चिकित्सा	18	46	4	168
पञ्चकोलकतालीस	चिकित्सा	26	192	4	524
पञ्चगव्यं महातिक्तं	चिकित्सा	16	43	4	93
पञ्चगव्यस्य पयसः	चिकित्सा	3	304	3	211
पञ्च चापि कषायाणां	सूत्र	4	26	1	103
पञ्च दध्यादिभिस्त्वेका	कल्प	9	17	6	89
पञ्चपञ्चकमुद्दिष्टं	सूत्र	8	30	1	181

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
पञ्चप्रसृतिकी पेया	सूत्र	13	89	1	264
पञ्चभिर्विषयैरिष्टैः	चिकित्सा	24	84	4	404
पञ्चमूलरसात् पञ्च	सिद्धि	8	6	6	310
पञ्चमूलाभयाव्योष	चिकित्सा	15	88	4	38
पञ्चमूलीकषायेण	चिकित्सा	5	97	3	278
पञ्चमूलीशृतं तोयं	चिकित्सा	5	167	3	292
पञ्चमो वत्सकस्योक्तः	सूत्र	30	63	1	613
पञ्चवल्कमधूकानां	चिकित्सा	19	88	4	234
पञ्चस्वर्थेषु कान्तेषु	चिकित्सा	24	66	4	398
पञ्चात्मकस्य वातेन	चिकित्सा	28	238	5	83
पञ्चात्मकानां षट्त्वं च	सूत्र	26	109	1	489
पञ्चात्मनः स्थानवशात्	चिकित्सा	28	248	5	86
पञ्चात्मा मारुतः पित्तं	चिकित्सा	14	24	3	587
पञ्चानां पञ्चमूलानां	चिकित्सा	1	41	3	16
पञ्चानां पञ्चमूलानां	चिकित्सा	8	99	3	385
पटोलं पिचुमर्दं च	चिकित्सा	21	59	4	280
पटोलः सारिवा मुस्तं	चिकित्सा	3	201	3	178
पटोलनिम्बभूनिम्ब	सिद्धि	8	8	6	311
पटोलनिम्बवेत्राग्र	चिकित्सा	4	38	3	232
पटोलपत्रमुद्गानां	चिकित्सा	21	61	4	281
पटोलपिचुमर्दाभ्यां	चिकित्सा	3	252	3	192
पटोलपिचुमर्दाभ्यां	चिकित्सा	21	52	4	280
पटोलमूलामरदारुदन्ती	चिकित्सा	12	53	3	501
पटोलयूषमिश्रं वा	चिकित्सा	24	139	4	416
पटोलादिकषायं वा	चिकित्सा	21	60	4	281
पटोलाद्यमिदं चूर्णं	चिकित्सा	13	124	3	555
पटोलारिष्टपत्राणि	चिकित्सा	3	241	3	191
पटोलोदुम्बराश्वत्थ	चिकित्सा	15	126	4	49
पट्टैः प्रभूतसर्पिष्कै	चिकित्सा	25	70	4	456
पतत्रिभिः पतङ्गैश्च	चिकित्सा	8	36	3	371
पत्रकल्कं ततः पूतं	चिकित्सा	81	155	5	62
पत्रभङ्गोदकैः शौचं	चिकित्सा	14	169	3	615
पत्रमूलफलैस्तोयं	चिकित्सा	27	53	5	14

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
पत्रागुरुमुस्तैला	चिकित्सा	23	77	4	346
पत्राणि पुष्पाणि च	चिकित्सा	4	107	3	249
पत्राणि शुङ्गाः कन्दाश्च	सूत्र	1	74	1	49
पत्रैलागुरुकुष्ठानि	चिकित्सा	29	107	5	113
पथच्छेदो विडालेन	इन्द्रिय	12	29	2	587
पथि वेश्मप्रवेशे तु	इन्द्रिय	12	80	2	595
पथ्यं पथ्योऽनपेतं	सूत्र	25	45	1	437
पथ्या तामलकी धात्री	चिकित्सा	18	120	4	185
पथ्यान्नपानसेवा	चिकित्सा	5	188	3	296
पथ्याशटीपौष्करपञ्च	चिकित्सा	26	86	4	493
पथ्याशतरसे पथ्या	चिकित्सा	16	50	4	95
पथ्यैर्मृद्वल्पतां नीतो	चिकित्सा	30	330	5	215
पद्मकं त्रिफलां व्योषं	चिकित्सा	18	174	4	197
पद्मकं त्वक् समधुकं	चिकित्सा	29	146	5	124
पद्मकं पद्मकिञ्जल्कं	चिकित्सा	4	67	3	239
पद्मकातिविषामुस्त	चिकित्सा	28	151	5	62
पद्मकोशीरयष्ट्याह्व	चिकित्सा	29	114	5	115
पद्मवेतसयष्ट्याह्व	चिकित्सा	29	110	5	114
पद्मोत्पलानां किञ्जल्कः	चिकित्सा	4	44	3	233
पद्मोत्पलानां किञ्जल्कः	चिकित्सा	14	237	3	629
पयश्च मूर्च्छारतिदाह	चिकित्सा	12	19	3	489
पयसा च प्रयुञ्जीत	चिकित्सा	16	138	4	115
पयसाऽभिहृते रोगे	चिकित्सा	24	198	4	428
पयसा मांसरसैर्वा	चिकित्सा	26	29	4	476
पयसा मूत्रयुक्तेन	चिकित्सा	16	56	4	98
पयसा शृतेन भोजन	चिकित्सा	22	29	4	312
पयसा शृतेन यूषः	चिकित्सा	14	205	3	623
पयसा वा सुखोष्णेन	चिकित्सा	5	35	3	263
पयसैरण्डतैलं वा	चिकित्सा	28	85	5	45
पयस्यर्धोदके च्छागे	सूत्र	2	21	1	69
पयस्यर्धोदके पक्त्वा	चिकित्सा	2/3	9	3	89
पयस्यष्टौ सुरामण्ड	कल्प	3	21	6	40
पयस्येक्षुस्थिरारास्ना	सिद्धि	8	11	6	312

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
पयांसि तक्राणि रसाः	चिकित्सा	1/3	64	3	52
पयोमूत्रासवारिष्टान्	चिकित्सा	13	98	3	549
परं तु पच्यमानस्य	चिकित्सा	15	10	4	5
परं त्र्यहाज्जीवति चेत्	सिद्धि	9	73	6	350
परं त्वतः प्रवक्ष्यामि	सूत्र	5	41	1	117
परमान्नं गुडकृतं	चिकित्सा	30	234	5	187
परमूर्जस्करं चैव	चिकित्सा	1/4	25	3	61
परमोजस्करं चैतत्	चिकित्सा	1/3	28	3	45
परस्परविधेया ये	चिकित्सा	24	81	4	404
परस्परोपसंस्तम्ब्धा	चिकित्सा	15	20	4	15
परान् सुकृतिनो	सूत्र	8	33	1	181
परापरत्वे युक्तिश्च	सूत्र	26	29	1	459
परापवादरतयश्चपला	सूत्र	7	57	1	160
परावरज्ञमात्रेयं	चिकित्सा	25	3	4	433
परिकर्ते तथा वृन्तैः	सिद्धि	10	35	6	375
परिकर्ते सवृक्षाम्ल	चिकित्सा	13	131	3	556
परिक्षयादायुषश्च	चिकित्सा	30	179	5	174
परिणामकरा भावा	शारीर	6	33	2	448
परिपक्वेषु दोषेषु	चिकित्सा	3	165	3	161
परिपक्वेषु दोषेषु	चिकित्सा	3	171	3	163
परिपाकं न सप्ताहे	चिकित्सा	3	282	3	202
परिप्लुता वामिनी च	चिकित्सा	30	40	5	139
परिभर्ज्य घृते दध्ना	चिकित्सा	15	114	4	45
परिभूय पचत्यन्नं	चिकित्सा	15	219	4	72
परिमाणं पुनर्मानं	सूत्र	26	34	1	460
परिवेष्ट्य कुशैरार्द्रैः	चिकित्सा	19	64	4	229
परिवेंष्ट्य प्रदीप्तस्तु	चिकित्सा	5	138	3	287
परिस्रावाच्च गन्धाच्च	चिकित्सा	25	35	4	445
परिस्रावे तथा दाहे	सिद्धि	10	47	6	378
परिस्रावे शृतं क्षीरं	सिद्धि	10	32	6	375
परिहारविरुद्धं तु	सूत्र	26	98	1	486
परिहारे सुखा चैषा	सूत्र	13	40	1	253
परिहारोपचाराभ्यां	सूत्र	26	87	1	485

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
परिहार्याण्यपथ्यानि	सूत्र	28	43	1	583
परीक्ष्यमायुर्भिषजा	इन्द्रिय	11	28	2	581
परीक्ष्य वर्णैर्दोषाणां	चिकित्सा	30	127	5	159
परीक्ष्यैवं पुरा सामं	चिकित्सा	15	95	4	40
परुषस्यातिमात्रस्य	सूत्र	7	28	1	151
परुषा स्फुटिता म्लाना	सूत्र	17	65	1	324
परुषोद्धीषणा शस्ता	शारीर	1	119	2	341
परो भूतदया धर्म	चिकित्सा	1/4	62	3	68
परो भूतेष्वनुक्रोश	सूत्र	30	81	1	616
पर्णानि पिष्ट्वा चतु	सूत्र	3	17	1	78
पर्णिनीनां चतसृणां	चिकित्सा	24	150	4	418
पर्पटः कुटजश्चैव	चिकित्सा	7	153	3	356
पर्याध्मातस्य हिक्का	चिकित्सा	17	33	4	124
पर्येष्टुं ताः प्रयक्तुं वा	चिकित्सा	1/4	12	3	60
पर्वण्याः पर्वपुष्प्याश्च	सूत्र	27	108	1	511
पर्वभेदज्वरश्वास	चिकित्सा	18	23	4	162
पर्वभेदोऽङ्गमर्दश्च	सूत्र	22	36	1	392
पर्वस्वभिहतं क्षुब्धं	चिकित्सा	29	14	5	90
पर्वास्थिसन्धिभेदश्च	सूत्र	23	29	1	399
पलं चित्रकदन्त्योश्च	कल्प	12	27	6	109
पलं तथैषां सह	चिकित्सा	7	63	3	336
पलं वत्सकबीजस्य	चिकित्सा	19	85	4	234
पलङ्कषावचापथ्या	चिकित्सा	10	34	3	449
पलद्वादशके भृष्टा	चिकित्सा	1	67	3	20
पलमर्धपलं कर्षो	चिकित्सा	1/3	55	3	50
पलमेकं निदध्याच्च	चिकित्सा	1	69	3	20
पलानां शतकैर्भागैः	चिकित्सा	29	104	5	113
पलानि सर्पिषस्तस्मिन्	चिकित्सा	14	115	3	606
पलाभ्यां पिप्पलीमूल	चिकित्सा	27	47	5	13
पलालाबुसमांसास्थि	इन्द्रिय	12	19	2	584
पलाशं कत्तृणं चैव	सूत्र	2	13	1	67
पलाशं चित्रकं चव्यं	चिकित्सा	15	142	4	53
पलाशक्षारपात्रे द्वे	चिकित्सा	5	173	3	294

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
पलाशनिर्दाहरसेन	सूत्र	2	16	1	77
पलाशफलनिर्यूहं	चिकित्सा	19	59	4	228
पलाशभूतीकसुराह्व	सिद्धि	11	25	6	389
पलाशरसकस्तूरी	चिकित्सा	28	152	5	62
पलाशवृन्तस्वरसेन	चिकित्सा	4	89	3	245
पलाशैरण्डमुस्ताद्यैः	चिकित्सा	30	198	5	178
पलिकं साधयेत्तेषां	चिकित्सा	11	45	3	469
पलिकं सैन्धवं शुण्ठी	चिकित्सा	11	85	3	478
पलिका गुलिकास्त्याना	चिकित्सा	2/1	32	3	77
पलितघ्नो विशेषेण	चिकित्सा	26	278	4	543
पलोन्मितानि मतिमान्	चिकित्सा	2/2	19	3	85
पल्लवान्मातुलुङ्गस्य	चिकित्सा	17	97	4	142
पल्लवे नव चत्वारः	कल्प	4	19	6	46
पवनेनातिवमतो	सिद्धि	6	75	6	284
पवनोऽतिव्यवायेन	चिकित्सा	30	19	5	134
पवित्रं वृष्यमायुष्यं	सूत्र	5	94	1	126
पशुः पशूनां दौर्बल्यात्	सूत्र	30	75	1	616
पश्चात्तुल्यं तु केषाञ्चिद्	चिकित्सा	3	125	3	143
पश्चाष्टौ सप्त दश वा	चिकित्सा	1/3	32	3	46
पश्चिमाभिमुखा याश्च	सूत्र	27	211	1	531
पश्यतः सर्वभावान् हि	शारीर	5	21	2	423
पश्यतोऽपि यथाऽऽदर्शे	शारीर	1	55	2	325
पश्यत्यसन्ति रूपाणि	चिकित्सा	10	7	3	442
पाकं गच्छेद्रसस्तेभ्य	चिकित्सा	13	43	3	533
पाचनं पाययेद्वा तद्	चिकित्सा	14	65	3	595
पाचनान्यविपक्वानां	चिकित्सा	3	143	3	151
पाचनीयैस्ततश्चास्य	सिद्धि	6	74	6	284
पाचनैर्दीपनीयैर्वा	चिकित्सा	28	87	5	45
पाचनैर्दीपनैर्युक्तैः	चिकित्सा	28	90	5	47
पाटनं व्यधनं चैव	चिकित्सा	25	55	4	452
पाटयित्वेक्षुकाण्डं वा	कल्प	12	17	6	108
पाटलां चाग्निमन्थं च	सूत्र	2	11	1	66
पाठां च पिप्पलीमूलं	चिकित्सा	14	159	3	613

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
पाठां ज्योतिष्मतीं लोध्रं	चिकित्सा	26	191	4	524
पाठां तेजोवतीं पथ्यां	चिकित्सा	26	189	4	524
पाठां मधुरसां रास्नां	चिकित्सा	17	106	4	144
पाठां शुण्ठीं शटीं मूर्वां	चिकित्सा	18	114	4	184
पाठाङ्कोलाश्वगन्धार्क	चिकित्सा	23	244	4	382
पाठाद्विरजनीमूर्वा	चिकित्सा	26	145	4	513
पाठानागरशार्ङ्गेष्टा	चिकित्सा	30	266	5	194
पाठा बिल्वं यमानी च	चिकित्सा	8	126	3	393
पाठामुशीरं सोदीच्यं	चिकित्सा	3	199	3	172
पाठा वत्सकबीजं	चिकित्सा	14	195	3	621
पाणिचाराद्यथाऽचक्षुः	सूत्र	9	16	1	188
पाणिना नामयेज्जिह्वां	चिकित्सा	30	44	5	141
पाणिपादं च संशोष्य	चिकित्सा	28	51	5	33
पाण्डुं सतोदमास्रावं	चिकित्सा	30	22	5	134
पाण्डुता गौरवं जाड्यं	सूत्र	13	59	1	259
पाण्डुत्वं स्रोतसां रोधः	सूत्र	28	10	1	576
पाण्डुरश्च कृशोऽत्यर्थं	इन्द्रिय	6	19	2	555
पाण्डुरोगं ज्वरं हिक्कां	चिकित्सा	29	68	5	105
पाण्डुरोगं विषं कासं	चिकित्सा	16	86	4	103
पाण्डुरोगक्रिमीगुल्म	चिकित्सा	23	248	4	382
पाण्डुरोगश्चिरोत्पन्नः	चिकित्सा	16	31	4	90
पाण्डुरोगाः स्मृताः पञ्च	चिकित्सा	16	3	4	81
पाण्डुरोगाद्विषाच्चैव	चिकित्सा	17	14	4	119
पाण्डुरोगी तु योऽत्यर्थे	चिकित्सा	16	34	4	91
पाण्डुरोगेऽम्लपित्ते च	सूत्र	1	110	1	56
पाण्डुरोगोदरे गुल्मे	कल्प	10	5	6	92
पाण्डुरोगोपसृष्टानाम्	सूत्र	1	98	1	54
पाण्डुर्गोमूत्रयुक्तं वा	चिकित्सा	16	65	4	100
पाण्डुवक्रस्तु गर्भिण्या	चिकित्सा	23	133	4	358
पाण्डुवर्णां तथा पाण्डु	चिकित्सा	30	14	5	132
पाण्डूदरपीनसमेह	चिकित्सा	22	59	4	319
पाण्डूनां कामलार्तानां	चिकित्सा	16	115	4	110
पाण्ड्वामयं कफोत्क्लेशं	चिकित्सा	5	90	3	276

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
पात्रस्थं च विवर्णं	चिकित्सा	23	110	4	353
पादं सङ्कोचयत्येकं	चिकित्सा	28	55	5	35
पादजङ्घोरुपृष्ठांस	सिद्धि	4	24	6	238
पादजानूरुजङ्घार्ति	सूत्र	14	23	1	273
पादशेषे घृतप्रस्थं	चिकित्सा	9	53	3	430
पादशेषे रसे तस्मिन्	चिकित्सा	5	144	3	288
पादशेषे समक्षीरं	चिकित्सा	28	158	5	63
पादशेषे समान् क्षीर	चिकित्सा	29	63	5	104
पादहस्ताक्षिजङ्घोरु	चिकित्सा	28	42	5	31
पादाः समेताश्चत्वारः	इन्द्रिय	11	27	2	581
पादावशेषे पूते च	चिकित्सा	14	162	3	614
पानं दर्वीकरैर्दष्टे	चिकित्सा	23	196	4	372
पानकानि रसान् यूषान्	कल्प	7	33	6	67
पानतृषार्तः पानं	चिकित्सा	22	51	4	317
पाननस्याञ्जनालेपः	चिकित्सा	23	191	4	371
पानान्नमिष्टमेव च वर्ज्यं	चिकित्सा	4	111	3	250
पानान्नयोःसविषयो	चिकित्सा	23	112	4	354
पानाभ्यञ्जनबस्त्यर्थं	सूत्र	1	87	1	53
पानान्नविधिरग्र्यश्च	चिकित्सा	14	251	3	631
पानाहारविधाने	चिकित्सा	7	159	3	358
पाने नस्यक्रियायां च	चिकित्सा	26	275	4	542
पाने नीला राजी वैवर्ण्यं	चिकित्सा	23	111	4	353
पापवृत्तवचः सत्त्वाः	सूत्र	7	56	1	160
पामा शतारुर्विस्फोटं	चिकित्सा	7	30	3	326
पामा श्वेतारुणश्यावाः	चिकित्सा	7	25	3	325
पाययेत भिषग्दुग्धं	चिकित्सा	13	181	3	567
पाययेताथवा स्तन्य	चिकित्सा	30	261	5	193
पाययेत्तु सुधाक्षीरं	कल्प	10	19	6	95
पाययेत् पिच्छिलक्षीरां	चिकित्सा	30	277	5	197
पाययेद्वा त्रिवृच्चूर्णं	चिकित्सा	14	66	3	595
पाययेन्मधुसंयुक्ता	चिकित्सा	30	255	5	192
पायसैः कृशरैश्चैव	चिकित्सा	28	118	5	55
पायसैः कृशरैर्मांसैः	चिकित्सा	28	102	5	51

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
पायूपस्थं विसर्गार्थं	शारीर	1	26	2	317
पारम्पर्यानुबन्धस्तु	शारीर	1	92	2	334
पारावतान् कपोतांश्च	चिकित्सा	4	41	3	233
पारावतः पाण्डविकः	सूत्र	27	53	1	500
पारियात्रभवा याश्च	सूत्र	27	212	1	531
परीक्षिस्तत्परीक्ष्याग्रे	सूत्र	25	8	1	415
पार्श्वपृष्ठकटीकुक्षि	सूत्र	14	22	1	273
पार्श्वबस्तिरुजी चाल्प	चिकित्सा	11	16	3	463
पार्श्वशूलं च पार्श्वस्थो	चिकित्सा	8	17	3	366
पार्श्वशूलं त्वनियतं	चिकित्सा	8	56	3	376
पार्श्वशूलं शिरःशूलं	चिकित्सा	8	31	3	369
पार्श्वहृद्बस्तिशूलेषु	चिकित्सा	5	82	3	275
पार्श्वे तस्यावगृह्णाति	चिकित्सा	17	60	4	131
पालकेन्द्रायुधं तैलं	चिकित्सा	23	12	4	325
पाषाणकठिनपरुषे	चिकित्सा	7	55	3	334
पाषाणभेदं वृषकं	चिकित्सा	26	60	4	486
पाषाणान् वोष्मषा तेन	सूत्र	14	58	1	282
पिच्छास्त्रावं गुदे शोफं	चिकित्सा	14	134	3	608
पिच्छिलं क्रिमिलं क्लिन्नं	सूत्र	27	215	1	532
पिच्छिलं पाण्डुवर्णं	चिकित्सा	30	218	5	183
पिच्छिलं बहलं विस्रं	चिकित्सा	8	51	3	375
पिड़का नातिमहती	सूत्र	17	87	1	328
पिण्डं मुष्टिसमं प्रस्थे	चिकित्सा	19	66	4	229
पिण्डिके शिथिलीकृत्य	इन्द्रिय	10	5	2	574
पिण्डिकोद्वेष्टकट्यूरु	चिकित्सा	16	16	4	85
पिण्याकसौवर्चलहिङ्गु	चिकित्सा	26	13	4	471
पित्तं कफो द्वावपि वा	सिद्धि	9	27	6	338
पित्तं मतमाग्नेयं	चिकित्सा	22	13	4	307
पित्तं वा दर्शयेल्लिङ्गं	चिकित्सा	28	191	5	70
पित्तं वा पित्तगुल्मं वा	चिकित्सा	5	34	3	263
पित्तं वा यदि संवृद्धं	चिकित्सा	5	31	3	262
पित्तकृत् सृष्टविण्मूत्रः	सूत्र	26	62	1	473
पित्तक्षाराग्निदग्धा	सूत्र	22	33	1	392

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
पित्तप्रकोपो मूर्च्छा च	सूत्र	14	14	1	271
पित्तमुष्णादिभिः क्रुद्धं	चिकित्सा	30	243	5	189
पित्तमुष्णोपचारेण	चिकित्सा	21	31	4	267
पित्तमूष्मानुगं यस्य	इन्द्रिय	9	20	2	572
पित्तमेवं कफश्चैवं	सूत्र	24	29	1	408
पित्तरक्तभवं गुल्मं	चिकित्सा	5	121	3	283
पित्तरक्ताक्षिरोगघ्नी	चिकित्सा	26	261	4	540
पित्तरोगेऽम्ल उष्णो वा	सिद्धि	7	58	6	306
पित्तलस्याचितं पित्तं	चिकित्सा	16	19	4	86
पित्तलानां तु योनीनां	चिकित्सा	30	63	5	146
पित्तलाया नृसंवासे	चिकित्सा	30	23	5	135
पित्तश्लेष्मक्षये वायु	सूत्र	17	61	1	320
पित्तश्लेष्मघ्नमम्लं च	सूत्र	27	163	1	517
पित्तश्लेष्मणि शस्यन्ते	सूत्र	27	29	1	497
पित्तश्लेष्महरस्त्वेष	चिकित्सा	3	209	3	179
पित्तश्लेष्माधिकं मत्वा	चिकित्सा	14	176	3	617
पित्तस्थानगतेऽप्येतत्	चिकित्सा	21	45	4	278
पित्तातिसारज्वरशोथ	चिकित्सा	19	68	4	229
पित्तातिसारी यस्त्वेतां	चिकित्सा	19	69	4	230
पित्तातिसारो दीपाग्ने	चिकित्सा	19	57	4	228
पित्तात्मिकायामनुलोम	चिकित्सा	20	26	4	251
पित्तादेवोष्मणः पक्ति	सूत्र	17	116	1	334
पित्तानिलहरौ पैत्ते	चिकित्सा	30	98	5	153
पित्तावृते विशेषेण	चिकित्सा	28	184	5	69
पित्तावृते समाने स्याद्	चिकित्सा	28	226	5	81
पित्ताशयस्थितं पैत्तिकस्य	चिकित्सा	23	29	4	332
पित्ते कफे च संक्षीणे	चिकित्सा	18	153	4	192
पित्तेन गवां पेष्यो	चिकित्सा	23	82	4	347
पित्तेनामेऽसृजा वाऽपि	सिद्धि	8	27	6	317
पित्तोदरे तु बलिनं	चिकित्सा	13	68	3	541
पिप्पलीं तिल्वकं हिङ्गु	चिकित्सा	13	158	3	561
पिप्पलीं नागरं क्षारं	चिकित्सा	23	189	4	371
पिप्पलीं नागरं क्षारं	कल्प	7	29	6	66

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
पिप्पलीं नागरं पाठां	चिकित्सा	14	113	3	605
पिप्पलीं नागरं पाठां	चिकित्सा	15	106	4	44
पिप्पलीं पिप्पलीमूलं	चिकित्सा	14	89	3	601
पिप्पलीं मदनं बिल्वं	चिकित्सा	14	131	3	608
पिप्पलीं लवणं चित्रां	चिकित्सा	10	37	3	450
पिप्पलीकत्तृणोशीर	सिद्धि	7	17	6	296
पिप्पलीक्षारिकैर्यूषैः	चिकित्सा	18	109	4	183
पिप्पलीनां प्रयोगो वा	सूत्र	24	57	1	412
पिप्पली नागरं धान्यं	चिकित्सा	19	20	4	218
पिप्पली नागरं वृष्यं	सूत्र	26	51	1	471
पिप्पलीनागरक्षार	चिकित्सा	14	103	3	603
पिप्पली पिप्पलीमूलं	चिकित्सा	14	104	3	604
पिप्पली पिप्पलीमूलं	चिकित्सा	19	106	4	238
पिप्पली पिप्पलीमूलं	कल्प	7	15	6	62
पिप्पलीपिप्पलीमूलं	सूत्र	2	18	1	69
पिप्पलीपिप्पलीमूल	चिकित्सा	5	147	3	289
पिप्पलीपिप्पलीमूल	चिकित्सा	14	106	3	604
पिप्पलीपिप्पलीमूल	चिकित्सा	18	36	4	166
पिप्पलीबिल्वकुष्ठानां	चिकित्सा	19	118	4	240
पिप्पली मधुकं पिष्टं	चिकित्सा	18	135	4	188
पिप्पलीमधुलिप्तानि	कल्प	12	5	6	105
पिप्पलीमरिचक्षार	चिकित्सा	23	183	4	369
पिप्पलीमुस्तमृद्वीका	चिकित्सा	3	223	3	185
पिप्पलीलंवणागार	सिद्धि	9	58	6	346
पिप्पली वृश्चिकाली च	चिकित्सा	10	45	3	452
पिप्पल्यतिविषारास्ना	चिकित्सा	28	168	5	65
पिप्पल्यश्चन्दनं मुस्त	चिकित्सा	3	219	3	183
पिप्पल्यश्चित्रकः श्यामा	चिकित्सा	14	54	3	593
पिप्पल्यश्चित्रकश्चेति	सिद्धि	10	24	6	372
पिप्पल्यष्टगुणा चात्र	चिकित्सा	8	146	3	398
पिप्पल्या पिचुरध्यर्धो	चिकित्सा	5	74	3	273
पिप्पल्यामलकं द्राक्षां	चिकित्सा	18	94	4	180
पिबेच्छिद्रं पिधायैकं	सूत्र	5	49	1	118

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
पिबेच्छिद्रोदरी तक्रं	चिकित्सा	13	106	3	550
पिबेच्छीताम्बुना सर्पि	चिकित्सा	15	228	4	74
पिबेज्ज्वरागमे युक्त्या	चिकित्सा	3	300	3	211
पिबेज्ज्वरी ज्वरहरां	चिकित्सा	3	180	3	167
पिबेत् कषायं कमलो	चिकित्सा	26	51	4	483
पिबेत् क्षौद्रान्वितं	सूत्र	6	39	1	140
पिबेत् खदिरसारं वा	चिकित्सा	18	64	4	173
पिबेत्तद्ग्रहणीपाण्डु	चिकित्सा	16	110	4	109
पिबेत्तद्वमनं श्रेष्ठं	कल्प	5	9	6	49
पिबेत् पाणितलं तस्मिन्	चिकित्सा	15	176	4	60
पिबेत् संमूर्च्छितं तेन	चिकित्सा	5	117	3	282
पिबेत् संशमनं स्नेह	सूत्र	13	61	1	259
पिबेत् समांसं तच्चूर्णं	चिकित्सा	15	130	4	50
पिबेत् सलवणैर्मद्यैः	चिकित्सा	30	57	5	144
पिबेदम्बु ततः पेयां	चिकित्सा	13	143	3	559
पिबेदुपरि तस्योष्णं	चिकित्सा	5	129	3	285
पिबेदुपरि भक्तस्य	चिकित्सा	18	166	4	195
पिबेदुष्णाम्बुना जन्तुः	चिकित्सा	1	26	3	12
पिबेद्गुल्मोदरी दोषैः	कल्प	12	8	6	105
पिबेद्द्राक्षाम्बुगोमूत्र	चिकित्सा	13	125	3	556
पिबेद्धूमं ततो मृष्ट	चिकित्सा	8	136	3	396
पिबेद्घृतं वाऽष्टगुणाम्बु	चिकित्सा	12	57	3	502
पिबेद्रसेनामलकस्य	चिकित्सा	6	36	3	308
पिबेद्वा पिप्पलीमूल	चिकित्सा	30	280	5	197
पिबेद्विमृद्य बीजानि	कल्प	3	14	6	37
पिबेन्नागबलामूल	चिकित्सा	11	91	3	479
पिबेन्निष्क्वाथ्य चूर्णं	चिकित्सा	15	104	4	43
पिबेन्मधुयुतं तक्रं	चिकित्सा	13	104	3	550
पिबेन्मात्रां रसालायाः	चिकित्सा	2/2	26	3	86
पिबेयुरुदकं भुक्त्वा	सूत्र	27	328	1	559
पिबेयुरुत्तमां मात्रां	सूत्र	13	33	1	253
पिल्लं कण्डूं तिमिरं	चिकित्सा	23	83	4	347
पिशितार्द्रकगर्भाभिः	चिकित्सा	24	126	4	413

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
पिष्टं सुसूक्ष्मं चित्रायां	चिकित्सा	26	248	4	537
पिष्टव्यापन्नमद्याति	चिकित्सा	27	9	5	3
पिष्टशालूकविष्टम्भि	चिकित्सा	17	15	4	119
पिष्टास्ता बलिभिः सेव्याः	चिकित्सा	1/3	38	3	47
पिष्टैः प्रियालैश्चाक्षांशैः	चिकित्सा	30	66	5	146
पिष्टैः सिद्धं महावार्तैः	चिकित्सा	28	142	5	60
पिष्टैर्घृतक्षौद्रयुतैर्निरूहं	सिद्धि	3	51	6	226
पिष्टैस्तैरेव बिल्वांशैः	कल्प	9	15	6	89
पिष्ट्वा कृत्वा च तां वर्ति	चिकित्सा	10	49	3	453
पिष्ट्वाऽक्षमात्राणि जला	चिकित्सा	12	56	3	502
पिष्ट्वा क्षीरं जलं सर्पिः	चिकित्सा	3	251	3	192
पिष्ट्वा तैः सर्पिषः	सिद्धि	8	37	6	320
पिष्ट्वा तैलं विपक्तव्यं	चिकित्सा	14	132	3	608
पिष्ट्वा मनःशिलां	चिकित्सा	18	147	4	191
पिष्ट्वा वराहमांसानि	चिकित्सा	2/4	11	3	95
पिष्ट्वा विपाचयेत्	चिकित्सा	28	123	5	56
पिष्यमाण इमं चात्र	चिकित्सा	23	90	4	347
पीड्यते पीडनैस्तैस्तैः	चिकित्सा	28	53	5	34
पीड्यमानेऽन्तरा मुक्ते	सिद्धि	5	13	6	255
पीतं गत्वा गुदं साम	सिद्धि	6	62	6	281
पीतं पीतं हि जलं	चिकित्सा	22	7	4	303
पीतं स्निग्धेन सस्नेहं	सिद्धि	6	88	6	288
पीतः प्रियङ्गुकाकल्कः	चिकित्सा	19	83	4	233
पीतनिष्ठीवनाक्षित्वं	चिकित्सा	18	15	4	160
पीतफेनाङ्गवक्त्राक्षः	चिकित्सा	10	10	3	443
पीते प्रस्रंसने दोषान्	कल्प	12	63	6	122
पीतौषधस्य वेगानां	सिद्धि	6	71	6	284
पीतौषधस्य वेगानां	सिद्धि	6	76	6	285
पीतौषधो न शुद्धश्चेज्	सिद्धि	6	35	6	273
पीत्वाऽथ मद्यं निगदं	चिकित्सा	26	68	4	486
पीत्वा निशिस्थितं जन्तु	चिकित्सा	3	207	3	179
पीत्वा यथाबलं चौर्ध्वं	चिकित्सा	2/3	13	3	90
पीत्वा शतावरीकल्कं	चिकित्सा	19	78	4	232

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
पीत्वा सशर्कराक्षौद्रं	चिकित्सा	19	86	4	234
पीनसार्धावभेदौ च	सूत्र	5	60	1	120
पीनसे चातिसारे च	सूत्र	27	226	1	535
पीनसे स्वेदमभ्यङ्गं	चिकित्सा	8	65	3	379
पीयमानस्य मद्यस्य	चिकित्सा	24	41	4	394
पीलून्यारग्वधं द्राक्षां	सूत्र	2	10	1	65
पुंस्त्वघ्नः कटुरूक्षोष्णो	सूत्र	27	172	1	522
पुंस्त्वोपघातः श्वयथु	चिकित्सा	14	35	3	589
पुण्यशब्दो विपापत्वात्	सूत्र	7	30	1	151
पुत्रं त्वतो लिङ्गविपर्ययेण	शारीर	2	25	2	357
पुत्रस्यायतनं ह्येतद्	चिकित्सा	2/1	4	3	71
पुत्राशिषां कर्म समृद्धि	शारीर	8	68	2	515
पुनः क्षीरप्रयोगं च	चिकित्सा	13	71	3	541
पुनः पञ्चविधो दृष्टो	चिकित्सा	3	34	3	118
पुनः पुनः पिबेत् सर्पि	चिकित्सा	13	144	3	559
पुनः पुनः स्नेहपानं	चिकित्सा	5	26	3	260
पुनराश्रयभेदेन	चिकित्सा	3	35	3	118
पुनर्नवां दारु सपञ्चमूलं	चिकित्सा	26	82	4	493
पुनर्नवाद्विरजनी	चिकित्सा	30	53	5	143
पुनर्नवानागरमुस्तकल्कान्	चिकित्सा	12	23	3	491
पुनर्नवायोरजनी	चिकित्सा	26	63	4	486
पुनर्नवे द्वे च बले सपाठे	चिकित्सा	12	34	3	495
पुनर्नवे द्वे मधुक	चिकित्सा	11	36	3	467
पुनर्नवैरण्डनिकुम्भ	सिद्धि	11	32	6	392
पुनर्नवैरण्डवृषाश्म	सिद्धि	3	65	6	230
पुनर्नवैरण्डशतावरीभिः	चिकित्सा	26	46	4	482
पुनर्महिश्वरं भागं	चिकित्सा	3	17	3	113
पुनर्वसुस्तन्त्रविदाह	सिद्धि	1	6	6	138
पुनर्विरोहो रूढानां	चिकित्सा	14	36	3	589
पुनश्च धातुभेदेन	शारीर	1	17	2	314
पुनस्तच्छिरसः शूलं	शारीर	1	87	2	334
पुमान् यथा जातबलो	चिकित्सा	2/4	3	3	95
पुराणधान्यान्यथ	चिकित्सा	7	83	3	341

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
पुराणमामं संक्लिष्टं	सूत्र	27	317	1	556
पुराणयवगोधूम	चिकित्सा	29	159	5	126
पुराणसर्पिः सिंहस्य	चिकित्सा	3	306	3	211
पुराणसर्पिषः पानैः	चिकित्सा	26	181	4	521
पुराणसर्पिषः प्रस्थ	चिकित्सा	9	50	3	429
पुराणसर्पिषः प्रस्थो	चिकित्सा	16	52	4	96
पुराणा यवगोधूम	चिकित्सा	29	50	5	102
पुरा प्रत्यक्षधर्माणं	सूत्र	25	3	1	414
पुरीषं ग्रथितं रूक्षं	सूत्र	13	57	1	258
पुरुषः पुरुषाद्गौर्गो	सूत्र	25	17	1	416
पुलाकोदकसङ्काशः	चिकित्सा	30	170	5	172
पुष्कराह्वशटीबिल्व	चिकित्सा	28	169	5	65
पुष्कराह्वशटीव्योष	चिकित्सा	17	104	4	144
पुष्पं ग्राहि प्रज्ञस्तं च	सूत्र	27	105	1	511
पुष्पं यथा पूर्वरूपं	इन्द्रिय	2	3	2	527
पुष्पाणि नखदन्तेषु	इन्द्रिय	1	21	2	525
पुष्पादिषु पयोयोगा	कल्प	4	7	6	43
पुष्यन्ति धातुपोषाश्च	चिकित्सा	8	167	3	402
पुष्येणोद्धृत्य तुल्यानि	चिकित्सा	30	93	5	152
पुष्योद्धृतं शुनः पित्तं	चिकित्सा	10	50	3	453
पूजयन् प्रयतः शीघ्रं	चिकित्सा	3	311	3	213
पूजयित्वा सुरान् पूर्व	चिकित्सा	24	20	4	387
पूतं मनोविकारेषु	कल्प	4	18	6	46
पूतस्यास्य त्रयो भागा	कल्प	3	16	6	38
पूतिगन्धान् विवर्णांश्च	चिकित्सा	25	83	4	458
पूतिभूतविषद्विष्टा	शारीर	1	126	2	341
पूतिर्घ्राणास्यगन्धश्च	सूत्र	5	29	1	114
पूतिह्वच्छुक्रमूत्राग्नि	चिकित्सा	16	92	4	104
पूतीकदारुजटिलाः	चिकित्सा	7	123	3	351
पूतोत्क्वथितः सान्द्रः स	चिकित्सा	14	190	3	619
पूत्वा रसं द्वे च गुडात्	चिकित्सा	12	35	3	495
पूयास्रे रक्तपित्तघ्ना	चिकित्सा	26	146	4	513
पूरयन् सक्थिजङ्घोरु	चिकित्सा	27	11	5	3

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
पूरयित्वा महायोनिं	चिकित्सा	30	113	5	158
पूर्वं मूलफलज्ञान	सूत्र	2	35	1	73
पूर्वं शुद्धशरीराणां	चिकित्सा	2/4	9	3	95
पूर्वकल्पेन धूमोऽयं	चिकित्सा	18	74	4	175
पूर्वमध्यापराह्णाश्च	शारीर	1	112	2	338
पूर्वामयातुरः सन्	चिकित्सा	22	60	4	319
पूर्वरूपं तु तस्येदं	चिकित्सा	15	55	4	29
पूर्वरूपं पृथक् चैव	चिकित्सा	15	248	4	78
पूर्वरूपं प्रतिश्यायो	चिकित्सा	8	33	3	370
पूर्वरूपं भवेत्तेषां	चिकित्सा	18	5	4	157
पूर्वरूपं भिषग्बुद्ध्वा	चिकित्सा	25	44	4	449
पूर्वरूपं विकाराणां	शारीर	1	91	2	334
पूर्वरूपाणि सर्वाणि	इन्द्रिय	5	4	2	544
पूर्वरूपाणि सामान्या	विमान	3	49	2	160
पूर्वरूपाण्यथ स्वप्नान्	इन्द्रिय	5	47	2	552
पूर्वरूपाण्यसाध्यानां	इन्द्रिय	5	3	2	544
पूर्वरूपैकदेशांस्तु	इन्द्रिय	5	6	2	545
पूर्ववज्जीवकाद्यं च	चिकित्सा	30	270	5	195
पूर्ववत् कुपितः स्तन्ये	चिकित्सा	30	242	5	189
पूर्ववत् कुपिते पित्ते	चिकित्सा	30	245	5	190
पूर्ववद्गुग्गुलुं मूत्रे	चिकित्सा	27	36	5	10
पूर्वोक्तमम्लसर्पिर्वा	चिकित्सा	19	116	4	240
पूर्वोक्तेन विधानेन	चिकित्सा	1/3	52	3	50
पृच्छा यन्त्राद्यथाम्नायं	सूत्र	30	69	1	614
पृथक् त्रिजातकोपेतं	चिकित्सा	24	128	4	414
पृथक् पञ्चपलांशानि	चिकित्सा	26	273	4	542
पृथक् पञ्चविधावेतौ	चिकित्सा	17	10	4	119
पृथक् पृथक् प्रदेहाः	चिकित्सा	21	81	4	286
पृथक्त्वेन च दोषाणां	सूत्र	20	25	1	372
पृथगम्लादियुक्तस्य	सूत्र	26	16	1	455
पृथगष्टपलं क्षौद्र	चिकित्सा	11	49	3	469
पृथगालेपनं कुर्याद्	चिकित्सा	21	92	4	288
पृथग्दशपलांशानि	चिकित्सा	26	270	4	542

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
पृथग्दशपलान् भागान्	चिकित्सा	11	67	3	475
पृथग्दिष्टास्तु ये पञ्च	सूत्र	17	15	1	313
पृथग्दोषैः समस्तैर्वा	चिकित्सा	8	60	3	378
पृथग्दोषैः समस्तैश्च	चिकित्सा	13	22	3	525
पृथग्भिन्नस्य लिङ्गं च	चिकित्सा	29	164	5	128
पृथग्वातादिनिर्दिष्ट	चिकित्सा	15	72	4	33
पृथङ्मलाः स्वैः कुपिता	चिकित्सा	26	33	4	478
पृथुका गुरवो बल्या	सूत्र	27	273	1	547
पृथ्वर्पितः सशोथश्च	चिकित्सा	23	128	4	356
पृथ्वीकादार्विमञ्जीष्ठा	चिकित्सा	26	238	4	535
पृश्निपर्णीं स्थिरां पद्मं	सिद्धि	7	13	6	295
पृश्निपर्णीपयस्याभ्यां	चिकित्सा	30	281	5	197
पृश्निपर्णीबलाबिल्व	चिकित्सा	3	183	3	167
पृश्निपर्णी श्वदंष्ट्रा च	चिकित्सा	19	21	4	219
पृषतः शरभो रामः	सूत्र	27	45	1	500
पृषतर्ष्यकुरङ्गाह्व	कल्प	4	12	6	44
पृष्टेनापि न वक्तव्यं	इन्द्रिय	12	63	2	592
पृष्ठमन्याश्रिता बाह्याः	चिकित्सा	28	46	5	32
पेयं पातुं न शक्नोति	इन्द्रिय	9	11	2	569
पेया चोत्कारिका च्छर्दि	चिकित्सा	18	182	4	198
पेयानुपानं तत् पेयं	चिकित्सा	18	124	4	186
पेषयेत् कटकैर्युक्तां	चिकित्सा	24	180	4	424
पेष्याः शताह्वा हपुषा	सिद्धि	3	40	6	223
पैच्छिल्ये क्षौद्रसंयुक्त	चिकित्सा	30	122	5	159
पैत्तिके चन्दनानन्ता	चिकित्सा	26	234	4	534
पैत्तिके जीवनीयानि	चिकित्सा	13	87	3	544
पैत्तिके तु विरेकः स्यात्	चिकित्सा	26	285	4	545
पैत्तिके सकफे कासे	चिकित्सा	18	83	4	177
पैत्ते घृतं पयः सेकाः	चिकित्सा	26	176	4	520
पैत्ते तनुकफे कासे	चिकित्सा	18	85	4	178
पौष्करं तु भवेद्बीजं	सूत्र	27	119	1.	512
पौष्करारग्वधं मूलं	चिकित्सा	18	111	4	183
पौष्करेषु सुशीतेषु	चिकित्सा	3	260	3	197

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
पौष्टिकं वृष्यमायुष्यं	सूत्र	5	99	1	127
प्रकीर्या चोदकीर्या च	सूत्र	1	82	1	51
प्रकीर्या चोदकीर्या च	सिद्धि	10	26	6	373
प्रकूजति प्रश्वसिति	इन्द्रिय	7	24	2	562
प्रकृतिश्च प्रवृत्तिश्च	चिकित्सा	3	27	3	115
प्रकृतिर्हीयतेऽत्यर्थं	इन्द्रिय	12	60	2	590
प्रकृतिस्थं कफं वायु	सूत्र	17	47	1	319
प्रकृतिस्थं यदा पित्तं	सूत्र	17	45	1	319
प्रकृत्यन्तरभेदेन	विमान	5	50	2	196
प्रकृत्या मद्यमम्लोष्ण	सूत्र	27	178	1	524
प्रकृत्यैव विसर्गस्य	चिकित्सा	3	45	3	122
प्रकोपहेतुं संस्थानं	चिकित्सा	14	4	3	573
प्रक्लिन्नं दाहपाकाभ्यां	चिकित्सा	21	136	4	297
प्रक्लिन्नानामसात्म्यानां	चिकित्सा	21	20	4	262
प्रक्षालननानां कल्कैर्वा	चिकित्सा	19	89	4	234
प्रक्षिपेन्मात्रया युक्तो	चिकित्सा	2/4	16	3	97
प्रक्षिप्तोद्धृतमप्येनत्	चिकित्सा	1/3	51	3	50
प्रक्षिप्य बस्तौ मथितं	सिद्धि	3	16	6	211
प्रक्षिप्य षोडशीं मात्रां	चिकित्सा	1/4	23	3	61
प्रक्षिप्य स्थापयेत् कुम्भे	चिकित्सा	14	155	3	613
प्रक्षेपापचये ताभ्यां	सूत्र	7	37	1	153
प्रघर्षोद्वर्तनस्नान	सूत्र	6	40	1	140
प्रचुरोदकवृक्षो यो	विमान	3	48	2	159
प्रजागरं व्यवायं च	सूत्र	21	28	1	379
प्रजापतेर्हि दुहितॄ	चिकित्सा	8	6	3	364
ाजाहितार्थं भगवान्	सिद्धि	1	61	6	174
प्रज्ञापराधात् सम्भूते	निदान	7	21	2	98
प्रज्ञापराधाद्ध्यहितान्	सूत्र	28	39	1	582
प्रज्ञापराधो विषमास्तथा	शारीर	2	40	2	362
प्रणाड्या पिचुना वाऽपि	सिद्धि	9	103	6	359
प्रततं कासमानश्च	चिकित्सा	18	16	4	160
प्रताम्यति नरे चैव	कल्प	2	5	6	34
प्रताम्यत्यतिवेगाच्च	चिकित्सा	17	57	4	131

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
प्रतारयेत् प्रतिस्रोतो	चिकित्सा	27	59	5	14
प्रतिघातविशेषेण	चिकित्सा	18	9	4	158
प्रतिज्ञाप्रतिषेधश्च	शारीर	3	27	2	386
प्रतिप्रमाणसंस्थाना	इन्द्रिय	7	9	2	559
प्रतिमर्शो भवेत् स्नेहो	सिद्धि	9	92	6	355
प्रतिलोमं गते ह्याशु	सूत्र	5	48	1	118
प्रतिलोमं यदा वायुः	चिकित्सा	17	55	4	131
प्रतिश्या छर्दिरालस्यं	चिकित्सा	3	97	3	137
प्रतिश्यायं च कासं	चिकित्सा	8	22	3	367
प्रतिश्यायं प्रसेकं च	चिकित्सा	8	30	3	369
प्रतिश्यायस्ततो घोरो	चिकित्सा	8	49	3	375
प्रतिश्यायाद्भवेत् कासः	निदान	8	19	2	105
प्रतिश्याये च कासे च	सूत्र	14	20	1	272
प्रतिश्याये शिरःशूले	चिकित्सा	8	64	3	379
प्रतिश्यायोऽक्षिरोगश्च	सूत्र	7	22	1	149
प्रतिष्ठार्थं हि भावानां	सूत्र	30	5	1	593
प्रतिहन्ति निपाते यो	सूत्र	26	78	1	480
प्रतुदा विष्किराश्चैव	चिकित्सा	8	161	3	401
प्रत्यक्षपूर्वं त्रिविधं	सूत्र	11	21	1	212
प्रत्यग्रा विधिनानेन	चिकित्सा	28	129	5	57
प्रत्यागते कोष्णजलाव	सिद्धि	3	27	6	216
प्रत्यागते द्वितीयं च	सिद्धि	9	57	6	345
प्रत्यागते सुखं स्नातं	चिकित्सा	19	119	4	240
प्रत्युत्सारस्तथोद्धारः	सिद्धि	12	45	6	436
प्रत्येकं स्थानंदूष्यादि	चिकित्सा	28	104	5	52
प्रत्येत्यसक्तं सशकृच्च	सिद्धि	1	44	6	161
प्रथमं जायते ह्योजः	सूत्र	17	75	1	325
प्रदुष्टबहुतीक्ष्णोष्णैः	सूत्र	24	5	1	403
प्रदुष्यति यथा दुष्टो	चिकित्सा	15	247	4	78
प्रदूष्य कफवातासृक्	चिकित्सा	16	11	4	84
प्रदेशिनीभ्यां चोन्नाम्य	चिकित्सा	28	103	5	52
प्रदेशोद्देशनिर्देश	सिद्धि	12	42	6	436
प्रदेहः सघृतश्चेष्टः	चिकित्सा	8	83	3	383

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
प्रदेहकल्पे परिषेचने च	चिकित्सा	4	105	3	249
प्रदेहान्तैरुपक्रान्तानि	चिकित्सा	14	59	3	594
प्रदेहान् परिषेकांश्च	चिकित्सा	30	200	5	179
प्रदेहैः कफपित्तघ्नै	चिकित्सा	3	289	3	208
प्रदेहोत्सादनाभ्यङ्ग	चिकित्सा	9	32	3	422
प्रधानमृद्वास्तरणोपपन्नं	सिद्धि	3	34	6	221
प्रधानावरमध्यानां	चिकित्सा	24	73	4	400
प्रनष्टज्ञानविज्ञान	चिकित्सा	17	47	4	128
प्रनष्टाग्निबलाहाराः	चिकित्सा	13	6	3	519
प्रपतत्सु लसीकाप्र	चिकित्सा	7	157	3	357
प्रपिबेन्मात्रया प्रातः	चिकित्सा	16	113	4	109
प्रपीड्य चैकग्रहणेन	सिद्धि	3	20	6	211
प्रपुराणानि धान्यानि	चिकित्सा	5	164	3	292
प्रपौण्डरीकं जीवन्ती	चिकित्सा	25	89	4	459
प्रपौण्डरीकं मधुकं	चिकित्सा	4	68	3	239
प्रपौण्डरीकं मधुकं	चिकित्सा	8	91	3	384
प्रपौण्डरीकं मधुकं	चिकित्सा	14	229	3	627
प्रपौण्डरीकं मधुकं	चिकित्सा	18	71	4	175
प्रपौण्डरीकं मधुकं	चिकित्सा	21	57	4	280
प्रपौण्डरीकं मधुकं	चिकित्सा	25	92	4	459
प्रपौण्डरीकं सुरदारु	सूत्र	3	24	1	80
प्रपौण्डरीकं सूक्ष्मैलां	सूत्र	5	64	1	120
प्रपौण्डरीकनिर्गुण्डी	चिकित्सा	8	84	3	383
प्रपौण्डरीकमञ्जिष्ठा	चिकित्सा	29	94	5	111
प्रपौण्डरीकमञ्जिष्ठा	चिकित्सा	29	134	5	121
प्रपौण्डरीकसिद्धेन	चिकित्सा	19	95	4	235
प्रबुद्धसंज्ञं मतिमान्	सूत्र	24	53	1	411
प्रबोधनप्रकाशार्था	सिद्धि	12	47	6	445
प्रभवो न ह्यनादित्वात्	शारीर	1	53	2	325
प्रभावतः प्रभाहीनान्	इन्द्रिय	4	16	2	540
प्रभिद्येत न यद्येवं	चिकित्सा	5	174	3	294
प्रभूतकटुसंयुक्तं	चिकित्सा	24	172	4	422
प्रभूतकटुसंयुक्तं	चिकित्सा	24	175	4	422

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
प्रभूतशास्त्रः शाखीव	चिकित्सा	1	11	3	8
प्रभूतश्लेष्मपित्तास्त्र	सूत्र	22	19	1	390
प्रभूतस्नेहनित्या ये	सूत्र	13	31	1	253
प्रभूतस्नेहशमनं	चिकित्सा	1/3	44	3	51
प्रमथ्यां मध्यदोषाणां	चिकित्सा	19	19	4	217
प्रमुह्य लुञ्चयेत् केशान्	इन्द्रिय	11	17	2	579
प्रमेहवातमेदोघ्नी	चिकित्सा	28	195	5	71
प्रमेहिणां याः पिडका	चिकित्सा	6	58	3	316
प्रयुज्य प्रयता मुक्ताः	चिकित्सा	1/3	5	3	40
प्रयुञ्ज्यात्तैललशुनं	चिकित्सा	10	64	3	456
प्रयुञ्जानो यथाकालं	सूत्र	5	71	1	121
प्रयोक्तव्या मतिमता	चिकित्सा	3	297	3	211
प्रयोगः शमयेद् व्याधिं	निदान	8	23	2	107
प्रयोगः सप्तसप्ताहा	चिकित्सा	1/3	54	3	50
प्रयोगज्ञानविज्ञान	सूत्र	11	53	1	230
प्रयोगादस्य शाम्यन्ति	सूत्र	23	22	1	397
प्रयोगे स्नैहिके त्वेकं	सूत्र	5	37	1	116
प्रयोगैः क्षपयेद्वा तान्	निदान	8	39	2	109
प्रयोजयन् समामेकां	चिकित्सा	1/3	42	3	50
प्रयोजयेज्ज्वरहरान्	चिकित्सा	3	240	3	191
प्रयोजयेदार्द्रकनागरं वा	चिकित्सा	12	47	3	499
प्रयोजयेदुत्तरं वा	चिकित्सा	5	182	3	294
प्रयोज्यं विधिवत् सर्पि	चिकित्सा	14	242	3	629
प्रयोज्या मधुसम्मिश्रा	चिकित्सा	1/3	34	3	46
प्रयोज्या मार्गशुद्ध्यर्थं	चिकित्सा	5	60	3	270
प्रलपत्युष्णसर्वाङ्गः	चिकित्सा	3	325	3	216
प्रलापवम्यतीसार	चिकित्सा	17	32	4	124
प्रलीयन् क्लेदविष्यन्द	सूत्र	26	76	1	480
प्रलेपः स्यादलं कोष्णं	चिकित्सा	14	56	3	593
प्रलेपो व्रणशैथिल्य	चिकित्सा	25	111	4	464
प्रवरावरमध्यत्वं	सूत्र	26	111	1	489
प्रवर्तमाने रुधिरे	चिकित्सा	5	179	3	294
प्रवालगुटिकभासा	इन्द्रिय	11	14	2	579

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
प्रवालस्वरसं शुष्कं	कल्प	4	6	6	43
प्रवाहिकां गुदभ्रंशं	चिकित्सा	14	109	3	605
प्रवाहिते तेन मले	चिकित्सा	19	60	4	228
प्रविशत्याशु हृदयं	चिकित्सा	2/1	10	3	73
प्रवृत्तमादावर्शोभ्यो	चिकित्सा	14	177	3	617
प्रवृत्तिहेतुर्भावानां	सूत्र	16	28	1	305
प्रवृत्तो हि यदा श्लेष्मा	सूत्र	17	50	1	319
प्रवृद्धश्लेष्ममेदस्का	सूत्र	13	44	1	256
प्रवेशे पूर्णकुम्भाग्नि	इन्द्रिय	12	33	2	588
प्रशस्तं बद्धविण्मूत्रं	सूत्र	1	103	1	54
प्रशस्तनक्षत्रमुहूर्त	सिद्धि	3	13	6	210
प्रशस्यतेऽम्लचाङ्गेरी	सूत्र	27	93	1	509
प्रशातिका प्रियङ्गुश्च	सूत्र	21	25	1	379
प्रशाम्यत्यौषधैः पूर्वो	सूत्र	1	58	1	43
प्रशीर्णा दशनाः पूष्णो	चिकित्सा	1/4	42	3	65
प्रश्नाः पुरुषमाश्रित्य	शारीर	1	156	2	350
प्रसङ्गैकान्तनैकान्ता	सिद्धि	12	43	6	436
प्रसन्नया वा क्षीरार्थं	चिकित्सा	5	68	3	272
प्रसन्नवर्णेन्द्रियमिन्द्रियार्था	सूत्र	24	24	1	407
प्रसन्नां वारुणीं सीधु	चिकित्सा	8	165	3	402
प्रसमीक्ष्य बलाधिक्यं	चिकित्सा	28	241	5	84
प्रसमीक्ष्य भिषक् प्राज्ञः	चिकित्सा	15	232	4	74
प्रसह भूशयानूप	चिकित्सा	8	160	3	401
प्रसहानां रसैः साम्लैः	चिकित्सा	15	210	4	69
प्रसादश्चेन्द्रियार्थानां	चिकित्सा	9	97	3	440
प्रसेकं लोमहर्षं च	चिकित्सा	16	24	4	88
प्रस्थं चतुर्गुणे क्षीरं	चिकित्सा	18	41	4	167
प्रस्थस्तैलस्य सक्षीरो	चिकित्सा	26	162	4	517
प्रस्थस्त्वजाव्योर्हि निरूह	सिद्धि	11	22	6	388
प्रस्थार्धमात्रं मधुनः	चिकित्सा	12	51	3	500
प्रस्थैस्तु कुडवस्तैला	चिकित्सा	26	265	4	541
प्रस्थो रसाच्छागरसार्ध	सिद्धि	3	37	6	222
प्रस्थौ दुरालभाया द्वौ	चिकित्सा	15	152	4	55

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
प्रहर्षणः प्रीतिकरः	चिकित्सा	24	42	4	394
प्रहर्षयोनयो योगा	चिकित्सा	2/3	31	3	94
प्राकृतः सुखसाध्यस्तु	चिकित्सा	3	42	3	122
प्राकृतस्तु बलं सोष्मा	सूत्र	17	117	1	334
प्रागुत्पत्तिं गुणान् योनिं	चिकित्सा	23	3	4	322
प्रागुत्पत्तिनिमित्तानि	चिकित्सा	19	123	4	242
प्रागुत्पत्तिर्निमित्तानि	चिकित्सा	8	190	3	407
प्राग्भक्तं यमके भृष्टान्	चिकित्सा	14	101	3	602
प्राग्भोज्यं स्नेहबस्तेर्यद्	सिद्धि	4	56	6	248
प्राग्रूपं ध्याननिद्राति	चिकित्सा	27	15	5	5
प्राग्रूपं बहुरूपस्य	चिकित्सा	8	38	3	371
प्राग्रूपं मुखशोषः	चिकित्सा	22	8	4	304
प्राग्वातसेवा शीतौ च	चिकित्सा	14	19	3	586
प्राग्विकारसमुत्पत्ति	विमान	3	50	2	160
प्राचीनामलकं चैव	सूत्र	27	146	1	516
प्राज्ञाज्ञयोर्विशेषश्च	सूत्र	28	48	1	583
प्राज्ञास्तु सर्वमाज्ञाय	विमान	7	7	2	199
प्राज्ञो रोगे समुत्पन्ने	सूत्र	11	56	1	232
प्राणकामाः पुरा जीर्णा	चिकित्सा	1/2	20	3	38
प्राणाः प्राणभृतां यत्र	सूत्र	17	12	1	312
प्राणाः प्राणभृतामत्रं	चिकित्सा	24	60	4	397
प्राणाः प्राणभृतामन्न	सूत्र	27	349	1	565
प्राणाः समुपतप्यन्ते	इन्द्रिय	12	46	2	590
प्राणाचार्यं बुधस्तस्माद्	चिकित्सा	1/4	40	3	65
प्राणादीनां भिषक् कुर्यात्	चिकित्सा	28	245	5	84
प्राणापानौ निमेषाद्या	शारीर	1	70	2	329
प्राणाश्रयात् तानि हि	चिकित्सा	26	4	4	468
प्राणे कफावृते रूपा	चिकित्सा	28	223	5	80
प्राणे व्यानावृते तत्र	चिकित्सा	28	204	5	75
प्राणेश्वरः प्राणभृतां	चिकित्सा	28	249	5	86
प्राणोदकान्नवाहानां	विमान	5	26	2	180
प्राणोदकान्नवाहीनि	चिकित्सा	17	21	4	122
प्राणोदाननिरोधाद्धि	सिद्धि	7	36	6	300

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
प्राणोदानसमानाख्य	चिकित्सा	28	5	5	20
प्रातः प्रातर्बलापेक्षी	चिकित्सा	1/3	20	3	44
प्रातश्च सवने सोमं	चिकित्सा	1/4	47	3	65
प्रातिलोम्येन दोषाणां	सिद्धि	6	34	6	272
प्राप्तिश्च विट्पित्तकफा	सिद्धि	1	18	6	151
प्राप्यानिलकफौ रुद्ध्वा	चिकित्सा	13	27	3	527
प्रायः प्रायेण रोगाणां	चिकित्सा	1	6	3	7
प्रायशः कठिनं चैव	सूत्र	22	15	1	388
प्रायशः सन्निपातेन	चिकित्सा	3	74	3	133
प्रायशोभिनवं मद्यं	सूत्र	27	193	1	525
प्रायसो मधुरं स्निग्धं	सूत्र	1	107	1	56
प्रायस्तिर्यग्गता दोषाः	निदान	8	38	2	109
प्रायेण वातबहुलानि	चिकित्सा	14	212	3	624
प्रायेण हि समुत्क्लिष्ट	चिकित्सा	4	29	3	231
प्रायेणानिलजो दुःखः	चिकित्सा	3	49	3	125
प्रायेणोपहताग्नित्वात्	चिकित्सा	8	123	3	393
प्रायोऽनिलेरुद्धगतिः	चिकित्सा	26	103	4	497
प्रायोऽभिघातादनिलः	चिकित्सा	12	102	3	517
प्रायो मन्दं स्थिरं	सूत्र	22	14	1	388
प्रावृट्शरद्वसन्तेषु	सूत्र	5	57	1	119
प्रावृट् शुचिनभौ ज्ञेयौ	सिद्धि	6	5	6	259
प्राश्य क्षीरोत्थितं सर्पि	चिकित्सा	19	77	4	232
प्रासृतिकाः सव्यापत्क्रिया	सिद्धि	8	46	6	323
प्रास्थिकं पिप्पलीं पृष्ट्वा	चिकित्सा	15	160	4	57
प्रियङ्गर्मदनं मुस्तं	चिकित्सा	3	246	3	191
प्रियङ्गुकाचन्दनरूपितानां	चिकित्सा	4·	108	3	249
प्रियङ्गुकाचन्दनलोध्र	चिकित्सा	4	81	3	243
प्रियङ्गुमुस्तमञ्जिष्ठा	चिकित्सा	15	158	4	56
प्रियङ्गू रक्तमूली च	सिद्धि	10	31	6	374
प्रियाः प्रदक्षिणाचाराः	चिकित्सा	3	265	3	197
प्रियालतैलं मधुकं पयश्च	चिकित्सा	4	101	3	248
प्रियालतैलं मधुरं	सूत्र	27	291	1	551
प्रियालपिलुकर्कन्धु	कल्प	11	7	6	99

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
प्रेतैः सह पिबेन्मद्यं	इन्द्रिय	5	9	2	545
प्रेत्य चेह च यच्छ्रेयः	चिकित्सा	24	52	4	396
प्रेष्योपकरणाभावाद्	निदान	2	22	2	41
प्रोक्ता विस्तरशो भिन्ना	सिद्धि	12	28	6	430
प्लक्षत्वक्चूर्णपिण्डं वा	चिकित्सा	30	119	5	159
प्लीहमूत्रग्रहश्वास	चिकित्सा	28	175	5	66
प्लीहशोषावपस्मार	चिकित्सा	28	156	5	62
प्लीहा कासः क्षयः	सूत्र	21	14	1	376
प्लीहानं च यकृच्चैव	चिकित्सा	4	10	3	223
प्लीहा पाण्ड्वामयः	सूत्र	23	23	1	397
प्लीहाभिवृद्ध्या जठरं	निदान	8	18	2	105
प्लीहार्शोग्रहणीदोष	चिकित्सा	13	13	3	521
प्लीहोदरश्वित्रहलीमकार्श	चिकित्सा	12	46	3	498
		फ			
फणिज्झकश्च तैस्तैल	चिकित्सा	26	185	4	522
फलं च मूलं च	चिकित्सा	26	24	4	475
फलं शिग्रुकरञ्जाभ्यां	चिकित्सा	26	186	4	523
फलकर्म बस्तिवरता	सिद्धि	11	37	6	393
फलकाले फलं तस्य	कल्प	8	6	6	82
फलजीमूतकेक्ष्वाकु	सिद्धि	10	25	6	373
फलत्रिकं दारुनिशां	चिकित्सा	6	40	3	309
फलत्रिकं दीप्यकचित्रकौ	चिकित्सा	12	39	3	496
फलदोषगुणान्	सिद्धि	11	11	6	383
फलबिल्वत्रिवृत्कृष्णा	सिद्धि	4	20	6	237
फलमांसवसाशाक	सूत्र	27	268	1	546
फलमात्रा तथा सिद्धिः	सूत्र	30	67	1	613
फलादिपिप्पलीतुल्यं	कल्प	6	12	6	55
फलादीनां प्रधानानां	कल्प	12	44	6	115
फलानां जीवनीयानां	चिकित्सा	2/3	15	3	90
फलानां तैलयोनीनाम्	चिकित्सा	28	117	5	55
फलानां तैलयोनीनाम्	चिकित्सा	15	227	4	74
फलानां यानि चान्यानि	सूत्र	27	294	1	551
फलानां सारिवायाश्च	चिकित्सा	8	109	3	389

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
फलानि चैवमादीनि	चिकित्सा	11	38	3	467
फलान्यम्लानि खादेयुः	सिद्धि	6	55	6	279
फलाम्लं यमके भृष्टं	चिकित्सा	19	38	4	222
फलाम्लं सर्पिषा भृष्टं	चिकित्सा	11	80	3	477
फलीं व्याघ्रनखं हेम	चिकित्सा	27	38	5	10
फलैर्वनस्पतिः पुष्पैः	सूत्र	1	72	1	49
फाणितं शृङ्गवेरं च	सूत्र	13	86	1	264
फाणितं सक्तवः सर्पि	सूत्र	23	37	1	400
फेनिलं तनु रूक्षं च	चिकित्सा	30	212	5	182
फेनिलायाश्च यः फेन	चिकित्सा	24	161	4	419
	ब				
बदरं मधुरं स्निग्धं	सूत्र	27	141	1	516
बद्धं सर्षपतैलाक्तं	चिकित्सा	9	80	3	436
बद्धप्रच्युतदोषं वा	चिकित्सा	3	168	3	162
बद्धाल्पविट्कं सकफं	चिकित्सा	16	32	4	90
बध्नीयाद्वेशवारस्य	चिकित्सा	30	114	5	158
बभ्रुर्गूढ इवोर्णाभिः	सूत्र	30	77	1	616
बहिः स्पर्शनमाश्रित्य	चिकित्सा	8	173	3	404
बर्हितित्तिरिदक्षाणां	चिकित्सा	19	39	4	222
बर्हितित्तिरिदक्षाणां	चिकित्सा	8	158	3	401
बर्हितित्तिरिदिक्षाणां	चिकित्सा	26	284	4	545
बर्हितित्तिरिदक्षाश्च	चिकित्सा	17	93	4	141
बर्हितित्तिरिलावादि	सिद्धि	9	83	6	353
बर्हितित्तिरिलावानां	चिकित्सा	14	121	3	607
बर्ही हिततमो बल्यो	सूत्र	27	65	1	505
बलं च हीयते यस्य	इन्द्रिय	5·	7	2	545
बलं च हीयते शीघ्रं	इन्द्रिय	6	6	2	553
बलं तनुत्वं लघुतां	सूत्र	13	45	1	256
बलं तस्य सपित्तस्य	चिकित्सा	19	97	4	236
बलं पुष्ट्युपलम्भश्च	सूत्र	22	38	1	393
बलं महद्वर्णविशुद्धि	चिकित्सा	1/2	6	3	29
बलं विज्ञानमारोग्यं	इन्द्रिय	6	23	2	556
बलं ह्यलं निग्रहाय	चिकित्सा	3	167	3	162

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
बलकोष्ठव्याधिवशाद्	चिकित्सा	26	31	4	476
बलत्रैविध्यमालक्ष्य	कल्प	12	60	6	121
बलदोषकालरोग	सिद्धि	10	4	6	366
बलदोषप्रमाणज्ञः क्षारं	चिकित्सा	5	57	3	269
बलदोषप्रमाणाद्वा	सूत्र	24	19	1	406
बलपुष्टिकरं तेषामेतत्	चिकित्सा	28	128	5	57
बलमग्निबलं पुष्टिं	चिकित्सा	28	82	5	44
बलमांसक्षयस्तीव्रो	इन्द्रिय	9	22	2	572
बलमांसपरिक्षीणं	चिकित्सा	4	62	3	239
बलमारोग्यमायुश्च	सूत्र	27	342	1	563
बलवत्स्वल्पदोषेषु	चिकित्सा	3	50	3	125
बलवर्णकरं धन्यं	चिकित्सा	29	70	5	105
बलवर्णहर्षमार्दव	सिद्धि	10	8	6	367
बलवांस्तु तालुशोषे	चिकित्सा	22	54	4	317
बलशुक्ररसश्लेष्म	सूत्र	13	17	1	249
बलसाम्ये रसादीनां	सूत्र	26	73	1	478
बलस्वरक्षयं दाहं	सिद्धि	6	46	6	276
बलां नागबलां पथ्यां	चिकित्सा	21	125	4	295
बलां श्वदंष्ट्रां बृहतीं	चिकित्सा	3	224	3	187
बलां श्वदंष्ट्रां बृहती	सूत्र	2	12	1	66
बलां सरास्नां फलबिल्व	सिद्धि	11	34	6	392
बलां स्थिरां पृश्निपर्णीं	चिकित्सा	8	114	3	390
बलाकदल्ल [illegible] र्ग	चिकित्सा	13	171	3	562
बलाकषायकल्काभ्यां	चिकित्सा	29	119	5	116
बलाखुपर्णिकाश्याह्वैः	चिकित्सा	30	107	5	156
बलातामलकीमेदा	चिकित्सा	28	159	5	63
बलाधिष्ठानमारोग्यं	चिकित्सा	3	142	3	150
बलाबलविशेषोऽस्ति	विमान	3	31	2	151
बलामतिबलां मेदाम्	चिकित्सा	29	56	5	103
बलामधूकयष्ट्याह्व	चिकित्सा	26	161	4	517
बलामुत्पलशालूकं	चिकित्सा	21	·79	4	285
बलायाः शूर्पपर्ण्योश्च	चिकित्सा	2/2	5	3	82
बला रास्ना तिलाः सर्पि	चिकित्सा	8	'78	3	382

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
बलाविदारिगन्धाद्यैः	चिकित्सा	8	90	3	384
बला विदारी ह्रस्वा	चिकित्सा	11	56	3	474
बलावृक्षाम्लकोलाम्ल	चिकित्सा	3	187	3	167
बलाशतावलीरास्ना	चिकित्सा	29	81	5	108
बलास्थिरादिकाश्मर्य	सिद्धि	7	28	6	298
बलिं बलिभृतो यस्य	इन्द्रिय	11	4	2	577
बलिनं वमनैरादौ	चिकित्सा	18	108	4	183
बलिनः स्वौषधयुतं	चिकित्सा	13	173	3	562
बलिभिर्मङ्गलैर्होमैः	चिकित्सा	9	93	3	439
बलोत्साहक्षयस्तन्द्रा	चिकित्सा	16	133	4	114
बलोपचयवर्णार्थमेष	चिकित्सा	14	84	3	598
बल्यं सुखोपचर्यं च	सिद्धि	4	54	6	247
बल्यं स्थैर्यकरं सर्वं	सूत्र	26	221	1	533
बल्याः परं वातहराः	सूत्र	27	67	1	505
बल्यानां जीवनीयानां	चिकित्सा	1/4	13	3	61
बल्यैः संबृंहणैस्तस्मात्	चिकित्सा	3	292	3	210
बस्तमत्स्यशिरोभिर्वा	चिकित्सा	8	73	3	381
बस्तमूत्रकृता धार्या	चिकित्सा	30	110	5	157
बस्तमूत्रेण पिष्टोऽयं	चिकित्सा	9	71	3	433
बस्तमूत्रे त्र्यहं स्थाप्य	चिकित्सा	26	249	4	537
बस्तयः क्षीरसर्पींषि	चिकित्सा	30	193	5	177
बस्तयः सर्पिषः पानं	चिकित्सा	24	204	4	429
बस्तिं सक्षीरगोमूत्रं	चिकित्सा	5	178	3	294
बस्तिं समीरणे पित्ते	चिकित्सा	26	220	4	531
बस्तिः शाल्मलिवृन्तानां	सिद्धि	10	36	6	376
बस्तिः संक्षोभ्य तं दोषं	सिद्धि	7	8	6	293
बस्तिः स्यात्तत्र बिल्वादि	सिद्धि	5	14	6	255
बस्तिकर्म त्वधो नाभेः	चिकित्सा	28	99	5	50
बस्तिकर्म परं विद्याद्	चिकित्सा	5	100	3	279
बस्तिकुण्डलमाहुस्तं	सिद्धि	9	46	6	343
बस्तिदेशे विकुर्वाणे	चिकित्सा	11	78	3	477
बस्तिनेत्रसमद्रव्यं	सूत्र	5	51	1	118
बस्तिभिः क्षीरसर्पिर्भिः	चिकित्सा	8	185	3	406

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
बस्तिभिर्गुटिकाचूर्ण	चिकित्सा	5	61	3	270
बस्तिभिर्बद्धविड्वातं	चिकित्सा	18	34	4	165
बस्तिमभ्यक्तगात्राय	चिकित्सा	19	67	4	229
बस्तिमस्य विदध्याच्च	सिद्धि	7	20	6	296
बस्तिमुत्तरबस्तिं च	सिद्धि	9	50	6	344
बस्तिमेहनयोः शूलं	सूत्र	7	6	1	146
बस्तिनरेभ्यः किमपेक्ष्य	सिद्धि	3	4	6	205
बस्तिर्वयःस्थापयिता	सिद्धि	1	27	6	158
बस्तिवंक्षणपार्श्वोरु	चिकित्सा	29	89	5	110
बस्तीत्र बृंहणीयान्	सिद्धि	10	11	6	369
बस्ती प्रदेयौ भिषजा	सिद्धि	10	40	6	377
बस्तेः सलिङ्गस्य गुरुत्व	चिकित्सा	26	35	4	478
बस्तेरलाभे प्लवजो	सिद्धि	3	12	6	210
बस्तौ च नाभ्यां हृदि	चिकित्सा	5	8	3	255
बस्तौ बस्तौ प्रणीते च	सिद्धि	9	69	6	349
बहलं मधुरं स्निग्धं	चिकित्सा	2/4	50	3	105
बहिःश्रितः श्रितश्चान्तः	चिकित्सा	21	23	4	264
बहिर्मार्गस्थितं ग्रन्थिं	चिकित्सा	21	127	4	296
बहिर्मार्गाश्रितं साध्यः	चिकित्सा	21	24	4	264
बहुचक्षुर्बहुज्ञानो	चिकित्सा	2/1	20	3	75
बहुता तत्रयोग्यत्व	सूत्र	9	7	1	186
बहुदुःखहतस्यास्य	चिकित्सा	24	67	4	398
बहुदोषः संशोध्यः कुष्ठी	चिकित्सा	7	41	3	329
बहुदोषस्य दीप्ताग्नेः	चिकित्सा	19	58	4	228
बहुदोषस्य बलवान्	चिकित्सा	3	327	3	216
बहुदोषस्य रूक्षस्य	सिद्धि	6	58	6	280
बहुदोषस्य लिङ्गानि	सूत्र	16	16	1	302
बहुदोषस्य लिङ्गानि	सूत्र	16	39	1	308
बहुद्रव्यं बहुगुणं	चिकित्सा	24	26	4	390
बहुपिच्छो गुरुः स्निग्धः	चिकित्सा	25	15	4	437
बहुलं मधुरं स्निग्धं	चिकित्सा	18	19	4	161
बहुविधिमदमुक्तमर्थ	विमान	8	155	2	310
बहुशः संगृहीतानि	चिकित्सा	13	188	3	569

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
बहुशाखोऽयमिति च	चिकित्सा	2/1	21	3	75
बाधिर्यं कर्णनादं च	सिद्धि	7	45	6	303
बाधिर्यं कर्णनादश्च	चिकित्सा	26	229	4	532
बालं दोषहरं वृद्धं	सूत्र	27	168	1	522
बालदुर्बलवृद्धानां	चिकित्सा	25	105	4	462
बालबिल्वं गुडं तैलं	चिकित्सा	19	114	4	240
बालवृद्धप्रवाताश्च	सूत्र	7	2	1	153
बालस्तु खलु मोहाद्वा	सूत्र	11	57	1	232
बाले वृद्धे क्षते क्षीणे	कल्प	8	5	6	81
बालोदुम्बरकट्वङ्ग	सिद्धि	8	39	6	320
बाह्याः सिराः प्राप्य यदा	चिकित्सा	12	8	3	484
बाह्याभ्यन्तरमायामं	चिकित्सा	28	35	5	29
बाह्यामालेपनाभ्यङ्ग	चिकित्सा	29	43	5	100
बाह्यायां तु बलौ जाता	चिकित्सा	14	31	3	588
बाह्यास्त्वचो दूषयिता	चिकित्सा	12	7	3	484
बाह्लीकाः पह्लवाश्चीना	चिकित्सा	30	316	5	209
बिडं कालोत्थलवणं	चिकित्सा	15	171	4	59
बिम्ब्याः पुनर्नवाया वा	कल्प	4	17	6	46
बिल्वं कर्कटकं पाठां	चिकित्सा	14	90	3	601
बिल्वं तु दुर्जुरं पक्वं	सूत्र	27	138	1	516
बिल्वं यवान् कोलकुलत्थ	सिद्धि	3	66	6	230
बिल्वक्वाथेऽथवा तक्रे	चिकित्सा	14	47	3	592
बिल्वप्रमाणो घृततैल	चिकित्सा	26	66	4	486
बिल्वमात्रान्पृथक्पुष्पं	चिकित्सा	29	143	5	123
बिल्वमूलत्रिवृद्दारु	सिद्धि	7	11	6	293
बिल्वाग्निमन्थश्योनाकं	चिकित्सा	1/1	43	3	16
बिल्वाच्चाञ्जलिमेकैकं	चिकित्सा	28	141	5	60
बिल्वाजमोदे कृष्णां च	सिद्धि	4	15	6	236
बिल्वादिना निरूहः	सिद्धि	7	26	6	297
बिल्वादिपञ्चमूलस्य	सूत्र	21	24	1	378
बिल्वादिपञ्चमूलेन	सिद्धि	7	39	6	300
बिल्वादीनां बृहत्या वा	कल्प	10	10	6	93
बिल्वोऽग्निमन्थःश्योनाकः	चिकित्सा	1/1	62	3	20

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
बिल्वोऽग्निमन्थःश्योनाकः	सिद्धि	10	19	6	372
बीजं यस्माद्व्यवाये तु	चिकित्सा	30	133	5	163
बीजकारिष्ट इत्येष	चिकित्सा	16	111	4	109
बीजपूरकवृक्षाम्ल	चिकित्सा	24	121	4	412
बीजपूरकहिङ्ग्वम्ल	चिकित्सा	5	166	3	292
बीजात् समांशादुपतप्त	शारीर	2	18	2	355
बीजात्मकर्माशयकाल	शारीर	2	29	2	359
बीजोपघातजं क्लैब्यं	चिकित्सा	30	162	5	170
बुद्धिः पश्यति या भावान्	सूत्र	11	25	1	213
बुद्धिर्मनश्च निर्णीते	सूत्र	11	11	1	206
बुद्धिविद्यावयःशील	सूत्र	7	58	1	161
बुद्धिस्मृतिज्ञानतपो	चिकित्सा	9	3	3	409
बुद्धीन्द्रियमनःशुद्धि	सूत्र	16	6	1	300
बुद्धीन्द्रियमनोऽर्थानां	शारीर	1	35	2	320
बुद्धीन्द्रियाणि पञ्चैव	शारीर	1	64	2	327
बुद्धेर्विशेषस्तत्रासीत्	सूत्र	1	32	1	23
बुद्ध्या विषमविज्ञानं	शारीर	1	109	2	338
बुद्ध्वा ज्वरकरान्	चिकित्सा	3	147	3	152
बुद्ध्वा देशं वयः सात्म्यं	चिकित्सा	9	87	3	438
बुद्ध्वा संयोगसंस्कारं	सूत्र	27	283	1	549
बुद्ध्वा स्थानविशेषांश्च	चिकित्सा	29	155	5	126
बृंहणं यच्च तत् सर्वं	चिकित्सा	28	106	5	52
बृंहणं वातपित्तघ्नं	सिद्धि	4	11	6	235
बृंहणं स्वर्यमायुष्यं	चिकित्सा	1/3	40	3	47
बृंहणाः शुक्रलाश्चोक्ता	सूत्र	27	66	1	505
बृंहयेद्रञ्जयेच्चैतत्	चिकित्सा	26	280	4	543
बृषणौ चर्म मेढ्रं च	सूत्र	27	335	1	561
बृहच्छरीरं गिरिसारसारं	चिकित्सा	1/2	5	3	29
बृहती शिरीषपुष्पं	चिकित्सा	23	55	4	341
बृहत्फलः श्वेतपुष्पः	कल्प	5	5	6	48
बृहत्फलाढ्यमारुह्य	चिकित्सा	1/3	11	3	43
बृहत्यादिर्गणः प्रोक्तः	चिकित्सा	3	214	3	180
बृहत्येरण्डमूलत्वक्	चिकित्सा	26	240	4	536

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
बृहत्यौ पौष्करं भार्गी	चिकित्सा	3	213	3	180
बृहत्यौ वत्सकं मुस्तं	चिकित्सा	3	210	3	180
बृहत्त्वं यच्छरीरस्य	सूत्र	22	10	1	388
बोधिवृक्षकषायं तु	चिकित्सा	29	158	5	126
ब्रघ्नपाण्ड्वामयप्लीहा	चिकित्सा	9	56	3	430
ब्रघ्नहृद्रोगगुल्मार्शः	चिकित्सा	28	25	5	26
ब्रघ्नोदावर्तगुल्मार्शः	सिद्धि	4	16	6	236
ब्रघ्नोऽनिलाद्यैर्वृषणे	चिकित्सा	12	94	3	513
ब्रह्मचर्येण तपसा	चिकित्सा	3	314	3	213
ब्रह्मज्ञानस्य निधयो	सूत्र	1	14	1	17
ब्रह्मणा हि यथाप्रोक्त	सूत्र	1	4	1	15
ब्राह्मं तपो ब्रह्मचर्य	चिकित्सा	1/2	21	3	38
ब्राह्मीं तामलकीं मेदां	चिकित्सा	18	40	4	167
ब्राह्मीरसवचाकुष्ठ	चिकित्सा	10	25	3	447
ब्राह्मीस्वरसयुक्तं यत्	चिकित्सा	10	62	3	455
	भ				
भक्तस्योपरि मध्ये वा	चिकित्सा	8	94	3	384
भक्तिः शीलं स्मृतिः	इन्द्रिय	11	7	2	578
भक्तोपरोधतृषितः	चिकित्सा	22	52	4	317
भक्षयेत् कल्कमुत्थाय	कल्प	7	48	6	71
भक्षयेत् कालशाकं वा	चिकित्सा	13	182	3	567
भक्षयेत् पाण्डुहृद्रोग	चिकित्सा	16	71	4	101
भक्षयेद्दन्तपवनं	सूत्र	5	72	1	122
भक्षयेन्निगदं सीधुं	सूत्र	6	26	1	138
भगवन् दारुणं रोग	चिकित्सा	21	6	4	259
भगवन् पञ्च कर्माणि	चिकित्सा	27	5	5	2
भगवन्! पूर्वमुद्दिष्टौ	चिकित्सा	25	4	4	433
भगवन्! यदपत्यानां	चिकित्सा	30	5	5	129
भगवन्! रक्तपित्तस्य	चिकित्सा	4	4	3	221
भगवन्तमुदारसत्त्वधीः	सिद्धि	11	3	6	381
भगवन्नुदरैर्दुःखैः	चिकित्सा	13	5	3	519
भगवल्लँघनं किंस्वित्	सूत्र	22	6	1	387
भद्रकाप्यस्तु नेत्याह	सूत्र	25	18	1	417

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
भद्रश्रियं लोहितचन्दनं	चिकित्सा	4	102	3	249
भरद्वाजस्तु नेत्याह	सूत्र	25	20	1	417
भल्लातकं त्रिकटुकं	चिकित्सा	15	177	4	60
भल्लातकयुतं वापि	चिकित्सा	14	70	3	595
भल्लातकानां द्विपलं	चिकित्सा	5	143	3	288
भल्लातकानि तीक्ष्णानि	चिकित्सा	1/2	17	3	38
भल्लातकास्थ्यग्निसमं	सूत्र	27	165	1	517
भवति खलु योपसर्गात्	चिकित्सा	22	17	4	308
भवत्यतिप्रियः स्त्रीणां	चिकित्सा	1/1	10	3	8
भवत्यत्युष्ण सर्वाङ्गो	चिकित्सा	3	132	3	146
भवत्युपहतं शुक्रं	चिकित्सा	30	141	5	165
भवन्ति यानि रूपाणि	चिकित्सा	30	168	5	172
भवन्त्यमृतसंयोगात्	चिकित्सा	1/3	13	3	43
भवन्त्युपद्रवास्तेषां	चिकित्सा	28	237	5	83
भविष्यतामनुत्पत्तौ	सूत्र	7	65	1	162
भविष्यन्त्या असम्प्राप्तिः	शारीर	1	12	2	312
भवेत्कदाचित् कार्याऽपि	चिकित्सा	30	322	5	212
भवेत् सरागः श्वयथु	चिकित्सा	28	64	5	38
भवेत् साटोपविष्टम्भो	चिकित्सा	16	127	4	112
भवेदञ्जलिना तस्य	कल्प	9	8	6	87
भवेद्योगावहं तत्र	निदान	2	14	2	39
भवेन्नृणां दिवास्वप्न	सूत्र	21	49	1	383
भव्यखर्जूरमृद्वीका	चिकित्सा	24	136	4	415
भव्यादल्पान्तरगुणं	सूत्र	27	135	1	516
भागं तं दशमूलस्य	कल्प	9	5	6	86
भागश्चित्रकमूलस्य	चिकित्सा	16	81	4	103
भागान् दध्नि त्रिकुडवे	चिकित्सा	15	191	4	63
भागांश्चतुष्पलांस्तत्र	चिकित्सा	2/1	37	3	78
भार्गवश्च्यवनः कामी	चिकित्सा	1/4	44	3	65
भार्गीं छिन्नरूहां रास्नां	चिकित्सा	18	54	4	170
भार्गीं तामलकीमृद्धिं	चिकित्सा	18	178	4	197
भार्ङ्गीं नतं चित्रकपिप्प	चिकित्सा	6	42	3	310
भार्गीं पाठां त्रिकटुकं	चिकित्सा	10	20	3	446

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
भार्गी पुष्करमूलं च	चिकित्सा	18	58	4	171
भार्गीनागरयोः कल्कं	चिकित्सा	17	110	4	142
भार्गीमदनतर्कारी	चिकित्सा	26	153	4	514
भार्गी वचा नागदन्ती	चिकित्सा	10	42	3	451
भावहेतुः स्वभावस्तु	सूत्र	25	21	1	417
भावास्तेषां समुदयो	शरीर	1	47	2	323
भावितं जीवनीयैर्वा	चिकित्सा	18	148	4	191
भावितं मातुलुङ्गस्य	चिकित्सा	5	84	3	275
भावितं सर्पदष्टानां	चिकित्सा	23	194	4	371
भावितानि दशाहानि	चिकित्सा	16	88	4	104
भास्तमः सत्यमनृतं	शारीर	1	39	2	321
भिद्येते वंक्षणौ यस्य	इन्द्रिय	10	13	2	575
भिनत्ति यावद्बहुधा	शारीर	2	14	2	354
भिन्नामश्लेष्मसंसृष्ट	चिकित्सा	15	70	4	32
भिषक्छद्मचराः सन्ति	सूत्र	11	50	1	230
भिषक्छद्म प्रविश्यैवं	सूत्र	29	10	1	590
भिषगात्ययिकं बुद्ध्वा	चिकित्सा	5	114	3	282
भिषगाप्यातुरान् सर्वान्	चिकित्सा	1/4	56	3	68
भिषग्जितं चतुष्पादं	सूत्र	9	27	1	191
भिषग्द्रव्याण्युपस्थाता	सूत्र	9	3	1	183
भिषग्बुभूषुर्मतिमान्	सूत्र	1	133	1	60
भिषग्भेषजपानान्न	इन्द्रिय	11	25	2	580
भिषग्वरिष्ठं सुरसिद्धजुष्टं	चिकित्सा	12	3	3	482
भिषग्वातान्वितं रक्तं	चिकित्सा	21	69	4	283
भिषङ्मात्राविकल्पज्ञो	चिकित्सा	3	194	3	170
भिषजा ते प्रयोज्याः	चिकित्सा	30	199	5	179
भिषजा प्राक् परीक्ष्यैवं	सूत्र	10	21	1	200
भिषजामभिधेयश्च	सिद्धि	2	6	6	177
भीतमत्ताबलोष्णक्षुत्	चिकित्सा	23	162	4	365
भुक्ते कुक्षौ च रुग्जीर्णे	चिकित्सा	28	69	5	40
भुक्ते तु वारुणीमण्डं	चिकित्सा	24	129	4	414
भुक्तेऽधिकं जीर्यति	चिकित्सा	26	101	4	497
भुक्त्वा प्रच्छर्दनं धूमो	सूत्र	7	15	1	148

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
भुक्त्वा भुक्त्वा दिवा	चिकित्सा	30	235	5	187
भूगृहेषु च जेन्ताके	सूत्र	14	28	1	274
भूतविषजन्त्वलक्ष्मी	चिकित्सा	23	59	4	341
भूतानि चत्वारि तु	शारीर	2	35	2	360
भूतानि मातापितृसंभवानि	शारीर	2	34	2	360
भूताभिषङ्गात् कुप्यन्ति	चिकित्सा	3	116	3	142
भूतार्तानामरार्तांश्च	चिकित्सा	9	68	3	433
भूतीकं नागरं धान्यं	चिकित्सा	13	110	3	552
भूतीकं पौष्करं मूलं	चिकित्सा	17	142	4	452
भूतीकपञ्चमूलाभ्यां	सूत्र	14	33	1	274
भूतैश्चतुर्भिः सहितः	शारीर	2	31	2	359
भूनिम्बं रोहिणीं तिक्तां	चिकित्सा	15	181	4	61
भूनिम्बटुकाव्योष	चिकित्सा	15	132	4	51
भूनिम्बपलाशानां	चिकित्सा	7	69	3	338
भूमावपि निषिक्तं तद्	चिकित्सा	14	86	3	598
भूमौ पांशूपधानायां	इन्द्रिय	5	31	2	548
भूयः स्नेहस्य शैत्येन	सिद्धि	9	105	6	359
भूयश्चैषां बलाधानं	कल्प	12	47	6	117
भूयोऽनुबन्धे तु भवेद्	चिकित्सा	26	19	4	473
भूर्जग्रन्थ्यश्मकासीस	चिकित्सा	25	100	4	462
भूवाष्पन्मेघनिष्यन्दात्	सूत्र	6	34	1	140
भूशया बिलवासित्वाद्	सूत्र	27	54	1	503
भृगुकौशिककाप्यशौनकाः	सिद्धि	11	4	6	381
भृङ्गैलाभ्यां समा नीली	कल्प	7	34	6	68
भृशं पूत्यतिमात्रं च	निदान	2	25	2	41
भृशमाध्मापयेन्त्राभिं	सिद्धि	6	59	6	280
भृशार्तिर्मैथुनाशक्ता	चिकित्सा	30	31	5	136
भृशार्तिशूलं स्फुरतीह	चिकित्सा	26	118	4	504
भृष्टतण्डुलमिच्छन्ति	सूत्र	27	258	1	544
भृष्टान्यवान् भक्षयतः	चिकित्सा	6	48	3	311
भृष्टान्वासतुषाञ्छुद्धान्	कल्प	7	73	6	77
भृष्टैः शाकैर्यवागूभिः	चिकित्सा	14	246	3	631
भृष्टैर्मांसैर्बहुविधैः	चिकित्सा	24	19	4	387

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
भेदस्तोदार्तिराक्षेपो	चिकित्सा	28	23	5	25
भेदात् कार्येन्द्रियार्थानां	शारीर	1	33	2	319
भेदोऽस्थिपर्वणां सन्धि	चिकित्सा	28	33	5	29
भेरीमृदङ्गपटहान्	चिकित्सा	23	87	4	347
भेरीमृदङ्गशंखानां	इन्द्रिय	12	79	2	595
भेषजं दोषरुद्धं चेत्	सिद्धि	12	12	6	125
भेषजक्षपिते पथ्य	सूत्र	16	22	1	304
भेषजमेवं कल्प्यं	चिकित्सा	23	64	4	342
भेषजानि न संवृत्तिं	इन्द्रिय	12	56	2	590
भेषजैः साध्ययाप्यांस्तु	चिकित्सा	17	69	4	135
भेषजैर्विषमान् धातून्	सूत्र	16	30	1	306
भैषज्यकालो भुक्तादौ	चिकित्सा	30	298	5	204
भोजनाभ्यञ्जनैः पानैः	चिकित्सा	5	22	3	260
भोजयेत्तदुदरिणं	चिकित्सा	13	179	3	567
भोजयेद्वातरोगार्तं	चिकित्सा	28	108	5	53
भोज्यं च मुखरोगेषु	चिकित्सा	26	188	4	523
भोज्यं पानानि सर्पींषि	चिकित्सा	18	190	4	200
भोज्यं मूलकषायेण	चिकित्सा	19	115	4	240
भोज्यमुत्सादनं दाहो	चिकित्सा	25	42	4	447
भोज्यानि च यथादोषं	चिकित्सा	26	222	4	531
भौममौषधमुद्दिष्ट	सूत्र	1	71	1	49
भौमाप्याग्नेयवायव्याः	चिकित्सा	15	13	4	9
भ्रमः पिपासा दाहश्च	चिकित्सा	3	91	3	137
भ्रममुद्वेष्टनं तोदं	सूत्र	17	58	1	320
भ्रुवोर्वा यदि वा मूर्ध्नि	इन्द्रिय	8	6	2	564
भ्रुवौ यस्य च्युते	इन्द्रिय	10	6	2	574
		म			
मक्षिकाघुणकेशानां	चिकित्सा	8	35	3	371
मक्षिकाश्चैव यूकाश्च	इन्द्रिय	2	21	2	531
मज्जत्यात्मा गुरुत्वाद्	चिकित्सा	15	94	4	40
मज्जप्रदोषात् शुक्रस्य	सूत्र	28	18	1	577
मज्जशुक्रसमुत्थानां	सूत्र	28	28	1	579
मज्जानं सह मूत्रेण	निदान	4	42	2	63

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
मज्जौजसा वा वयसा	चिकित्सा	6	11	3	301
मञ्जिष्ठया चागुरुचन्दनैश्च	चिकित्सा	6	39	3	309
मञ्जिष्ठाष्टपलं चैव	चिकित्सा	15	147	4	54
मञ्जिष्ठासारिवानन्ता	सिद्धि	10	43	6	377
मञ्जिष्ठोदकसंकाशं	निदान	4	33	1	61
मणीनां धारणीयानां	सूत्र	26	70	1	478
मण्डं पेयां च पीत्वा	चिकित्सा	13	122	3	555
मण्डलैर्जातरूपस्य	चिकित्सा	2/3	11	3	89
मण्डूकपर्ण्याः पिप्पल्याः	चिकित्सा	1	48	3	16
मण्डूकपर्ण्याः स्वरसः	चिकित्सा	1/3	30	3	46
मण्डूरं द्विगुणं चूर्णाद्	चिकित्सा	16	95	4	106
मतं तत्त्वविदामेतत्	शारीर	1	51	2	324
मतिरासीन्महर्षीणां	सूत्र	26	107	1	488
मतिर्वचः कर्म सुखानु	शारीर	2	47	2	364
मत्तं नृत्यन्तमाविध्य	इन्द्रिय	5	23	2	547
मत्तद्विरेफाचरिताः	चिकित्सा	2/3	26	3	93
मन्त्रितोदकभक्ष्यस्त्री	विमान	5	20	2	178
मत्स्यण्डिका मधुसमा	चिकित्सा	7	75	3	339
मत्स्यसात्म्यास्तथा	चिकित्सा	30	317	5	209
मत्स्याः स्निग्धाश्च	सूत्र	27	82	1	506
मत्स्यान्त्राभिप्रदेशस्थे	चिकित्सा	28	97	5	50
मत्स्यास्तु सविषाः कुर्युः	चिकित्सा	23	155	4	363
मध्यमन्थनमन्थान	सूत्र	11	24	1	213
मदनं कुटजं चैव	सूत्र	1	84	1	52
मदनं मधुकं निम्बं	सूत्र	2	7	1	64
मदनं मधुकं निम्बं	चिकित्सा	21	51	4	280
मदनं पिप्पलीभिर्वा	चिकित्सा	3	228	3	187
मदनः करहाटश्च	कल्प	1	27	6	25
मदमूर्च्छायसंन्यास	सूत्र	24	27	1	408
मदमूर्च्छायसंन्यास	सूत्र	24	60	1	413
मदनैर्वाऽम्लसंयुक्तैः	सिद्धि	4	17	6	236
मदयन्तीलतापत्र	चिकित्सा	29	112	5	114
मदापस्मारमूर्च्छाय	सूत्र	27	233	1	537

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
मदिरां वा सलवणां	चिकित्सा	14	102	3	602
मदिरां शार्करं जातं	चिकित्सा	14	128	3	608
मदिरादधिमण्डोष्ण	चिकित्सा	13	161	3	562
मद्यं तैक्ष्ण्यौष्ण्यवैशद्य	चिकित्सा	8	166	3	402
मद्यं द्राक्षारसं तोपं	चिकित्सा	24	142	4	416
मद्यं मद्योत्थितान् रोगान्	चिकित्सा	24	211	4	431
मद्यं वा मद्यसात्म्याय	चिकित्सा	3	195	3	171
मद्यं हृदयमाविश्य	चिकित्सा	24	29	4	390
मद्यप्रसङ्गं तं चाज्ञा	चिकित्सा	24	54	4	396
मद्यमल्पं न वा पेय	सूत्र	6	29	1	139
मद्यस्य च गुणान् सर्वान्	चिकित्सा	24	70	4	400
मद्यस्याम्लस्वभावस्य	चिकित्सा	24	115	4	411
मद्यानुकूलैर्विविधैः	चिकित्सा	24	18	4	387
मद्याम्बु वाऽम्बु कोष्णं	चिकित्सा	22	53	4	317
मद्येन मनसश्चास्य	चिकित्सा	24	53	4	396
मद्ये मोहो भयं शोकः	चिकित्सा	24	56	4	396
मद्यैर्निम्बगुडूच्यौ वा	चिकित्सा	30	99	5	153
मद्योत्क्लिष्टेन दोषेण	चिकित्सा	24	117	4	412
मद्योत्थे पैत्तिके चाथ	चिकित्सा	3	144	3	151
मद्योपहतविज्ञाना	चिकित्सा	24	55	4	396
मधुकं कुष्ठमित्येतत्	चिकित्सा	16	109	4	109
मधुकं पिप्पलीमूलं	चिकित्सा	17	115	4	145
मधुकं मुष्कयवक्षारौ	चिकित्सा	15	189	4	63
मधुकं सपञ्चवल्कं	चिकित्सा	14	214	3	625
मधुकद्विपले कल्के	चिकित्सा	10	31	3	448
मधुकस्य कषायेण	कल्प	4	8	6	43
मधुकस्य कषायेण	कल्प	5	8	6	49
मधुकस्य शतं द्राक्षा	चिकित्सा	29	96	5	111
मधुकस्य हरिद्राया	चिकित्सा	1	49	3	16
मधुकाष्टपलद्राक्षा	चिकित्सा	11	48	3	469
मधुकेन तुगाक्षीर्या	चिकित्सा	1/3	45	3	49
मधुतैलयुतावेतौ	चिकित्सा	18	119	4	185
मधुना किण्वचूर्णं वा	चिकित्सा	30	104	5	155

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
मधुपर्ण्याः पलं पिष्ट्वा	चिकित्सा	29	117	5	116
मधुपो लवणाम्लौ च	सूत्र	26	59	1	473
मधुयष्टिबलातैल	चिकित्सा	28	186	5	69
मधुयष्ट्यास्तुलायास्तु	चिकित्सा	29	91	5	110
मधुरं किञ्चिदम्लं च	सूत्र	27	156	1	517
मधुरं किञ्चिदुष्णं स्यात्	सूत्र	26	48	1	471
मधुरं पित्तनुत्तेषां	सूत्र	27	151	1	517
मधुरं बृहणं बल्यं	सूत्र	27	129	1	515
मधुरं बृंहणं वृष्यं	सूत्र	27	127	1	515
मधुरं सकषायं च	सूत्र	27	143	1	516
मधुरः किञ्चिदम्लो वा	चिकित्सा	21	109	4	292
मधुरश्च सतिक्तश्च	चिकित्सा	1/3	57	3	51
मधुरश्चाम्लपाकश्च	सूत्र	27	15	1	495
मधुरस्निग्धगुर्वन्न	सिद्धि	9	21	6	336
मधुरस्निग्धशीतानि	चिकित्सा	14	18	3	586
मधुराः शीतला गुर्व्यो	सूत्र	27	31	1	497
मधुराणि कषायाणि	चिकित्सा	30	285	5	198
मधुराण्यविदाहीनि	सूत्र	27	87	1	506
मधुरा मधुराः पाके	सूत्र	27	27	1	497
मधुराम्लकषायं च	सूत्र	27	131	1	516
मधुराम्लकषायत्वात्	सूत्र	27	137	1	516
मधुरा लघवः शीताः	सूत्र	27	264	1	545
मधुरैः सजीवनीयैः	चिकित्सा	22	32	4	312
मधुरैर्जाङ्गलरसैः	चिकित्सा	18	96	4	180
मधुरो मधुरः पाके	सूत्र	27	95	1	509
मधुरो बृंहणो वृष्यो	सूत्र	27	295	1	552
मधुशिग्रोर्हितं तद्वद्	चिकित्सा	29	151	5	125
मधुशिग्रोश्च बीजानि	चिकित्सा	15	139	4	52
मधुहिङ्गयुतं पेयं	चिकित्सा	18	113	4	184
मधूकं मधुकं कुष्ठं	चिकित्सा	23	202	4	373
मधूकपुष्पस्वरसं	चिकित्सा	15	150	4	55
मधुकमधुकक्षीर	चिकित्सा	11	27	3	465
मधूकमधुकद्राक्षा	सिद्धि	10	42	6	377

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
मधूकमधुकद्राक्षा	चिकित्सा	11	20	3	463
मधूकमुस्तमृद्वीका	चिकित्सा	3	206	3	179
मधूच्छिष्टं सर्जरसं	चिकित्सा	17	79	4	137
मधूच्छिष्टेन तैलेन	चिकित्सा	25	103	4	462
मधूलिका तुगाक्षीरी	चिकित्सा	17	111	4	145
मध्यदेशे भवेत्सात्म्यं	चिकित्सा	30	319	5	210
मध्यमं मदमुत्क्रम्य	चिकित्सा	24	46	4	395
मध्यमा मध्यमस्येष्टा	विमान	3	33	2	151
मध्योत्कृष्टावराः शैत्यात्	सूत्र	26	55	1	472
मध्योऽम्लः कटुकश्चान्त्यः	सूत्र	26	54	1	472
मध्वारनालक्षीरदधि	चिकित्सा	3	259	3	194
मध्वासवोऽयं कफपित्त	चिकित्सा	6	44	3	310
मनःशरीरसन्तापाद्	चिकित्सा	30	233	5	187
मनःशरीराग्निबल	सूत्र	25	50	1	444
मनःशिला तमालश्च	चिकित्सा	23	192	4	371
मनःशिला त्वक्कुटजात्	सूत्र	3	15	1	77
मनःशिलापलाशाज	चिकित्सा	18	146	4	190
मनःशिलायाः फलपूरक	चिकित्सा	20	39	4	253
मनःशिलालमधुक	चिकित्सा	18	69	4	174
मनःशिला वचा व्योषं	चिकित्सा	26	152	4	514
मनःशिलासर्जरस	चिकित्सा	17	145	4	152
मनःशिलैला मञ्जिष्ठा	चिकित्सा	25	114	4	465
मनःशिलैलामरिच	चिकित्सा	18	73	4	175
मनसः सम्भ्रमोऽभीक्ष्ण	सूत्र	22	37	1	392
मनसोऽनुगुणा गन्धाः	सूत्र	21	53	1	384
मनोबुद्धिसमाधान	शारीर	1	146	2	347
मनोऽभिघाते तु मनो	चिकित्सा	20	41	4	255
मनोवहानां पूर्णत्वात्	इन्द्रिय	5	41	2	550
मनोविकारे निर्दिष्टं	चिकित्सा	3	309	3	211
मन्तव्यो निष्क्रियश्चैव	चिकित्सा	2/1	19	3	75
मन्त्रागदप्रलेपाद्यैः	चिकित्सा	25	8	4	434
मन्त्रारिष्टोत्कर्तननिष्पी	चिकित्सा	23	35	4	334
मन्त्रैर्धमनीबन्धोऽव	चिकित्सा	23	61	4	342

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
मन्थः खर्जूरमृद्वीका	सूत्र	23	38	1	400
मन्दं मन्दमवेगं तु	निदान	4	21	2	59
मन्दवातेषु शस्यन्ते	सूत्र	27	69	1	505
मन्दवीर्यं विरूक्षस्य	कल्प	12	56	6	119
मन्दस्विन्नान् सयष्ट्याह्व	चिकित्सा	26	140	4	511
मन्दाग्नित्वं कासं सोन्मादं	चिकित्सा	23	104	4	351
मन्दाग्नित्वारुचिच्छर्दि	चिकित्सा	18	18	4	161
मन्दाग्निविषमाग्नीनां	सूत्र	27	255	1	542
मन्दाग्नेरम्लसात्म्याय	चिकित्सा	4	35	3	231
मन्दानां व्यवहाराय	सूत्र	4	28	1	103
मन्दाम्लस्नेहकटुभिः	चिकित्सा	13	99	3	549
मन्दास्तु पित्तप्रबलाः	चिकित्सा	12	99	3	516
मन्देऽग्नौ मलिनैर्भुक्तैः	चिकित्सा	13	10	3	520
मन्देऽग्नौ वर्धते गुल्मो	चिकित्सा	5	112	3	281
मन्दोत्साहमतिस्थूल	निदान	4	51	2	66
मन्यापृष्ठग्रहे शोषे	चिकित्सा	26	173	4	519
मन्यास्तम्भः शिरःशूलं	सूत्र	7	16	1	148
मन्ये संश्रित्य वातोऽन्त	चिकित्सा	28	43	5	32
मयूखैर्जगतः स्नेहं	सूत्र	6	27	1	139
मयूरः प्लक्षनिर्यूहे	चिकित्सा	4	50	3	235
मरणायेह रूपाणि	इन्द्रिय	12	62	2	592
मरिचं कुञ्चिकाम्बष्ठा	चिकित्सा	15	108	4	44
मरिचं जीरकं धान्यं	चिकित्सा	2/4	21	3	98
मरिचं शिग्रुबीजानि	सिद्धि	9	17	6	335
मरीचीनसतो मेघान्	इन्द्रिय	4	12	2	540
मर्मस्वंशे गुदे पाण्योः	सूत्र	17	107	1	332
मर्माघाताद्रजोष्ट्राश्च	चिकित्सा	28	18	5	23
मर्मोपघातात् सम्मोहाद्	चिकित्सा	21	26	4	265
मलप्रवृत्तिरुत्क्लेशः	चिकित्सा	3	137	3	147
मलयूपूमसनं प्रियङ्गुं	चिकित्सा	7	165	3	359
मलवृद्धिं गुरुतया	सूत्र	7	43	1	157
मलानाश्रित्य कुपिता	सूत्र	28	22	1	578
मलापहं रोगहरं	सूत्र	15	22	1	298

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
मलायनानि चान्यानि	सूत्र	17	72	1	324
मलिनाहारशीलस्य	सूत्र	24	26	1	408
मलिनाहारशीलस्य	चिकित्सा	10	57	3	454
मसीवर्णमजस्रं यो	निदान	4	30	2	61
मस्त्विक्षुरसमद्याद्यैः	चिकित्सा	3	160	3	157
महच्चाग्निबलं येषां	सूत्र	13	49	1	256
महर्षयस्ते ददृशुः	सूत्र	1	28	1	22
महर्षिभिः परिवृतं	चिकित्सा	21	5	4	259
महर्षीणां मतिर्या या	सूत्र	12	17	1	243
महागदं महावेग	चिकित्सा	4	5	3	221
महागदसमुत्थानं	चिकित्सा	10	68	3	457
महाजालिनिजीमूत	कल्प	3	17	6	38
महानीलमिति ख्यातं	चिकित्सा	26	276	4	542
महान् स्थिरः सर्वपच	सिद्धि	1	13	6	146
महापैशाचिकं नाम	चिकित्सा	9	48	3	428
महाभूतानि खं वायु	शारीर	1	27	2	318
महामूला महावेगा	चिकित्सा	17	26	4	122
महारुजं दाहपरीतमश्म	चिकित्सा	5	17	3	258
महाश्रावणिजीवन्ती	चिकित्सा	28	160	5	63
महासरसि गम्भीरे	चिकित्सा	27	12	5	4
महास्नेहाश्च चत्वारः	सूत्र	1	75	1	50
महास्नेहोऽस्थिमज्जस्थे	चिकित्सा	28	196	5	72
महिषीणां गुरुतरं	सूत्र	27	219	1	533
महिष्यजाविगोक्षीर	चिकित्सा	18	107	4	182
मांसजानां तु संशुद्धिः	सूत्र	28	26	1	579
मांसमेवाश्नतः शोषो	चिकित्सा	8	163	3	402
मांसशाकवसातैल	सूत्र	27	259	1	545
मांसस्रोतांस्यनुगतो	चिकित्सा	3	66	3	130
मांसानां लघुपाकानां	चिकित्सा	8	132	3	395
मांसानामेवमन्येषां	चिकित्सा	2/4	14	3	97
मांसानि शूल्यानि मृग	चिकित्सा	6	47	3	311
मांसानि यान्यनभ्यासाद्	चिकित्सा	8	156	3	400
मांसीकुङ्कुमपत्रत्व	चिकित्सा	23	190	4	371

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
मांसेनोपचिताङ्गानां	चिकित्सा	8	155	3	400
मांसोचितेभ्यः क्षामेभ्यः	चिकित्सा	18	141	4	190
मांसोत्सन्ना महायोनिः	चिकित्सा	30	37	5	138
मांसोपचितमांसत्वात्	चिकित्सा	15	211	4	69
मांसो मरिचं लवणं	चिकित्सा	7	87	3	342
माक्षिकं तैलवर्णं स्याद्	सूत्र	27	244	1	540
माक्षिकं भ्रामरं क्षौद्रं	सूत्र	27	243	1	540
माक्षिकस्य च शुद्धस्य	चिकित्सा	16	82	4	103
माक्षिकेणाप्लुतं स्थाप्य	चिकित्सा	16	83	4	103
मागध्यमृतलोहानां	चिकित्सा	30	150	5	168
मातापित्रोर्बीजदोषाद्	चिकित्सा	30	189	5	176
मातुर्व्यवायप्रतिघेन	शारीर	2	20	2	355
मातुलुङ्गरसं तद्वत्	सूत्र	24	49	1	411
मातुलुङ्गरसश्चैव	चिकित्सा	26	228	4	532
मातुलुङ्गरसो हिङ्गु	चिकित्सा	5	85	3	276
मातुलुङ्गस्य तत् पूतं	चिकित्सा	16	66	4	100
मातुलुङ्गस्य धातक्या	चिकित्सा	8	130	3	395
मातुलुङ्गाभयाधात्री	कल्प	7	30	6	67
मातृदोषादणुद्वारां	चिकित्सा	30	32	5	137
मात्रयाऽप्यभ्यवहृतं	विमान	2	9	2	135
मात्रां कम्पिल्लकस्यैव	कल्प	9	11	6	88
मात्रां पलं चार्धपलं	चिकित्सा	26	89	4	493
मात्राकालक्रियाभूमि	सूत्र	25	46	1	437
मात्राकालाश्रया युक्तिः	सूत्र	2	16	1	68
मात्रातस्याशितीयौ च	सूत्र	30	37	1	606
मात्रा द्रव्याणि मात्रां	सूत्र	5	105	1	128
मात्रामग्निसमां तस्य	चिकित्सा	2/4	27	3	99
मात्रैषा मन्दविभ्रंशा	सूत्र	13	37	1	253
मात्स्यकौक्कुटवाराहैः	चिकित्सा	18	80	4	176
माधवप्रथमे मासि	सूत्र	7	46	1	157
मानं च द्विविधं प्राहुः	कल्प	12	105	6	135
मानसं प्रति भैषज्यं	सूत्र	11	47	1	227
मारुतः प्राणवाहीनि	चिकित्सा	17	17	4	121

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
मारुतकफकुष्ठघ्नं	चिकित्सा	7	58	3	334
मारुतघ्नं न च श्लेष्म	सूत्र	13	15	1	248
मारुतस्तु कफे हीनं	सूत्र	17	57	1	320
मारुतानां हि पञ्चानां	चिकित्सा	28	202	5	73
मारुताशयसम्भूते	चिकित्सा	21	46	4	278
मारुते कफसंसृष्टे	सिद्धि	8	33	6	317
मारुतो भयशोकाभ्यां	चिकित्सा	19	12	4	215
मार्गैर्गात्राणि सन्धाव	सिद्धि	7	44	6	302
मार्गौ दोषानुबन्धं च	चिकित्सा	4	30	3	231
मार्द्वीकारिष्टोगांश्च	चिकित्सा	16	137	4	115
माल्यमगन्धं म्लायति	चिकित्सा	23	120	4	354
माल्यानि गन्धयोगाश्च	चिकित्सा	24	192	4	427
माषपर्णभृतां धेनुं	चिकित्सा	2/3	3	3	88
माषयूषेण यो भुक्त्वा	चिकित्सा	2/1	47	3	80
माषांस्तिलांश्च किण्वं च	चिकित्सा	8	177	3	404
माषात्मगुप्तागोधूम	चिकित्सा	2/4	23	3	99
माषानङ्कुरिताञ्शुद्धान्	चिकित्सा	2/4	15	3	97
मासं निदध्याद्धृतभाजन	चिकित्सा	12	40	3	496
मासं युक्तस्तथा हस्ति	चिकित्सा	13	148	3	561
मासमेकं ततश्चैव	चिकित्सा	13	183	3	567
मासमौष्ट्रं पयश्छागं	चिकित्सा	13	152	3	561
मासानिष्पिच्छदाहार्ति	चिकित्सा	30	225	5	185
मासेन चेन्न दृश्येत	इन्द्रिय	9	17	2	571
माहिषात् सर्पिषः प्रस्थः	चिकित्सा	16	55	4	97
माहिषे च रसे मत्स्यान्	चिकित्सा	2/4	20	3	98
माहेन्द्रेण सुशीतेन	चिकित्सा	8	86	3	383
मिथ्याचारेण ताः स्त्रीणां	चिकित्सा	30	8	5	130
मिथ्यातिहीनपीतेन	चिकिंत्सा	24	109	4	410
मिथ्यातिहीनयोगेभ्यो	शारीर	1	128	2	343
मिथ्यातिहीनलिङ्गाश्च	शारीर	1	111	2	338
मिथ्यादृष्टमरिष्टाभ	इन्द्रिय	2	6	2	529
मिथ्याबन्धादतिस्नेहाद्	चिकित्सा	25	33	4	444
मिथ्योपचाराच्च न तं	सिद्धि	1	60	6	174

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
मुकुन्दो झिण्टिगर्मूटी	सूत्र	27	18	1	495
मुक्तकेशेऽथवा नग्ने	इन्द्रिय	12	10	2	584
मुक्ताप्रवालवैदूर्य	चिकित्सा	17	125	4	148
मुक्तालेपो वरः शोथ	चिकित्सा	23	200	4	373
मुक्तावलीभिः शीताभिः	सूत्र	14	12	1	270
मुक्त्वा जीर्णं वपुश्च	चिकित्सा	1	55	3	16
मुक्त्वैवं वादसङ्घट्ट	सूत्र	25	28	1	418
मुखं शब्दश्रवावोष्ठौ	इन्द्रिय	8	12	2	565
मुखकर्णाक्षिरोगेषु	चिकित्सा	26	230	4	533
मुखगे त्वोष्ठचिमिचिमा	चिकित्सा	23	113	4	354
मुखपाकास्यदौर्गन्ध्य	चिकित्सा	26	213	4	528
मुखपाके सिराकर्म	चिकित्सा	26	204	4	527
मुखप्रियं च रूक्षं च	सूत्र	27	111	1	511
मुखप्रियः सुखमदः	सूत्र	27	183	1	525
मुखरोगेषु च श्रेष्ठं	चिकित्सा	26	198	4	526
मुखशोषस्वरभेद	चिकित्सा	22	9	4	305
मुखामये मारुतजे तु	चिकित्सा	26	119	4	505
मुख्यानि यानि दिष्टानि	सूत्र	1	93	1	54
मुच्यते सहसा प्राणैः	चिकित्सा	3	278	3	201
मुद्गमाषाख्यपर्णिन्यौ	चिकित्सा	29	73	5	106
मुद्गाः सलाजाः सयवाः	चिकित्सा	4	78	3	242
मुद्गाढ़कीमसूरैश्च	चिकित्सा	16	42	4	93
मुद्गादियूषैरथ तिक्तशाकैः	चिकित्सा	6	20	3	304
मुद्गान्मसूरांश्चणकान्	चिकित्सा	20	37	4	253
मुद्गान्मसूरांश्चणकान्	चिकित्सा	21	111	4	292
मुद्गा मसूराश्चणका	चिकित्सा	4	37	3	232
मुस्तं किण्वं तिलाः	चिकित्सा	28	113	5	54
मुस्तं पुनर्नवा मेदा	चिकित्सा	1	64	3	20
मुस्तं मदनं त्रिफला	चिकित्सा	7	91	3	343
मुस्तं वत्सकबीजं	चिकित्सा	7	142	3	354
मुस्तं वयःस्थां त्रिफलां	चिकित्सा	10	48	3	453
मुस्तं व्योषं त्रिफला	चिकित्सा	7	65	3	337
मुस्तं हैमवती पथ्या	कल्प	7	16	6	62

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
मुस्तकं पौष्करं क्रौञ्चं	चिकित्सा	23	11	4	325
मुस्तनिम्बपटोलानां	चिकित्सा	21	54	4	280
मुस्तभल्लातशक्तूनां	चिकित्सा	21	130	4	296
मुस्तमारग्वधः पाठा	सूत्र	23	12	1	396
मुहुः स्मृतिर्मुहुर्मोहो	चिकित्सा	24	44	4	394
मुहुर्दाहो मुहुः शीतं	चिकित्सा	3	88	3	136
मुहुर्मुहुः शिरोन्यासः	चिकित्सा	23	229	4	379
मुहुर्मुहुश्च रोगाणाम्	चिकित्सा	30	306	5	204
मुहुर्हसन् मुहुः क्ष्वेडन्	इन्द्रिय	8	20	2	566
मूत्रं क्षीराणि वृक्षाश्च	सूत्र	1	139	1	92
मूत्रं धारयतो बस्तौ	सिद्धि	9	37	6	341
मूत्रं विहन्ति संस्तम्भ	सिद्धि	9	40	6	342
मूत्रकृच्छ्रप्रमेहार्शः	चिकित्सा	11	47	3	469
मूत्रकृच्छ्रे गुदभ्रंशे	चिकित्सा	14	233	3	628
मूत्रक्षये मूत्रकृच्छ्रं	सूत्र	17	71	1	324
मूत्रजानां च रोगाणां	कल्प	7	50	6	71
मूत्रपित्तशकृल्लोम	चिकित्सा	9	75	3	434
मूत्रमुत्सादने युक्तं	सूत्र	1	95	1	54
मूत्रयुक्तानि तीक्ष्णानि	चिकित्सा	13	94	3	548
मूत्ररोगांश्च मूत्रस्थं	चिकित्सा	15	49	4	26
मूत्रलानि तु मूत्रेण	चिकित्सा	28	197	5	72
मूत्रविट्स्वेदवाहानां	विमान	5	28	2	181
मूत्रश्यामात्रिवृत्सिद्धो	सिद्धि	4	39	6	243
मूत्रस्रोतः परीणाहं	सिद्धि	9	66	6	348
मूत्रस्रोतः प्रपद्येत	सिद्धि	9	43	6	342
मूत्राण्यष्टावुदरिणां	चिकित्सा	13	111	3	552
मूत्राम्लपिष्टैः सगुडैः	सिद्धि	9	59	6	346
मूत्रितस्य व्यवायात्तु	सिद्धि	9	32	6	340
मूत्रे वा सुनुयात्तच्च	चिकित्सा	13	82	3	543
मूत्रे शृताः कट्फलशृङ्ग	चिकित्सा	26	97	4	496
मूत्रोत्सङ्गः स विच्छिन्न	सिद्धि	9	34	6	340
मूत्रौकसादो जठरं	सिद्धि	9	25	6	337
मूर्च्छनाद्यच्च संमूढ़	चिकित्सा	13	187	3	569

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
मूर्च्छाङ्गशोथवैवर्ण्य	चिकित्सा	23	148	4	362
मूर्च्छापिपासामुख	चिकित्सा	20	11	4	246
मूर्च्छामोहमदग्लानि	चिकित्सा	3	124	3	143
मूर्च्छाविकारं तस्यादौ	सिद्धि	7	33	6	300
मूर्च्छितं घृतमण्डेन	चिकित्सा	26	199	4	526
मूर्तान्मूत्रागतान् दोषान्	निदान	4	20	2	59
मूर्वाजमोदेन्द्रयवान्	चिकित्सा	15	190	4	63
मूर्वामारग्वधं पाठां	चिकित्सा	27	34	5	10
मूलं तु द्विविधं तस्या	कल्प	7	7	6	59
मूलं दन्तीद्रवन्त्योश्च	कल्प	12	18	6	108
मूलं पटोलस्य तथा	चिकित्सा	7	62	3	336
मूलं श्वदंष्ट्रेक्षुरकोरुबूकात्	चिकित्सा	26	62	4	486
मूलकत्रिफलार्काणां	चिकित्सा	14	45	3	592
मूलकल्काद्दशपलं	चिकित्सा	28	145	5	60
मूलकस्वरसं क्षीरं	चिकित्सा	28	167	5	65
मूलकानां कुलत्थानां	चिकित्सा	21	128	4	296
मूलत्वक्सारनिर्यास	सूत्र	1	73	1	49
मूलानि पुष्पाणि च	चिकित्सा	4	104	3	249
मूलानि श्वेतभण्डीनां	चिकित्सा	23	210	4	374
मूले निषिक्तो हि यथा	सिद्धि	1	31	6	159
मूलैर्वाऽप्यश्वगन्धाया	चिकित्सा	27	50	5	14
मृगगोमहिषाजानां	सिद्धि	6	82	6	286
मृगपक्षिमनुष्याणां	इन्द्रिय	12	78	2	595
मृणालपद्मोत्पलकेशराणां	चिकित्सा	4	94	3	246
मृतं कृशं चातिमेद्यं	सूत्र	27	311	1	555
मृतदग्धविनष्टानि	इन्द्रिय	12	14	2	584
मृतसञ्जीवनमेव च	चिकित्सा	23	37	4	334
मृत्तिकादनशीलस्य	चिकित्सा	16	27	4	89
मृत्युव्याधिजरावश्यै	चिकित्सा	1/4	50	3	66
मृदितं तं रसं पूतं	चिकित्सा	16	62	4	99
मृदुः सगन्धोऽसितपीत	चिकित्सा	12	13	3	486
मृदुकोष्ठस्त्रिरात्रेण	सूत्र	13	65	1	260
मृदुकोष्ठस्य गुरु च	सूत्र	26	95	1	486

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
मृदुकोष्ठाल्पदोषस्य	सिद्धि	7	54	6	305
मृदुकोष्ठेऽबले बस्ति	सिद्धि	7	27	6	298
मृदुतीक्ष्णगुरुलघु	सूत्र	26	64	1	476
मृदुपाकाश्च ये भक्ष्याः	सूत्र	27	275	1	548
मृदुबस्तिजडीभूते	सिद्धि	8	15	6	313
मृदुभिः पञ्चभिर्नारीं	चिकित्सा	30	46	5	141
मृदुभिः शोधनैः शुद्धिः	चिकित्सा	3	340	3	218
मृदुभिः स्नेहसंयुक्तैः	चिकित्सा	28	84	5	45
मृदूकरोति स्रोतांसि	सूत्र	27	252	1	542
मृद्वीथात् सुखमासीनं	चिकित्सा	8	175	3	404
मृद्दण्डचक्रसूत्राद्याः	सूत्र	9	13	1	188
मृद्वग्निना ततः साध्यं	चिकित्सा	14	116	3	606
मृद्वीकापिप्पलीमूल	चिकित्सा	3	186	3	167
मृद्वीकामलकानां वा	चिकित्सा	3	230	3	187
मृद्वीकाया विधानेन	चिकित्सा	24	182	4	424
मृद्वीकार्धशतं त्रिंशत्	चिकित्सा	18	91	4	179
मृद्वीका सारिवालाज	सूत्र	2	24	1	69
मृद्व्यश्च कठिनाश्चान्याः	सूत्र	17	109	1	332
मृन्मयीमिव यः पात्रीं	इन्द्रिय	4	13	2	540
मेघसङ्काशमाकाश	सूत्र	24	39	1	409
मेघाम्बुशीतप्राग्वातैः	चिकित्सा	17	62	4	131
मेढ्रे वृषणयोः शूलं	सूत्र	7	10	1	147
मेदया च समैः कल्कैः	चिकित्सा	9	44	3	427
मेदश्च मांसं च शरीरजं	चिकित्सा	6	5	3	299
मेदसस्तानि पूर्यन्ते	चिकित्सा	15	32	4	19
मेदसाऽऽवृतमार्गत्वाद्	सूत्र	21	5	1	375
मेदस्यतीव संवृद्धे	सूत्र	21	8	1	376
मेदस्विनः स्नेहनित्याः	सूत्र	21	45	1	383
मेदां पयस्यां जीवन्तीं	चिकित्सा	2/3	8	3	89
मेदोमांसातिवृद्धत्वात्	सूत्र	21	9	1	376
मेद्यानामुष्णवीर्याणां	चिकित्सा	3	305	3	211
मेधां स्मृतिं कन्तिमना	चिकित्सा	1	73	3	20
मेधास्मृतिकरः पथ्यः	सूत्र	27	84	1	506

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
मेधास्मृतिबलोपेता	चिकित्सा	1	56	3	16
मेध्यं पवित्रमायुष्य	सूत्र	5	98	1	126
मेषशृङ्ग्यभयाकृष्ण	कल्प	9	7	6	87
मैत्री कारुण्यमार्तेषु	सूत्र	9	26	1	190
मैथुनादतिबालायाः	चिकित्सा	30	20	5	134
मैरेये दधिमण्डेऽम्ले	कल्प	11	8	6	99
मोक्षयेद्बहुशश्चास्य	चिकित्सा	21	134	4	297
मोक्षो रजस्तमोऽभावात्	शारीर	1	142	2	346
मोचरसः ससमङ्गः	चिकित्सा	14	189	3	619
मोदकानां सुमनसां	इन्द्रिय	12	74	2	594
मोदको वाऽस्य कल्पेन	कल्प	12	21	6	109
मोहोन्मादव्रणरुजो	चिकित्सा	25	30	4	444
म्लानशिश्नश्च निर्बीजः	चिकित्सा	30	157	5	169
	य				
यं नरं सहसा रोगो	इन्द्रिय	9	15	2	571
यं वैद्यमानी त्वबुधो	सूत्र	16	4	1	300
यः कषायः कषायः	चिकित्सा	3	163	3	160
यः कुमारशिरा नाम	सूत्र	26	4	1	445
यः पिपासाज्वरार्तस्य	सूत्र	18	11	1	340
यः पीतनेत्रवक्त्रत्वक्	सूत्र	18	12	1	340
यः सक्तोऽविनये पट्टैः	चिकित्सा	9	30	3	422
यः सन्निपातप्रभवो	चिकित्सा	9	15	3	413
यः स्थानसंस्थानरुजां	चिकित्सा	5	10	3	255
यः स्पन्दते पिण्डित	चिकित्सा	5	19	3	259
यः स्याद्रसविकल्पज्ञः	सूत्र	26	27	1	458
य इच्छेदक्षयं शुक्रं	चिकित्सा	2/1	38	3	78
य इमे द्विविधाः प्रोक्ताः	चिकित्सा	17	4	4	117
य एव ग्रहणीदोषे	चिकित्सा	5	163	3	292
य एव विधिरुद्दिष्टो	चिकित्सा	21	139	4	299
य एवाश्मघनस्वेद	सूत्र	14	55	1	282
यक्ष्मपीनसमेहादीन्	चिकित्सा	15	48	4	26
यक्ष्माणं तमकं श्वासं	चिकित्सा	11	65	3	474
यच्च नावनिकं तैलं	चिकित्सा	3	255	3	193

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
यच्च शीतज्वरे तैल	चिकित्सा	28	179	5	68
यच्च सर्पिर्महातिक्तं	चिकित्सा	21	62	4	282
यच्चानुत्सृज्य विण्मूत्रं	सूत्र	26	97	1	486
यच्चान्यत् कुष्ठघ्नं	चिकित्सा	7	166	3	360
यच्चान्यदपि किञ्चित्	इन्द्रिय	1	25	2	525
यच्चान्यदपि किञ्चिद्	सूत्र	8	34	1	182
यच्चान्यदीदृशं कर्म	शारीर	1	108	2	337
यच्चापि देशकालाग्नि	सूत्र	26	86	1	485
यच्चूर्णं गुटिका याश्च	चिकित्सा	5	162	3	292
यच्चोक्तं क्षयकासघ्नं	चिकित्सा	26	289	4	546
यच्चोक्तं यक्ष्मिणां पथ्यं	चिकित्सा	11	94	3	480
यच्चोपदेक्ष्यते किञ्चिद्	चिकित्सा	9	95	3	439
यच्चोपदेक्ष्यते पथ्यं	चिकित्सा	8	183	3	405
यच्चोभयाभ्यां मार्गाभ्यां	चिकित्सा	4	18	3	226
यज्जःपुरुषसंख्यातो	सूत्र	30	42	1	606
यज्ञोपवीतप्रतिमाः प्रभूताः	चिकित्सा	12	91	3	512
यज्ञौही या यया शक्रः	चिकित्सा	24	4	4	385
यतो यावन्ति यैर्द्रव्यैः	सूत्र	4	23	1	103
यत्काकणन्तिकावर्णं	चिकित्सा	6	20	3	323
यत्किञ्चित् कफवातघ्न	चिकित्सा	17	147	4	153
यत् किञ्चिद्दोषमास्राव्य	सूत्र	26	85	1	485
यत् किञ्चिन्मधुरं स्निग्धं	चिकित्सा	2/4	36	3	101
यत् कृष्णमथवा नीलं	निदान	2	24	2	41
यत्तदेव त्रिदोषस्य	चिकित्सा	30	220	5	184
यत्तु कर्म सुखोपाय	चिकित्सा	14	37	3	589
यत्तु पित्तोल्बणं रक्तं	चिकित्सा	14	184	3	619
यत्तु प्रक्षीणदोषस्य	चिकित्सा	14	183	3	618
यत्तु रोगसमुत्थान	सूत्र	28	44	1	583
यत् परस्परतोऽभिन्नं	चिकित्सा	7	175	3	362
यत्प्रभावा भगवती	चिकित्सा	24	207	4	430
यत् सारमादौ गर्भस्य	सूत्र	30	10	1	595
यत्र च सन्निहितोऽयं	चिकित्सा	23	88	4	347
यत्राश्रिताः कर्मगुणाः	सूत्र	1	51	1	37

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
यत्रिदोषमसाध्यं तत्	चिकित्सा	4	14	3	225
यत्रैकः स्मृतिविभ्रंश	चिकित्सा	24	57	4	396
यत्रोक्तं साधनं साध्ये	सिद्धि	12	34	6	432
यथाकर्मप्रयोगेण	चिकित्सा	3	122	3	143
यथाक्रमं क्षीरगुणा	सूत्र	1	113	1	56
यथाक्रमं यथाप्रश्नं	चिकित्सा	3	346	3	220
यथाक्रमं यथायोग्य	सूत्र	7	48	1	158
यथाक्रमं वातपित्ते	चिकित्सा	1/3	61	3	51
यथाग्नि भक्षयेत्काले	चिकित्सा	24	176	4	422
यथा चाकालमरणं	विमान	3	51	2	160
यथाऽण्डं तरुणं पूर्णं	सिद्धि	12	5	6	395
यथाऽद्रिकुञ्जेष्वर्कांशु	चिकित्सा	17	73	4	135
यथा न भिन्द्याद्वुलिका	चिकित्सा	2/4	13	3	97
यथा नानौषधं किञ्चिद्	सूत्र	27	330	1	559
यथा निरिन्धनो वह्नि	चिकित्सा	15	212	4	71
यथा पयो यथा सर्पि	सूत्र	26	47	1	470
यथा प्रज्वलितं वेस्म	निदान	1	38	2	31
यथा प्रज्वलितो वह्निः	चिकित्सा	3	274	3	201
यथा प्रयुक्तया चेष्ट्या	चिकित्सा	8	189	3	406
यथा प्रयोज्या मात्रा या	सूत्र	15	24	1	299
यथा बीजमकालाम्बु	चिकित्सा	30	134	5	163
यथा मदयते यैश्च	चिकित्सा	24	208	4	430
यथाऽमराणाममृतं	चिकित्सा	1	78	3	24
यथा मुकुलपुष्पस्य	चिकित्सा	2/4	39	3	101
यथार्हं स्निग्धकोष्ठेन	चिकित्सा	13	133	3	556
यथावयोऽङ्गुष्ठकनिष्ठिका	कल्प	3	9	6	207
यथा वाऽक्लेद्य मृत्पिण्ड	सूत्र	13	97	1	266
यथा विषं यथा शस्त्रं	सूत्र	1	124	1	59
यथा वृद्धैस्तथा क्षीणैः	सूत्र	17	43	1	317
यथासत्रं विकारस्य	चिकित्सा	21	70	4	283
यथा सुमनसां सूत्रं	सूत्र	30	89	1	618
यथास्थूलमनिर्वाह्य	चिकित्सा	1/4	36	3	64
यथास्वं विहितां तेषु	सिद्धि	9	110	6	361

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
यथास्वं स्वं च पुष्णन्ति	चिकित्सा	15	14	4	10
यथास्वेनात्मनाऽऽत्मानं	शारीर	1	77	2	331
यथास्वेनोष्मणा पाकं	चिकित्सा	8	39	3	371
यथास्वैरौषधैः सिद्धान्	सिद्धि	10	45	6	378
यथास्वैर्हेतुभिर्दुष्टा	चिकित्सा	25	10	4	436
यथास्वौषधसिद्धाभिः	चिकित्सा	3	150	3	154
यथाऽहं नाभिजानामि	चिकित्सा	23	93	4	347
यथा ह्यल्पेन यत्नेन	निदान	5	14	2	76
यथेरितानां दोषाणां	सूत्र	5	38	1	116
यथेष्टाहारचेष्टस्य	सिद्धि	4	53	6	247
यथोक्तगुणयुक्तानां	कल्प	2	5	6	29
यथोपपत्ति सप्ताहं	कल्प	10	13	6	94
यथोपेतं पुनर्मद्यं	चिकित्सा	24	28	4	390
यथोल्बणस्य दोषस्य	चिकित्सा	5	28	3	262
यदतो विपरीतं स्यात्	चिकित्सा	14	248	3	631
यदन्तरीक्षात् पततीन्द्र	सूत्र	27	201	1	529
यदन्नं देहधात्वोजो	चिकित्सा	15	5	4	3
यदन्यधातुसंसृष्टं	चिकित्सा	30	151	5	168
यदर्थं यानि चास्येन	सूत्र	5	109	1	129
यदसेव्यं विशुद्धेन	सूत्र	15	25	1	299
यदा तु मनसि क्लान्ते	सूत्र	21	35	1	381
यदा तु रक्तवाहीनि	सूत्र	24	25	1	408
यदा तु सर्वच्छिद्रेभ्यो	चिकित्सा	4	7	3	226
यदा दाहार्तितोदार्तो	चिकित्सा	27	19	5	6
यदा दोषनिमित्तस्य	निदान	8	14	2	104
यदा न सेव्याः प्रमदाः	चिकित्सा	2/4	53	3	105
यदाऽनिलं प्रकृतिगं	सूत्र	17	48	1	319
यदा वायुर्विबद्धश्च	चिकित्सा	19	94	4	235
यदा विरेचनं पीतं	सिद्धि	6	86	6	288
यदाऽसौ समवस्कन्द्य	सिद्धि	9	22	6	336
यदा स्रोतांसि संरुध्य	चिकित्सा	17	45	4	128
यदाहारगुणैः पानं	सूत्र	27	319	1	557
यदिदं कर्म निर्दिष्टं	चिकित्सा	24	189	4	425

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
यदिहास्ति तदन्यत्र	सिद्धि	12	54	6	447
यदुक्तं भेषजाध्याये	चिकित्सा	3	254	3	193
यदुक्तं वातगुल्मघ्नं	चिकित्सा	5	152	3	290
यदृच्छया समापन्न	सूत्र	9	17	1	189
यद्द्वादशभिरध्यायैः	इन्द्रिय	12	40	2	589
यद्द्विदोषानुगं यद्वा	चिकित्सा	4	21	3	227
यद्धि मानं तुला प्रोक्ता	कल्प	12	99	6	132
यद्धि येन प्रधानेन	कल्प	12	43	6	115
यद्यच्च किञ्चिन्मनसः	चिकित्सा	2/2	31	3	87
यद्यच्छक्यं मनुष्येण	सूत्र	15	21	1	298
यद्यत् संतर्पणं शीत	चिकित्सा	11	93	3	480
यद्यदागच्छति क्षिप्रं	सूत्र	27	310	1	555
यद्वत् कुसुम्भसंमिश्रा	सिद्धि	7	65	6	307
यद्वायोरानुलोम्याय	चिकित्सा	14	247	3	631
यन्मात्रः पतते बिन्दुः	चिकित्सा	23	138	4	359
यमकस्योपरि क्षीरं	चिकित्सा	19	48	4	225
यमुद्दिश्यातुरं वैद्यं	इन्द्रिय	12	6	2	583
यया नो पैत्यहङ्कारं	शारीर	5	18	2	423
यया वियुक्तो निस्त्रीक	चिकित्सा	2/1	12	3	73
यवकोलकुलत्थानां	सूत्र	13	94	1	266
यवकोलकुलत्थानां	चिकित्सा	28	120	5	55
यवकोलकुलत्थानां	चिकित्सा	28	176	5	67
यवकोलकुलत्थानां	सूत्र	13	84	1	264
यवका हायनाः पांसु	सूत्र	27	12	1	494
यवक्षाराजमोदे च	चिकित्सा	30	55	5	144
यवगोधूममाध्वीक	चिकित्सा	8	120	3	392
यवगोधूममृद्वीका	चिकित्सा	18	136	4	188
यवगोधूमशालीनां	चिकित्सा	21	114	4	292
यवगोधूमशाल्यन्नैः	चिकित्सा	8	69	3	380
यवचूर्णं समधुकं	चिकित्सा	21	80	4	285
यवचूर्णं समधुकं	चिकित्सा	25	78	4	457
यवचूर्णैः ससर्पिष्कैः	चिकित्सा	25	112	4	464
यवाः कुलत्थाः कोलानि	सिद्धि	10	20	6	372

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
यवागूं पयसा सिद्धां	चिकित्सा	13	166	3	562
यवागूं विधिना सिद्धां	चिकित्सा	17	103	4	144
यवागूभिर्विलेपीभिः	चिकित्सा	19	25	4	220
यवाग्वोदनलाजार्थे	चिकित्सा	3	179	3	166
यवानां चूर्णमादाय	चिकित्सा	11	19	3	463
यवानां मुद्गमाषाणां	चिकित्सा	19	35	4	222
यवानीं चाजमोदां च	चिकित्सा	14	73	3	597
यवानीं तिन्तिडीकं च	चिकित्सा	8	141	3	397
यवानीं नागरं पाठां	चिकित्सा	14	99	3	602
यवानीचव्यहिङ्ग्वम्ल	चिकित्सा	9	55	3	430
यवानी चार्जकश्चैव	सूत्र	27	170	1	522
यवानीचूर्णितं तक्रं	चिकित्सा	5	168	3	293
यवानी तिन्तिडीकं	चिकित्सा	8	138	3	396
यवानीपिप्पलीबिल्व	चिकित्सा	18	77	4	176
यवान्कुलत्थान्कोलानि	सिद्धि	7	51	6	304
यवान्युशीराण्यभया	चिकित्सा	6	29	3	306
यवासकुशकासानां	चिकित्सा	14	225	3	627
यवासागुरुपत्तङ्ग	चिकित्सा	26	210	4	528
यवैः श्यामात्रिवृत्क्वाथ	कल्प	7	72	6	77
यवैः स्विन्नैः कषायं तं	चिकित्सा	18	59	4	171
यशस्विनं ब्रह्मतपो	चिकित्सा	20	3	4	243
यशो लोकाः सुखोदर्का	चिकित्सा	2/1	22	3	75
यश्च पश्यत्यदृश्यान् वै	इन्द्रिय	4	18	2	540
यश्च मद्यकृतः प्रोक्तो	सूत्र	24	34	1	409
यश्चाग्निः पूर्वमुद्दिष्टो	चिकित्सा	15	71	4	33
यश्चापि गुह्यप्रभवः	सूत्र	18	17	1	341
यश्चाप्यरुणवर्णाभः	सूत्र	18	10	1	340
यष्टीमधुकमृद्वीका	चिकित्सा	30	271	5	195
यष्ट्याह्वचन्दनानन्ता	चिकित्सा	26	179	4	521
यष्ट्याह्वनागबलयो	चिकित्सा	11	33	3	465
यष्ट्याह्वयस्याष्टपलेन	कल्प	3	46	6	225
यष्ट्याह्वलोध्रपद्म	चिकित्सा	7	131	3	352
यष्ट्याह्वलोध्राभय	कल्प	3	47	6	225

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
यष्ट्याह्विकातिक्तक	चिकित्सा	26	91	4	494
यस्तु गुग्गुलुकाभासा	चिकित्सा	1/3	59	3	51
यस्तु दोषविकल्पज्ञो	चिकित्सा	24	190	4	425
यस्तु पादाभिनिर्वृत्तः	सूत्र	18	16	1	341
यस्तु प्रागेव रोगेभ्यः	निदान	5	13	2	76
यस्तु रोगमविज्ञाय	सूत्र	20	21	1	372
यस्तु रोगविशेषज्ञः	सूत्र	20	22	1	372
यस्तु श्वसिति विच्छिन्नं	चिकित्सा	17	52	4	130
यस्त्वग्निकल्पानर्थान्	शारीर	1	97	2	335
यस्त्वाहारं शरीरस्य	निदान	4	52	2	66
यस्मात् समुपलभ्यन्ते	शारीर	1	73	2	329
यस्माद्विवर्धयत्याशु	चिकित्सा	30	208	5	181
यस्मिंश्च दूते ब्रुवति	इन्द्रिय	12	21	2	585
यस्य केशा निरभ्यङ्गाः	इन्द्रिय	8	9	2	565
यस्य गण्डावुपचितौ	इन्द्रिय	7	28	2	562
यस्य गोमयचूर्णाभं	इन्द्रिय	12	3	2	583
यस्य त्वयोगस्तं स्निग्धं	सूत्र	16	25	1	304
यस्य त्वेते गुणाः सर्वे	सूत्र	9	23	1	189
यस्य दर्शनमायाति	इन्द्रिय	4	8	2	539
यस्य द्वादशसाहस्त्री	सिद्धि	12	52	6	447
यस्य नाशात्तु नाशोऽस्ति	सूत्र	30	11	1	595
यस्य नीलावुभावोष्ठौ	इन्द्रिय	1	23	2	525
यस्य नोपद्रवं कुर्यात्	कल्प	4	41	6	244
यस्य पर्युषितं मूत्रं	निदान	4	15	2	58
यस्य पित्तं प्रकुपितं	सूत्र	18	23	1	341
यस्य पित्तं प्रकुपितं	सूत्र	18	24	1	341
यस्य पित्तं प्रकुपितं	सूत्र	18	26	1	342
यस्य पित्तं प्रकुपितं	सूत्र	18	27	1	342
यस्य पित्तं प्रकुपितं	सूत्र	18	25	1	342
यस्य मूत्रं पुरीषं च	इन्द्रिय	6	11	2	555
यस्य यत् पानमन्नं च	कल्प	8	16	6	84
यस्य यस्य हि दोषस्य	चिकित्सा	23	166	4	366
यस्य वातः प्रकुपितः	सूत्र	18	31	1	342

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
यस्य वातः प्रकुपितः	सूत्र	18	32	1	342
यस्य वायुः प्रकुपितः	सूत्र	18	30	1	342
यस्य वायुः प्रकुपितो	सूत्र	18	29	1	342
यस्य वैकारिको वर्णः	इन्द्रिय	1	17	2	525
यस्य वै भाषमाणस्य	इन्द्रिय	6	5	2	553
यस्य शस्त्रकुशच्छिन्ना	सूत्र	18	14	1	340
यस्य शूनानि वर्त्मानि	इन्द्रिय	8	5	2	564
यस्य श्यावे परिध्वस्ते	इन्द्रिय	9	3	2	569
यस्य श्लेष्मा प्रकुपितः	सूत्र	18	20	1	341
यस्य श्लेष्मा प्रकुपितः	सूत्र	18	22	1	341
यस्य श्लेष्मा प्रकुपितो	सूत्र	18	19	1	341
यस्य श्लेष्मा प्रकुपितो	सूत्र	18	21	1	341
यस्य संहन्यते मूत्रं	निदान	4	16	2	58
यस्य सर्वाणि लिङ्गानि	चिकित्सा	21	28	4	265
यस्य स्नातानुलिप्तस्य	इन्द्रिय	12	5	2	583
यस्यानुबन्धस्त्वागन्तु	चिकित्सा	10	53	3	453
यस्योत्तमाङ्गे जायन्ते	इन्द्रिय	5	28	2	548
यस्योद्र्ध्वं कफसंसृष्टं	कल्प	12	70	6	124
यांश्च योगान् प्रवक्ष्यामि	चिकित्सा	21	53	4	580
याः सर्वगात्रेषु मसूरमात्राः	चिकित्सा	12	93	3	513
या च युक्तिश्चिकित्सायां	सूत्र	16	41	1	308
याति ताभ्यामुभाभ्यां	चिकित्सा	3	346	3	215
याति नाशेषतां व्याधि	निदान	8	34	2	108
याति ब्रह्म यया नित्य	शारीर	5	19	2	423
याऽत्यर्थं सेवते नारी	चिकित्सा	30	205	5	181
या देवानमृतं भूत्वा	चिकित्सा	24	7	4	385
यादृच्छिको मुमूर्षुश्च	कल्प	2	5	6	177
यानीहोक्तानि कर्माणि	चिकित्सा	21	141	4	299
या नोपरुन्ध्यादाहार	चिकित्सा	1	53	3	16
यान्यजग्धान्यपूतीनि	चिकित्सा	1	40	3	15
याभिः क्रियाभिर्जायन्ते	सूत्र	16	34	1	307
या यदिन्द्रियमाश्रित्य	शारीर	1	32	2	319
या या यथाप्रभावा च	सूत्र	21	62	1	386

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
यावकाः सक्तवश्चैव	चिकित्सा	21	78	4	285
यावगौधूमिकं चान्नं	चिकित्सा	24	170	4	422
यावत् स्यात्तन्तुमत्तोये	कल्प	3	18	6	38
यावन्नोत्पद्यते सत्या	शारीर	1	153	2	349
या वश्या शिक्षिताया	चिकित्सा	2/1	8	3	72
या वातमेहान्प्रति पूर्व	चिकित्सा	6	52	3	312
याश्च स्त्रियो वातकृतोप	सिद्धि	1	34	6	161
याश्चापि पुनरावृत्तं	चिकित्सा	3	9	3	108
याश्छर्दयः पञ्च पुरा	चिकित्सा	20	4	4	243
या समानगुणाभ्यास	सूत्र	26	92	1	486
या सुरासुरगन्धर्व	चिकित्सा	24	10	4	385
यास्तु क्षेत्रगुणैस्तेषां	चिकित्सा	1/4	11	3	60
युक्तं गोधूमचूर्णेन	चिकित्सा	2/3	7	3	89
युक्तं प्लीहोदरी जातं	चिकित्सा	13	105	3	550
युक्तं भुक्तवतो युक्तो	चिकित्सा	15	51	4	27
युक्तं सशर्करं पीत्वा	चिकित्सा	2/3	10	3	89
युक्तस्नेहं द्रवोष्णं च	कल्प	4	42	6	244
युक्तानि लेहवत् कुम्भे	चिकित्सा	1/3	18	3	44
युक्तिज्ञः शोधनैस्तीक्ष्णैः	चिकित्सा	16	118	4	111
युक्तिमेतां पुरस्कृत्य	शारीर	1	94	2	334
युक्तेऽन्नकाले क्षुत्क्षामं	चिकित्सा	19	23	4	219
युक्त्या जाङ्गलजैर्मांसैः	चिकित्सा	27	40	5	11
युक्त्या तस्मान् निषेवेत	सिद्धि	12	32	6	432
युक्त्या युक्तं ससूक्ष्मैलं	चिकित्सा	2/2	25	3	86
युगपच्चानुपद्यन्ते	चिकित्सा	3	57	3	127
युगपत् षड्रसं षण्णां	सिद्धि	8	35	6	320
युगे युगे धर्मपादः	विमान	3	25	2	150
युज्यते तु कषायेण	सूत्र	26	21	1	455
युञ्ज्यात् प्रधमनैर्नस्यैः	सिद्धि	7	46	6	303
युञ्ज्याद्द्रव्याणि बस्ति	सिद्धि	10	14	6	369
युद्धाध्ययनभाराध्व	चिकित्सा	8	14	3	366
यूषा रसाः काम्बलिका	चिकित्सा	20	43	4	256
यूषार्थे यूषसात्म्यानां	चिकित्सा	3	189	3	170

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
यूषेण मूलकानां तं	चिकित्सा	19	31	4	221
यूषैः रसैर्वा मन्दाम्ल	चिकित्सा	13	63	3	539
यूषैर्ग्राम्याम्बुजानूप	चिकित्सा	28	77	5	43
यूषैर्मांसरसैर्वाऽपि	चिकित्सा	14	81	3	598
यूषैर्मांसरसैश्चापि	चिकित्सा	13	88	3	544
ये च पित्तज्वरहरा	चिकित्सा	5	132	3	286
ये च मद्यकृता दोषा	चिकित्सा	24	209	4	430
ये च वातात्मकाः रोगाः	सिद्धि	9	94	6	357
ये चान्ये विविधात्मानो	इन्द्रिय	2	14	2	530
ये तुल्यशीला ये भक्ता	चिकित्सा	2/3	23	3	92
ये तु वृद्धाश्च बालाश्च	सूत्र	13	38	1	253
ये तु शास्त्रविदो दक्षाः	सूत्र	29	13	1	591
ये त्वेनमनुवर्तन्ते	निदान	7	20	2	97
येन चोपहतो रक्तं	निदान	2	26	2	42
येन नारीषु सामर्थ्यं	चिकित्सा	2/4	51	3	105
येनैव विधिना तैलं	चिकित्सा	25	94	4	459
येनौजसा वर्तयन्ति	सूत्र	30	9	1	595
ये भूतविषवाय्वग्नि	सूत्र	7	51	1	159
येभ्यो यदा हिता निद्रा	सूत्र	21	61	1	386
येभ्यो येभ्यो हितो यो	सूत्र	13	51	1	257
ये यथा चानुमानेन	विमान	4	14	2	170
ये रसायनसंयोगाः	चिकित्सा	1/4	39	3	65
ये लेपाः कुष्ठानां	चिकित्सा	7	53	3	333
ये विष्किरा ये प्रतुदा	चिकित्सा	6	19	3	304
ये श्लेष्ममेहे विहिताः	चिकित्सा	6	23	3	305
येषां त्वेष क्रमस्तानि	चिकित्सा	3	178	3	166
येषां द्वन्दे परा सक्ति	शारीर	1	69	2	328
येषां मध्यबला रोगा	सूत्र	22	20	1	390
येषां न मृत्युसामान्यं	विमान	3	13	2	145
येषां येषां प्रशान्त्यर्थं	विमान	8	147	2	304
येषां यस्मात्पञ्चकर्मा	कल्प	2	3	6	176
येषामेव हि भावानां	सूत्र	25	29	1	418
येषु न शस्त्रं क्रमते	चिकित्सा	7	54	3	334

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
ये सहायाः सुखाः पाने	चिकित्सा	24	210	4	430
यैर्विन्दति पुरा भावैः	इन्द्रिय	8	21	2	567
यैर्हेतुभिर्ये प्रभवन्ति	चिकित्सा	6	53	3	313
यैषा पृथक्त्वेन मया	चिकित्सा	20	40	4	255
योगः सम्यक्प्रवृत्तिः	सिद्धि	6	31	6	272
योगमासां तु यो	सूत्र	1	123	1	59
योगराज इति ख्यातो	चिकित्सा	16	85	4	103
योगवित्त्वप्यरूपज्ञ	सूत्र	1	122	1	59
योगांस्त्रपोऽतः षड्	चिकित्सा	10	43	3	451
योगाः षडेते सक्षौद्रा	चिकित्सा	19	55	4	227
योगाः ह्यायुः प्रकर्षार्था	चिकित्सा	1/4	37	3	64
योगा इक्ष्वाकुकल्पे ते	कल्प	3	23	6	40
योगादपि विषं तीक्ष्णं	सूत्र	1	126	1	60
योगान् संशुद्धकोष्ठानां	चिकित्सा	8	89	3	384
योगा हरितपाण्डूनां	कल्प	3	7	6	35
योगे निरूहास्त्रय एव	कल्प	1	49	6	167
योगे मोक्षे च सर्वासां	शारीर	1	137	2	345
योगैश्च कल्पविहितैः	चिकित्सा	29	87	5	109
योऽग्नयो यांश्च पुष्यन्ति	चिकित्सा	15	245	4	78
योऽग्निं प्रकृतिवर्णस्थं	इन्द्रिय	4	11	2	540
योज्यश्चामातिसारघ्नो	चिकित्सा	19	103	4	237
योज्यश्चाहारसंसर्गो	चिकित्सा	5	51	3	268
यो दन्तमांसेषु तु रक्त	चिकित्सा	12	78	3	508
योनिः स्थानापवृत्ता हि	चिकित्सा	30	45	5	141
योनिगर्भाशयस्थं चेत्	चिकित्सा	30	17	5	133
योनिगर्भाशयस्थाः स्वै	चिकित्सा	30	15	5	132
योनिदोषं रजोदोषं	चिकित्सा	30	95	5	152
योनिदोषमपस्मार	चिकित्सा	29	109	5	113
योनिपार्श्वातिहृद्रोग	चिकित्सा	30	56	5	144
योनिप्रदोषान्मनसो	शारीर	2	7	2	352
योनिरष्टविधा चोक्ता	चिकित्सा	8	159	3	401
योनिरष्टविधा त्वेषा	सूत्र	27	56	1	503
योनिशुक्रप्रदोषेषु	सूत्र	1	111	1	56

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
योनिशूलेषु तीव्रेषु	सिद्धि	9	64	6	347
योनिसंस्कारनामाद्यैः	चिकित्सा	24	6	4	385
योनीनां वातलाद्यानां	चिकित्सा	30	227	5	185
योन्यर्शोग्रहणीदोष	चिकित्सा	5	73	3	273
योन्यामधावनात् कण्डूं	चिकित्सा	30	18	5	133
यो भूतविषवातानाम्	शारीर	1	121	2	341
यो रसः प्रकृतिस्थानां	इन्द्रिय	2	18	2	531
यो रसान्न विजानाति	इन्द्रिय	4	22	2	542
यो वदेत् स वदेद्देहं	शारीर	1	44	2	322
योऽस्य वक्त्ररसस्तस्माद्	चिकित्सा	3	158	3	157
यो हि भुंक्ते विधिं	चिकित्सा	15	41	4	23
यो हि सम्यङ्न जानाति	चिकित्सा	30	340	5	220
यो ह्येतत्त्रितयं ज्ञात्वा	सूत्र	18	47	1	345
र					
रक्तं तु यदधोभागं	निदान	2	15	2	39
रक्तं प्रमाणमुत्क्रम्य	चिकित्सा	30	207	5	181
रक्तं मांसं च गोधायाः	चिकित्सा	23	186	4	370
रक्तं लसीका त्वङ्मांसं	चिकित्सा	21	15	4	262
रक्तं वातकफाद्दुष्टं	सिद्धि	9	41	6	342
रक्तं विवद्धमार्गत्वात्	चिकित्सा	8	58	3	377
रक्तं श्यावं सदाहर्ति	चिकित्सा	7	26	3	325
रक्तं सकण्डु सस्फोटं	चिकित्सा	7	24	3	325
रक्तं सपित्तं तमकं	चिकित्सा	4	74	3	241
रक्तं हरितवर्णं वा	सूत्र	24	37	1	409
रक्तं हि विषाधानं	चिकित्सा	23	42	4	337
रक्तजे स्वरभेदे तु	चिकित्सा	26	288	4	546
रक्तनिष्ठीवने.तापे	चिकित्सा	11	61	3	472
रक्तपित्तं कषायाभं	चिकित्सा	4	12	3	223
रक्तपित्तं तु यन्मार्गौ	निदान	2	18	2	40
रक्तपित्तं ज्वरं तृष्णा	चिकित्सा	14	178	3	617
रक्तपित्तं ज्वरं दाहं	चिकित्सा	16	49	4	95
रक्तपित्तकफघ्नस्तु	कल्प	5	6	6	49
रक्तपित्तकफोत्क्लेदि	सूत्र	27	284	6	550

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
रक्तपित्तकरं बाल	सूत्र	27	139	1	516
रक्तपित्तकरैर्नार्या	चिकित्सा	30	16	5	133
रक्तपित्तहरं क्षारं	चिकित्सा	5	177	3	294
रक्तपित्तहरैर्योगैः	चिकित्सा	30	147	5	167
रक्तपित्तातिवृद्धत्वात्	चिकित्सा	5	39	3	265
रक्तपित्तातिवृद्ध्या तु	चिकित्सा	29	161	5	127
रक्तपित्तादिरोगेषु	सिद्धि	9	95	6	357
रक्तपित्ते हितान्	चिकित्सा	4	42	3	233
रक्तपित्तोत्तरं दृष्ट्वा	चिकित्सा	21	118	4	294
रक्तपित्तोत्तरे चोष्णैः	चिकित्सा	29	48	5	102
रक्तपुष्पं वनं भूमिं	इन्द्रिय	5	36	2	549
रक्तमार्गं निहन्त्याशु	चिकित्सा	29	35	5	98
रक्तमार्गविरोधिन्या	चिकित्सा	30	28	5	136
रक्तमार्गेण सृजति	चिकित्सा	30	222	5	184
रक्तमाली हसन्नुच्चैः	इन्द्रिय	5	37	2	549
रक्तयोन्यरजस्कानां	चिकित्सा	30	101	5	154
रक्तविण्मूत्रता दाहः	चिकित्सा	3	95	3	137
रक्तशालिर्महाशालिः	सूत्र	27	8	1	493
रक्तशालिर्महाशालिः	चिकित्सा	14	95	3	602
रक्तशालिर्वरस्तेषां	सूत्र	27	11	1	494
रक्तशाल्योदनं दद्याद्	चिकित्सा	14	127	3	607
रक्तस्रग्रक्तसर्वाङ्गो	इन्द्रिय	5	11	2	545
रक्ताः श्वेता महाह्वाश्च	चिकित्सा	21	113	4	292
रक्तातिसारिणां यच्च	चिकित्सा	30	228	5	185
रक्तापित्तानिला दुष्टाः	सिद्धि	9	71	6	349
रक्तार्शांस्यतिसारं रक्तं	चिकित्सा	14	192	3	620
रक्तावसेकाच्छास्त्राणां	सूत्र	24	58	1	412
रक्तावसेकैर्मद्यैश्च	चिकित्सा	3	319	3	215
रक्तेऽतिवर्तमाने दाहे	चिकित्सा	14	215	3	625
रक्तेऽतिवृत्ते दक्षाण्डं	चिकित्सा	11	25	3	464
रक्तेन कन्यामधिकेन पुत्रं	शारीर	2	12	2	354
रक्ते प्रदुष्टे ह्यवपीड	चिकित्सा	4	98	3	248
रक्ते रक्तेन पित्ते तु	सिद्धि	8	25	6	316

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
रक्ते विषप्रदुष्टे दुष्येत्	चिकित्सा	23	40	4	337
रक्ते स्रोतोभ्य आस्याद्वा	चिकित्सा	18	142	4	190
रक्तोद्भवे तूत्पलनालताल	चिकित्सा	26	73	4	489
रक्तोष्णाः पिडकास्तृष्णा	चिकित्सा	3	77	3	134
रक्षोघ्नतुम्बीकरहाट	चिकित्सा	26	15	4	472
रजः प्रदीर्यते यस्मात्	चिकित्सा	30	209	5	181
रजसा धूमवाताभ्यां	चिकित्सा	17	11	4	119
रजस्तमोभ्यां तु मनः	सूत्र	25	11	1	415
रजस्तमोभ्यां निर्मुक्ताः	सूत्र	11	18	1	210
रजस्तमोभ्यां युक्तस्य	शारीर	1	36	2	321
रजस्तमोभ्यां वृद्धाभ्यां	चिकित्सा	10	59	3	455
रजस्तमोभ्यां हि मनो	शारीर	2	38	2	361
रतिर्विषयसंयोगे	चिकित्सा	24	65	4	398
रत्नानां पूर्णकुम्भानां	इन्द्रिय	12	72	2	594
रमणीयान् स विषयान्	चिकित्सा	24	49	4	395
रसं जाङ्गलमांसस्य	चिकित्सा	3	248	3	191
रसः प्रधानधातुर्हि	चिकित्सा	30	184	5	175
रसः स्रोतःसु रुद्धेषु	चिकित्सा	8	43	3	372
रस इक्षौ यथा दध्नि	चिकित्सा	2/4	46	3	103
रसखडयूषयवागूसंयोग	चिकित्सा	14	208	3	624
रसजानां विकाराणां	सूत्र	28	25	6	579
रसजानि तु भूतानि	सूत्र	25	13	1	415
रसनार्थो रसस्तस्य	सूत्र	1	64	1	45
रसप्रदोषजा रोगा	सूत्र	28	11	6	576
रसमामलकानां वा	चिकित्सा	21	67	4	282
रसमेषां यथादोषं	सूत्र	23	13	1	396
रसरक्ताश्रितः साध्यो	चिकित्सा	3	83	3	135
रसवातादिमार्गाणां	चिकित्सा	24	35	4	391
रसवाहिनीश्च नालीर्जि	चिकित्सा	22	6	4	303
रसवीर्यविपाकानां	सूत्र	26	67	1	477
रसस्तथैवार्द्रकनागरस्य	चिकित्सा	12	49	3	499
रसस्य च न रागोऽस्ति	चिकित्सा	15	23	4	19
रसस्यामलकानां च	चिकित्सा	5	120	3	283

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
रसांश्च शूल्यानि च	चिकित्सा	20	36	4	253
रसाः पृथक् पृथग्ग्राह्याः	चिकित्सा	1/4	17	3	61
रसाः सप्रत्ययद्रव्याः	सूत्र	1	138	1	62
रसाख्यं धातुमन्वेत्य	चिकित्सा	3	130	3	145
रसाञ्जनं च लाक्षां	चिकित्सा	30	97	5	153
रसाञ्जनं सप्रपुनाडबीजं	सूत्र	3	13	1	77
रसात्ममातापितृसंभवानि	शारीर	2	33	2	360
रसात्स्तन्यं ततो रक्तं	चिकित्सा	15	17	4	14
रसादीनां संक्षयाच्च	चिकित्सा	30	178	5	174
रसाद्रक्तं ततो मांसं	चिकित्सा	15	16	4	11
रसान् द्रव्याणि दोषांश्च	विस्थापन	1	26	2	131
रसायनमिदं ब्राह्म	चिकित्सा	1	57	3	17
रसायनमिदं श्रेष्ठं	चिकित्सा	29	120	5	116
रसायनविधिभ्रंशात्	चिकित्सा	1/4	29	3	63
रसायनस्यास्य नरः	चिकित्सा	1	74	3	20
रसायनानां द्विविधं	चिकित्सा	1	16	3	10
रसायनानां विधिवत्	विस्थापन	3	14	2	145
रसायनानां वृष्याणां	सूत्र	21	33	1	380
रसायनानां संयोगाः	चिकित्सा	1/2	23	3	39
रसा लवणवर्ज्याश्च	सूत्र	4	24	1	103
रसाला बृंहणी वृष्या	सूत्र	27	278	6	548
रसे च दशमूलस्य	कल्प	12	15	6	108
रसे तस्मिन् घृतप्रस्थं	चिकित्सा	2/1	35	3	77
रसे तस्मिन् पचेत् सर्पिः	चिकित्सा	9	43	3	427
रसे दन्त्यजशृङ्ग्योश्च	कल्प	12	11	6	107
रसेन क्षीरतुल्येन	चिकित्सा	30	65	5	146
रसेन मातुलुङ्गस्य	चिकित्सा	5	88	3	276
रसेन वाते प्रतिभोजनं	सिद्धि	3	70	6	231
रसे हरेणुकानां वा	चिकित्सा	4	47	3	233
रसेनामलकेक्षूणां	चिकित्सा	5	122	3	283
रसैश्चोपहितः स्नेहः	सूत्र	13	27	1	252
रसैस्तथा जाङ्गलजैः	सिद्धि	1	9	6	142
रसो निपाते द्रव्याणां	सूत्र	26	66	1	477

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
रसो वा कटुकस्तीव्रो	इन्द्रिय	12	23	2	585
रागषाड़वसंयोगैः	चिकित्सा	24	132	4	415
राजभी राजमात्रैश्च	सूत्र	27	208	6	530
राजमाषः सरो रुच्यः	सूत्र	27	25	1	497
रात्रिस्वभावप्रभवा	सूत्र	21	59	1	386
रात्रौ जागरणं रूक्षं	सूत्र	21	50	1	384
रात्रौ तु हृदये म्लाने	चिकित्सा	15	241	4	77
रात्रौ बद्धं दिवा मुञ्चेत्	सूत्र	14	38	1	276
रास्नां बलां पञ्चमूलं	चिकित्सा	17	96	4	142
रास्ना गुडूची मधुकं	सूत्र	3	22	1	79
रास्नापिण्डैः सुखोष्णैर्वा	चिकित्सा	14	43	3	590
रास्नामृतैरण्डविडङ्ग	सिद्धि	3	61	6	229
रास्नावृषार्कत्रिफला	चिकित्सा	12	72	3	506
रास्नाशिरीषयष्ट्याह्व	चिकित्सा	28	172	5	66
रास्नाश्वगन्धातिबला	सिद्धि	3	39	6	223
रास्नासहस्रनिर्यूहे	चिकित्सा	28	165	5	64
रास्नास्थिरातामलकी	चिकित्सा	26	170	4	519
रास्नास्थिरादिभिः सिद्धं	चिकित्सा	26	160	4	517
रास्ना हरिद्रे नलदं	सूत्र	3	25	1	80
रिपुयुक्तेभ्यो नृभ्यः	चिकित्सा	23	106	4	352
रुक्पर्वणां भ्रमो	सूत्र	28	17	6	577
रुग्दाहरागतोदैश्च	चिकित्सा	25	52	4	451
रुग्दाहशूलतोदार्ता	चिकित्सा	29	37	5	98
रुग्विदाहान्वितोऽभीक्ष्णं	चिकित्सा	29	22	5	93
रुचकादर्शसिद्धार्थ	इन्द्रिय	12	77	2	594
रुजः स्रावाश्च गन्धाश्च	चिकित्सा	25	109	4	464
रुजः स्रोतःस्वरुद्धेषु	चिकित्सा	24	120	4	412
रुजस्तीव्राः ससंतापा	चिकित्सा	28	31	5	28
रुणद्धि हृदयं शूलैः	सिद्धि	7	23	6	297
रुणद्ध्युच्छ्वासमार्गं तु	चिकित्सा	17	30	4	124
रुद्ध्वा स्वेदाम्बुवाहीनि	चिकित्सा	13	20	3	524
रुद्रस्य प्रमथा नाम	चिकित्सा	9	92	3	439
रुधिरं मार्गमाजं वा	चिकित्सा	19	74	4	231

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
रुधिरागमार्थमथवा	चिकित्सा	7	52	3	333
रुधिरेऽतिप्रवृत्ते तु	चिकित्सा	5	180	3	294
रुधिरेऽतिप्रवृत्ते तु	चिकित्सा	25	101	4	462
रूक्षं तेजो ज्वरकरं	चिकित्सा	3	217	3	181
रूक्षं परिणतं पद्यं	चिकित्सा	24	90	4	405
रूक्षं विरेचनं पीतं	सिद्धि	6	90	6	289
रूक्षं स्वादु कषायाम्लं	सूत्र	27	148	1	516
रूक्षः कषायानुरसो	सूत्र	27	20	1	496
रूक्षः शीतोऽगुरुः	सूत्र	27	19	1	496
रूक्षः शीतो लघुः सूक्ष्म	सूत्र	1	59	1	43
रूक्षतिक्तकषायाति	चिकित्सा	30	136	5	164
रूक्षनित्यस्तु दीप्ताग्नि	सिद्धि	4	46	6	245
रूक्षबद्धपुरीषाय	चिकित्सा	3	173	3	164
रूक्षबह्वनिलक्रूर	कल्प	12	79	6	127
रूक्षव्यायामजं गुल्मं	चिकित्सा	5	21	3	260
रूक्षशीतकषायाल्प	चिकित्सा	18	10	4	158
रूक्षशीताल्पलघ्वन्न	चिकित्सा	28	15	5	23
रूक्षस्यानिलजं कास	चिकित्सा	18	32	4	165
रूक्षस्योद्वर्तनं स्नान	सूत्र	21	22	1	376
रूक्षाणां सुकुमाराणां	चिकित्सा	25	104	4	462
रूक्षात्यध्यशनात् पूर्वं	सिद्धि	9	74	6	350
रूक्षादिभिर्मारुतस्तु	चिकित्सा	30	211	5	182
रूक्षानाहारयोर्जीर्णैः	कल्प	12	75	6	126
रूक्षान्नपानं विषमाति	चिकित्सा	5	9	3	255
रूक्षान्नपानैरतिसेवितैर्वा	चिकित्सा	5	5	3	252
रूक्षान्नशीतान्नविरैक	चिकित्सा	9	9	3	411
रूक्षाम्लमुष्णं कौसुम्भं	सूत्र	27	110	1	511
रूक्षायासोद्भवः कोष्ठे	चिकित्सा	17	65	4	134
रूक्षाल्पभोजनायास	चिकित्सा	13	23	3	525
रूक्षाशनाः कर्मनित्याः	कल्प	12	81	6	128
रूक्षा वम्यतिसारघ्नी	सूत्र	27	242	6	539
रूक्षा श्यावारुणा या	इन्द्रिय	7	11	2	559
रूक्षोष्णं क्षीरमुष्ट्रीणां	सूत्र	27	220	6	533

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
रूक्षोष्णेनान्नपानेन	चिकित्सा	24	185	4	425
रूक्षोष्णैः केवलो वायुः	चिकित्सा	21	29	4	265
रूक्षौषधैरप्यपतर्पि	सिद्धि	3	64	6	229
रूपगन्धरसस्पर्शैः	चिकित्सा	24	83	4	404
रूपयौवनमत्ताभिः	चिकित्सा	24	16	4	387
रूपस्य सत्त्वस्य च	शारीर	2	42	2	363
रूपाणां भास्वतां दृष्टिः	शारीर	1	122	2	341
रूपाण्येकादशैतानि	चिकित्सा	8	46	3	372
रूपाद्धि रूपप्रभवः	शारीर	2	36	2	360
रूप्यस्य कटुकः श्वेतः	चिकित्सा	1/3	58	3	51
रेतः शुद्धं विजानीयात्	चिकित्सा	30	146	5	166
रेतसश्च प्रतीघाताद्	चिकित्सा	30	168	5	171
रेतोऽभिघातप्रभवे तु	चिकित्सा	26	69	4	488
रेतोऽभिघाताभिहतस्य	चिकित्सा	26	40	4	480
रेतोमूत्रपुरीषाणि	इन्द्रिय	11	11	2	578
रोगदोषबलापेक्षी	चिकित्सा	25	107	4	463
रोगमादौ परीक्षेत	सूत्र	20	20	1	372
रोगराट् सर्वभूतानां	चिकित्सा	3	345	3	220
रोगर्तुव्याधितापेक्षो	सूत्र	14	6	1	268
रोगांस्तेषां चिकित्सां च	सिद्धि	12	53	6	447
रोगाः कुतः संशमनं	शारीर	2	39	2	362
रोगाञ्जयेन्मध्यबलान्	सूत्र	22	23	1	390
रोगा येऽप्यत्र नोद्दिष्टा	चिकित्सा	30	291	5	200
रोगाश्चोत्सेधसामान्य	सूत्र	18	33	1	342
रोगास्तथा न जायन्ते	सूत्र	7	48	1	158
रोगास्तस्य तु पेयाः	सूत्र	5	36	1	115
रोगास्तस्य प्रवर्धन्ते	सूत्र	5	46	1	117
रोगास्तस्यापहर्तारः	सूत्र	1	16	1	19
रोगास्तस्योपजायन्ते	सूत्र	23	5	1	395
रोगेष्वेषु प्रयोज्यं स्यात्	कल्प	4	5	6	42
रोगैरेवंविधैर्ग्रस्तं	कल्प	10	6	6	92
रोगोपशान्तिः प्रकृति	सिद्धि	1	42	6	164
रोग्यवेक्षो यथा प्रातः	चिकित्सा	30	297	5	204

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
रोचनं दीपनं वृष्यं	सूत्र	27	225	6	535
रोचनं दीपनं वृष्यं	सूत्र	27	300	6	552
रोचनं दीपनं वृष्यम्	सूत्र	27	166	1	522
रोचनं दीपनं हृद्यं	सिद्धि	27	189	6	525
रोचनं दीपनं हृद्यं	चिकित्सा	24	62	4	398
रोचनो दीपनस्तीक्ष्णः	सूत्र	27	167	1	522
रोचनो दीपनो हृद्यः	सूत्र	27	155	1	517
रोचनो दीपनो हृद्यः	सूत्र	27	184	6	525
रोधाभिघातस्रवशोष	चिकित्सा	26	110	4	501
रोप्यः कुम्भीमुखश्चेति	चिकित्सा	25	25	4	441
रोमापगमनं ग्लानि	चिकित्सा	23	230	4	379
रोहिणीकटुकानिम्ब	चिकित्सा	5	115	3	282
रोहिणी कटुका मुस्ता	चिकित्सा	5	119	3	283
रोहिणी कामकाली च	सूत्र	27	44	1	500
रोहिणीमथवा कृष्णा	चिकित्सा	2/3	4	3	88
रोहिण्यामतिसक्तस्य	चिकित्सा	8	4	3	364
रोहितो दीपनीयश्च	सूत्र	27	86	1	506
रोहीतकत्वचा पृष्टैः	चिकित्सा	13	85	3	543
रोहीतकस्य पित्तेन	चिकित्सा	23	214	4	375
रौक्ष्यं शोषस्तोदः शूलं	चिकित्सा	7	34	3	328
रौक्ष्यात् कषायो रूक्षाणां	सूत्र	26	53	1	472
रौक्ष्यात् स्नेहं व्यवायि	चिकित्सा	24	33	4	391
रौक्ष्याद्वातमशैत्यात्पित्तं	चिकित्सा	23	25	4	330
रौधिरस्य तु गुल्मस्य	चिकित्सा	5	172	3	294
		ल			
लक्षणं चाकृतानां स्यात्	सूत्र	22	41	1	393
लक्षणं मनसो ज्ञान	शारीर	1	18	2	315
लक्षणं सर्वमेवैतत्	शारीर	1	30	2	318
लक्षणाचार्यशिष्याणां	विमान	8	152	2	309
लघवः शीतमधुराः	सूत्र	27	60	1	504
लघवो बद्धविण्मूत्राः	सूत्र	27	78	1	506
लघु रूक्षमाशु विशदं	चिकित्सा	23	24	4	330
लघूनि चान्नानि हितानि	चिकित्सा	7	82	3	341

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
लघून्यन्नानि संसृज्य	चिकित्सा	13	89	3	544
लघून्यहीनवीर्याणि	चिकित्सा	8	182	3	405
लघूष्णं वातलं रूक्षं	सूत्र	27	92	1	509
लघूष्णतीक्ष्णसूक्ष्माम्ल	चिकित्सा	24	30	4	390
लङ्घनं देशकालौ च	चिकित्सा	14	13	3	583
लङ्घनं पाचनं सामे	सिद्धि	6	63	6	281
लङ्घनं बृंहणं काले	सूत्र	22	4	1	387
लङ्घनं लङ्घनीयोक्तं	चिकित्सा	3	284	3	203
लङ्घनप्रभृतीनां च	सूत्र	22	8	1	387
लङ्घनप्लवनात्यध्व	चिकित्सा	28	16	5	23
लङ्घनायासरूक्षोष्ण	चिकित्सा	28	63	5	37
लङ्घनैः पाचनैर्दोष	चिकित्सा	24	196	4	428
लङ्घनोल्लेखने शस्ते	चिकित्सा	21	44	4	278
लट्टा लट्टूषकी	सूत्र	27	51	1	500
लता कण्टकिनी यस्य	इन्द्रिय	5	13	2	546
लतागौरीशताह्वाग्नि	सिद्धि	4	21	6	237
लभन्ते सुखमङ्गानि	चिकित्सा	3	176	3	165
ललाटे मूर्ध्नि बस्तौ	इन्द्रिय	11	13	2	579
लवणं सैन्धवं नोष्ण	सूत्र	26	49	1	471
लवणानि पलांशानि	चिकित्सा	15	121	4	47
लवणान्यजमोदां च	कल्प	7	41	6	69
लवणाम्लकटुक्षार	चिकित्सा	29	5	5	88
लवणाम्लकटूष्णांश्च	चिकित्सा	8	66	3	380
लवणाम्लकटूष्णानां	चिकित्सा	21	16	4	262
लवणाम्लकटूष्णानि	चिकित्सा	25	97	4	461
लवणोपहिताः स्नेहाः	सूत्र	13	98	1	267
लशुनं मुद्गचूर्णेन	चिकित्सा	26	150	4	514
लशुनस्य पलाण्डोर्वा	चिकित्सा	17	131	4	149
लशुनस्याविनष्टस्य	चिकित्सा	9	52	3	430
लशुनातिरसाचित्रा	चिकित्सा	10	35	3	449
लशुनानां शतं त्रिंशद्	चिकित्सा	9	49	3	429
लसीकाजलपूयासृग्	चिकित्सा	25	28	4	443
लाक्षां रसाञ्जनं मांसी	चिकित्सा	26	209	4	528

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
लाक्षां सर्पिर्मधूच्छिष्टं	चिकित्सा	11	17	3	463
लाक्षाधवपलाशत्वङ्	चिकित्सा	30	75	5	148
लाक्षारक्ताम्बराभं यः	इन्द्रिय	5	10	2	545
लाक्षारसनिभं शीतं	चिकित्सा	9	61	3	431
लाक्षारसाञ्जनैलाः	चिकित्सा	7	125	3	351
लाक्षासैन्धवमांसी	चिकित्सा	23	102	4	351
लाघवं कर्मसामर्थ्यं	सूत्र	7	32	1	152
लाजापेया पीता सचुक्रिका	चिकित्सा	14	199	3	622
लाजाऽमृतफला द्राक्षा	चिकित्सा	18	88	4	178
लाजालाक्षामधुद्राक्षा	चिकित्सा	17	136	4	150
लाभतश्चन्दनाद्यैश्च	सिद्धि	4	12	6	235
लालाप्रसेको हृल्लासः	चिकित्सा	3	135	3	147
लालालुः शूनवक्त्राक्षि	चिकित्सा	30	249	5	190
लालाहृल्लासविष्टम्भ	कल्प	12	77	6	126
लावतैत्तिरमायूर	सूत्र	13	83	1	264
लावाद्या विष्किरास्त्वेते	सूत्र	27	48	1	500
लावान् कपिञ्जलानेणान्	सूत्र	6	43	1	142
लावो वर्तीरकश्चैव	सूत्र	27	47	1	500
लिङ्गं पित्तावृतेऽपाने	चिकित्सा	28	230	5	82
लिङ्गं व्यानावृतेऽपाने	चिकित्सा	28	212	5	77
लिङ्गं व्याससमासाभ्यां	चिकित्सा	28	200	5	73
लिङ्गं सर्वास्वेतास्वनिल	चिकित्सा	22	24	4	310
लिङ्गमामस्य जीर्णस्य	चिकित्सा	3	7	3	108
लिङ्गान्यावेदयन्त्येता	चिकित्सा	8	27	3	368
लिङ्गान्युपद्रवा ये च	चिकित्सा	21	145	4	300
लिङ्गेभ्यो मरणाख्येभ्यो	इन्द्रिय	12	65	2	593
लिङ्गैः प्लीहृयधिकान्	चिकित्सा	13	76	3	543
लिप्ततिक्तास्यता तन्द्रा	चिकित्सा	3	89	3	137
लिह्यात् सर्पिर्मधुभ्यां च	कल्प	7	38	6	69
लिह्याद्या त्रैवृतं चूर्णं	चिकित्सा	3	231	3	187
लिह्याद्वाऽप्यभयाचूर्णं	चिकित्सा	30	274	5	196
लिह्याद्वा मधुना चूर्णं	चिकित्सा	27	39	5	10
लिह्यान्मरिचचूर्णं वा	चिकित्सा	18	180	4	200

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
लीढं निर्वापयेत् पित्त	चिकित्सा	11	53	3	470
लीयन्त एवं वलयश्च	सिद्धि	3	25	6	215
लीनं पक्वाशयस्थं वा	चिकित्सा	15	75	4	34
लीनश्चेद्दोषशेषः स्याद्	चिकित्सा	17	77	4	137
लुञ्चनं क्लेशलोम्नां च	सूत्र	24	47	1	411
लेखाभिश्चन्द्रवक्राभिः	इन्द्रिय	11	9	2	578
लेपः किलासहन्ता	चिकित्सा	7	171	3	360
लेपः सर्षपनिम्बार्क	चिकित्सा	29	148	5	124
लेपो रुग्दाहवीसर्प	चिकित्सा	29	135	5	121
लेपो ह्युपरि पट्टस्य	चिकित्सा	21	103	4	290
लेलीतकप्रयोगो रसेन	चिकित्सा	7	70	3	338
लेहः कोलास्थ्यञ्जन	चिकित्सा	23	97	4	350
लेहान् कासापहान्	चिकित्सा	8	95	3	384
लेहेऽरिष्टे घृते द्वे च	कल्प	8	18	6	84
लेहेऽष्टौ सप्त मांसे च	कल्प	6	14	6	56
लोके वाय्वर्कसोमानां	चिकित्सा	28	246	5	85
लोके विततमात्मानं	शारीर	5	20	2	423
लोणिका यवशाकं चं	सूत्र	27	102	1	511
लोणिकायाः सपाठायाः	चिकित्सा	19	33	4	221
लोध्रं चैतेषु गौड़ः स्यात्	चिकित्सा	16	106	4	108
लोध्रं तेजोवती पथ्या	चिकित्सा	26	217	4	530
लोध्रं शटीं पुष्करमूल	चिकित्सा	6	41	3	310
लोध्रकल्केन मूत्राम्ल	कल्प	9	16	6	89
लोध्रन्यग्रोधशुङ्गानि	चिकित्सा	25	110	4	464
लोध्रस्य धातकीनां	चिकित्सा	7	95	3	344
लोध्राम्बुकालीयक	चिकित्सा	6	31	3	307
लोपाकान् स्थूलनंकुलान्	चिकित्सा	8	152	3	399
लोपाको जम्बुकः श्येनो	सूत्र	27	36	1	499
लोभशोकभयक्रोध	सूत्र	7	27	1	151
लोमशे क्षीरसन्तानं	कल्प	2	6	6	29
लोमहर्षः प्रलापश्च	चिकित्सा	28	21	5	25
लोहितशालितण्डुल	चिकित्सा	22	42	4	315
लोहितशालिप्रस्थः	चिकित्सा	22	43	4	315

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
लौकिकं नाश्रयन्त्येते	सूत्र	28	38	1	581
व					
वंक्षणं च गुरुं चोभे	इन्द्रिय	10	11	2	574
वंशत्वगश्वगन्धा	चिकित्सा	23	80	4	347
वंशवेत्रकलायाश्च	चिकित्सा	30	257	5	192
वंशवेत्रलतापाश	इन्द्रिय	5	30	2	548
वक्ष्यन्ते कारणान्यष्टौ	शारीर	1	148	2	348
वक्ष्यन्ते यानि तैलानि	चिकित्सा	28	180	5	68
वचां च कार्षिकं पञ्च	चिकित्सा	15	174	4	60
वचां मुस्तमुशीरं च	चिकित्सा	3	205	3	179
वचां वंशत्वचं पाठां	चिकित्सा	23	212	4	375
वचांस्यतथ्यानि कृतघ्न	चिकित्सा	7	177	3	362
वचागोक्षुरकैरण्ड	चिकित्सा	28	161	5	63
वचाजगन्धात्रिफला	कल्प	7	54	6	72
वचानागरशट्येला	सिद्धि	7	18	6	296
वचान्तैरथवा कल्कैः	चिकित्सा	19	120	4	240
वचाप्रतिविषाभ्यां वा	चिकित्सा	19	22	4	219
वचाभयाचित्रकयाव	चिकित्सा	26	21	4	474
वचामतिविषां पाठां	चिकित्सा	15	134	4	51
वचा विडङ्गं भूतीकं	चिकित्सा	19	105	4	238
वचाशताह्वामरदारु	सिद्धि	3	67	6	230
वचासम्पाककैटर्य	चिकित्सा	10	27	3	447
वचा हरेणुस्त्रिवृता	सूत्र	3	5	1	75
वज्रं मरकतः सारः	चिकित्सा	23	252	4	383
वज्रशिलाजतुसहितं	चिकित्सा	7	72	3	339
वटमातुलुङ्गवेतस	चिकित्सा	22	44	4	315
वटादिपल्लवेष्वेव	सिद्धि	7	61	6	306
वत्सकः कुटजः शुक्रो	कल्प	5	4	6	45
वत्सकः सुरसं कुष्ठं	चिकित्सा	27	54	5	14
वत्सकबीजं यासं	चिकित्सा	7	146	3	355
वत्सकस्य फलं मुस्तं	चिकित्सा	4	60	3	237
वत्सकातिविषे पाठां	चिकित्सा	15	186	4	63
वधबन्धपरिक्लेश	चिकित्सा	24	64	4	398

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
वधबन्धप्रपतनात्	चिकित्सा	25	7	4	434
वध्येते स्वनतः श्रोत्रे	सूत्र	17	20	1	313
वनानि रमणीयानि	चिकित्सा	24	191	4	427
वमतोऽन्तःप्रविष्टायां	सिद्धि	6	54	6	279
वमद्भिर्मधुरान् गन्धान्	चिकित्सा	21	4	4	259
वमनं न तु दुश्छर्दं	सिद्धि	6	37	6	274
वमनं मदनोन्मिश्रो	चिकित्सा	4	59	3	237
वमनं मृदु नात्यर्थं	चिकित्सा	29	46	5	101
वमनं वमनार्हाय	चिकित्सा	5	137	3	287
वमनं हि न पित्तस्य	निदान	2	16	2	39
वमनविरेचनयोगाः	चिकित्सा	7	40	3	329
वमनस्यातियोगे तु	सिद्धि	6	52	6	279
वमने च विरेके च	सिद्धि	4	45	6	245
वमनेऽतिकृते लिङ्गान्	सूत्र	16	11	1	302
वमने तु विरेकः स्याद्	सिद्धि	6	47	6	277
वमनेऽश्मन्तकं विद्यात्	सूत्र	1	114	1	57
वमनैश्च विरेकैश्च	कल्प	12	66	6	123
वमितं लङ्घयेत् सम्यग्	सिद्धि	6	23	6	268
वमितश्च विरिक्तश्च	सिद्धि	6	57	6	280
वमिप्रसङ्गात् पवनो	चिकित्सा	20	46	4	257
वम्यरोचकहृल्लास	चिकित्सा	23	169	4	366
वम्यान्ध्यबाधिर्यशिरो	चिकित्सा	26	9	4	469
वयःस्थां शूकरीं छत्रां	चिकित्सा	9	46	3	426
वयःस्थापनमायुष्यं	चिकित्सा	11	52	3	470
वयोऽन्तमध्यप्रथमे	चिकित्सा	30	311	5	208
वयोबलशरीरादिभेदा	चिकित्सा	30	321	5	211
वरकोद्दालकौ चीन	सूत्र	27	14	1	495
वरमाशीविषविषं	सूत्र	1	131	1	60
वराहपिशितं बल्यं	सूत्र	27	79	1	506
वराहवृषविट् चैव	चिकित्सा	14	51	3	592
वर्चसोऽतिविबन्धोऽधः	चिकित्सा	28	70	5	40
वर्चस्यामे सशूले च	चिकित्सा	15	100	4	42
वर्चोभेदीन्यलाबूनि	सूत्र	27	112	1	512

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
वर्चोभेदोऽग्निदौर्बल्यं	चिकित्सा	3	102	3	138
वर्जयेच्चैव सङ्कोच	चिकित्सा	29	34	5	97
वर्जयेच्छ्वासिनं तद्वत्	चिकित्सा	13	93	3	547
वर्जयेदन्नपानानि	सूत्र	6	18	1	135
वर्जयेद्दधिशुक्तानि	चिकित्सा	29	154	5	125
वर्णं रसं स्पर्शमथापि	चिकित्सा	6	12	3	302
वर्णमाक्रामति च्छाया	इन्द्रिय	7	16	2	560
वर्णस्वरावग्निबलं	इन्द्रिय	11	24	2	580
वर्णस्वरीयः पुष्पाख्यः	सूत्र	30	53	1	610
वर्णे स्वरे च गन्धे च	इन्द्रिय	3	3	2	533
वर्तनस्तम्भितास्ताश्च	चिकित्सा	2/4	12	3	97
वर्तिं मधुरकैः कृत्वा	सूत्र	5	26	1	114
वर्तिः कृता मुहुर्धाया	चिकित्सा	30	72	5	148
वर्तिः स्यान्मरिचार्धांशा	चिकित्सा	9	67	3	433
वर्तिस्तुल्या प्रदेशिन्या	चिकित्सा	30	73	5	148
वर्षाशीतोचिताङ्गानां	सूत्र	6	41	1	142
वर्षासु काष्ठाश्मघनाम्बु	शारीर	2	30	2	359
वल्मीकमृत्तिका मूलं	चिकित्सा	27	49	5	14
वल्लीफलाद्यैर्वमनं	चिकित्सा	20	22	4	249
वल्लूरं शुष्कशाकानि	सूत्र	5	10	1	109
वशी तत् कुरुते कर्म	शारीर	1	78	2	331
वशी यद्यसुखैः कस्माद्	शारीर	1	7	2	312
वसतां चरमं कालं	इन्द्रिय	12	43	2	589
वसन्ते निचितः श्लेष्मा	सूत्र	6	22	1	138
वसन्ते श्लेष्मजा रोगाः	चिकित्सा	30	309	5	208
वसां तैलमवश्याय	सूत्र	6	45	1	142
वसां मेदश्च यावद्धि	चिकित्सा	30	223	5	184
वसामिश्रं वसाभं वा	निदान	4	41	2	63
वसुधाकीटसर्पाखु	सूत्र	27	213	1	532
वस्त्रोष्णीषोत्तरासङ्ग	इन्द्रिय	12	27	2	587
वाक्चेष्टयोरसामर्थ्यं	चिकित्सा	30	284	5	198
वाक्चेष्टितं मन्दमरोचकः	चिकित्सा	9	14	3	413
वाक्सिद्धिं प्रणतिं	चिकित्सा	1	8	3	8

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
वाग्ग्रहानिलरोगेषु	सिद्धि	6	56	6	279
वाग्देहमनसां चेष्टा	सूत्र	24	43	1	410
वातानुलोम्यं दीप्तो	सूत्र	13	58	1	258
वाजिनां तिक्तकटुकं	सूत्र	1	104	1	54
वाजीकरणनित्यः स्याद्	चिकित्सा	2/1	23	3	75
वाजीकरणमन्विच्छेत्	चिकित्सा	2/1	3	3	71
वाजीकरणसंयोगान्	चिकित्सा	2/1	24	3	75
वाजीकरणसामर्थ्यं	चिकित्सा	2/1	52	3	81
वाजीकरणेऽसृक्पित्त	सिद्धि	10	13	6	369
वाट्यं पिप्पलीयूषेण	चिकित्सा	5	98	3	278
वाट्यं वाऽऽमयवानां	चिकित्सा	22	28	4	312
वातं पित्तं कफं चाशु	चिकित्सा	13	117	3	558
वातः प्लीहानमुद्धूय	सूत्र	18	28	1	342
वातकफप्रबलं यद्यदेक	चिकित्सा	7	38	3	328
वातकुण्डलिका ग्रन्थि	सिद्धि	9	26	6	337
वातकृद्वा कफहरं	चिकित्सा	17	148	4	153
वातगुल्ममुदावर्तं	चिकित्सा	5	92	3	276
वातगुल्ममुदावर्तं	चिकित्सा	5	95	3	277
वातगुल्मे कफो वृद्धो	चिकित्सा	5	29	3	262
वातघ्नं दीपनं चैव	सूत्र	27	162	1	517
वातघ्नमन्नपानं मृदु	चिकित्सा	22	40	4	314
वातघ्नसिद्धैः स्नेहाद्यैः	चिकित्सा	18	33	4	165
वातघ्नान्यन्नपानानि	सूत्र	21	21	1	378
वातघ्ना बृंहणा वृष्याः	सूत्र	27	158	1	517
वातघ्नेषूत्तमं बल्यं	सूत्र	27	287	1	550
वातघ्नैः शतपाकैश्च	चिकित्सा	30	105	5	156
वातघ्नैः साधितः	चिकित्सा	29	136	5	121
वातघ्नैर्ग्राहिवर्गीयैः	सिद्धि	8	24	6	316
वातघ्नैर्जीवनीयैश्च	चिकित्सा	28	126	5	57
वातघ्नौषधनिष्क्वाथं	चिकित्सा	18	185	4	199
वातजे श्रमजे चैव	चिकित्सा	3	272	3	201
वाततर्षे ज्वरे पैत्ते	कल्प	12	12	6	107
वातपित्तं प्रकुपितं	चिकित्सा	21	35	4	270

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
वातपित्तकफघ्नश्च	सूत्र	27	72	1	505
वातपित्तकफघ्नैश्च	चिकित्सा	1/3	50	3	50
वातपित्तकफात्यन्त्र	सिद्धि	4	25	6	238
वातपित्तकफानां च	सूत्र	25	43	1	437
वातपित्तकफा नृणां	चिकित्सा	26	91	4	547
वातपित्तकफा यस्य	सूत्र	18	34	1	342
वातपित्तकफोत्थेषु	कल्प	7	35	6	68
वातपित्तकृतान् रोगान्	चिकित्सा	30	52	5	143
वातपित्तक्षये श्लेष्मा	सूत्र	17	59	1	320
वातपित्तप्रकृतयो	सूत्र	13	41	1	255
वातपित्तप्रशमन	चिकित्सा	21	117	4	294
वातपित्तप्रशमनी	सूत्र	27	71	1	505
वातपित्तहरः स्वादु	सूत्र	27	120	1	514
वातपित्तहरी चापि	चिकित्सा	23	211	4	374
वातपित्तहितान्येतान्	कल्प	7	20	6	63
वातपित्ताधिको रात्रा	सूत्र	13	19	1	250
वातपित्तार्दितेऽभ्यङ्गो	चिकित्सा	18	139	4	189
वातपित्ते श्लेष्मपित्ते	चिकित्सा	7	28	3	326
वातपित्तोद्भवं क्षिप्र	चिकित्सा	10	30	3	448
वातपित्तोल्बणे ये तु	चिकित्सा	21	93	4	288
वातपूर्णदृतिस्पर्शः	चिकित्सा	28	37	5	30
वातमूत्रपुरीषाणां	सूत्र	22	34	1	392
वातमूत्रपुरीषाणां	चिकित्सा	3	152	3	154
वातमूत्रपुरीषाणां	सिद्धि	7	32	6	300
वातरक्तस्य निर्दिष्टा	चिकित्सा	29	165	5	128
वातरक्ते क्षतक्षीणे	चिकित्सा	29	108	5	113
वातरक्ते प्रतिश्याये	चिकित्सा	9	39	3	425
वातलं गुरु शीतं च	सूत्र	27	254	1	540
वातलाहारचेष्टाया	चिकित्सा	30	9	5	131
वातव्याधिरपस्मारी	इन्द्रिय	9	8	2	569
वातव्याधिषु सर्वेषु	चिकित्सा	29	101	5	112
वातव्याधिहरं कर्म	चिकित्सा	30	47	5	142
वातव्याधिहरं श्रेष्ठं	चिकित्सा	28	164	5	64

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
वातशङ्किभिरज्ञानात्तस्य	चिकित्सा	27	16	5	5
वातश्लेष्मक्षये पित्त	सूत्र	17	60	1	320
वातश्लेष्मणि वाते वा	सूत्र	14	8	1	269
वातश्लेष्मविकाराणां	चिकित्सा	14	88	3	598
वातश्लेष्मविबद्धत्वाद्	चिकित्सा	8	59	3	378
वातश्लेष्मविबन्धघ्नं	सूत्र	27	299	1	552
वातश्लेष्मविबन्धे वा	चिकित्सा	19	117	4	240
वातश्लेष्मसमुत्क्लेशः	सूत्र	5	34	1	115
वातश्लेष्मसमुत्थेषु	सूत्र	27	154	1	517
वातश्लेष्महरो ह्येष	चिकित्सा	19	29	4	220
वातश्लेष्मात्मके प्रायः	चिकित्सा	9	76	3	434
वातश्लेष्मार्शसां तक्रात्	चिकित्सा	14	77	3	597
वातश्लेष्मोल्बणान्याहुः	चिकित्सा	14	38	3	590
वातसङ्गंगुदस्तम्भ	सिद्धि	6	89	6	288
वातस्थाने स्वेदो	चिकित्सा	23	62	4	342
वातस्थाने हि तच्छैत्याद्	चिकित्सा	27	24	5	7
वातस्यानु जयेत्पित्तं	चिकित्सा	19	122	4	241
वाताच्छूलं भ्रमः कम्पः	सूत्र	17	26	1	314
वाताज्जलं जलाद्देशं	विमान	3	10	2	145
वातातपसहा ये च	सूत्र	13	47	1	256
वातात् पित्तात् कफाच्च	चिकित्सा	15	58	4	30
वातात्पित्तात् कफात्	चिकित्सा	13	50	3	536
वातात्पित्तात्कफाद्	चिकित्सा	8	53	3	376
वातात्मिकायां हृदय	चिकित्सा	20	24	4	250
वातात् सकासवैस्वर्ये	चिकित्सा	26	134	4	510
वातादयः प्रकुप्यन्ति	सूत्र	17	11	1	312
वातादयस्त्रयो दुष्टा	चिकित्सा	7	9	3	320
वातादिजाश्चतुर्थे	चिकित्सा	23	20	4	328
वातादिजास्त्रयो ये च	चिकित्सा	18	4	4	156
वातादिदुष्टे लिङ्गं च	चिकित्सा	30	230	5	186
वातादिभिः शोकभयाति	चिकित्सा	26	124	4	506
वातादिष्वेव तान् विद्यात्	चिकित्सा	30	231	5	186
वातादीनां रसादीनां	सूत्र	17	63	1	324

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
वातादीनां समायोक्ता	सिद्धि	4	55	6	248
वाताद्वातकफात्तन्द्रा	चिकित्सा	28	57	5	35
वातानुलोमनं यच्च	चिकित्सा	28	244	5	84
वाच्यं मन्दस्य तत्रोक्त	चिकित्सा	15	217	4	71
वातान्विते हिताः शुक्रे	चिकित्सा	30	149	5	167
वातामाभिषुकाक्षोट	सूत्र	27	157	1	517
वातार्तायाः पिचुं दद्याद्	चिकित्सा	30	61	5	145
वाताष्ठीला सुर्सवृद्धा	इन्द्रिय	10	4	2	574
वातासृक्पित्तबहुलं	चिकित्सा	21	95	4	289
वातासृक्पित्तरोगेषु	चिकित्सा	11	75	3	476
वातिकं बस्तिभूयिष्ठैः	चिकित्सा	10	15	3	444
वातिकः पैत्तिकश्चैव	चिकित्सा	21	13	4	261
वातिकान् दुर्बलान्	चिकित्सा	17	90	4	141
वातिकेभ्यो हितं मद्यं	चिकित्सा	24	25	4	389
वातिके शिरसो रोगे	चिकित्सा	26	158	4	516
वाते कफानुबन्धे तु	चिकित्सा	18	132	4	187
वातेऽधिकतरे कुष्ठं	चिकित्सा	7	27	3	326
वातेऽधिकेऽम्लं लवणं	चिकित्सा	26	17	4	472
वातेन विशि पित्ते वा	सिद्धि	8	29	6	317
वाते पित्ते कफे चैव	सूत्र	18	52	1	346
वाते विवृद्धे तु चतुर्थ	सिद्धि	3	31	6	218
वाते श्लेष्मावृते सामे	चिकित्सा	15	93	4	38
वाते सरक्ते सघृतं	सूत्र	3	23	1	80
वाते स्याद्वमनं तत्र	चिकित्सा	28	211	5	77
वाते स्वाद्वम्लसान्द्रत्वात्	चिकित्सा	15	119	4	46
वातोदरं बलमतः	चिकित्सा	13	59	3	539
वातोत्तरेषु सर्पिर्वमनं	चिकित्सा	7	39	3	329
वातोपसृष्टस्योष्णैः	सिद्धि	8	16	6	313
वातोल्बणं विरिक्तं	चिकित्सा	7	47	3	330
वातोल्बणं तिक्तघृतं	चिकित्सा	21	47	4	278
वातोल्बणविषाः प्राय	चिकित्सा	23	165	4	366
वादान्सप्रतिवादान्	सूत्र	25	27	1	418
वानप्रस्थैर्गृहस्थैश्च	चिकित्सा	1/4	10	3	60

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
वापीकूपतडागोरत्	सूत्र	27	214	1	532
वामं कुक्षिं मापयित्वा	चिकित्सा	13	185	3	569
वामपार्श्वाश्रितः प्लीहा	चिकित्सा	13	36	3	530
वामयेत्तु ततः शेषः	सिद्धि	6	21	6	267
वायवः सुखसंस्पर्शाः	चिकित्सा	2/3	28	3	93
वायवी गर्हिता त्वासां	इन्द्रिय	7	13	2	560
वायुं सर्पिर्वसातैल	चिकित्सा	28	76	5	43
वायुः पित्तं कफश्चोक्तः	सूत्र	1	57	1	41
वायुना बलिना क्षिप्तं	चिकित्सा	16	10	4	84
वायुरायुर्बलं वायुः	चिकित्सा	28	3	5	19
वायुरेव हि सूक्ष्मत्वाद्	चिकित्सा	28	60	5	36
वायुर्मिथ्यास्थिताङ्गायाः	चिकित्सा	30	30	5	136
वायोर्धातुक्षयात् कोपो	चिकित्सा	28	59	5	36
वायौ प्राणे प्रदुष्टे तु	चिकित्सा	30	300	5	204
वाय्वग्निदोषाद्वृषणौ	शारीर	2	21	2	355
वाय्वम्बुतेजसा रक्त	चिकित्सा	15	29	4	19
वाय्वाकाशादिभिर्भावैः	चिकित्सा	15	33	4	19
वाय्वादिषु यथोक्तानां	विमान	3	11	2	145
वाराहे बहुशः पित्ते	चिकित्सा	30	71	5	148
वारिविप्रहताः क्षीणा	चिकित्सा	23	163	4	365
वारुणामृतकैरण्ड	सूत्र	14	31	1	274
वारुणीमण्डनित्यस्य	चिकित्सा	8	164	3	402
वार्क्षोऽथवाऽऽजिनः	चिकित्सा	25	96	4	460
वार्ताककुलकव्योष	चिकित्सा	26	156	4	515
वार्ताकैः कटुरोहिण्या	चिकित्सा	16	123	4	112
वार्योविदस्तु नेत्याह	सूत्र	25	12	1	415
वालकं च समं चूर्णं	चिकित्सा	17	124	4	148
वासां गुडूचीं त्रिफलां	चिकित्सा	3	222	3	185
वासां सशाखां सपलाश	चिकित्सा	4	88	3	244
वासा त्रिफला पाने	चिकित्सा	7	128	3	352
विंशकाश्चैककाश्चैव	सूत्र	19	8	1	358
विंशतिर्विंशतिर्लेह	कल्प	1	29	6	25
विंशतिश्च तथा सप्त	सिद्धि	12	25	6	430

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
विकल्पहेतुर्नामानि	कल्प	12	107	6	135
विकल्प्यमेतद्भिषजा	चिकित्सा	16	116	4	110
विकारः प्रकृतिश्चैव	निदान	8	41	2	110
विकारनामाकुशलो	सूत्र	18	44	1	345
विकारसामान्यगुणे	इन्द्रिय	12	15	2	584
विकारो धातुवैषम्यं	सूत्र	9	4	1	184
विकृत्या विनिमित्तं यः	इन्द्रिय	11	6	2	577
विक्षते वक्षसि व्याधि	चिकित्सा	11	8	3	459
विक्षिप्यामाशयोष्माणं	चिकित्सा	3	273	3	201
विगतक्लमसन्ताप	चिकित्सा	3	329	3	217
विगृह्य कथयेद्युक्त्या	विमान	8	22	2	230
विघ्नभूता यदा रोगा	सूत्र	1	7	1	16
विचारणा केषु योज्या	सूत्र	13	8	1	245
विचित्रविविधस्रग्वी	चिकित्सा	24	12	4	387
विचेताः परिशुष्कास्यो	चिकित्सा	17	54	4	130
विच्छिन्नमद्यः सहसा	चिकित्सा	24	199	4	429
विजया मधुकं वीरा	चिकित्सा	25	47	4	449
विज्वरं ज्वरसंदेहं	चिकित्सा	3	3	3	107
विज्वरत्वं लघुत्वं च	चिकित्सा	3	141	3	150
विज्ञातं बहुशः सिद्धं	इन्द्रिय	12	7	2	583
विज्ञानानि मनुष्याणां	इन्द्रिय	9	23	2	573
विट्पित्तकफवातानां	सूत्र	16	9	1	301
विट् श्यावं कठिनं रूक्षं	चिकित्सा	14	171	3	616
विट्श्लेष्मपित्तातिपरि	चिकित्सा	5	4	3	252
विट्श्लेष्मपित्तानिल	सिद्धि	1	28	6	158
विट्स्वेदमूत्राम्बुवहानि	चिकित्सा	20	16	4	248
विडङ्गं नागरं क्षारः	सूत्र	21	23	1	378
विडङ्गं नागरं रास्ना	चिकित्सा	18	47	4	168
विडङ्गं पिप्पली लोध्रं	चिकित्सा	14	139	3	610
विडङ्गं पृश्निपर्णी च	चिकित्सा	9	37	3	424
विडङ्गं सैन्धवं कुष्ठं	चिकित्सा	18	52	4	170
विडङ्गपिप्पलीमूल	सूत्र	2	23	1	69
विडङ्गपिप्पलीमूल	कल्प	7	40	6	69

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
विडङ्गांशयुतं चूर्णं	चिकित्सा	13	80	3	543
विडङ्गान्यथ मुस्तं च	चिकित्सा	16	103	4	107
विडङ्गैरण्डरजनी	सिद्धि	4	18	6	237
विड्वातकफपित्तानाम्	चिकित्सा	14	120	3	606
विड्वातसङ्गे पयसा	चिकित्सा	12	28	3	493
विण्मूत्रचर्मरेतोऽस्थि	सूत्र	1	69	1	49
विण्मूत्रपित्तादिमला	सिद्धि	1	39	6	163
विण्मूत्रयोस्तत् समवर्ण	चिकित्सा	20	17	4	248
विण्मूत्रवातग्रहणं	सिद्धि	3	42	6	223
विण्मूत्रानिलसङ्गार्ति	सिद्धि	4	36	6	242
वितत्य पर्शुकाग्राणि	इन्द्रिय	10	9	2	574
विदग्धभ्रष्टब्रध्नानां	सूत्र	14	17	1	271
विदग्धेऽन्ने दिवास्वप्नाद्	चिकित्सा	16	8	4	84
विदध्यादुत्तरं बस्तिं	सिद्धि	9	65	6	347
विदारिकन्दो बल्यश्च	सूत्र	27	121	1	514
विदारिगन्धां वृहतीं	चिकित्सा	1	42	3	16
विदारीं मधुकात् सारं	चिकित्सा	23	246	4	382
विदारीक्षुमृणालानां	चिकित्सा	18	95	4	180
विदारीभिः कदम्बैर्वा	चिकित्सा	18	154	4	193
विदाहलक्षणे गुल्मे	चिकित्सा	5	42	3	266
विदाहश्चान्नपानस्य	सूत्र	24	14	1	405
विदाहि तीक्ष्णमुष्णं च	चिकित्सा	14	16	3	584
विदाहीन्यन्नपानानि	विमान	5	14	2	178
विदाहीन्यन्नपानानि	चिकित्सा	21	115	4	293
विदाहो वेदना मूर्च्छा	चिकित्सा	29	28	5	95
विद्धभग्नाहतभ्रष्ट	सूत्र	13	16	1	248
विद्यात् प्रमेहान् कफजान्	चिकित्सा	6	10	3	301
विद्यात् स्वाभाविकं	सूत्र	11	12	1	207
विद्यादेकपथं रोगं	सूत्र	10	16	1	198
विद्याद्ग्राहि त्रिदोषघ्नं	सूत्र	27	89	1	509
विद्याद्द्वौ द्रङ्क्षणौ	कल्प	12	90	6	129
विद्याद्भेषजनामानि	चिकित्सा	1	4	3	4
विद्याद्द्विदोषजं तद्वत्	सूत्र	10	19	1	199

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
विद्याद्विसर्पमन्तर्ज	चिकित्सा	21	27	4	265
विद्यान्मांसाश्रयान्	सूत्र	28	15	1	577
विद्या मतिः कर्मदृष्टि	सूत्र	9	22	1	189
विद्या वितर्को विज्ञानं	सूत्र	9	21	1	189
विद्यासमाप्तौ ब्राह्मं वा	चिकित्सा	1/4	53	3	67
विद्यासमाप्तौ भिषजो	चिकित्सा	1/4	52	3	67
विद्रधिं द्विविधामाहु	सूत्र	17	90	1	329
विधारणात् प्रतिहतं	सिद्धि	9	29	6	339
विधिना दधि सेव्यं च	सूत्र	7	66	1	162
विधिना मात्रया काले	चिकित्सा	24	27	4	390
विधिना शोणितं जातं	सूत्र	24	3	1	403
विधिभिर्वेदविहितैर्वा	चिकित्सा	24	5	4	385
विधिभेदं विकाराणां	सूत्र	18	55	1	348
विधिरुत्तरबस्तेश्च	सिद्धि	9	119	6	365
विधिरेष विकाराणां	सूत्र	7	50	1	158
विधिरेषोऽवपीडस्य	सिद्धि	9	107	6	359
विधिर्वसुमतामेष	चिकित्सा	24	24	4	389
विधिवत्सूर्पासद्धानि	चिकित्सा	8	162	3	401
विधूय मानसान् दोषान्	सिद्धि	6	17	6	265
विनश्यन्त्याशु संप्राप्ता	चिकित्सा	23	161	4	365
विना चतुर्थी नवमीं	इन्द्रिय	12	69	2	593
विना देशमशस्तं	इन्द्रिय	12	70	2	593
विना प्रमेहमप्येता	सूत्र	17	104	1	332
विनामाक्षेपसङ्कोचाः	सूत्र	7	19	1	149
विनाशायेह रूपाणि	इन्द्रिय	12	45	2	589
विनीय चूर्णितान् तस्मात्	चिकित्सा	15	86	4	36
विनीय दारुणेष्वेतद्	चिकित्सा	28	146	5	60
विनीय मोदकान् कुर्याद्	कल्प	12	28	6	109
विपरीतगुणस्तेषां	सूत्र	7	41	1	156
विपरीतगुणैर्देश	सूत्र	1	62	1	44
विपर्ययेण यो विद्याद्	इन्द्रिय	4	21	2	541
विपाकलक्षणस्याल्प	सूत्र	26	63	1	474
विपाके मधुराश्चैव	सूत्र	27	73	1	506

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
विपाचयेच्छतगुणे	सूत्र	5	66	1	120
विपाचयेज्जलद्रोणे	चिकित्सा	2/1	27	3	76
विपाट्यान्त्रं ततः पश्चाद्	चिकित्सा	13	186	3	569
विपापं विरजः शान्तं	शारीर	5	23	2	424
विबद्धदोषो ज्वरितः	चिकित्सा	3	208	3	179
विबद्धवातवर्चास्तु	चिकित्सा	19	47	4	225
विबद्धेऽल्पे चिराद्दोषे	कल्प	12	71	6	125
विबन्धगौरवोद्गार	सूत्र	22	21	1	390
विभज्य शीतोष्णकृतं	चिकित्सा	3	175	3	165
विभागस्तु विभक्तिः	सूत्र	26	33	1	460
विभीतकानां फलमध्य	चिकित्सा	12	71	3	506
विभुत्वमत एवास्य	शारीर	1	80	2	332
विभ्रंशं श्वयथुं हिक्कां	सिद्धि	6	39	6	274
विभ्रंशो विषवद्यस्य	कल्प	12	85	6	129
विभ्रान्तबहुदोषाणाम्	चिकित्सा	10	4	3	441
विभ्रान्तेषु तु कालेषु	सूत्र	27	207	1	530
विमथ्य संयोज्य पुनः	सिद्धि	3	24	6	214
विमानार्थो रसद्रव्य	विमान	1	27	2	131
विमार्गस्था ह्ययुक्ता वा	चिकित्सा	28	12	5	22
विमार्गाज्ञपदादर्शैः	चिकित्सा	5	140	3	287
वियोनिर्विदुरो गन्धो	इन्द्रिय	2	16	2	530
विरसं वातसंसृष्टं	चिकित्सा	30	239	5	189
विरिक्तप्रतिभुक्तस्य	चिकित्सा	28	95	5	49
विरिक्तशिरसं तूष्णं	सिद्धि	9	108	6	361
विरुद्धं देशतस्तावद्	सूत्र	26	.88	1	485
विरुद्धं पातकश्चापि	सूत्र	26	99	1	486
विरुद्धदुष्टाशुचिभोज	चिकित्सा	9	4	3	409
विरुद्धमनले तद्वद्	सूत्र	26	90	1	485
विरुद्धयोनयो यस्य	इन्द्रिय	6	22	2	556
विरुद्धवीर्यमप्येषां	कल्प	12	45	6	116
विरुद्धाध्यशनक्रोध	चिकित्सा	23	228	4	378
विरुद्धाध्यशनक्रोध	चिकित्सा	29	7	5	88
विरुद्धाध्यशनाजीर्ण	कल्प	12	82	6	128

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
विरुद्धानामुपक्लिन्न	सूत्र	24	8	1	408
विरुद्धाशनजान् रोगान्	सूत्र	26	105	1	488
विरुद्धैरपि न त्वेते	चिकित्सा	26	293	4	548
विरूढ़धानाः शष्कुल्यो	सूत्र	27	267	1	546
विरेकवमनस्नेह	चिकित्सा	15	43	4	24
विरेकवमने चोभे	चिकित्सा	3	80	3	135
विरेकशुद्धो दोषस्य	सिद्धि	9	109	6	361
विरेकार्थं प्रयोक्तव्यं	चिकित्सा	21	65	4	285
विरेको मांसमेदःस्थे	चिकित्सा	28	93	5	48
विरेचनं चैषणपाटनं च	चिकित्सा	12	97	3	515
विरेचनं तु पित्तस्य	निदान	2	13	2	39
विरेचनं त्रिवृन्मूलं	सिद्धि	7	3	6	58
विरेचनं निरूहो वा	कल्प	12	53	6	118
विरेचनं प्रयुञ्जीत	चिकित्सा	4	58	3	237
विरेचनहतानाहो	इन्द्रिय	9	10	2	569
विरेचनानां सर्वेषां	कल्प	10	3	6	91
विरेचनाभ्यङ्गनिरूह	चिकित्सा	12	95	3	514
विरेचनिकैर्धूमैः श्लोक	चिकित्सा	7	49	3	330
विरेचने प्रयोक्तव्यः	सूत्र	1	117	1	58
विरेचनैर्घृतक्षीर	चिकित्सा	29	45	5	101
विरेचयन्ति नैतानि	सूत्र	13	68	1	260
विरेचयेत्रिर्द्विरथैकशो	सिद्धि	1	51	6	169
विरेच्यः स्नेहयित्वा	चिकित्सा	29	41	5	99
विरोधीन्यन्नपानानि	चिकित्सा	7	4	3	319
विलङ्घनं रक्तविमोक्षणं	चिकित्सा	12	100	3	516
विलीनं घृतवद् व्यामो	चिकित्सा	15	35	4	19
विलोमनसमुद्भूतो	सिद्धि	7	49	6	304
विवर्जयेत् कुक्ष्युदरा	चिकित्सा	12	86	3	510
विवर्णगात्रः स्विन्नः	चिकित्सा	30	244	5	190
विविधं सर्पति यतो	चिकित्सा	21	11	4	261
विविधादशितात्	सूत्र	28	23	1	578
विविधान् विविधव्याधि	चिकित्सा	28	119	5	55
विविधान्यन्नपानानि	चिकित्सा	8	28	3	369

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
विविधाशीतपीतीये	विमान	5	27	2	181
विवृद्धः श्लेष्मलैः	चिकित्सा	16	23	4	88
विशदा गुरवो रूक्षा	सूत्र	27	236	1	538
विशाला त्रिफला कौन्ती	चिकित्सा	9	35	3	424
विशाला पिप्पली मुस्तं	चिकित्सा	18	121	4	185
विशीर्यते मणिश्चास्य	चिकित्सा	30	175	5	172
विशुद्धं चाविशुद्धं च	सूत्र	24	59	1	413
विशुद्धामाशयायास्मै	चिकित्सा	15	76	4	34
विशेषतः पुराणं च	चिकित्सा	9	59	3	431
विशेषतः सिरायाम	चिकित्सा	29	25	5	94
विशेषतो विट्पथसंवृत्ते	चिकित्सा	4	86	3	244
विशेषाद्धन्त्यपस्मारं	चिकित्सा	16	87	4	103
विशेषाद्रूक्षकटुक	चिकित्सा	23	126	4	356
विशेषो दोषवैषम्यात्	चिकित्सा	21	143	4	299
विशोषयेद्वस्तिगतं सशुक्रं	चिकित्सा	26	36	4	479
विश्वामित्राश्मरथ्यौ च	सूत्र	1	10	1	17
विषं विषघ्नमुक्तं यत्	सूत्र	26	69	1	478
विषगुल्मोदरग्रन्थि	कल्प	3	10	6	35
विषघ्नौषधसंयुक्ता	चिकित्सा	23	227	4	378
विषदूषितकफमार्गः	चिकित्सा	23	65	4	344
विषपीतदष्टविद्धे	चिकित्सा	23	105	4	352
विषमं तिक्तशीतैश्च	चिकित्सा	3	295	3	210
विषमं बहुत वाऽल्पं	चिकित्सा	15	236	4	76
विषमज्वर एवान्य	चिकित्सा	3	73	3	132
विषमज्वरानजीर्णान्	चिकित्सा	23	84	4	347
विषममांसलच्छिन्न	सिद्धि	5	6	6	252
विषमस्वस्थवृत्तानां	सूत्र	7	45	1	157
विषमां कुरुते बुद्धिं	चिकित्सा	10	60	3	455
विषमाभिनिवेशो यो	शारीर	1	99	2	336
विषमारम्भमूलानां	निदान	8	28	2	107
विषमारम्भमूलैश्च	निदान	8	29	2	107
विषमासात्म्यभोज्याति	चिकित्सा	18	24	4	163
विषमो धातुवैषम्यं	चिकित्सा	15	50	4	27

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
विषयप्रवणं सत्त्वं	शारीर	1	100	2	337
विषवेगान्मदमूर्च्छा	चिकित्सा	23	43	4	337
विषवृक्षानिलस्पर्शात्	चिकित्सा	3	117	3	142
विषस्य ये गुणा दृष्टाः	चिकित्सा	24	98	4	407
विषाणिकाजशृङ्ग्यौ च	चिकित्सा	30	273	5	196
विषेणाशुप्रमाथित्वात्	चिकित्सा	13	180	3	567
विषे पक्वाशयगते	चिकित्सा	23	185	4	370
विषेष्वपि च सर्वेषु	चिकित्सा	23	172	4	367
विषैश्च मन्दैर्वाताद्याः	चिकित्सा	13	33	3	529
विष्किरा वर्तकाद्यास्तु	सूत्र	27	61	1	504
विष्टम्भोऽन्नस्य दौर्बल्यं	चिकित्सा	14	21	3	587
विसर्पः श्वयथुः शूलं	चिकित्सा	23	152	4	363
विसर्पपिडकाशोफ	सिद्धि	6	8	6	262
विसर्पो न ह्यसंसृष्टो	चिकित्सा	21	142	4	299
विसूचिकामुदावर्तं	चिकित्सा	13	162	3	562
विसूचिकाप्रतिश्याय	चिकित्सा	15	185	4	62
विस्तरेण पृथक् प्रोक्ता	सिद्धि	12	33	6	432
विस्तरेण प्रवक्ष्यामि	चिकित्सा	30	196	5	178
विस्तरेणैतदुद्दिष्टं	चिकित्सा	30	204	5	180
विस्तारोत्सेधसम्पन्नां	चिकित्सा	1	19	3	10
विस्फोटकान्सपामान्	चिकित्सा	7	149	3	355
विस्मापनैः स्मारणैश्च	सूत्र	24	51	1	411
विस्रं त्रिदोषं लवणं	सूत्र	27	216	1	532
विस्रं लवणमुष्णं च	निदान	4	32	2	61
विस्रावणं पिण्डिकयो	चिकित्सा	12	90	3	512
विस्राव्य च विमृद्यैतद्	चिकित्सा	13	190	3	570
विहङ्गमांसानि च	चिकित्सा	26	72	4	488
विहङ्गानां रुतैरिष्टैः	चिकित्सा	2/3	25	3	92
विहरन्तं जितात्मानं	चिकित्सा	4	3	3	221
विहरन्तं तपोयोगात्	चिकित्सा	30	4	5	129
विहिता ग्रहणीदोषे	चिकित्सा	15	120	4	46
वीतमोहरजोदोष	सूत्र	18	56	1	348
वीरा बला विदारी च	चिकित्सा	8	79	3	382

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
वीरा शटी पुष्कराख्यं	चिकित्सा	8	101	3	385
वृक्षाम्लं दाडिमाम्लं	चिकित्सा	19	28	4	220
वृत्तभोगो महाकायः	चिकित्सा	23	130	4	358
वृत्तिहेतोर्भिषङ्मान	सूत्र	29	12	1	591
वृत्त्युपायान्निषेवेत	सूत्र	5	104	1	128
वृद्धये श्लेष्मणो नित्यं	चिकित्सा	27	21	5	7
वृद्धिः पुरीषनिचयो	चिकित्सा	13	18	3	523
वृद्धिमायस्यतो याति	चिकित्सा	17	36	4	125
वृद्धिरेकस्य समता	सूत्र	17	44	1	317
वृद्धिस्थानक्षयावस्थां	निदान	8	36	2	109
वृद्धिह्रासौ यथा तेषां	शारीर	6	32	2	448
वृद्धौ किटिमे कुष्ठे	चिकित्सा	23	76	4	345
वृद्ध्या विष्यन्दनात्	सूत्र	28	33	1	580
वृश्चिकाली च भार्गी च	चिकित्सा	16	120	4	111
वृश्चिके स्वेदमभ्यङ्गं	चिकित्सा	23	173	4	367
वृश्चिकोन्दुरुलूतानां	चिकित्सा	23	207	4	373
वृश्चीर ऐन्द्री च पुनर्नवा	चिकित्सा	26	70	4	488
वृषं समूलमापोथ्य	चिकित्सा	5	126	3	284
वृषं हयं वा धावन्तं	चिकित्सा	11	5	3	459
वृषकुटजसप्तपर्णाः	चिकित्सा	7	158	3	358
वृषणौ बस्तिमेढ्रं च	चिकित्सा	28	10	5	21
वृषणौ हृदयं दृष्टी	सूत्र	14	10	1	270
वृषमूलगुडूच्योश्च	चिकित्सा	28	170	5	65
वृषस्य दधिमण्डेन	चिकित्सा	3	303	3	211
वृष्यं सौगन्ध्यमायुष्यं	सूत्र	5	96	1	126
वृष्यः परं वातहरं	सूत्र	27	24	1	497
वृष्यः सीतः सरः	सूत्र	27	237	1	538
वृष्या क्षीणक्षतहिता	सूत्र	27	241	1	539
वृष्याणामाशुकृद्धेतु	चिकित्सा	15	246	4	78
वृष्या स्निग्धा च शीता	सूत्र	27	94	1	509
वेगनिग्रहजा रोगाः	सूत्र	7	25	1	150
वेगसंधारणाच्छुक्रं	चिकित्सा	30	144	5	166
वेगाघातात् क्षताच्चापि	चिकित्सा	30	138	5	164

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
वेगा व्रेगसमुत्थाश्च	सूत्र	7	63	1	162
वेगोदावर्तनाद्योनि	चिकित्सा	30	25	5	135
वेतसार्जुनजम्बूनां	चिकित्सा	8	129	3	395
वेदनानामधिष्ठानं	शारीर	1	136	2	345
वेदनानामशान्तानाम्	शारीर	1	129	2	343
वेदनाभिः परीतश्च	चिकित्सा	28	26	5	26
वेदलोकार्थतत्त्वज्ञ	चिकित्सा	17	3	4	117
वेपथुर्वेष्टनं स्तम्भः	सूत्र	17	31	1	315
वेपनाक्षेपशूलेषु	चिकित्सा	28	134	5	58
वेशवारो गुरुः स्निग्धो	सूत्र	27	269	1	547
वैकृतं पश्यतः कार्य	चिकित्सा	9	69	3	433
वैखानसा वालखिल्या	चिकित्सा	1	54	3	16
वैगुण्यं सहसा यान्ति	चिकित्सा	24	76	4	402
वैगुण्यमुपपन्नानां	विमान	3	9	2	145
वैदूर्यमुक्तामणिगैरिकाणां	चिकित्सा	4	79	3	243
वैद्यभाण्डौषधैः	सूत्र	11	51	1	230
वैरस्यं फेनसङ्घातो	चिकित्सा	30	237	5	188
वैरेचनं मुखेनैव	चिकित्सा	18	67	4	173
वैरेचनिकधूमोक्तैः	चिकित्सा	9	74	3	434
वैरोधिकनिमित्तानां	सूत्र	26	113	1	489
वैवर्ण्यं भजते कायः	इन्द्रिय	12	52	2	590
वैवर्ण्यदौर्गन्ध्यमुपेक्षया	चिकित्सा	26	113	4	502
वैवर्ण्यभ्रमवेपथुमूर्च्छा	चिकित्सा	23	19	4	328
वैवर्ण्यमग्निसादश्च	सूत्र	24	13	1	405
वैवर्ण्यमूर्च्छाज्वरकास	चिकित्सा	26	78	4	491
वैवृत्त्यान्मनसो ज्ञानं	शारीर	1	19	2	315
वैशद्यस्तम्भजाड्यैर्यो	सूत्र	26	79	1	480
वैश्रुत्यकण्डूस्थिरशोफ	चिकित्सा	26	128	4	507
वैहायसे स्थापितमादशा	चिकित्सा	12	31	3	493
व्यक्तः शुष्कस्य चादौ	सूत्र	26	28	1	459
व्यक्तमैन्द्रियकं चैव	शारीर	1	62	2	327
व्यक्ताम्लकटुकं जातं	चिकित्सा	14	74	3	597
व्यक्ताम्ललवणस्नेहं	सूत्र	6	37	1	140

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
व्यजनैः पाणिसंस्पर्शैः	सूत्र	6	31	1	139
व्यत्यासभावितोऽयं	चिकित्सा	23	72	4	345
व्यत्यासात्तां समस्तां वा	चिकित्सा	15	196	4	64
व्यधच्छेदभ्रमानाह	सूत्र	17	96	1	329
व्यधच्छेदरुजाकण्डू	सूत्र	17	29	1	315
व्यपेता जायते हिक्का	चिकित्सा	17	31	4	124
व्यवस्थाकरणं तेषां	सूत्र	18	43	1	345
व्यवायं चाप्यजीर्णेऽन्ने	चिकित्सा	7	8	3	319
व्यवायमतिचेष्टाश्च	चिकित्सा	3	331	3	217
व्याकुलानामशस्तानां	चिकित्सा	24	106	4	408
व्याकृतीनि विवर्णानि	इन्द्रिय	4	17	2	540
व्याजहार ज्वरस्याग्रे	निदान	1	44	2	33
व्याधयो हि समुत्पन्ना	सूत्र	1	22	1	20
व्याधितौ पुरुषौ ज्ञाज्ञौ	विमान	7	31	2	213
व्याधियुक्तस्य मन्दे तु	चिकित्सा	15	208	4	69
व्याधिव्यायामकर्माध्व	सिद्धि	4	23	6	238
व्याधीनामृत्वहोरात्र	चिकित्सा	30	308	5	208
व्याधौ शीते शरीरे	सूत्र	14	7	1	269
व्याध्यवस्थाविशेषान्	निदान	8	37	2	109
व्याध्युपक्षीणदेहस्य	चिकित्सा	24	200	4	429
व्याने कफावृते लिङ्गं	चिकित्सा	28	229	5	82
व्यानेन रसधातुर्हि	चिकित्सा	15	36	4	21
व्याने प्राणावृते लिङ्गं	चिकित्सा	28	203	5	75
व्यापत्तिचिह्नं भैषज्यं	सूत्र	5	107	1	128
व्यापन्नबहुमद्यत्वात्	सूत्र	17	92	1	329
व्यापन्नबहुमद्योष्ण	चिकित्सा	21	17	4	262
व्यापोज्झ्यसर्वानङ्गारान्	सूत्र	14	48	1	280
व्यामिश्रलिङ्गैरेतैस्तु	चिकित्सा	23	132	4	358
व्यायामं च व्यवायं च	चिकित्सा	3	332	3	217
व्यायामतीक्ष्णातिविरेक	चिकित्सा	26	77	4	491
व्यायामतीक्ष्णौषधरूक्ष	चिकित्सा	26	32	4	477
व्यायामतीक्ष्णौषधशोक	चिकित्सा	20	7	4	245
व्यायामनित्याः स्त्रीनित्या	सूत्र	27	315	1	556

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
व्यायामनित्यो जीर्णाशी	सूत्र	23	25	1	397
व्यायाममतिसंताप	चिकित्सा	7	5	3	319
व्यायाममतिसौहित्यं	सूत्र	21	13	1	376
व्यायाममातपं चैव	सूत्र	6	36	1	140
व्यायाममुच्चैर्वचनं	सूत्र	13	63	1	260
व्यायामयोगैर्विविधैः	चिकित्सा	6	50	3	312
व्यायामविधिर्विविधः	चिकित्सा	6	61	3	316
व्यायामशोधनारिष्ट	चिकित्सा	29	157	5	126
व्यायामसंधारणशुष्क	चिकित्सा	26	76	4	491
व्यायामहास्यभाष्याध्व	सूत्र	7	34	1	152
व्यायामाच्च विहाराच्च	चिकित्सा	15	239	4	76
व्यायामादतिसंक्षोभाद्	विमान	5	17	2	178
व्यायामादतिसन्तापाद्	विमान	5	22	2	178
व्यायामादूष्मणस्तैक्ष्ण्यात्	सूत्र	28	31	1	580
व्यायामाध्वदिवास्वप्नं	चिकित्सा	13	100	3	549
व्यायामोद्वर्तनं धूमं	सूत्र	6	24	1	138
व्यायामोऽनशनं चिन्ता	सूत्र	17	76	1	326
व्यायामो मैथुनं मद्यं	सिद्धि	12	23	6	430
व्यावृत्तमूर्धजिह्वास्यो	इन्द्रिय	7	29	2	562
व्योषं त्रिवृत्तिक्तक	चिकित्सा	12	21	3	491
व्योषं बिल्वं हरिद्रे द्वे	चिकित्सा	16	119	4	111
व्योषं विडङ्गं शिग्रूणी	सूत्र	23	19	1	396
व्योषं शिरीषपुष्पं	चिकित्सा	23	71	4	345
व्योषं श्वदंष्ट्रात्रुटिसार	चिकित्सा	26	55	4	484
व्योषक्षारयुतं जीर्णे	चिकित्सा	13	150	3	561
व्योषत्वक्पत्रमुस्तैला	कल्प	7	46	6	70
व्योषवचाभल्लातक	चिकित्सा	22	47	4	316
व्योषेण युक्तां लवणैः	चिकित्सा	20	25	4	250
व्रणाधिकारे सप्रश्न	चिकित्सा	25	121	4	466
व्रणानां निजहेतूनाम्	चिकित्सा	25	9	4	435
व्रणानामधिकं शूलं	चिकित्सा	7	12	3	321
व्रणानामादितः कार्यं	चिकित्सा	25	38	4	447
व्रणावचूर्णनं वर्ण्यं	चिकित्सा	25	43	4	447

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
श					
शकृच्छोणितयोः पित्त	सिद्धि	8	30	6	317
शकृता वायुना वाऽऽमे	सिद्धि	8	26	6	317
शकृद्वातमसृक् पित्तं	सिद्धि	8	20	6	314
शकृन्मूत्रानिलोद्गार	चिकित्सा	14	157	3	613
शक्तूनां पिण्डिकाभिर्वा	चिकित्सा	14	42	3	590
शङ्खः प्रवालः शुक्तिर्वा	चिकित्सा	21	82	4	286
शङ्खप्रवालवैदूर्य	चिकित्सा	26	246	4	537
शङ्खपुष्पीमवाक्पुष्पीं	चिकित्सा	29	62	4	104
शङ्खमूर्धललाटार्तौ	चिकित्सा	26	137	4	511
शङ्खिन्यथ विडङ्गानि	सूत्र	1	81	1	51
शङ्खिन्यार्क पयः शुण्ठी	चिकित्सा	23	209	4	374
शटीचोरकजीवन्ती	चिकित्सा	17	123	4	148
शटीनागरकोदीच्य	चिकित्सा	18	49	4	169
शटीपलाशसिद्धां वा	चिकित्सा	14	92	3	601
शटी पुष्करमूलं च	चिकित्सा	3	211	3	180
शटीपुष्करमूलानां	चिकित्सा	17	129	4	149
शटीपुष्करहिङ्ग्वम्ल	चिकित्सा	5	86	3	276
शटीवचाजगन्धैला	चिकित्सा	5	70	3	272
शट्याः पुष्करमूलस्य	चिकित्सा	8	108	3	389
शणपुष्पी च बिम्बी च	सूत्र	1	79	1	51
शणबीजं यवान् कोलान्	चिकित्सा	15	83	4	36
शतधौतघृतेनाक्तः	चिकित्सा	22	31	4	312
शतपत्रो भृङ्गराजः	सूत्र	27	50	1	500
शतपुष्पावरीभ्यां च	चिकित्सा	19	62	4	229
शतपुष्पावरीमूर्वा	चिकित्सा	29	92	4	111
शतपुष्पा समधुकं	चिकित्सा	8	77	3	382
शतावरीं सहचरं	सिद्धि	4	5	6	234
शतावरीकाशकुशश्वदंष्ट्रा	चिकित्सा	26	50	4	483
शतावरीगोक्षुरकैः श्रृतं	चिकित्सा	4	85	3	244
शतावरीघृतं तस्य	चिकित्सा	19	98	4	236
शतावरी जीवकपृश्नि	चिकित्सा	26	88	4	493
शतावरीदाडिमतिन्ति	चिकित्सा	4	95	3	247

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
शतावरी पयस्या च	चिकित्सा	2/1	25	3	76
शतावरीविदारीक्षु	चिकित्सा	26	169	4	519
शतावरीविदार्योश्च	चिकित्सा	21	84	4	286
शतावर्याः पयस्यास्याः	चिकित्सा	1/4	15	3	61
शतावर्या विदार्याश्च	चिकित्सा	2/2	6	3	82
शतावर्या विदार्याश्च	चिकित्सा	2/4	28	3	99
शतावर्यृद्धिमृद्वीका	चिकित्सा	11	46	3	469
शताह्वा त्वग्बला मूलं	चिकित्सा	26	135	4	510
शताह्वायवबिल्वाम्लैः	सिद्धि	4	8	6	234
शनैः सिद्धास्तथा शीताः	चिकित्सा	16	104	4	107
शनैर्नामयितुं शक्यं	चिकित्सा	28	80	5	44
शब्दः स्पर्शो रसो रूपं	इन्द्रिय	12	58	2	590
शब्दमात्रेण तन्त्रस्य	सूत्र	30	74	1	615
शब्दादीनामशस्तानां	चिकित्सा	1	20	3	10
शमप्रकोपौ दोषाणां	चिकित्सा	5	136	3	287
शमयित्वा तमन्यस्य	चिकित्सा	30	116	4	158
शम्पाकलोध्रमयूरक	चिकित्सा	23	57	4	341
शम्पाकेन त्रिवृतया	चिकित्सा	18	151	4	192
शयनं वसनं यानं	इन्द्रिय	12	36	2	588
शयनं वसनं यानम्	इन्द्रिय	12	37	2	588
शयनाच्छादनैरुष्णैः	चिकित्सा	24	135	4	415
शयनादासनादङ्गात्	इन्द्रिय	11	19	2	579
शयनासनयानानाम्	इन्द्रिय	12	30	2	587
शयानस्य प्रमाणेन	सूत्र	14	47	1	280
शरद्ग्रीष्मवसन्तेषु	सूत्र	27	227	1	535
शरद्वसन्तयोर्विद्वान्	चिकित्सा	3	48	3	124
शरलोमा तु नेत्याह	सूत्र	25	10	1	415
शरादिपञ्चमूलस्य	चिकित्सा	18	100	4	181
शरारिः पुष्कराह्वश्च	सूत्र	27	42	1	500
शराविका कच्छपिका	सूत्र	17	83	1	328
शराविका कच्छपिका	सूत्र	17	105	1	332
शरीरं चिन्त्यते सर्वं	शारीर	8	69	2	516
शरीरं मन्दरुक्शोफं	चिकित्सा	28	36	5	30

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
शरीरं यद्यथा तच्च	शारीर	6	31	2	448
शरीरं शोफितं यस्य	इन्द्रिय	10	15	2	575
शरीरं सत्त्वसंज्ञं च	सूत्र	1	55	1	40
शरीरं सर्वथा सर्वं	शारीर	6	19	2	440
शरीरं हि गते तस्मिन्	शारीर	1	74	2	329
शरीरकम्पः सम्मोहो	इन्द्रिय	11	10	2	578
शरीरकृतसंस्कारः	चिकित्सा	24	11	4	387
शरीरचेष्टा या चेष्टा	सूत्र	7	31	1	151
शरीरदुःखं बलवत्	चिकित्सा	24	101	4	408
शरीरबलदोषाणां	चिकित्सा	5	58	3	269
शरीररोगप्रकृतौ	सूत्र	25	51	1	444
शरीरसंख्यां यो वेद	शारीर	7	19	2	462
शरीरसंख्या सूत्रं च	सूत्र	30	52	1	609
शरीरान्ताश्च शोभन्ते	इन्द्रिय	9	6	2	569
शरीरावयवाः सक्थि	सूत्र	27	334	1	561
शरीरावयवोत्थेषु	चिकित्सा	30	295	5	203
शरीरेन्द्रियसत्त्वात्म	सूत्र	1	42	1	25
शर्करां यवगोधूमौ	चिकित्सा	11	29	3	465
शर्कराक्षीरकाकोली	चिकित्सा	30	51	4	143
शर्कराक्षौद्रयष्ट्याह्व	चिकित्सा	30	89	4	151
शर्कराक्षौद्रसर्पि	चिकित्सा	18	93	4	180
शर्कराचन्दनद्राक्षा	चिकित्सा	18	96	4	179
शर्कराचूर्णपात्रं च	चिकित्सा	1/4	20	3	61
शर्करातृणकाष्ठास्थि	चिकित्सा	13	42	3	533
शर्करात्रिफलाश्यामा	कल्प	7	36	6	68
शर्करा त्रिवृता तुल्या	कल्प	7	59	6	73
शर्करानागरोदीच्यं	चिकित्सा	18	106	4	182
शर्करापिप्पलीचूर्णं	चिकित्सा	18	104	4	182
शर्करापिप्पलीचूर्णैः	चिकित्सा	11	79	3	477
शर्करापिप्पलीतैल	सूत्र	23	35	1	400
शर्करामधुकोपेतं	चिकित्सा	13	103	3	550
शर्करामोदकान्वर्ती	कल्प	7	28	6	66
शर्कराम्भोऽनुपानार्थं	चिकित्सा	18	98	4	181

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
शर्करायाश्च चत्वारि	चिकित्सा	8	143	3	397
शर्करायाश्च भिन्नाया	चिकित्सा	14	163	3	614
शर्करायास्तुगाक्षीर्या	चिकित्सा	2/1	30	3	76
शर्करायास्तुगाक्षीर्या	चिकित्सा	2/2	16	3	84
शर्करायास्तुगाक्षीर्या	चिकित्सा	2/4	30	3	100
शर्करायास्तुलां प्रस्थं	चिकित्सा	16	108	4	108
शर्करार्धतुलां शीते	चिकित्सा	11	64	3	474
शर्करायास्तुलैका स्याद्	चिकित्सा	2/4	25	3	99
शर्कराष्टपलोन्मिश्रा	चिकित्सा	16	79	4	102
शशः सवास्तुकः शस्तो	चिकित्सा	4	49	3	235
शशः स्वादु प्रशस्तश्च	सूत्र	27	77	1	506
शशपक्षिमृगाणां च	चिकित्सा	19	73	4	231
शशहरिणलावमांसैः	चिकित्सा	14	206	3	623
शशान् कपिञ्जलान्	चिकित्सा	24	138	4	416
शशान्कपिञ्जलानेणान्	चिकित्सा	30	260	5	192
शशैणदक्षमार्जार	सिद्धि	10	41	6	377
शश्वत् स्रवत्यथास्रावं	चिकित्सा	30	224	5	184
शष्कुलीर्वाऽप्यपूपान्	इन्द्रिय	5	25	2	548
शस्तं स्त्रीणां च वन्ध्या	चिकित्सा	9	41	3	425
शस्तमुल्लेखनं तत्र	सूत्र	23	8	1	396
शस्ता सर्वाक्षिरोगेषु	चिकित्सा	26	260	4	540
शस्त्रं शास्त्राणि सलिलं	सूत्र	9	20	1	189
शस्त्रारणिनिभां कुर्यात्	सिद्धि	9	76	6	350
शस्त्रास्त्रैर्भिद्यत इव	सूत्र	17	98	1	329
शस्यते घृतमेतत्तु	चिकित्सा	10	24	3	446
शस्यते शिशिरं तोयं	चिकित्सा	24	163	4	419
शस्यन्ते दन्तपवने	सूत्र	5	74	1	122
शाकं गाढ़पुरीषाय	चिकित्सा	13	168	3	562
शाकं गुरुं च रूक्षं च	सूत्र	27	103	1	511
शाकार्थं शाकसात्म्यानां	चिकित्सा	4	40	3	233
शाकैर्मांसैस्तिलैर्माषैः	सूत्र	2	28	1	70
शाखागताः कोष्ठगताश्च	सिद्धि	1	38	6	163
शाखानिलं बद्धपुरीषतां	चिकित्सा	12	38	3	495

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
शाखानुसारी रक्तस्य	चिकित्सा	3	290	3	209
शाखावातार्तानां सकुञ्चित	सिद्धि	10	9	6	368
शाणार्धं मरिचाद् द्वौ	चिकित्सा	26	247	4	537
शाद्वलं च मृणालं च	चिकित्सा	21	75	4	284
शान्तिकर्मेष्टिहोमांश्च	चिकित्सा	9	90	3	438
शान्तिरामाशयोत्थानां	निदान	8	31	2	108
शान्तिरिन्द्रियजानां तु	सूत्र	28	29	1	579
शान्तेऽग्नौ म्रियते युक्ते	चिकित्सा	15	4	4	1
शारदानि च माल्यानि	सूत्र	6	48	1	142
शारीरो जायते पूर्वं	चिकित्सा	3	36	3	120
शार्करं मधु वा जीर्णं	चिकित्सा	24	169	4	421
शालपर्णी बलाबिल्वैः	सूत्र	2	20	1	69
शालयः षष्टिकाश्चैव	चिकित्सा	23	224	4	378
शालयः षष्टिका वास्युः	चिकित्सा	30	257	5	192
शालयो जाङ्गलं मांसं	चिकित्सा	5	133	3	286
शालाक्यतन्त्रेऽभिहि	चिकित्सा	26	123	4	505
शालिषष्टिकनीवार	चिकित्सा	4	36	3	232
शालीक्षुमूलानि यवा	चिकित्सा	4	103	3	249
शाल्मलीत्वग्बलामूलं	चिकित्सा	25	63	4	454
शाल्मलीमूलचूर्णानां	कल्प	6	8	6	54
शास्त्रं ज्योतिः प्रकाशार्थं	सूत्र	9	24	1	190
शिखिगोनर्दहंसाण्डैः	सिद्धि	12	24	6	430
शिखिपित्तार्धयुतं स्यात्	चिकित्सा	23	51	4	340
शिखिबर्हविचित्रार्चि	चिकित्सा	23	109	4	353
शिखिबर्हिबलाकास्थीनि	चिकित्सा	23	98	4	350
शिण्डाकी चासुतं	सूत्र	27	285	1	550
शिथिलं श्वेतपीतं च	चिकित्सा	14	173	3	616
शिम्बी रूक्षा कषाया	सूत्र	27	32	1	497
शिरःकायविरेकौ च	सिद्धि	9	82	6	352
शिरःपार्श्वांसशूलघ्नं	चिकित्सा	8	92	3	384
शिरःपार्श्वांसशूलघ्नं	चिकित्सा	8	98	3	385
शिरःपार्श्वास्थिसन्धीनां	चिकित्सा	24	102	4	408
शिरसः पीडने स्रावे	चिकित्सा	18	65	4	173

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
शिरीषपुष्पस्वरसः	चिकित्सा	17	114	4	145
शिरीषफलमूलत्वक्	चिकित्सा	23	218	4	377
शिरीषबीजं कुष्ठं च	चिकित्सा	14	53	3	593
शिरीषबीजं चोन्माद	चिकित्सा	9	66	3	432
शिरीषबीजं लशुनं	सूत्र	2	5	1	63
शिरीषलामज्जकहेम	सूत्र	3	29	1	81
शिरोगताः सिरा वृद्धो	सूत्र	17	18	1	313
शिरोगते तु सकफे	चिकित्सा	28	193	4	70
शिरोगते विषे नस्तः	चिकित्सा	23	181	4	369
शिरोग्रहः प्रतिश्यायः	चिकित्सा	3	87	3	136
शिरोऽभिघाताद्दुष्टामाः	सूत्र	17	10	1	312
शिरो मन्दरुजं तेन	सूत्र	17	25	1	314
शिरोरुक् पर्वणां भेदो	चिकित्सा	3	85	3	136
शिरोरुग्वेपथुः श्वासः	चिकित्सा	3	99	3	138
शिरोरुहकपालानाम्	सूत्र	5	32	1	114
शिरोरोगाः सहृद्रोगा	सूत्र	17	120	1	335
शिरो विक्षिपते कृच्छ्रान्	इन्द्रिय	8	26	2	567
शिलाजतुप्रयोगेषु	चिकित्सा	1/3	62	3	52
शिलाजतुविधानेन	चिकित्सा	13	153	3	561
शिलाह्वयं वा भिषग्	चिकित्सा	26	99	4	496
शिवं शिवाय भूतानां	चिकित्सा	3	23	3	113
शिवो वायुर्ववौ सर्वा	सूत्र	1	38	1	23
शिशिरस्नातस्योष्मा	चिकित्सा	22	23	4	310
शिशिराम्बुचन्दनार्द्र	चिकित्सा	22	38	4	313
शीघ्रं व्यवायिभावादाशु	चिकित्सा	23	26	4	330
शीघ्रगत्वाद्यथा भूत	सूत्र	16	33	1	306
शीतं गुरु स्निग्ध	चिकित्सा	5	14	3	257
शीतं मधुयुतं प्रातः	चिकित्सा	16	64	4	99
शीतं मन्दं मृदु श्लक्ष्णं	सूत्र	22	17	1	388
शीतं वीर्येण यद्द्रव्यं	सूत्र	26	45	1	470
शीतं शुचि शिवं मृष्टं	सूत्र	27	198	1	529
शीतं सशर्करं मन्थं	सूत्र	6	28	1	139
शीतः सक्तगतिर्यस्तु	सूत्र	18	13	1	340

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
शीतः स्निग्धोऽगुरुः	सूत्र	27	13	1	494
शीतकान्नविदाह्युष्ण	सूत्र	17	91	1	329
शीतको गौरवं तन्द्रा	चिकित्सा	3	100	3	138
शीतप्रियत्वं गलतालु	चिकित्सा	6	14	3	303
शीतरसः पक्वरसो	चिकित्सा	7	44	3	330
शीतरूक्षाल्पसंक्लिष्ट	चिकित्सा	30	158	4	170
शीतलान्यन्नपानानि	चिकित्सा	24	152	4	419
शीतलैर्मधुरैस्तिक्तैः	चिकित्सा	25	14	4	437
शीतवीर्यं यदन्यच्च	चिकित्सा	24	156	4	419
शीतशूलव्युपरमे	सूत्र	14	13	1	270
शीताः पीनसकर्त्र्यश्च	सूत्र	27	124	1	514
शीताः प्रदेहाः परिषेच	चिकित्सा	26	90	4	494
शीताः संग्राहिणश्चैव	सूत्र	27	74	1	506
शीताः सशर्कराक्षौद्राः	सिद्धि	8	42	6	321
शीताः स्वादुकषायास्तु	सूत्र	27	118	1	514
शीतानि चान्नपानानि	चिकित्सा	3	266	3	197
शीतानि चान्नपानानि	चिकित्सा	9	77	3	435
शीताम्बुना पीतवतश्च	कल्प	7	76	6	77
शीताम्बुसेकः सहसा	चिकित्सा	17	137	4	151
शीता रसे विपाके च	सूत्र	27	10	1	494
शीतेनोष्णकृतान्	विमान	3	41	2	157
शीते रात्रौ पिबन् स्नेहं	सूत्र	13	21	1	250
शीते शीतानिलस्पर्श	सूत्र	6	9	1	135
शीतेषु संवृतं सेव्यं	सूत्र	6	15	1	135
शीतोपचारातपशोक	सिद्धि	1	55	6	171
शीतोपचारैर्विविधैः	चिकित्सा	24	22	4	389
शीतोऽल्पो वाऽधिके	सिद्धि	4	26	6	239
शीतोष्णमिति वीर्यं तु	सूत्र	26	65	1	476
शीतोष्णस्निग्धरूक्षाद्यैः	सूत्र	24	17	1	405
शीतोष्णस्निग्धरूक्षैर्हि	चिकित्सा	14	60	3	594
शीर्यन्त इव चास्थीनि	सूत्र	17	68	1	324
शीलं व्यावर्ततेऽत्यर्थं	इन्द्रिय	12	49	2	590
शीलवान्मतिमान्युक्तो	चिकित्सा	1/4	51	3	66

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
शुक्ततिक्तकटुक्षौद्र	चिकित्सा	26	187	4	523
शुक्तेन मातुलुङ्गस्य	चिकित्सा	15	89	4	38
शुक्रं तदस्य प्रवदन्ति	शारीर	2	4	2	351
शुक्रं तस्माद्विशेषेण	चिकित्सा	30	187	5	175
शुक्रं प्रच्यवते स्थानात्	इन्द्रिय	12	50	2	590
शुक्रं मलाश्चैव पृथक्	चिकित्सा	26	42	4	480
शुक्रं संदूषयन्त्याशु	चिकित्सा	30	139	4	164
शुक्रदोषेषु निर्दिष्टं	चिकित्सा	30	192	5	177
शुक्रलैर्जीवनीयैश्च	चिकित्सा	2/3	6	3	88
शुक्रस्थानगतः शुक्र	चिकित्सा	3	82	3	135
शुक्रहा बद्धविण्मूत्रो	सूत्र	26	61	1	473
शुक्राधिकं द्वैधमुपैति	शारीर	2	13	2	354
शुक्राभं शुक्रमिश्रं वा	निदान	4	18	2	59
शुक्रावसानास्तेभ्योऽपि	चिकित्सा	30	185	5	175
शुक्राशयद्वारविघट्टनेन	शारीर	2	19	2	355
शुक्रासृगात्माशयकाल	शारीर	2	6	2	352
शुक्रेण संरुद्धगतिप्रवाहो	चिकित्सा	26	41	4	480
शुक्लं पिष्टनिभं मूत्र	निदान	4	17	2	59
शुक्लं वा भावितं वस्त्रं	सिद्धि	6	80	6	286
शुक्लफेनाङ्गवक्त्रक्षः	चिकित्सा	10	11	3	443
शुक्लमूत्राक्षिवर्चस्त्वं	चिकित्सा	16	25	4	88
शुक्लोपदेहं बहुपिच्छिल	चिकित्सा	26	129	4	508
शुङ्गाभिर्वा वटादीनां	सिद्धि	6	50	6	278
शुण्ठ्याः कर्षं कपित्थस्य	चिकित्सा	11	89	3	479
शुद्धं रूक्षाशयं बद्ध	चिकित्सा	15	80	4	35
शुद्धं संसृज्य च क्षीरं	चिकित्सा	13	62	3	539
शुद्धकोष्ठं तु तं ज्ञात्वा	चिकित्सा	1	28	3	12
शुद्धवैदूर्यविमला	इन्द्रिय	7	12	2	559
शुद्धसत्त्वसमाधानं	शारीर	5	26	2	424
शुद्धसत्त्वस्य या शुद्धा	शारीर	5	16	2	423
शुद्धस्नातां ब्रजेन्नारी	चिकित्सा	2/1	16	3	74
शुद्धस्य तिक्तं सक्षौद्रं	चिकित्सा	5	48	3	267
शुद्धस्याचारविभ्रंशे	चिकित्सा	9	29	3	422

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
शुद्धा उत्कारिकाः कार्या	चिकित्सा	2/4	35	3	100
शुद्धानां क्षामदेहानां	चिकित्सा	13	108	3	551
शुद्धाय काले मधुशर्क	चिकित्सा	20	27	4	251
शुद्धे मार्गे हते दोषे	चिकित्सा	3	244	3	191
शुद्ध्यामयाभक्तकृशा	चिकित्सा	12	5	3	483
शुद्ध्या शोणितमोक्षैः	चिकित्सा	7	172	3	361
शुनःस्कन्धास्थिनखरान्	चिकित्सा	10	38	3	450
शुभाशुभसमाख्याता	शारीर	4	44	2	412
शुष्कं रूक्षं यथा काष्ठं	चिकित्सा	2/4	42	3	101
शुष्ककासश्रमात्यग्नि	सूत्र	27	80	1	506
शुष्कद्रव्येष्विदं मान	कल्प	12	98	6	130
शुष्कमूलककल्केन	चिकित्सा	21	124	4	295
शुष्कमूलककौलत्थैः	चिकित्सा	16	129	4	113
शुष्कमूलकयूषं वा	चिकित्सा	14	93	3	602
शुष्कमूलकयूषश्च	चिकित्सा	5	165	3	292
शुष्कमूलकयूषेण	चिकित्सा	15	144	4	53
शुष्कमूलकशुण्ठानां	चिकित्सा	26	226	4	532
शुष्कस्फिगुदरग्रीवो	सूत्र	21	15	1	376
शुष्काणी कफवातघ्ना	सूत्र	27	177	1	522
शुष्काण्यपि हि काष्ठानि	सूत्र	14	5	1	268
शुष्का महारुजः स्तब्धा	चिकित्सा	25	72	4	456
शुष्कौ प्रक्षाल्य निर्दुह्यात्	चिकित्सा	30	265	5	194
शुष्यतां क्षीणमांसानां	चिकित्सा	8	149	3	399
शुष्यतां व्याधिमुक्तानां	सूत्र	27	313	1	556
शुश्रूषवे वचः श्रुत्वा	चिकित्सा	10	56	3	454
शूकधान्यं शमीधान्यं	सूत्र	27	309	1	555
शूकधान्यशमीधान्य	सूत्र	27	6	1	493
शूनगण्डाक्षिकूटभ्रूः	चिकित्सा	16	30	4	89
शूनपादकरः सास्थि	चिकित्सा	15	54	4	28
शूनहस्तं शूनपादं	इन्द्रिय	6	14	2	555
शूनाक्षं कुटिलोपस्थ	चिकित्सा	13	52	3	537
शूनाक्षिकूटो हरितः	चिकित्सा	16	15	4	85
शूना स्पर्शा क्षमा सार्ति	चिकित्सा	30	24	4	135

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
शूने सवेदने मेढ्रे	चिकित्सा	18	155	4	193
शूयन्ते यस्य गात्राणि	सूत्र	18	9	1	340
शूलं चामाशये तत्र	चिकित्सा	28	206	4	76
शूलं तु पीड्यमाने च	चिकित्सा	28	68	5	39
शूलगुल्मोदरश्वास	चिकित्सा	15	91	4	38
शूलप्रवाहिकाटोप	सूत्र	27	181	1	525
शूलप्रवाहिकाध्मान	सिद्धि	8	22	6	315
शूलस्पन्दनदाहार्तो	सिद्धि	9	45	6	343
शूलाटोपान्त्रकूजाश्च	इन्द्रिय	5	12	2	546
शूलानाहविबन्धार्तं	चिकित्सा	5	99	3	279
शूलानाहविबन्धेषु	चिकित्सा	5	30	3	262
शूलानाहविबन्धेषु	चिकित्सा	13	155	3	561
शूलाविपाकारुचिदाह	चिकित्सा	20	15	4	247
शूलेनैषोऽर्दिताङ्गानां	चिकित्सा	29	144	4	123
शूलेऽरुचौ विबन्धे च	सूत्र	27	153	1	517
शृगालाबुजलौकोभिः	चिकित्सा	8	82	3	383
शृंगाटकं तामलकीं	चिकित्सा	11	37	3	467
शृङ्गाटकं पद्मबीजं	चिकित्सा	18	87	4	178
शृङ्गाटकं विदारीं च	चिकित्सा	2/2	22	3	85
शृङ्गाटकाङ्कलोड्यं च	सूत्र	27	117	1	514
शृङ्गाटकानां लाजानां	चिकित्सा	4	71	3	239
शृङ्गी तामलकी द्राक्षा	चिकित्सा	1	63	3	20
शृतं पयः पिबेत् कासी	चिकित्सा	18	102	4	181
शृतशीतं जलं दद्यात्	चिकित्सा	3	146	3	152
शृतशीतं ससितोपल	चिकित्सा	22	27	4	311
शृताञ्छ्लेष्मातिसारेषु	चिकित्सा	19	107	4	238
शृतैर्नागरदुःस्पर्शा	चिकित्सा	18	159	4	194
शेफश्चात्यर्थमुत्सिक्तं	इन्द्रिय	7	30	2	562
शेलोर्मूलत्वगग्राणि	चिकित्सा	23	187	4	370
शेषत्वादायुषस्तानि	चिकित्सा	14	29	3	588
शेषत्वादायुषो याप्यम्	सूत्र	10	17	1	199
शेषे कृते पाकवशेन	चिकित्सा	12	84	3	509
शैत्यं कासोऽरुचिस्तन्द्रा	चिकित्सा	3	92	3	137

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
शैरीषी त्वक् पुष्पं	चिकित्सा	7	96	3	345
शैलस्य जतुनोऽत्यर्थं	चिकित्सा	28	242	4	84
शैत्यात्प्रसादात्	सूत्र	27	238	1	538
शैलेयकुष्ठागुरुदारु	चिकित्सा	12	65	3	504
शैलेयमेलागुरुणी	सूत्र	3	28	1	81
शैवलपङ्काम्बुरुहैः	चिकित्सा	22	37	4	313
शैवालपद्मोत्पलवेत्र	सूत्र	3	26	1	80
शोकजे वाष्पबहुलं	चिकित्सा	3	123	3	143
शोकात् क्रोधाद्दिवा	चिकित्सा	25	34	4	444
शोकारतिभयोद्वेग	चिकित्सा	24	9	4	385
शोकोद्वेगारतिभयैर्या	चिकित्सा	2/1	13	3	73
शोकोपवासव्यायाम	सूत्र	17	30	1	315
शोथः सञ्जायते	चिकित्सा	3	288	3	208
शोधना बस्तयस्तीक्ष्णा	सिद्धि	9	20	6	335
शोधनार्थाश्च षड् वृक्षाः	सूत्र	1	76	1	50
शोधनौ रोपणीयौ च	चिकित्सा	25	41	4	447
शोधयेद्व्रहुदोषांस्तु	चिकित्सा	25	45	4	449
शोफः श्वेतासिता रक्ताः	चिकित्सा	23	146	4	361
शोफगौरवकण्ड्वाद्यैः	चिकित्सा	29	145	4	123
शोफघ्नं षड्विधं चैव	चिकित्सा	25	40	4	447
शोफारोचकहल्लास	सूत्र	21	47	1	383
शोफार्शोग्रहणीदोष	सूत्र	27	229	1	536
शोफास्तु गात्रावयवाश्रिता	चिकित्सा	12	74	3	506
शोभाञ्जनकसैरेय	सूत्र	14	32	1	274
शोषकासक्षयहितं	सूत्र	27	75	1	506
शोषप्लीहाढ्यवातांश्च	चिकित्सा	11	24	3	464
शोषयन्त्यांशु तन्त्राशाद्	चिकित्सा	30	190	5	176
शोषातिसारौ श्वयथुं	चिकित्सा	15	193	4	64
शोषार्शोग्रहणीदोष	सूत्र	27	182	1	525
शोषार्शोग्रहणीदोषैः	सूत्र	22	27	1	391
शोषिणे बर्हिणं दद्याद्	चिकित्सा	8	150	3	399
शोषी मुञ्चति गात्राणि	चिकित्सा	8	88	3	384
शोषेण सानुबन्धं	चिकित्सा	4	64	3	239

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
शौकरो वा रसः स्निग्धः	सूत्र	13	1	1	264
शौचानुरागयुक्ताभिः	चिकित्सा	24	17	4	387
शौचे संहरणे लोम्नां	सूत्र	5	111	1	129
शौनकः शाकुनेयश्च	सूत्र	1	13	1	17
श्मशानचैत्यवल्मीक	चिकित्सा	23	159	4	365
श्यामात्रिवृतयोर्मूलं	कल्प	7	67	6	75
श्यामात्रिवृत्कषायेण	कल्प	7	68	6	75
श्यामात्रिवृत्कषायेण	कल्प	10	18	6	95
श्यामात्रिवृन्मागधिकां	चिकित्सा	26	12	4	471
श्यामात्रिवृद्विपक्वं वा	चिकित्सा	15	231	4	74
श्यामादन्तीरसे गौडः	कल्प	12	32	6	110
श्यामाबिल्वादिसिद्धैश्च	सिद्धि	4	37	6	242
श्यामापामार्गकारञ्ज	चिकित्सा	10	44	3	451
श्यामायास्त्रिवृतायाश्च	कल्प	7	80	6	78
श्यावं किणखरस्पर्शं	चिकित्सा	7	22	3	325
श्यावता स्तब्धगात्रत्व	सूत्र	22	40	1	393
श्यावत्वमथ कार्ष्ण्यं	चिकित्सा	23	149	4	362
श्योनाकं खदिरं बिल्वं	चिकित्सा	27	56	5	14
श्रद्दधानोऽनुकूलश्च	इन्द्रिय	12	81	2	595
श्रमः क्लमः क्षयस्तृष्णा	सूत्र	7	33	1	152
श्रमव्यवायव्यायाम	सूत्र	26	96	1	486
श्रमाभिघातसंतापैः	सूत्र	24	10	1	404
श्रावणीक्षीरकाकोली	चिकित्सा	29	55	4	103
श्रिया परमया ब्राह्मया	चिकित्सा	27	3	5	1
श्रीयशोज्ञानसिद्धानां	सूत्र	11	52	1	230
श्रीवेष्टकं शल्लकी च	सूत्र	5	23	1	113
श्रीवेष्टकभ्यामकपिप्पली	चिकित्सा	12	66	3	504
श्रुतं बुद्धिः स्मृतिर्वाक्यं	सूत्र	28	37	1	581
श्रुतदृष्टक्रियाकाल	सूत्र	29	11	1	591
श्रुते पर्यवदातत्वं	सूत्र	9	6	1	188
श्रुत्वा सूत्रणमर्थानां	सूत्र	1	34	1	23
श्रूयतां चेदमध्यात्म	शारीर	3	21	2	385
श्रूयतां विधिवत् सौम्य	चिकित्सा	25	6	4	434

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
श्रेयसी बिल्वपर्णी च	सूत्र	27	107	1	511
श्रेयो मृद्वसकृत्पीत	कल्प	12	68	6	124
श्रेष्ठं गन्धकयोगात्	चिकित्सा	7	71	3	339
श्रेष्ठं मधुरपाकित्वात्	चिकित्सा	15	118	4	46
श्रोत्रदौर्बल्यमुन्मादः	सूत्र	23	28	1	399
श्लक्ष्णपिष्टां पयस्यां च	चिकित्सा	30	264	5	194
श्लेष्मणा रुद्धमार्गं तत्	चिकित्सा	16	125	4	112
श्लेष्मणा संवृतेऽपाने	चिकित्सा	28	231	4	82
श्लेष्मणोऽतिप्रसेकेन	चिकित्सा	8	121	3	392
श्लेष्मण्यमुच्यमाने तु	चिकित्सा	17	52	4	130
श्लेष्मप्रसेकः कण्ठास्य	चिकित्सा	24	201	4	429
श्लेष्मप्रसेको वैस्वर्यं	सूत्र	5	30	1	114
श्लेष्मरुद्धबिलो बस्तिः	सिद्धि	9	48	6	343
श्लेष्मलं मधुरं शीतं	सूत्र	27	159	1	517
श्लेष्मलां मधुरा चार्द्रा	सूत्र	27	297	1	552
श्लेष्मलायां कटुप्रायाः	चिकित्सा	30	85	4	151
श्लेष्मलो मारुतघ्नश्च	सूत्र	27	175	1	522
श्लेष्माणं हि समं पित्तं	सूत्र	17	49	1	319
श्लेष्मोत्क्लिष्टेन दुर्गन्ध	सिद्धि	6	32	6	272
श्लैष्मिकान् स्वेदयेद्	सूत्र	14	27	1	273
श्लैष्मिकी स्रवति श्वेतं	सूत्र	17	100	1	329
श्लैष्मिके कटुतिक्तोष्णं	चिकित्सा	16	117	4	110
श्लोकार्धविहितान् दद्यात्	चिकित्सा	19	112	4	239
श्लोकार्धैर्विहितानेतान्	चिकित्सा	8	102	3	385
श्वदंष्ट्राकण्टकारिभ्यां	चिकित्सा	3	182	3	167
श्वदंष्ट्राया विदार्याश्च	चिकित्सा	2/3	14	3	90
श्वदंष्ट्राश्मभिदेरण्ड	सिद्धि	8	13	6	312
श्वदंष्ट्रोशीरमञ्जिष्ठा	चिकित्सा	11	44	3	468
श्वाभिरुष्ट्रैः खरैर्वापि	इन्द्रिय	5	8	2	545
श्वयथावविपाके च	चिकित्सा	13	165	3	562
श्वयथुं सपाण्डुरोगं	चिकित्सा	7	67	3	337
श्वयथुः सर्वमर्मोत्थः	चिकित्सा	13	53	3	537
श्वयथुर्भृशरुक् तोद	चिकित्सा	29	27	4	95

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
श्वयथुर्यस्य कुक्षिस्थो	इन्द्रिय	6	12	2	555
श्वयथुर्यस्य पादस्थ	इन्द्रिय	6	13	2	555
श्वसनं कफवाताभ्यां	सिद्धि	9	16	6	355
श्वसिंहव्याघ्रगोमायु	चिकित्सा	23	10	4	324
श्वात्रिदोषप्रकोपात्तु	चिकित्सा	23	175	4	368
श्वाविज्जाण्डकचाषाणां	चिकित्सा	17	118	4	147
श्वाविधं शशमांसं च	चिकित्सा	17	112	4	145
श्वाविधः सूचयो दग्धाः	चिकित्सा	18	170	4	196
श्वासं विड्भेदमरुचिं	चिकित्सा	8	26	3	368
श्वासः कासः प्रतिश्यायो	चिकित्सा	3	101	3	138
श्वासकासपरीतस्तु	चिकित्सा	30	248	5	190
श्वासज्वरारोचकमेह	चिकित्सा	12	52	3	500
श्वित्रं सकुष्ठं जठराणि	चिकित्सा	1/3	29	3	45
श्वित्राणां सविशेषं	चिकित्सा	7	162	3	359
श्वित्रे कुष्ठे सरुजके	चिकित्सा	13	116	3	558
श्वित्रेऽङ्गे ये स्फोटा	चिकित्सा	7	164	3	359
श्वेतं ताम्रं तनु च	चिकित्सा	7	19	3	323
श्वेतं रक्तं स्थिरं स्त्यानं	चिकित्सा	7	16	3	322
श्वेतकटभीकरञ्जौ	चिकित्सा	23	79	4	346
श्वेतकरवीरकरसो	चिकित्सा	7	105	3	347
श्वेतकरवीरपल्लव	चिकित्सा	7	106	3	347
श्वेतकरवीरमूलं	चिकित्सा	7	94	3	344
श्वेता वचाऽश्वगन्धा	चिकित्सा	23	70	4	345
श्वेते कषायं भवति	सूत्र	27	199	1	529
श्वेतोऽवसन्नवर्त्माऽति	चिकित्सा	25	24	4	441
श्वैत्यं शैत्यं कण्डूः	चिकित्सा	7	36	3	328
ष					
षट् क्षीरे मदिरामण्डे	कल्प	2	14	6	32
षट् चैवैकरसानि स्युः	सूत्र	26	22	1	455
षट्त्रिंशतं सहस्राणि	सूत्र	27	348	1	564
षट्पलं पाययेत् सर्पिः	चिकित्सा	13	78	3	543
षट्पलं मधुनश्चात्र	चिकित्सा	1	68	3	20
षट्पलं शृङ्गवेरस्य	चिकित्सा	28	147	5	61

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
षडङ्गमङ्गं विज्ञानं	सूत्र	30	4	1	592
षड्द्वादशाष्टाङ्गुल	सिद्धि	3	8	6	207
षड्धातुजस्तु पुरुषो	सूत्र	25	15	1	416
षड्ध्वंश्यस्तु मरीचिः	कल्प	12	87	6	129
षड्भिः केचिदहोरात्रैः	चिकित्सा	15	21	4	17
षड्भिरूनानि पञ्चाशद्	विमान	8	153	2	309
षड्भिरेतैर्घृतं सिद्धं	चिकित्सा	19	81	4	233
षड्वर्गाः परिसंख्याता	विमान	8	145	2	304
षड्विंशता विचित्राभिः	सिद्धि	12	41	6	435
षड्विभक्तीः प्रवक्ष्यामि	सूत्र	26	38	1	462
षड्विरेकाश्रितीयोक्तैः	चिकित्सा	30	269	5	195
षण्णां रसानां षट्त्वे च	सूत्र	26	110	1	489
षण्णामास्वाद्यमानानां	सूत्र	26	112	1	489
षण्णामेषां द्विसंसर्गात्	सिद्धि	8	21	6	315
षष्टिकाञ्छालिमुद्गांश्च	सूत्र	5	12	1	109
षष्टिकान्नेन संयुक्त	चिकित्सा	2/2	33	3	85
षष्ठे हिक्का भङ्गः	चिकित्सा	23	21	4	328
षाडवोऽयं प्रदेयः स्यात्	चिकित्सा	11	90	3	479
षाण्ढ्यान्ध्यवीसर्पदकोद	सूत्र	26	102	1	487
षोडशोपद्रवाः प्रोक्ता	चिकित्सा	25	31	4	444
षोडशोपद्रवाः ये च	चिकित्सा	25	119	4	466
ष्ठीवनं रक्तपित्तस्य	चिकित्सा	3	106	3	138
ष्ठीवनं हृदयाशुद्धि	सूत्र	16	7	1	301
स					
संकथा धर्मशास्त्राणां	विमान	3	17	2	146
संकथाहास्यगीतानां	चिकित्सा	24	193	4	427
संक्लेदात् क्रिमयश्चास्य	सूत्र	17	38	1	316
संख्यां निमित्तं रूपाणि	सूत्र	18	54	1	348
संख्या द्रव्याणि दोषाश्च	निदान	5	16	2	76
संख्या निमित्तं प्राग्रूपं	निदान	7	24	2	98
संख्या निमित्तं रूपाणि	निदान	3	18	2	52
संख्या निमित्तं रूपाणि	चिकित्सा	18	191	4	201
संख्या स्याद्गणितं	सूत्र	26	32	1	460

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
संगृहीतो यदा गुल्म	चिकित्सा	5	139	3	287
संग्रहः प्रकृतिर्देशो	सूत्र	20	23	1	372
संग्राहि दीपनं हृद्यं	सूत्र	27	230	1	536
संजृम्भन् संक्षिपंश्च	चिकित्सा	17	28	4	123
संज्ञां मुष्णाति गात्राणां	चिकित्सा	17	24	4	122
संज्ञानाशोष्णनिःश्वासौ	चिकित्सा	23	168	4	366
संदूषिता धातुभिरेव	सिद्धि	1	59	6	173
संधारणाजीर्णरजो	चिकित्सा	26	104	4	499
संधारणादत्यशनाद्	विमान	5	21	2	178
संधारणाद्दिवास्वप्नात्	सूत्र	17	8	1	311
संपूरणैर्मन्दविचेष्टितस्य	चिकित्सा	9	13	3	413
संप्रश्नश्च परीक्षादे	विमान	8	154	2	309
संमूर्च्छितानि तीक्ष्णानि	सूत्र	24	48	1	411
संयाव इति निर्यासे	कल्प	12	103	6	134
संयोगपुरुषस्येष्टो	शारीर	1	85	2	333
संयोगशरमूलीय	सूत्र	30	57	1	611
संयोगाः सप्तपञ्चाशत्	सूत्र	26	24	1	457
संयोगाद्दूषणात्तु	चिकित्सा	4	9	3	223
संयोगे च विभागे च	सूत्र	1	52	1	38
संयोज्य मसृणे क्षीरे	चिकित्सा	2/4	24	3	99
संवत्सरं पयोवृत्तिर्गवां	चिकित्सा	1/3	9	3	42
संवत्सरप्रयोगेण	चिकित्सा	1/3	47	3	49
संवत्सरशते पूर्णे	विमान	3	26	2	150
संवत्सरान्ते पौषीं वा	चिकित्सा	1/3	10	3	42
संवेजयेद्यो रसनां	सूत्र	26	77	1	480
संवृत्याङ्गुलिभिः कर्णौ	इन्द्रिय	4	20	2	541
संशोधनं नार्हति यः	चिकित्सा	6	18	3	304
संशोधनं संशमनं	विमान	7	30	2	213
संशोधनादृते येषां	सूत्र	13	53	1	257
संशोधनाभ्यां शुद्धस्य	सिद्धि	6	24	6	268
संशोधनोल्लेखन	चिकित्सा	6	25	3	305
संशोधिते स्वेदितमश्म	चिकित्सा	12	82	3	509
संसर्गसन्निपातानां	चिकित्सा	3	111	3	141

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
संसर्गे नव षट् तेभ्यः	सूत्र	17	42	1	317
संसृज्यमानं पित्तेन	चिकित्सा	15	47	4	26
संसृष्टं कफवाताभ्यां	चिकित्सा	4	19	3	226
संसृष्टलिङ्गं संसर्गात्	चिकित्सा	4	13	3	223
संसृष्टा व्याधयो यस्य	इन्द्रिय	7	20	2	561
संसृष्टे श्लेष्मणा चैतद्	चिकित्सा	28	140	5	59
संस्कर्ता कुरुते तन्त्रं	सिद्धि	12	37	6	434
संस्काराल्लघवः सन्ति	सूत्र	27	272	1	547
संस्कारोऽभ्यास इत्येते	सूत्र	26	30	1	459
संस्कृतं तत्त्वसम्पूर्णं	सिद्धि	12	38	6	434
संस्त्यानदोषे शिरसि	चिकित्सा	26	105	4	499
संस्थानमाकृतिर्ज्ञेया	इन्द्रिय	7	8	2	559
संस्थानेन प्रमाणेन	इन्द्रिय	7	7	2	559
संस्थाने पीडने गत्यां	चिकित्सा	27	18	5	6
संस्नेह्य कायं सपुरीष	सिद्धि	1	41	6	164
संस्पर्शाश्चन्दनार्द्राणां	चिकित्सा	24	155	4	419
संस्पृश्य मर्माण्यनिलस्तु	चिकित्सा	26	111	4	502
संस्वेद्य नासामुन्नम्य	सिद्धि	9	102	6	359
संस्वेद्य विधिवद्वैद्यो	चिकित्सा	30	252	5	191
स एव कुपितो दोषः	सूत्र	18	45	1	345
सकफे तु प्रवक्ष्यामि	चिकित्सा	21	87	4	287
सकफेऽनिलजे कासे	चिकित्सा	18	48	4	169
सकाकमाची बृहती	चिकित्सा	12	73	3	506
सकोरदूषः श्यामाकः	सूत्र	27	16	1	495
सकोलमूलकरसं	चिकित्सा	5	72	3	273
सकृदुष्णं सकृच्छीतं	चिकित्सा	17	134	4	150
सकृद्रूक्षं सकृत्स्निग्धं	चिकित्सा	15	199	4	66
सक्तवस्तिलपिष्टं च	सूत्र	13	24	1	251
सक्तवो मदिरा क्षौद्रं	सूत्र	23	26	1	400
सक्तवो मधुकं सर्पिः	चिकित्सा	25	48	4	449
सक्तवो वातला रूक्षा	सूत्र	27	263	1	545
सक्तानल्पद्रुताभाषं	सूत्र	24	30	1	408
सक्तूनां वस्त्रपूतानां	चिकित्सा	11	81	3	477

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
सक्रोधपरुषाभाषं	सूत्र	24	31	1	408
स क्षतः क्षीयतेऽत्यर्थं	चिकित्सा	11	12	3	460
सक्षारं पक्वकूष्माण्डं	सूत्र	27	113	1	512
स क्षारः सर्पिषा पीतो	चिकित्सा	15	178	4	60
सक्षारैरर्धपलिकैः	चिकित्सा	13	113	3	553
सक्षीरं वायुना भग्ने	चिकित्सा	28	171	5	66
सक्षौद्रं खदिरारिष्टं	चिकित्सा	23	188	4	370
सक्षौद्रं दधिमण्डैर्वा	चिकित्सा	27	35	5	10
सक्षौद्रं पयसा सिद्धं	चिकित्सा	8	168	3	403
सक्षौद्रं मात्रया तच्च	चिकित्सा	27	44	5	12
सक्षौद्रश्चाभयाप्राशः	सूत्र	23	9	1	396
सक्षौद्रातिविषं पिष्ट्वा	चिकित्सा	19	51	4	227
सक्षौद्रानर्धश्लोकोक्तान्	चिकित्सा	27	33	5	10
सक्षौद्रास्त्रिफलापाठा	चिकित्सा	26	205	4	527
सक्षौद्रैर्वारुणीमण्डैः	चिकित्सा	21	129	4	296
सगुडां पिप्पलीयुक्तां	चिकित्सा	14	119	3	606
सगुडाः सतिलाश्चैव	सूत्र	27	270	1	547
सगुणान्यनुपानानि	सूत्र	27	352	1	565
सगौरवं स्यादनवस्थितत्वं	चिकित्सा	12	11	3	485
सघृतं लवणैर्युक्तं	चिकित्सा	15	205	4	68
सघृतैर्जीवनीयैर्वा	चिकित्सा	25	113	4	464
सङ्करः प्रस्तरो नाडी	सूत्र	14	39	1	276
सङ्कोचं मर्कटं शृङ्गी	चिकित्सा	23	13	4	325
सङ्कोचायामशूलेषु	सूत्र	14	24	1	273
सङ्ख्यामप्यतिवृत्तानां	चिकित्सा	28	13	5	22
सङ्गो विण्मूत्रवातानाम्	सूत्र	7	12	1	148
सचव्यपिप्पलीमूलं	चिकित्सा	19	44	4	223
सचव्यपिप्पलीमूला	चिकित्सा	5	87	3	276
स च सप्तविधो दोषैः	चिकित्सा	21	12	4	261
सचित्रकं धान्ययवान्यजा	चिकित्सा	12	55	3	502
स चिनोत्युपभुंक्ते च	सूत्र	25	9	1	415
स चेदेवमुपक्रान्तः	चिकित्सा	25	49	4	450
स जग्ध्वा स्नेहमात्रां	सूत्र	13	71	1	261

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
सजाम्बवं वा बदरा	चिकित्सा	20	38	4	253
सजीवनीयस्तु रसोऽनु	सिद्धि	11	36	6	393
सज्वरो ज्वरमुक्तश्च	चिकित्सा	3	330	3	217
सञ्चितं पित्तमुद्रिक्तं	चिकित्सा	3	44	3	122
सञ्चितः क्रमशो गुल्मो	चिकित्सा	5	169	3	293
सञ्चूर्ण्य मधुना युक्ता	चिकित्सा	11	22	3	464
सञ्जातबलकायाग्निं	चिकित्सा	13	69	3	541
सततं व्याधितावेता	सूत्र	21	16	1	377
सततस्पन्दना देशाः	इन्द्रिय	12	53	2	590
सतामुपासनं सम्यग्	शारीर	1	143	2	347
सतिक्तकटुसक्षारं	सूत्र	27	303	1	553
सति पादत्रये ज्ञाज्ञौ	सूत्र	9	15	1	188
सतिला सातसीबीजा	चिकित्सा	25	51	4	450
सतैलमाक्षिकास्त्वेते	चिकित्सा	26	218	4	530
सतैललवणं दद्यान्	चिकित्सा	13	90	3	546
सतैलसर्पिर्गुडसैन्धवः	सिद्धि	11	35	6	392
सतैलसर्पिर्लवणैश्च·	सिद्धि	11	33	6	392
सत्यं भूते दया दानं	विमान	3	15	2	145
सत्यपि दोषहरत्वे	सिद्धि	10	6	6	367
सत्यमेते महादोषा	चिकित्सा	24	58	4	397
सत्यवादिनमक्रोधं	चिकित्सा	1/4	30	3	63
सत्याश्रये वा द्विविधे	शारीर	2	43	2	363
स त्रातारमनासाद्य	सूत्र	11	62	1	232
सत्येनाचारयोगेन	चिकित्सा	8	188	3	406
सत्र्यूषणं बिल्वफलं	चिकित्सा	16	59	4	98
सत्त्वमात्मा शरीरं च	सूत्र	1	46	1	32
सत्त्वलक्षणसंयोगो	इन्द्रिय	12	87	2	596
सत्त्वादीनां विकल्पेन	विमान	7	5	2	198
सत्त्वानि तु प्रबुध्यन्ते	चिकित्सा	24	71	4	400
सत्त्वानुबन्धादभ्यासात्	शारीर	1	149	2	348
सदधिव्योषसर्पिष्को	चिकित्सा	17	100	4	143
सदाडिमरसं सर्पिः	सिद्धि	6	65	6	282
सदा रूक्षोपचाराय	चिकित्सा	27	26	5	9

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
सदाहं श्वेतसान्द्रं वा	सिद्धि	9	28	6	338
सदाहरागः श्वयथुः	चिकित्सा	26	115	4	503
सदाहा वेदनावन्तो	चिकित्सा	25	74	4	457
स दूष्यः सर्वभूतानां	चिकित्सा	24	51	4	395
सदेवदार्वलं मांसीं	चिकित्सा	17	78	4	137
सदैव ते ह्यागतवेग	सिद्धि	11	30	6	391
सदोषशब्दं च शकृद्	चिकित्सा	3	326	3	216
सद्यः क्षीणो हि सद्यो	सूत्र	23	31	1	400
सद्यःप्रस्राविणी श्यावा	चिकित्सा	23	158	4	364
सद्यः शुद्धशरीराणां	चिकित्सा	25	39	4	447
सद्यस्तितिक्षतः प्राणाः	इन्द्रिय	10	3	2	574
सद्यो हरति दोषाणां	कल्प	10	7	6	92
सद्वाक्यैश्च शमं याति	चिकित्सा	3	322	3	215
सद्वृत्तैर्न विगृह्णीयात्	सूत्र	30	78	1	616
सनागरं चित्रकं वा	चिकित्सा	14	68	3	595
सनागरं पर्पटकं	चिकित्सा	3	198	3	172
सनागरं पिबेत् पित्तं	चिकित्सा	16	130	4	113
सनागरं समृद्वीकं	चिकित्सा	3	237	3	189
सनागरानिन्द्रयवान्	चिकित्सा	8	125	3	393
सनागराभिः सर्वाभिः	चिकित्सा	24	166	4	421
सनातनाय कृष्णाय	चिकित्सा	23	92	4	347
स नाम्ना केन विज्ञेयः	चिकित्सा	21	8	4	259
स ना संन्याससंन्यस्तः	सूत्र	24	44	1	411
स नास्यत्यसृक्क्षयाद्यः	चिकित्सा	16	33	4	90
सनीलमथवा पीत	चिकित्सा	30	215	5	183
सन्तर्पणोत्था ये रोगा	सूत्र	23	40	1	401
सन्तर्पणोत्थेषु गदेषु	चिकित्सा	6	49	3	311
सन्तर्पयति यः स्निग्धैः	सूत्र	23	3	1	395
सन्तानमूलं येनेह	चिकित्सा	1	12	3	8
सन्तापः सारुचिस्तृष्णा	चिकित्सा	3	26	3	115
सन्तापोऽभ्यधिको बाह्य	चिकित्सा	3	41	3	122
सन्ति चाप्यपरे रोगा	सूत्र	18	40	1	344
सन्ति चाल्पाश्रयाः स्त्रीषु	चिकित्सा	2/4	5	3	95

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
सन्ति पाल्लविकोत्पाताः	सूत्र	30	72	1	615
सन्ति ह्येवंविधा रोगाः	सूत्र	18	37	1	344
सन्तीन्द्रियाणि सन्त्यर्था	शारीर	1	131	2	343
सन्दधीत समं वैद्यो	चिकित्सा	25	66	4	455
सन्धानकृद्वातहरो	सूत्र	27	21	1	496
सन्धारणादजीर्णाद्यैः	सिद्धि	9	79	6	352
सन्धीनां स्फुटनं ग्लानि	सूत्र	17	66	1	324
सन्धुक्षति तथा वह्नि	चिकित्सा	15	201	4	66
सन्ध्यस्थिशिरसः शूलं	चिकित्सा	3	94	3	137
सन्ध्यस्थिशूलमस्वेदो	चिकित्सा	3	40	3	122
सन्निपातज्वरस्तम्भ	कल्प	7	23	6	64
सन्निपातज्वरस्योर्ध्वं	चिकित्सा	3	90	3	137
सन्निपातज्वरस्योर्ध्वमतो	चिकित्सा	3	103	3	138
सन्निपातज्वरो घोरः	चिकित्सा	3	119	3	142
सन्निपातज्वरोऽसाध्यः	चिकित्सा	3	110	3	141
सन्निपातप्रशमनाः	सूत्र	27	70	1	505
सन्निपातप्रशमनाः	सूत्र	27	76	1	506
सन्निपातभवे कार्या	चिकित्सा	26	183	4	522
सन्निपातभवोऽप्येष	चिकित्सा	18	188	4	200
सन्निपातसमुत्थायाः	चिकित्सा	30	86	5	151
सन्निपाते तु सर्वैः	चिकित्सा	26	236	4	535
सन्निपाते विमिश्रं तु	चिकित्सा	30	43	5	141
सन्निपाते हिताः सर्वाः	चिकित्सा	26	290	4	546
सन्निपातोदरे सर्वा	चिकित्सा	13	74	3	543
सन्नो रक्तविबद्धत्वात्	चिकित्सा	8	55	3	376
सपञ्चवल्ककुलक	चिकित्सा	30	74	5	148
सपयः शर्कराक्षौद्रं	चिकित्सा	30	90	5	151
स पाण्डुरोग इत्युक्तः	चिकित्सा	16	12	4	84
सपिच्छिलापरिक्लिन्ना	चिकित्सा	30	123	5	159
सपिपासः ससन्तापो	सूत्र	24	38	1	409
सपिप्पलीकं सयवं	चिकित्सा	8	67	3	380
स पिबेत्त्रिवृतां स्निग्धो	चिकित्सा	16	135	4	115
स पीतो हरिताभो वा	चिकित्सा	16	20	4	87

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
स पुमांश्चेतनं तच्च	सूत्र	1	47	1	33
सपुष्कराह्वं फलपूरमूलं	चिकित्सा	26	84	4	493
स पूर्वं कासते शुष्कं	चिकित्सा	18	21	4	162
सपूर्वरूपाः कफपित्त	चिकित्सा	6	56	3	314
सप्तकश्चाष्टकश्चैव	सूत्र	30	87	1	618
सप्तकृत्वः स्रुतस्यास्य	चिकित्सा	15	172	4	59
सप्तच्छदं प्रतिविषां	चिकित्सा	7	144	3	355
सप्तच्छदारग्वधकेबुकैला	चिकित्सा	26	57	4	484
सप्तच्छदार्कपल्लव	चिकित्सा	7	112	3	348
सप्त च्छिद्राणि शिरसि	चिकित्सा	4	16	3	226
सप्तदशौषधाध्याय	सिद्धि	12	40	6	435
सप्तपर्णश्च संक्षुण्णा	चिकित्सा	7	154	3	357
सप्तभिर्देहधातारो	चिकित्सा	15	15	4	10
सप्तरात्रं गवां मूत्रे	चिकित्सा	16	69	4	100
सप्तरात्रात् समुद्धृत्य	कल्प	8	7	6	82
सप्तर्षीणां समीपस्थां	इन्द्रिय	11	5	2	577
सप्तला चर्मसाह्वा च	कल्प	11	3	6	98
सप्तलाशङ्खिनीभ्यां ते	कल्प	11	19	6	103
सप्ताहं भावयित्वैवं	कल्प	10	16	6	95
सप्ताहं भावयेन्मूत्रे	कल्प	12	24	6	109
सप्ताहमुष्णे द्विगुणं	चिकित्सा	12	33	3	494
सप्ताहं वा दशाहं वा	चिकित्सा	14	78	3	597
सप्ताहमौष्ट्रं त्वथवाऽपि	चिकित्सा	12	26	3	492
सप्ताहाच्छुध्यति क्षिप्र	चिकित्सा	30	77	5	149
सप्ताहादिषु कालेषु	चिकित्सा	3	58	3	127
सप्तोत्तरं मर्मशतं	चिकित्सा	26	3	4	468
सप्रत्यनीकः कुरुते	चिकित्सा	3	62	3	130
सप्रत्यनीको जनयत्ये	चिकित्सा	3	64	3	130
सप्रयोजनमुद्दिष्टं	शारीर	5	25	2	424
सप्रलापभ्रमश्वास	चिकित्सा	3	52	3	126
सफेनं रुधिरं यस्य	इन्द्रिय	9	21	2	572
स बस्तिपायुशोथेन	सिद्धि	7	41	6	302
समग्रं दुःखमायत्त	सूत्र	30	84	1	617

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
समङ्गां शाल्मलीं बिल्वं	चिकित्सा	27	29	5	9
समङ्गाधातकीयुक्तैः	चिकित्सा	25	67	4	455
समङ्गामधुकाभ्यां तिल	चिकित्सा	14	220	3	626
समधातोः पचत्यन्नं	चिकित्सा	15	235	4	74
समधूच्छिष्टमाञ्जिष्ठं	चिकित्सा	29	123	5	118
समनःशिलं विडङ्गं	चिकित्सा	7	167	3	360
समपित्तानिलकफाः	सूत्र	7	39	1	154
सममांसप्रमाणस्तु	सूत्र	21	18	1	377
समर्थानामरोगाणां	चिकित्सा	1/4	27	3	63
समवायं च तज्ज्ञात्वा	सूत्र	1	29	1	22
समवायो पृथग्भावो	सूत्र	1	50	1	36
समश्नतः सर्वरसान्	चिकित्सा	20	14	4	247
समेन सममङ्गेन	चिकित्सा	25	69	4	456
समांशैः साधितं कल्कैः	चिकित्सा	30	59	5	145
समाक्षिकं कौडविकं	चिकित्सा	11	59	3	472
समाक्षिकस्तैलयुतः	सिद्धि	3	41	6	223
समानं शमयेच्चैव	चिकित्सा	28	220	5	80
समानकारिणो येऽर्था	सूत्र	25	42	1	437
समानसत्त्वा या वश्या	चिकित्सा	2/1	11	3	73
समानेनावधूतोऽग्नि	चिकित्सा	15	7	4	4
समानेनावृते व्याने	चिकित्सा	28	214	5	78
स मारुतस्य पित्तस्य	सूत्र	17	81	1	327
समासव्यासभेदेन	चिकित्सा	30	132	5	162
समासात् सर्वरोगाणाम्	चिकित्सा	30	287	5	198
समासेनाशुभान् गन्धान्	इन्द्रिय	2	11	2	529
समीक्ष्य देहदोषाग्नि	चिकित्सा	30	194	5	177
समीक्ष्य दोषौषधदेश	सिद्धि	3	6	6	207
समीपे चक्षुषोः कृत्वा	इन्द्रिय	11	18	2	579
समीरणं वेगविधारणो	सिद्धि	11	31	6	391
समीरणे परिक्षीणे	सूत्र	17	51	1	319
समुत्थानं च लिङ्गं च	निदान	6	17	2	87
समुद्भ्रमं बुद्धिमनःस्मृती	चिकित्सा	9	8	3	411
स मूढचेता न सुखं	चिकित्सा	9	7	3	410

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
समूत्रैर्बस्तिभिस्तीक्ष्णैः	सिद्धि	12	30	6	431
समूलफलपत्रायाः	चिकित्सा	18	125	4	186
समूलां पिप्पलीं क्षारौ	चिकित्सा	15	168	4	58
समूलां पिप्पलीं पाठां	चिकित्सा	15	173	4	60
समूलाग्रच्छदैरण्ड	चिकित्सा	29	141	5	123
समूला पिप्पली मुस्त	कल्प	7	52	6	72
समैस्तु हेतुभिर्यस्मात्	सूत्र	16	37	1	307
सम्पाकं फल्गुमूलं च	चिकित्सा	10	19	3	446
सम्पूरणैः स्नेहपानैः	चिकित्सा	25	12	4	436
सम्पूर्णं कारणं कार्यं	सूत्र	1	137	1	62
सम्पूर्णदेहः समये सुखं	शारीर	2	5	2	352
सम्पूर्णरूपं क्षयजं	चिकित्सा	18	149	4	191
सम्प्रधार्य बलं तस्माद्	चिकित्सा	30	314	5	209
सम्भज्यते सीदति च	चिकित्सा	28	67	5	39
सम्भूतेऽस्मिन् भवेत्	चिकित्सा	16	13	4	85
सम्भ्रमोऽतिप्रलापो	इन्द्रिय	11	16	2	579
सम्यक्प्रयुक्तैर्भिषजा	चिकित्सा	15	213	4	71
सम्यक्प्रयोगं सर्वेषां	सूत्र	1	135	1	61
सम्यग्विपाकवीर्याणि	सूत्र	26	71	1	478
सम्यग्विरिक्तां मतिमान्	चिकित्सा	30	256	5	192
सम्यक् सिद्धं च विज्ञाय	चिकित्सा	29	67	5	105
स यक्ष्मा हुङ्कतोऽश्विभ्यां	चिकित्सा	8	12	3	365
स यदा नेन्धनं युक्तं	सूत्र	6	10	1	135
सयावशूकैः सक्षीरैः	चिकित्सा	8	170	3	403
सरक्ताक्षिमुखच्छर्दिः	चिकित्सा	16	38	4	92
सरलागुग्गुलुयवैः	चिकित्सा	30	121	5	159
सरलागुरुपाठाश्च	चिकित्सा	27	42	5	12
सरागे सरुजे दाहे	चिकित्सा	29	131	5	120
सरिद्ध्रदानां हिमवद्दरीणां	चिकित्सा	4	109	3	249
सरुजं नीरजं वाऽपि	चिकित्सा	30	34	5	138
सर्पकीटविषार्तानां	चिकित्सा	23	242	4	380
सर्पत्यम्बुधरापाये	चिकित्सा	23	8	4	324
सर्पदंष्टाश्चतस्त्रस्तु	चिकित्सा	23	137	4	359

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
सर्पाः कीटोन्दुरा लूता	चिकित्सा	23	9	4	324
सर्पाणामेव विण्मूत्रात्	चिकित्सा	23	140	4	360
सर्पिः पयो रसाः	चिकित्सा	30	152	5	168
सर्पिःपानादिरागन्तो	चिकित्सा	9	33	3	422
सर्पिः शरदि पातव्यं	सूत्र	13	18	1	249
सर्पिः सतिक्तसिद्धं क्षीरं	चिकित्सा	5	184	3	296
सर्पिः सदाडिमरसं	चिकित्सा	14	198	3	621
सर्पिः सिद्धं पिबेध्युक्त्या	चिकित्सा	18	152	4	192
सर्पिरेतेन सिद्धं वा	चिकित्सा	9	73	3	433
सर्पिरेरण्डजं तैलं	चिकित्सा	5	150	3	289
सर्पिर्गुडाः क्षीरविधि	चिकित्सा	20	47	4	257
सर्पिर्गुडान् समध्वंशा	चिकित्सा	11	55	3	470
सर्पिर्मांसरसोष्णाम्बु	कल्प	7	62	6	74
सर्पिषः कुडवश्चैक	चिकित्सा	2/3	17	3	91
सर्पिषश्च पलं दद्यात्	चिकित्सा	1/3	26	3	45
सर्पिषश्चाढ़कं दद्यात्	चिकित्सा	2/1	29	3	76
सर्पिषा कफवातार्शो	चिकित्सा	15	192	4	63
सर्पिषा वा तयोश्चूर्णम्	कल्प	7	21	6	64
सर्पिष्पानादि तस्येह	चिकित्सा	9	89	3	438
सर्पिष्मतीं पिबेत् पेयां	चिकित्सा	3	185	3	167
सर्पिष्मती बहुतिला	सूत्र	2	26	1	70
सर्पिष्मत्या यवाग्वा वा	चिकित्सा	8	119	3	392
सर्पिस्तैलं वसा मज्जा	सूत्र	13	13	1	247
सर्पिस्तैलवसापूय	चिकित्सा	25	27	4	442
सर्पिस्तैलवसामज्जा	सूत्र	13	90	1	264
सर्पिस्तैलवसामज्जा	चिकित्सा	29	44	5	101
सर्पींषि तिक्तकानि च	चिकित्सा	7	59	3	335
सर्पींष्यजाविमहिषी	सूत्र	27	234	1	537
सर्पींष्युपरिभक्तानि	चिकित्सा	26	283	4	544
सर्पेणोद्धृतदंष्ट्रेण	चिकित्सा	9	82	3	436
सर्पो गौधेरको नाम	चिकित्सा	23	134	4	358
सर्वं कारणवद्दुःखमस्वं	शारीर	1	152	2	349
सर्वं तदत्यग्निहितं	चिकित्सा	15	233	4	74

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
सर्वं त्रिदोषजं कुष्ठं	चिकित्सा	7	31	3	327
सर्वं त्रिदोषप्रभवे तु	चिकित्सा	26	58	4	485
सर्वं मदात्ययं विद्यात्	चिकित्सा	24	107	4	409
सर्व एवामितज्ञान	सूत्र	25	7	1	414
सर्व एवास्तुवंस्तांश्च	सूत्र	1	35	1	23
सर्वकर्मगुणकृद्गुरुणोक्तो	सिद्धि	11	16	6	385
सर्वक्षमो ह्यसंसर्गो	सिद्धि	12	9	6	398
सर्वग्रहा न तत्र प्रभ	चिकित्सा	23	89	4	347
सर्वजित् पीनसे दुष्टे	चिकित्सा	26	157	4	516
सर्वतः सुविशुद्धस्य	चिकित्सा	10	16	3	445
सर्वत्र गुल्मे प्रथमं	चिकित्सा	5	113	3	282
सर्वत्रावहितज्ञानः	शारीर	3	22	2	385
सर्वथा सर्वमालोच्य	विमान	4	10	2	169
सर्वदा सर्वभावानां	सूत्र	1	44	1	26
सर्वहदेहगतं शुक्रं	चिकित्सा	15	26	4	19
सर्वदेहानुगाः स्तब्धा	चिकित्सा	3	54	3	127
सर्वदेहाश्रितं क्रोधाद्	चिकित्सा	23	164	4	366
सर्वप्रजानां पितृवच्छरण्यः	चिकित्सा	5	3	3	252
सर्वप्राणभृतां सात्म्यं	सूत्र	1	109	1	56
सर्वभावस्वभावज्ञो	शारीर	5	17	2	423
सर्वभूतहितायर्षिः	चिकित्सा	13	8	3	519
सर्वमन्यत् परित्यज्य	निदान	6	7	2	79
सर्वरोगप्रशमनं	सूत्र	27	314	1	556
सर्वरोगप्रशमनं	चिकित्सा	1/4	24	3	61
सर्वरोगविशेषज्ञः	निदान	8	15	2	105
सर्वरोगविशेषज्ञः	विमान	6	19	2	196
सर्वरोगविशेषाणां	विमान	4	13	2	170
सर्वरोगहरं मुख्यं	कल्प	12	25	6	109
सर्वलोहैः सुवर्णेन	चिकित्सा	1/3	46	3	49
सर्ववित् सर्वसंन्यासी	शारीर	1	14	2	312
सर्वविषघ्नो जयकृद्	चिकित्सा	23	58	4	341
सर्वव्यापत्सु मतिमान्	चिकित्सा	30	115	5	158
सर्वविषशोथगुल्म	चिकित्सा	23	103	4	351

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
सर्वशो हि प्रणिहिताः	विमान	8	146	2	304
सर्वश्चेत् सञ्चरेन्मातुः	सूत्र	11	10	1	206
सर्वस्त्रिदोषजो यक्ष्मा	चिकित्सा	8	63	3	379
सर्वस्थानावृतेऽप्याशु	चिकित्सा	28	240	5	84
सर्वस्नेहोत्तमं शीतं	सूत्र	27	232	1	537
सर्वाकृतिः सन्निपाता	सूत्र	24	41	1	409
सर्वाणि रूपाणि तु	चिकित्सा	26	107	4	501
सर्वाणि रूपाणि तु	चिकित्सा	26	122	4	505
सर्वाण्येकैकशो वाऽपि	चिकित्सा	17	119	4	147
सर्वाण्येतानि रूपाणि	सूत्र	24	33	1	409
सर्वातिसारग्रहणी	चिकित्सा	15	115	4	45
सर्वान्नसेविनः सर्वे	चिकित्सा	16	26	4	89
सर्वास्त्वतिप्रसक्ता रोग	चिकित्सा	21	18	4	309
सर्वा हि चेष्टा वातेन	सूत्र	17	118	1	334
सर्वेऽगदा यथादोषं	चिकित्सा	23	208	4	373
सर्वेन्द्रियाणां वैमल्यं	सूत्र	5	62	1	120
सर्वेषां तैलजातानां	सूत्र	13	12	1	246
सर्वेषां बृंहणे ह्यल्पः	चिकित्सा	17	149	4	153
सर्वेषु मेहेषु मतौ तु	चिकित्सा	6	33	3	307
सर्वेषु विद्याद्विधिमेत	सिद्धि	3	35	6	221
सर्वैरर्धैस्त्रिभिर्वाऽपि	चिकित्सा	8	47	3	372
सर्वैरेतैः समस्तैस्तु	चिकित्सा	10	12	3	443
सर्वैरेभिः समं चूर्णं	चिकित्सा	18	175	4	197
सर्वैर्लिङ्गैर्युक्तं मति	चिकित्सा	7	37	3	328
सर्षपकरञ्जकोषातकीनां	चिकित्सा	7	119	3	349
सर्षपतैलं कल्कैरेतैः	चिकित्सा	7	110	3	348
सर्षपाः संयवाः सर्पिं	चिकित्सा	3	308	3	211
सर्षपाणां मधूकानां	कल्प	5	11	6	50
सर्षपी चालजी चैव	सूत्र	17	106	1	332
सलिङ्गभेषजं सम्यग्	चिकित्सा	28	217	5	78
सलिलाढकसिद्धानां	चिकित्सा	7	141	3	354
स वक्ष्यति शमोपायं	सूत्र	1	18	1	19
सवातघ्नौषधैर्नाडी	चिकित्सा	30	48	5	142

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
सवातातिद्रुतोत्क्षिप्त	सिद्धि	5	8	6	252
स विदग्धः स्रवत्यस्त्रं	सिद्धि	7	59	6	306
स विमार्गोऽनिलः कुर्या	सिद्धि	7	22	6	297
स विमुक्तग्रहश्चन्द्रो	चिकित्सा	8	10	3	365
स वृद्धिं बलकालं च	चिकित्सा	3	69	3	131
सवेतसा क्षीरवतां द्रुमणां	चिकित्सा	12	68	3	505
सव्यथाशोफवैवर्ण्यं	चिकित्सा	3	114	3	142
सव्याङ्गचेष्टा पुरुषार्थिनीं	शारीर	2	24	2	357
सव्येन पार्श्वेन सुखं	सिद्धि	3	18	6	211
सव्योषक्षारलवणं	चिकित्सा	5	142	3	288
सशर्करं शार्करं वा	चिकित्सा	24	137	4	415
सशर्करां तामलकीं	चिकित्सा	17	130	4	149
सशर्करैः कषायैश्च	चिकित्सा	30	76	5	149
स शक्रभवनं गत्वा	सूत्र	1	20	1	20
स शास्त्रमप्यदन्याशु	सिद्धि	12	48	6	445
स शिरःस्थः शिरःशूलं	चिकित्सा	8	16	3	366
स शिरो विषवद्वेगी	सिद्धि	9	72	6	349
स शीघ्रं शीघ्रकारित्वात्	चिकित्सा	3	55	3	127
सशुण्ठिपीतद्रुरसं प्रयोज्यं	चिकित्सा	12	25	3	492
सशेषः स्यात् क्रिया	चिकित्सा	28	194	5	70
सश्वेतं रक्तपर्यन्तं	चिकित्सा	7	18	3	323
सषष्टिकं स्यात्तृणधान्य	चिकित्सा	6	21	3	304
सोत्क्लेशा चारुचिर्यस्य	चिकित्सा	5	50	3	267
ससर्पिर्लवणां कासे	चिकित्सा	18	183	4	198
स सर्वगः सर्वशरीरभृच्च	शारीर	2	32	2	360
ससेवनीमेहनबस्तिशूलं	चिकित्सा	26	38	4	479
ससैन्धवः क्षौद्रयुतः	सिद्धि	3	45	6	224
सस्नेहं दीपनं वृष्य	सूत्र	27	296	1	552
सस्नेहमुष्णं तीक्ष्णं च	सूत्र	1	59	1	43
सस्नेहाः स्नेहसिद्धाश्च	सूत्र	27	271	1	547
सस्नेहैर्बस्तिभिर्वाऽपि	चिकित्सा	5	54	3	268
सस्नेहैः शक्तुभिर्युक्तां	चिकित्सा	14	97	3	602
सस्नेहैः शक्तुभिर्युक्त	चिकित्सा	24	122	4	412

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
सस्नेहैः सरुजं गात्रं	चिकित्सा	28	115	5	54
सस्यसंबोधकं वर्षं	चिकित्सा	24	72	4	400
सहकारात् कपित्थाच्च	कल्प	7	31	6	67
सहजानि त्रिदोषाणि	चिकित्सा	14	28	3	588
सहते नातिसौहित्य	चिकित्सा	13	17	3	523
सहत्वे चासहत्वे च	सूत्र	28	46	1	583
स हन्याज्जाङ्गलरसैः	चिकित्सा	13	83	3	543
सहसा ज्वरसंताप	इन्द्रिय	8	23	2	567
सहसाऽत्यभ्यवहृतैः	चिकित्सा	17	38	4	126
सहसैव नरास्तेन	चिकित्सा	21	7	4	259
सहसोत्पततो दूरं	चिकित्सा	11	7	3	459
सहस्रधौतं सर्पिर्वा	चिकित्सा	3	257	3	194
स हिक्काकासपार्श्वार्ति	सिद्धि	6	72	6	284
सहितौ स्वादुलवणौ	सूत्र	26	19	1	455
सहैलाकुङ्कुमस्पृक्का	चिकित्सा	28	162	5	63
स ह्यस्य तैक्ष्ण्याद्	चिकित्सा	18	68	4	173
सांकृत्यो बैजवापिश्च	सूत्र	1	11	1	17
सांख्यैः संख्यातसंख्येयैः	सूत्र	13	3	1	244
सांसर्ग्यां क्रियमाणायां	चिकित्सा	19	61	4	229
सा कुटी तच्च शयनं	चिकित्सा	3	269	3	200
साक्षिभूतश्च कस्यायं	शारीर	1	10	2	312
सातलात्रायमाणाभ्यां	चिकित्सा	13	70	3	541
सातिविषा कुटजत्वक्	चिकित्सा	14	187	3	619
सात्त्विकैर्विधिवद्युक्त्या	सूत्र	27	195	1	525
सात्म्यं ह्याशु बलं	चिकित्सा	30	320	5	210
सात्म्यतोऽल्पतया	सूत्र	26	106	1	488
साधनं न त्वसाध्यानां	सूत्र	1	63	1	44
साधयित्वा घृतप्रस्थं	चिकित्सा	2/4	29	3	99
साधयित्वा भिषग्दद्यात्	चिकित्सा	28	177	5	67
साधयित्वा भिषक्स्नेहं	सिद्धि	9	98	6	358
साधयेच्छुद्धशुष्कस्य	चिकित्सा	5	94	3	277
साधयेत्तद्धृतं सिद्धं	चिकित्सा	5	125	3	284
साधयेद्विधिवल्लेहं	कल्प	7	24	6	65

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
साधितं योनिवातघ्नं	चिकित्सा	30	54	5	143
साध्यमसाध्यं कृच्छ्रं	चिकित्सा	7	179	3	362
साध्यमौदुम्बरे पात्रे	चिकित्सा	1	51	3	16
साध्यांस्तु भिषजः प्राज्ञाः	निदान	8	13	2	104
साध्याः कफोत्था दश	चिकित्सा	6	7	3	299
साध्या गदा स्वैः	सिद्धि	1	5	6	138
साध्यानां त्रिविधश्चाल्प	सूत्र	10	10	1	196
साध्याश्चाप्यपरे सन्ति	सूत्र	18	38	1	344
साध्याश्चैवाप्यसाध्याश्च	सूत्र	18	41	1	344
साध्यासाध्यविभागज्ञो	सूत्र	10	7	1	196
साध्यासाध्यविभागज्ञो	सूत्र	10	22	1	200
साध्यासाध्यविशेषाश्च	निदान	4	55	2	66
साध्योऽयमिति यः पूर्वं	निदान	5	12	2	76
सान्द्रं गोधूमचूर्णानां	चिकित्सा	2/4	34	3	100
सान्द्रं सपाण्डु सस्नेहं	चिकित्सा	4	11	3	223
सान्द्रीभूतं च कुर्यात्	चिकित्सा	2/2	8	3	82
सान्वासना द्वादश वै	सिद्धि	1	48	6	167
सामं चेत् कुणपं शूलैः	सिद्धि	8	19	6	314
सामान्यमेकत्वकरं	सूत्र	1	45	1	29
सामान्येन मयोक्तानि	इन्द्रिय	2	23	2	532
सामुद्रकं समधुरं	सूत्र	27	304	1	553
सामुद्रं हिक्किने देयं	चिकित्सा	30	301	5	204
सामुद्रेण सहैतानि	सूत्र	1	89	1	53
सामे सातिविषं व्योषं	चिकित्सा	15	105	4	43
सायं च भोज्यं परतो	सिद्धि	1	24	6	155
सारिवां पौष्करं मूलं	चिकित्सा	18	177	4	197
सारिवा पद्मकिञ्जल्क	चिकित्सा	21	76	4	285
सारिवोशीरमञ्जिष्ठा	चिकित्सा	30	275	5	196
सारोदकं वाऽथ कुशो	चिकित्सा	6	46	3	311
सार्था गुर्वादयो बुद्धिः	सूत्र	1	49	1	35
साश्वकर्णैः शृतात्	चिकित्सा	11	32	3	465
साश्वगन्धैः सगोमूत्रैः	चिकित्सा	13	109	3	551
साश्रुविप्लुतनेत्रस्य	चिकित्सा	17	25	4	122

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
सा स्त्री वृष्यतमा तस्य	चिकित्सा	2/1	15	3	74
सास्रावे कलुषे रक्ते	चिकित्सा	3	104	3	138
सा स्यात् सशब्दरुक्	चिकित्सा	30	11	5	131
साहसं वर्जयेत् कर्म	निदान	6	5	2	78
सिंहानृक्षांस्तरक्षूंश्च	चिकित्सा	8	153	3	399
सिञ्चेदाश्वासयेच्चैनं	चिकित्सा	28	209	5	76
सिताकाश्मर्यमधुकैः	चिकित्सा	28	96	5	49
सितादशपलोन्मिश्रा	चिकित्सा	30	67	5	146
सितापलानि पूते च	चिकित्सा	11	58	3	472
सिता वैगन्धिको द्राक्षा	चिकित्सा	23	223	4	378
सितालतावेतसपद्म	सूत्र	3	27	1	81
सितोपलां तुगाक्षीरीं	चिकित्सा	8	103	3	388
सितोपलाजीवकपद्म	सिद्धि	3	50	6	226
सितोपलापलशतं	चिकित्सा	2/4	33	3	100
सितोपलामाक्षिक	चिकित्सा	20	28	4	251
सितोपलासहस्रं च	चिकित्सा	1	50	3	16
सिद्धं तद्दशभिः कल्कैः	चिकित्सा	18	45	4	168
सिद्धं देयं त्रिदोषे स्याद्	चिकित्सा	29	118	5	116
सिद्धं पलाण्डुशाकं	चिकित्सा	14	204	3	623
सिद्धं वक्ष्याम्यथेक्ष्वाकु	कल्प	3	3	6	34
सिद्धं ससैन्धवं तैलं	चिकित्सा	26	141	4	511
सिद्धमभ्यञ्जनं तैलं	चिकित्सा	10	36	3	449
सिद्धमभ्यञ्जनार्थं च	चिकित्सा	15	92	4	38
सिद्धमेतैर्घृतं सद्यो	चिकित्सा	5	75	3	273
सिद्धविद्याधराकीर्णे	चिकित्सा	13	3	3	519
सिद्धशीते सिताक्षौद्र	चिकित्सा	11	51	3	470
सिद्धाः सिद्धिषु वक्ष्यन्ते	चिकित्सा	5	161	3	291
सिद्धानतः प्रवक्ष्यामि	चिकित्सा	5	65	3	271
सिद्धानां बस्तीनां शस्तानां	सिद्धि	10	3	6	366
सिद्धानां सर्पिषामेषा	चिकित्सा	8	172	3	403
सिद्धानि तैलानि घृतानि	चिकित्सा	6	34	3	307
सिद्धार्थतां चाभिनवं	चिकित्सा	1/4	26	3	61
सिद्धार्थता चाभिनवश्च	चिकित्सा	2/3	30	3	93

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
सिद्धा वराहनिर्यूहे	सूत्र	2	25	1	70
सिद्धिं चानुत्तमां लोके	सिद्धि	12	36	6	433
सिद्धिः शीधनयोश्चैव	सूत्र	30	66	1	613
सिद्धिस्थानेऽष्टमे प्राप्ते	सिद्धि	12	55	6	447
सिद्धेभ्यो ब्रह्मचारिभ्यो	चिकित्सा	1/4	64	3	69
सिद्धेऽस्मिन् कुडवं क्षौद्रं	चिकित्सा	11	74	3	476
सिद्धेऽस्मिंश्चूर्णितौ क्षारौ	चिकित्सा	18	160	4	194
सिद्धोऽयमभयारिष्टः	चिकित्सा	14	143	3	610
सिद्ध्यर्थं प्राक्प्रयुक्तस्य	चिकित्सा	30	329	5	214
सिरापर्वास्थिकोष्ठस्थं	चिकित्सा	28	127	5	57
सिरामोक्षैर्जलौकोभिः	चिकित्सा	21	119	4	294
सीदत्याद्ये भ्रमति च	चिकित्सा	23	22	4	328
सीधुमाधवमाध्वीकैः	चिकित्सा	26	190	4	524
सुकुमारकमित्येतत्	चिकित्सा	29	102	5	112
सुकुमारे शिशौ वृद्धे	कल्प	7	8	6	60
सुखप्रपानं सुमदं	चिकित्सा	24	75	4	402
सुखशिक्षितहस्तानां	चिकित्सा	24	188	4	425
सुखशीलाः सुसंभाषाः	चिकित्सा	24	80	4	404
सुखसाध्यं मतं साध्यं	सूत्र	10	9	1	196
सुखसाध्यः कृच्छ्रसाध्यो	चिकित्सा	21	9	4	259
सुखसाध्यः सुखोपायः	निदान	8	33	2	108
सुखाः सहायाः परपुष्ट	चिकित्सा	2/3	29	3	93
सुखार्थाः सर्वभूतानां	सूत्र	28	35	1	581
सुखोदकानुपानाः स्युः	कल्प	4	15	6	45
सुखोपभोगता च स्याद्	चिकित्सा	30	333	5	217
सुखोपविष्टास्ते तत्र	सूत्र	1	15	1	17
सुखोष्णं घृतमण्डं वा	चिकित्सा	17	132	4	149
सुगन्धको लोहवाहः	सूत्र	27	9	1	493
सुगन्धिमाल्यगन्धर्वं	चिकित्सा	24	74	4	402
सुगन्धे प्रक्षिपेदुष्णे	चिकित्सा	2/1	40	3	78
सुचौक्षे मार्तिके कुम्भे	चिकित्सा	1/4	21	3	61
सुतीक्ष्णैः कण्टकैरल्पैः	कल्प	10	8	6	92
सुदग्धायां विधूमायां	सूत्र	14	62	1	283

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
सुधाक्षीरद्रवे चूर्णं	चिकित्सा	5	153	3	290
सुनिषण्णकचाङ्गैर्योः	चिकित्सा	14	239	3	629
सुनिषण्णकनिम्बार्क	चिकित्सा	27	27	5	9
सुनिषण्णकवेत्राग्र	चिकित्सा	29	52	5	102
सुपिष्टैः पलिकैः पानात्	चिकित्सा	28	138	5	59
सुप्ते भिषजि ये दूता	इन्द्रिय	12	11	2	584
सुमनःकोरकाः शङ्ख	चिकित्सा	26	241	4	536
सुमुखा सर्वभूतानां	सूत्र	7	59	1	161
सुरदारुकनककुङ्कुम	चिकित्सा	23	78	4	346
सुरदारुशताह्वैला	सिद्धि	10	15	6	371
सुरया दधिमण्डेन	कल्प	10	12	6	93
सुरसस्य च पत्राणि	चिकित्सा	26	269	4	542
सुरां सह पुषापाठां	चिकित्सा	14	69	3	595
सुरा कृशानां पुष्ट्यर्थं	सूत्र	27	323	1	557
सुरामाध्वीकसीधूनां	चिकित्सा	8	140	3	397
सुरा समण्डा रूक्षोष्णा	सूत्र	27	190	1	525
सुरासवस्तीव्रमदो	सूत्र	27	187	1	525
सुरासौवीरकाभ्यां च	चिकित्सा	13	118	3	554
सुराह्वं चित्रकं कुष्ठं	चिकित्सा	27	37	5	10
सुरैः सुरेशसहितैः	चिकित्सा	24	3	4	385
सुवर्चला गृञ्जनकं पटोलं	चिकित्सा	12	63	3	504
सुवर्चलायाश्चञ्चोर्वा	चिकित्सा	19	32	4	221
सुवर्चलारसो दुग्धं	चिकित्सा	17	113	4	145
सुवर्णं समलाः पञ्च	सूत्र	1	70	1	49
सुवर्णरूप्यत्रपुताम्ररीति	सिद्धि	3	7	6	207
सुशीतैः स्तम्भयेत् सेकैः	चिकित्सा	23	171	4	367
सुविरिक्ते तु सोद्गार	कल्प	12	73	6	125
सुशुद्धैर्नक्तकैः पिण्ड्या	सूत्र	14	11	1	270
सुशुष्कां मृत्तिकां	चिकित्सा	19	65	4	229
सुसंस्कृतास्तित्तिरिबर्हि	चिकित्सा	20	23	4	250
सुस्निग्धं क्रूरकोष्ठं च	कल्प	12	78	6	127
सुस्निग्धैरम्ललवणैः	चिकित्सा	13	174	3	562
सुस्पर्शोऽपचिताङ्गश्च	सूत्र	5	89	1	125

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
सुहृदश्चानुकूलास्तं	चिकित्सा	10	63	3	455
सुहृदां रमणीयानां	चिकित्सा	8	186	3	406
सूक्ष्मं ताम्ररजस्तस्मै	चिकित्सा	23	239	4	380
सूक्ष्मानना बहुस्रावा	चिकित्सा	25	80	4	458
सूचीभिरिव तीक्ष्णाभिः	चिकित्सा	18	22	4	162
सूप्यान्नविकृता भक्ष्या	सूत्र	27	274	1	548
सूर्योदयेऽशुसंतापाद्	सिद्धि	9	80	6	352
सृजत्यार्तवगर्भौ च	चिकित्सा	28	11	5	21
सृमरश्चमरः खड्गो	सूत्र	27	39	1	499
सृष्टभिन्नशकृद्वातो	सूत्र	27	186	1	525
सृष्टविट् पैत्तिको वाऽथ	चिकित्सा	3	181	3	167
सृष्टा ललाटे चक्षुर्वै	चिकित्सा	3	20	3	113
सेकप्रदेहौ रक्तस्थे	चिकित्सा	3	316	3	214
सेकावगाहाः शिशिराः	चिकित्सा	26	49	4	483
सेकाभ्यङ्गप्रदेहान्न	चिकित्सा	29	42	5	100
सेके प्रदेहे शस्यन्ते	चिकित्सा	24	162	4	429
सेदानीमौषधैर्युक्ता	कल्प	7	6	6	59
सेवया वसनानां च	चिकित्सा	24	187	4	425
सेवा रूक्षान्नपानानां	सूत्र	21	11	1	376
सेव्यं पिबेत्काञ्चन	चिकित्सा	20	32	4	251
सैन्धवं त्रिफला व्योषं	चिकित्सा	26	242	4	536
सैन्धवं पिप्पलीं भार्गीं	चिकित्सा	18	63	4	173
सैन्धवं मदनं कुष्ठं	सिद्धि	4	13	6	236
सैन्धवं शौकरी दंष्ट्रा	चिकित्सा	26	251	4	537
सैन्धवदन्तीमरिचं	चिकित्सा	7	48	3	330
सैन्धवार्धाक्ष एकैकः	सिद्धि	8	7	6	311
सैन्धवौद्भिदसामुद्र	चिकित्सा	15	85	4	36
सैव युक्ता पुनर्युङ्क्ते	सूत्र	21	38	1	381
सोऽजीर्णं नीलपीताभं	चिकित्सा	15	66	4	32
ससर्जरसयष्ट्याह्व	सिद्धि	7	57	6	305
सोद्गारायां भृशं वम्यां	सिद्धि	6	53	6	279
सोऽनन्तपारं त्रिस्कन्ध	सूत्र	1	25	1	21
सोऽनन्तवातिस्तं हन्यात्	सिद्धि	9	86	6	354

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
सोऽन्तर्गूढ़ं कफं हन्ति	चिकित्सा	30	324	5	212
सोपद्रवं साङ्गशूलं	चिकित्सा	29	95	5	111
सोपधाने सुसंस्तीर्णे	चिकित्सा	24	14	4	387
सोऽभिगम्य जयाशीर्भिः	सूत्र	1	21	1	20
सोऽभिभूतोऽतिमहता	चिकित्सा	8	8	3	364
सोऽभिषङ्गाज्ज्वरो ज्ञेयो	चिकित्सा	3	115	3	142
सोमराज्यसनः शस्त्रं	चिकित्सा	26	279	4	542
सोमवल्कोऽश्वकर्णश्च	चिकित्सा	23	220	4	377
सोऽल्परक्तोऽल्पमेदस्को	चिकित्सा	16	6	4	82
सोऽहं जयजयापुत्रो	चिकित्सा	23	91	4	347
सौक्ष्म्यात् सर्वरसत्वात्	चिकित्सा	29	13	5	92
सौक्ष्म्यादौष्ण्याल्लघु	सूत्र	27	301	1	552
सौक्ष्म्यान्मद्यं निहन्त्येव	चिकित्सा	24	34	4	391
सौभाग्यार्थं स्त्रियः	चिकित्सा	23	233	4	380
सौम्यासौम्यकथाप्रायं	चिकित्सा	24	77	4	402
सौवर्चलं नागरं च	चिकित्सा	17	109	4	145
सौवर्चलं पुष्कराख्य	चिकित्सा	14	63	3	595
सौवर्चलं विडं पाक्यं	चिकित्सा	15	109	4	44
सौवर्चलमजाजी च	चिकित्सा	24	177	4	423
सौवर्चलयवक्षार	चिकित्सा	18	126	4	186
सौवर्चलयवक्षार	चिकित्सा	26	227	4	532
सौवर्चलानुसंविद्धं	चिकित्सा	24	111	4	410
सौवर्चलाभयाधात्री	चिकित्सा	18	122	4	185
सौवर्णैः राज़तैश्चापि	चिकित्सा	24	15	4	387
सौवर्चलैलामरिचैः	चिकित्सा	24	181	4	424
सौवीरकं तुषोदकमालो	चिकित्सा	7	45	3	330
सौवीरकादिभिः सप्त	कल्प	10	21	6	96
सौवीरमञ्जनं तुत्थं	चिकित्सा	26	250	4	537
सौवीरमञ्जनं नित्यं	सूत्र	5	15	1	111
सौहित्यमेषां गत्वा तु	चिकित्सा	1/3	14	3	43
स्खलतः संप्रतिष्ठानं	सूत्र	5	102	1	127
स्तनयोः पूर्ववत् कार्यं	चिकित्सा	30	267	5	194
स्तन्यानि जीवनीयानि	चिकित्सा	25	99	4	461

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
स्तब्धं गुरु स्यात्	चिकित्सा	26	80	4	492
स्तब्धः कठिनसंस्पर्शो	चिकित्सा	25	11	4	436
स्तब्धभ्रष्टगुदे पूर्वं	चिकित्सा	19	46	4	225
स्तब्धश्च शूनो भृश	चिकित्सा	26	43	4	480
स्तब्धा निश्चेतना गुर्वी	इन्द्रिय	8	14	2	566
स्तब्धानि सुप्तसुप्तान्य	चिकित्सा	7	56	3	334
स्तब्धा सिराजालवती	सूत्र	17	86	1	328
स्तब्धाश्च ये सङ्कुचिता	सिद्धि	1	32	6	161
स्तभ्येते प्रतिबुद्धस्य	इन्द्रिय	5	24	2	548
स्तम्भं पिपीलिकासृप्ति	चिकित्सा	30	10	5	131
स्तम्भतोदरुगायाम	चिकित्सा	29	138	5	122
स्तम्भनं स्तम्भयति	सूत्र	22	12	1	388
स्तम्भवेपथुनिस्तोद	सिद्धि	6	77	6	285
स्तम्भशूलानि घोराणि	सिद्धि	6	91	6	289
स्तम्भसुप्तिगुरुत्वाद्याः	सिद्धि	9	93	6	357
स्तम्भायामेषु महतीं	चिकित्सा	18	143	4	190
स्तम्भारुच्यविपाका	चिकित्सा	22	48	4	316
स्तिमितो मस्तकश्चैव	सूत्र	5	54	1	119
स्तुवन्नामसहस्रेण	चिकित्सा	3	312	3	213
स्तैमित्यं गुरुगात्रत्वं	चिकित्सा	14	180	3	617
स्तैमित्यं गौरवं स्नेहः	चिकित्सा	29	29	5	96
स्तैमित्यशीतज्वरमात्रसाद	चिकित्सा	5	15	3	257
स्त्रीणामत्यर्थगमनाद्	चिकित्सा	30	143	5	166
स्त्रीणामार्तवकाले तु	सिद्धि	9	62	6	347
स्त्रीशोकभयभाराध्व	चिकित्सा	24	89	4	405
स्त्र्याश्रयो हीन्द्रियार्थो	चिकित्सा	2/1	6	3	72
स्थलजा जाङ्गलाः प्रोक्ता	सूत्र	27	55	1	503
स्थानं प्राणस्य मूर्धोरः	चिकित्सा	28	6	5	20
स्थानपानान्नसांकथ्य	चिकित्सा	24	45	4	394
स्थानादुत्कासमानश्च	चिकित्सा	18	26	4	163
स्थानानामनुरूपैश्च	चिकित्सा	28	58	5	36
स्थानान्यष्टौ तथा गन्धाः	चिकित्सा	25	18	4	438
स्थापयेदासनं वाऽपि	सूत्र	14	57	1	282

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
स्थाप्यं बहुकालाबुनि	चिकित्सा	7	116	3	348
स्थावरं तु ज्वरं हिक्कां	चिकित्सा	23	16	4	327
स्थिता महर्षयः पूर्वं	चिकित्सा	1/3	8	3	42
स्थिरकठिनमण्डलानां	चिकित्सा	7	50	3	333
स्थिरसत्त्वशरीरा ये	चिकित्सा	24	85	4	405
स्थिरादिकल्कैः पयसा	चिकित्सा	26	95	4	495
स्थिरादिपञ्चमूलेन	चिकित्सा	8	133	3	395
स्थिरादिवर्गस्य पुनर्नवा	चिकित्सा	26	23	4	474
स्थिरादीनां बलादीनाम्	सिद्धि	8	40	6	320
स्थिरापयस्याजीवन्ती	चिकित्सा	30	50	5	143
स्थिरा बला च तत्	चिकित्सा	3	242	3	191
स्थिरा श्वदंष्ट्रा बृहती	चिकित्सा	29	76	5	107
स्थिरासितापृश्निपर्णी	चिकित्सा	18	101	4	181
स्थूलः प्रमेही बलवान	चिकित्सा	6	15	3	303
स्थौणेयतगरध्याम	चिकित्सा	28	154	5	62
स्थौल्यकार्श्ये वरं कार्श्यं	सूत्र	21	17	1	377
स्नातस्य भुक्तस्य रसेन	सिद्धि	9	53	6	345
स्नातानुलिप्तगात्रेऽपि	इन्द्रिय	5	16	2	546
स्नानमुत्सादनं स्वप्नो	सूत्र	22	28	1	391
स्नानाभ्यङ्गोत्सादन	चिकित्सा	23	118	4	354
स्नायादृतुसुखैस्तोयैः	चिकित्सा	8	179	3	405
स्नायौ सिराकण्डराभ्यो	सूत्र	28	21	1	578
स्निग्धं वातहरैः स्नेहैः	सिद्धि	6	44	6	276
स्निग्धं स्विन्नं विशुद्धं	चिकित्सा	13	72	3	542
स्निग्धः स्वेदैरुपक्रम्य	सूत्र	14	67	1	284
स्निग्धक्षीरा दारुमुस्त	चिकित्सा	30	276	5	196
स्निग्धमुद्वर्तनं स्नानं	सूत्र	21	32	1	380
स्निग्धशीतं हितं वाते	चिकित्सा	14	175	3	617
स्निग्धशीतस्तनुकफे	चिकित्सा	18	86	4	178
स्निग्धस्य मृदुकोष्ठस्य	सिद्धि	6	92	6	289
स्निग्धस्य योगा विविधाः	चिकित्सा	6	16	3	303
स्निग्धस्य व्याहते वेगे	चिकित्सा	26	155	4	515
स्निग्धस्य सुस्विन्नतनो	सिद्धि	1	11	6	143

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
स्निग्धस्य सूक्ष्मेष्वयनेषु	सिद्धि	1	8	6	142
स्निग्धस्विन्नशरीराणां	सूत्र	7	47	1	158
स्निग्धस्विन्नस्य चात्यल्पं	सिद्धि	6	40	6	275
स्निग्धस्विन्नेऽतितीक्ष्णो	सिद्धि	7	12	6	295
स्निग्धस्विन्ने महादोषे	सिद्धि	7	40	6	302
स्निग्धस्विन्नोत्तमाङ्गस्य	सूत्र	5	69	1	121
स्निग्धस्विन्नो विरेच्यस्तु	कल्प	7	12	6	61
स्निग्धाः स्वेदा निवातं	चिकित्सा	28	105	5	52
स्निग्धाच्छमुखवर्ण	चिकित्सा	18	27	4	163
स्निग्धातिगुर्वामविदाहि	चिकित्सा	20	12	4	246
स्निग्धात् पात्राद्यथा तोय	सिद्धि	6	11	6	264
स्निग्धाम्ललवणमधुरं	सिद्धि	8	43	6	321
स्निग्धाम्ललवणां सिद्धां	चिकित्सा	18	78	4	176
स्निग्धाम्ललवणोष्णैश्च	चिकित्सा	18	13	4	159
स्निग्धाम्लोष्णैश्च लघ्वन्नं	चिकित्सा	26	142	4	511
स्निग्धाम्ललवणोष्णैः	सिद्धि	4	29	6	240
स्निग्धाम्लस्वादुहृद्यानि	सिद्धि	12	7	6	396
स्निग्धे गुदे नेत्रचतुर्थ	सिद्धि	3	19	6	211
स्निग्धेन गुरुकोष्ठेन	सिद्धि	6	61	6	281
स्निग्धेऽन्ने भुक्ते या	चिकित्सा	22	56	4	317
स्निग्धे स्थाप्यं घटे	कल्प	7	70	6	76
स्निग्धोऽतिजाड्यं पवनं	सिद्धि	3	22	6	213
स्निग्धो दाडिमतक्राम्लो	चिकित्सा	15	116	4	46
स्निग्धोष्ण एकः पवने	सिद्धि	3	69	6	231
स्निग्धोष्णं दाडिमं हृद्यं	सूत्र	27	150	1	517
स्निग्धोष्णं मारुते	सूत्र	27	321	1	557
स्निग्धोष्णमुष्णरूक्षं च	चिकित्सा	4	23	3	229
स्निग्धोष्णंलघुशीतानि	चिकित्सा	27	8	5	3
स्निग्धोष्णलवणाम्लैश्च	चिकित्सा	24	125	4	413
स्निग्धोष्णेनोदिते 'गुल्मे	चिकित्सा	5	33	3	263
स्निग्धोष्णैरन्नपानैश्च	चिकित्सा	3	294	3	210
स्निग्धोष्णो मधुरस्तिक्तः	सूत्र	27	30	1	497
स्नेहं तु युञ्जन्नबुधस्तु	सिद्धि	1	58	6	173

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
स्नेहं पीत्वा नरः स्नेहं	सूत्र	13	64	1	260
स्नेहं बहुविधं स्वप्ने	इन्द्रिय	5	17	2	547
स्नेहं स्वेदं विरेकं च	चिकित्सा	13	77	3	543
स्नेहः स्वेदः सर्पिर्बस्ति	चिकित्सा	5	183	3	296
स्नेहः स्वेदो भेदो लङ्घन	चिकित्सा	5	186	3	296
स्नेहद्रव्यैस्तथाऽऽहारैः	चिकित्सा	30	106	5	156
स्नेहद्विषः स्नेहनित्या	सूत्र	13	82	1	264
स्नेहनं बृंहणं वर्ण्यं	सूत्र	27	85	1	506
स्नेहनं शोधनं चैव	सिद्धि	9	90	6	355
स्नेहनं शोधनं चैव	सिद्धि	9	116	6	364
स्नेहनं स्नेहविष्यन्द	सूत्र	22	11	1	388
स्नेहनप्रीणनाह्लाद	सूत्र	26	74	1	480
स्नेहनस्वेदनाध्याया	सूत्र	30	39	1	606
स्नेहने स्वेदने शुद्धौ	सूत्र	16	26	1	304
स्नेहपाकस्त्रिधा ज्ञेयो	कल्प	12	102	6	134
स्नेहपानं तथाऽभ्यङ्गः	इन्द्रिय	5	33	2	548
स्नेहपानं हितं गुल्मे	चिकित्सा	5	24	3	260
स्नेहपीतस्य मन्दाग्नेः	चिकित्सा	13	45	3	534
स्नेहपूर्वं प्रयुक्तेन	सूत्र	14	4	1	268
स्नेहबस्तिं निरूहं वा	सिद्धि	4	50	6	246
स्नेहबस्तीन्त्रिबोधेमान्	सिद्धि	4	3	6	233
स्नेहमग्रे प्रयुञ्जीत	सूत्र	13	99	1	267
स्नेहयन्ति तिलाः पूर्वं	सूत्र	13	85	1	264
स्नेहस्य पानमिष्टं शुद्धे	चिकित्सा	7	42	3	329
स्नेहस्वेदक्रमस्तत्र	चिकित्सा	27	41	5	12
स्नेहस्वेदविधिस्तत्र	सूत्र	7	13	1	148
स्नेहस्वेदैरनापाद्य	सिद्धि	7	47	6	303
स्नेहस्वेदोपपन्नं तं	चिकित्सा	10	61	3	455
स्नेहस्वेदोपपन्नानां	सूत्र	24	54	1	412
स्नेहस्वेदोपपन्नेन	सिद्धि	6	10	6	263
स्नेहाः स्नेहयितव्याश्च	सूत्र	22	31	1	391
स्नेहाः स्नेहविधिः कृत्स्न	सूत्र	13	100	1	267
स्नेहात्तमग्निसंप्लुष्टां	सूत्र	5	25	1	113

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
स्नेहाच्चामं चितं कोष्ठे	चिकित्सा	27	10	5	3
स्नेहाजीर्णं जरयति	सिद्धि	4	44	6	244
स्नेहात् प्रस्कन्दनं जन्तु	सूत्र	13	80	1	263
स्नेहाद्वातं शमयति	निदान	1	39	2	31
स्नेहान्नविधिभिस्तद्वत्	चिकित्सा	15	214	4	71
स्नेहान् प्रदायाशु भिषग्	सिद्धि	1	50	6	169
स्नेहाभ्यङ्गाद्यथा कुम्भ	सूत्र	5	85	1	124
स्नेहाशयाः स्थावरसंज्ञिता	सूत्र	13	11	1	246
स्नेहाहारविधिश्चाग्र्यो	चिकित्सा	14	254	3	632
स्नेहा ह्येते च विहिता	सूत्र	1	88	1	53
स्नेहितं वा पुनस्तीक्ष्णं	सिद्धि	6	70	6	283
स्नेहेन रौक्ष्यं लघुतां	सिद्धि	1	30	6	159
स्नेहे प्रत्यागते ताभ्यां	सिद्धि	9	61	6	346
स्नेहैः समूत्रैः सह	चिकित्सा	26	25	4	475
स्नेहैर्मधुरसिद्धैर्वा	चिकित्सा	29	125	5	119
स्नेहैर्यथार्हं तान् सिद्धैः	सूत्र	13	92	1	265
स्नेहो बन्धः स्थिरत्वं	सूत्र	18	51	1	346
स्नेहो मुखार्धे सुव्यक्तो	इन्द्रिय	1	19	2	525
स्नेह्याः के के न च	सूत्र	13	6	1	244
स्नैहिकं धूमजे दोषे	सूत्र	5	40	1	116
स्पर्शनेन्द्रियसंस्पर्शः	शारीर	1	133	2	344
स्पर्शनेऽभ्यधिको वायुः	सूत्र	5	87	1	124
स्पर्शाज्ञत्वमतिस्वेदो	चिकित्सा	7	11	3	321
स्पृक्काप्लवस्थौणेय	चिकित्सा	23	54	4	341
स्पृश्यान् संस्पृश्य संपूज्य	चिकित्सा	8	180	3	405
स्फिक्पूर्वा कटिपृष्ठोरु	चिकित्सा	28	56	5	35
स्फुरणाक्षेपसन्ध्यस्थि	चिकित्सा	13	64	3	539
स्फुरत्यति सिराजालं	सूत्र	17	21	1	313
स्फोटाश्च तीव्रा जायन्ते	चिकित्सा	30	169	5	172
स्मृतिः सत्सेवनाद्यैश्च	शारीर	1	147	2	348
स्मृतिनिर्देशकारित्व	सूत्र	9	9	1	187
स्मृतिबुद्धिप्रमोहश्च	सूत्र	21	48	1	383
स्मृतिबुद्ध्याग्निशुक्रौजः	सूत्र	27	231	1	537

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
स्मृतिमान् हेतुयुक्तिज्ञो	सूत्र	2	36	1	73
स्मृतिस्त्यजति मेधा च	इन्द्रिय	12	48	2	590
स्मृतेरपगमं प्राहुः	चिकित्सा	10	3	3	441
स्याज्जीवनीयसिद्धं	चिकित्सा	22	41	4	315
स्यात् कटीगुदजङ्घार्ति	सिद्धि	5	11	6	254
स्यात् कर्णिकैकाऽग्र	सिद्धि	3	10	6	208
स्यात्किट्टं केशलोमा	चिकित्सा	15	19	4	15
स्यात्तयोः पीडनाद्धानि	चिकित्सा	28	235	5	83
स्यात्तर्पणं तत्र मृदु	सिद्धि	1	53	6	170
स्यात्तालुविद्रध्यपि दाह	चिकित्सा	12	77	3	508
स्यात्तैजसी प्रभा सर्वा	इन्द्रिय	7	14	2	560
स्यात्त्रायमाणविधिरेष	चिकित्सा	4	90	3	245
स्यात्त्र्यूषणं द्वे त्रिफले	चिकित्सा	26	87	4	493
स्यात् पिप्पलीसर्षप	चिकित्सा	26	14	4	471
स्यात् साम्ललवणस्कन्ध	सिद्धि	7	31	6	299
स्यात् सार्ति दाहनिस्तोद	सिद्धि	5	16	6	255
स्याद्दीपनो मांसबल	सिद्धि	3	38	6	222
स्याद्बस्तिर्व्योषतिक्ताम्लः	सिद्धि	8	32	6	317
स्याद्बस्तौ कुण्डलीभूते	सिद्धि	9	49	6	343
स्याद्भस्मनस्तत् सलिलेन	चिकित्सा	12	45	3	498
स्याद्वातिकस्य वात	चिकित्सा	23	28	4	332
स्युर्ज्वरश्चातिसारश्च	सिद्धि	12	31	6	432
स्युर्वाते तत्र बस्त्यादि	चिकित्सा	28	210	5	77
स्योनाकवर्धमानानां	चिकित्सा	17	80	4	137
स्रंसनं त्रीन्मलान् बस्ति	चिकित्सा	3	172	3	164
स्रंसनोल्लेखनैर्धूमैः	सूत्र	24	52	1	411
स्रग्भिर्नीलोत्पलैः	चिकित्सा	3	263	3	197
स्रष्टा त्वमितसंकल्पो	सूत्र	25	23	1	417
स्रस्ते दोषाशये दद्यात्	चिकित्सा	13	119	3	554
स्रुक्क्षीरपलकल्केन	चिकित्सा	13	140	3	559
स्रुतेषु तस्य दोषेषु	सिद्धि	7	48	6	303
स्रोतःशृङ्गाटनासाक्षि	चिकित्सा	26	139	4	511
स्रोतःसु तक्रशुद्धेषु	चिकित्सा	14	87	3	598

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
स्रोतःसु रुद्धमार्गेषु	चिकित्सा	13	46	3	534
स्रोतःसु शुद्धेष्वमले	चिकित्सा	2/1	50	3	80
स्रोतसां दूषणादामात्	चिकित्सा	13	14	3	522
स्रोतसां मार्दवं कृत्वा	चिकित्सा	5	23	3	260
स्रोतसां शोधनं बल्यं	चिकित्सा	3	145	3	151
स्रोतसां सन्निरोधाच्च	चिकित्सा	8	40	3	371
स्रोतांसि रुद्ध्वा संप्राप्ता	चिकित्सा	3	131	3	145
स्रोतांसि रुधिरादीनां	चिकित्सा	8	29	3	369
स्रोतोजलाजोत्पल	चिकित्सा	20	29	4	251
स्रोतोभिः स्यन्दते देहात्	चिकित्सा	15	34	4	19
स्रोतो बद्ध्वाऽनिलं	चिकित्सा	28	86	5	45
स्रोतोविबन्धमुन्मद्यं	चिकित्सा	24	119	4	412
स्रोतोविबन्धमोक्षार्थं	चिकित्सा	8	174	3	404
स्रोतोविबन्धान्विविधान्	चिकित्सा	1	34	3	13
स्वं स्थानं गमयेदेवं	चिकित्सा	28	221	5	80
स्वं स्वं स्थानं व्रजन्त्येवं	चिकित्सा	13	167	3	562
स्वगुप्तां क्षीरकाकोलीं	सिद्धि	4	10	6	235
स्वधातुवैषम्यनिमित्तजा	सूत्र	19	6	1	357
स्वधातुसमवर्णानि	विमान	5	25	2	180
स्वप्ननाशोऽतिवाग्	चिकित्सा	3	86	3	136
स्वप्ने मार्जारगोमायुः	चिकित्सा	23	236	4	380
स्वप्ने सुमनसां चैव	इन्द्रिय	12	86	2	596
स्वप्नो हर्षः सुखा शय्या	सूत्र	21	29	1	380
स्वबुद्ध्यैवं सहस्राणि	कल्प	12	50	6	118
स्वभावाल्लघवो मुद्गा	सूत्र	27	336	1	561
स्वभ्यक्तानां प्रशस्यन्ते	चिकित्सा	28	110	5	53
स्वयं श्रुत्वानुमानेन	चिकित्सा	3	121	3	143
स्वरक्षयमुरोरोगं	चिकित्सा	1	71	3	20
स्वरक्षीणातिसारासृक्	चिकित्सा	17	81	4	138
स्वरभेदकफोत्क्लेश	सूत्र	27	149	1	517
स्वरभेदे च कासे च	चिकित्सा	18	181	4	198
स्वरसः क्वथितो दार्व्या	चिकित्सा	26	202	4	527
स्वरसैस्तुल्यवीर्यैर्वा	कल्प	12	48	6	117

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
स्वरस्य दुर्बलीभावं	इन्द्रिय	9	12	2	569
स्वर्णक्षीरीं च सञ्चूर्ण्य	कल्प	7	60	6	73
स्वर्जिकाऽजशकृत्क्षारः	चिकित्सा	23	215	4	376
स्वल्पासंबद्धवचनं	सूत्र	24	32	1	408
स्वस्थवृत्तं यथोद्दिष्टं	सूत्र	8	31	1	181
स्वस्थस्योर्जकरं त्वेतत्	चिकित्सा	1	13	3	8
स्वस्थाः प्रज्ञाविपर्यासैः	इन्द्रिय	4	26	2	542
स्वस्थानागतमुत्क्लिष्ट	चिकित्सा	15	122	4	48
स्वस्थानस्थो बली दोषः	चिकित्सा	28	198	5	73
स्वस्थानात् प्रच्युते चाग्नौ	चिकित्सा	3	133	3	147
स्वस्थेभ्यो विकृतं यस्य	इन्द्रिय	4	5	2	538
स्वस्थोऽप्येनं पिबेन्मासं	चिकित्सा	15	162	4	57
स्वाचारं हृष्टमव्यङ्गं	इन्द्रिय	12	67	2	593
स्वादुरम्लादिभिर्योगं	सूत्र	26	15	1	455
स्वादुरम्लो जलकृतः	सूत्र	23	39	1	401
स्वादुरम्लोऽथ लवणः	सूत्र	1	65	1	46
स्वादु शीतं मृदु स्निग्धं	सूत्र	27	217	1	533
स्वादुशीतौषधैस्त्त्र	सिद्धि	7	56	6	305
स्वादूनि सकषायाणि	सूत्र	27	144	1	516
स्वाद्वम्ललवणस्निग्ध	चिकित्सा	21	33	4	269
स्वाद्वम्ललवणस्निग्धैः	चिकित्सा	28	88	5	45
स्वाद्वाम्ललवणा वायुं	सूत्र	1	66	1	46
स्वाद्वम्लौ सहितौ योगं	सूत्र	26	18	1	455
स्वापनं नष्टनिद्राणां	चिकित्सा	24	63	4	398
स्वास्तीर्णं शयनं वेश्म	सूत्र	21	54	1	384
स्विन्नं ज्ञात्वा ततस्तूर्णं	चिकित्सा	17	74	4	135
स्विन्नं निष्पीडितरसं	सूत्र	27	104	1	511
स्विन्नभक्ष्यांस्तु ये केचित्	सूत्र	27	261	1	544
स्विन्नस्य वान्तस्य	चिकित्सा	26	96	4	496
स्विन्नस्याशु प्रशाम्यन्ति	चिकित्सा	28	81	5	44
स्विन्नां कोष्णाम्बुसिक्ता	चिकित्सा	30	49	5	142
स्विन्नातिस्विन्नरूपाणि	सूत्र	14	69	1	284
स्वेतेजोऽम्बुगुणस्निग्धो	चिकित्सा	15	30	4	19

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
स्वेदः शरीरदौर्गन्ध्यं	सूत्र	24	18	1	405
स्वेददोषाम्बुवाहीनि	चिकित्सा	28	8	5	21
स्वेदनः शीतकामश्च	चिकित्सा	16	21	4	87
स्वेदनान्यन्नपानानि	चिकित्सा	3	271	3	200
स्वेदमूत्रपुरीषाणां	चिकित्सा	3	107	3	138
स्वेदयन्ति दशैतानि	सूत्र	14	65	1	283
स्वेदयेत् पत्रभङ्गेण	चिकित्सा	8	72	3	381
स्वेदस्तीव्रा पिपासा च	चिकित्सा	3	79	3	135
स्वेदाभ्यङ्गान्निरूहांश्च	सिद्धि	7	42	6	302
स्वेदागमः श्वासवृद्धिः	सूत्र	7	7	1	152
स्वेदाधिकारे यद्वाच्य	सूत्र	14	71	1	285
स्वेदाभ्यङ्गावगाहाश्च	सूत्र	7	9	1	147
स्वेदाभ्यङ्गावगाहश्च	चिकित्सा	28	92	5	48
स्वेदावगाहनाभ्यङ्गान्	सूत्र	7	7	1	146
स्वेदे जाते रुचौ चैव	सूत्र	22	35	1	392
स्वेदेष्वपि च तद्युक्त	सूत्र	1	96	1	54
स्वेदोऽङ्गगन्धः शिथिला	चिकित्सा	6	13	3	303
स्वेदोऽत्यर्थं न वा	चिकित्सा	29	16	5	91
स्वेदो यथा कार्यकरो	सूत्र	14	68	1	284
स्वेद्याः शोधयितव्याश्च	सूत्र	13	52	1	257
स्वे स्थाने मारुतोऽवश्यं	चिकित्सा	19	121	4	241
स्वे स्वे स्थाने तथा	सूत्र	30	68	1	614
स्वे स्वे स्थाने यथास्वं	सूत्र	30	35	1	606
स्वोष्मणा पावकस्थाने	चिकित्सा	15	218	4	72
		ह			
हंसानां शतपत्राणां	इन्द्रिय	12	76	2	594
हंसोदकमिति ख्यातं	सूत्र	6	47	1	142
हत्वाऽग्निं कफमुद्धूय	चिकित्सा	13	24	3	525
हनुग्रहं च संस्तभ्य	चिकित्सा	28	50	5	33
हनुमन्याग्रहस्तृष्णा	इन्द्रिय	6	20	2	556
हनुमूले स्थितो बन्धात्	चिकित्सा	28	49	5	33
हन्ति सर्वविषाण्येव	चिकित्सा	23	193	4	371
हन्ति सर्वोदराण्येतत्	चिकित्सा	13	123	3	555

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
हन्त्याशु हि विषं किञ्चित्	चिकित्सा	24	99	4	407
हन्त्येष कामलां पित्तं	चिकित्सा	16	102	4	107
हन्यात्तथाऽर्शोग्रहणी	चिकित्सा	18	62	4	171
हन्यात्त्रिदोषं चिरजं च	चिकित्सा	12	42	3	497
हन्यात् संजीवयेच्चापि	चिकित्सा	23	249	4	382
हन्यादेतत् सर्पिः पीतं	चिकित्सा	7	150	3	355
हन्याद्व्याधीन् यवापूपो	सूत्र	27	265	1	546
हन्यान्मधूष्णमुष्णार्तं	सूत्र	27	246	1	540
हन्वोर्बलं स्वरबलं	सूत्र	5	78	1	123
हपुषां कुञ्चिकां धान्य	चिकित्सा	14	72	3	596
हपुषाव्योषपृथ्वीका	चिकित्सा	5	71	3	273
हयानां पुरुषाणां च	इन्द्रिय	12	83	2	595
हरितानां यथाशाकं	सूत्र	27	318	1	556
हरितालमवाक्पुष्पी	चिकित्सा	7	114	3	348
हरिताश्च शिरा यस्य	इन्द्रिय	9	5	2	569
हरिद्राचूर्णसंयुक्तं	चिकित्सा	14	52	3	593
हरिद्रात्रिफलानिम्ब	चिकित्सा	16	53	4	97
हरिद्रा पञ्चमूले द्वे	चिकित्सा	15	156	4	56
हरिद्रोदकसङ्काशं कटुकं	निदान	4	34	2	61
हरीतकानां प्रस्थार्धं	चिकित्सा	14	138	3	610
हरीतकीं पञ्चरसाम्	चिकित्सा	1	29	3	13
हरीतकीं प्रयोगेण	चिकित्सा	16	68	4	100
हरीतकीकट्फलमुस्त	चिकित्सा	6	27	3	306
हरीतकीकषायेण	कल्प	11	11	6	100
हरीतकीनां चूर्णानि	चिकित्सा	1	25	3	12
हरीतकीनागरदेवदारु	चिकित्सा	12	22	3	491
हरीतकीनागरपुष्कराह्वैः	चिकित्सा	26	83	4	493
हरीतकीफलप्रस्थं	चिकित्सा	14	148	3	611
हरीतकीर्यवक्वाथ	चिकित्सा	18	168	4	196
हर्षः पिपीलिकानां च	चिकित्सा	28	65	5	38
हर्षणं प्रीणनं मद्यं	सूत्र	27	194	1	525
हर्षणाश्वासनैर्नित्यं	चिकित्सा	8	187	3	406
हर्षणैश्च समं यान्ति	चिकित्सा	3	321	3	215

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
हर्षप्रीतिकथापेत	चिकित्सा	24	78	4	402
हर्षमूर्जं मुदं पुष्टि	चिकित्सा	24	61	4	398
हर्षात्तर्षात् सरत्वाच्च	चिकित्सा	2/4	48	3	103
हर्षोऽन्नपानं शुक्रस्थे	चिकित्सा	28	94	5	49
हलीमकं तदा तस्य	चिकित्सा	16	134	4	114
हलीमकः शिरःशूलं	सूत्र	21	46	1	383
हसन्तिकाभिरङ्गार	सूत्र	14	54	1	281
हस्तपादं मुखं चोभे	इन्द्रिय	11	12	2	579
हस्तपादाङ्गदाहेषु	चिकित्सा	8	105	3	389
हस्तिदन्ती हैमवती	सूत्र	1	77	1	51
हस्तिमूत्रमथोष्ट्रस्य	सूत्र	1	94	1	54
हस्तिश्यामाकनीवार	सूत्र	27	17	1	495
हस्ती मत्त इवाजस्रं	निदान	4	43	2	64
हस्ते पादे मुखे नाभ्यां	चिकित्सा	14	26	3	588
हस्तौ पादौ गुदोपस्थं	शारीर	1	25	2	317
हस्तौ पादौ च मन्ये च	इन्द्रिय	8	16	2	566
हस्त्यश्वगोखरोष्ट्राणां	सूत्र	14	60	1	282
हारिद्रनीलहरित	चिकित्सा	4	20	3	227
हारिद्रनेत्रः स भृशं	चिकित्सा	16	35	4	91
हारिद्रमूत्रनेत्रत्वं	चिकित्सा	3	98	3	138
हारिद्रवर्णं रुधिरं च मूत्रं	चिकित्सा	6	54	3	313
हिंस्यादतिगतं बस्ति	सिद्धि	9	50	6	345
हिंस्राकल्कं तु वातार्ता	चिकित्सा	30	62	5	146
हिक्कते यः प्रवृद्धस्तु	चिकित्सा	17	27	4	123
हिक्काकासविषश्वास	सूत्र	27	169	1	522
हिक्का गम्भीरजा यस्य	इन्द्रिय	6	7	2	554
हिक्कापाङ्गुल्यवीसर्प	चिकित्सा	29	32	5	97
हिक्काश्वासकरं तूष्णं	सूत्र	27	223	1	533
हिक्काश्वासनवज्वर	चिकित्सा	22	58	4	319
हिक्काश्वासप्रतिश्याय	सूत्र	27	180	1	525
हिक्काश्वासविकाराणां	चिकित्सा	17	138	4	151
हिक्काश्वासशिरःकम्प	चिकित्सा	24	91	4	405
हिक्का श्वासस्तथा	चिकित्सा	3	81	3	135

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
हिक्काश्वासानुबन्धा ये	चिकित्सा	17	139	4	151
हिक्काश्वासामयी ह्येको	चिकित्सा	17	88	4	141
हिक्काश्वासार्दितं स्निग्धैः	चिकित्सा	17	71	4	135
हिक्का श्वासोऽरुचिः	सूत्र	7	18	1	149
हिङ्गुत्रिकटुकं पाठां	चिकित्सा	5	79	3	275
हिङ्गुं सौवर्चलं कोलं	चिकित्सा	17	108	4	145
हिङ्गु केबुकमूलानि	सूत्र	23	20	1	396
हिङ्गु च कृष्णायुक्तं	चिकित्सा	23	96	4	350
हिङ्गुद्विरुत्तरं चूर्णं	सिद्धि	9	31	6	339
हिङ्गुना हिङ्गुपर्ण्या	चिकित्सा	9	57	3	431
हिङ्गुसौवर्चलाजाजी	चिकित्सा	5	69	3	272
हिङ्गुसौवर्चलाजाजी	चिकित्सा	17	101	4	144
हिङ्गुसौवर्चलाव्योषैः	चिकित्सा	9	34	3	424
हिङ्गूग्रगन्धाबिडशुण्ठ्य	चिकित्सा	26	22	4	474
हिङ्गूषणसमायुक्तं	सूत्र	24	50	1	411
हिङ्ग्वम्लवेतसं शुण्ठीं	सिद्धि	9	19	6	335
हितं गर्भपरिस्रावे	चिकित्सा	30	100	5	154
हितं जनपदानां च	विमान	3	16	2	145
हितमुष्णं द्रवं स्निग्धं	चिकित्सा	5	111	3	281
हितमेवानुद्धध्यन्ते	सूत्र	28	36	1	581
हिताः स्पर्शा मनोज्ञानां	चिकित्सा	24	157	4	419
हिताभिर्जुहुयान्नित्य	सूत्र	27	345	1	564
हिता मांसरसास्तस्मै	सूत्र	23	33	1	400
हितार्थं प्राणिनां प्रोक्त	सिद्धि	12	35	6	433
हिता व्यायामनित्येभ्यो	सूत्र	27	58	1	504
हिताशी स्यान्मिताशी	निदान	6	11	2	83
हिताहितं सुखं दुःखं	सूत्र	1	41	1	25
हिनस्ति न स गात्राणि	चिकित्सा	17	66	4	134
हिमवद्दरीवनसरित्	चिकित्सा	22	39	4	313
हिरण्याक्षस्तु नेत्याह	सूत्र	25	14	1	416
हीनपित्तस्य तु श्लेष्मा	सूत्र	17	55	1	320
हीनवातस्य तु श्लेष्मा	सूत्र	17	53	1	320
हुताग्निहोत्रमासीन	चिकित्सा	29	3	5	87

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
हुताशवेशस्य वचः	सूत्र	17	5	1	310
हृच्छून्यभावद्रवशोष	चिकित्सा	26	79	4	492
हृतदोषं परिम्लानं	चिकित्सा	5	38	3	264
हृते दोषे परिम्लानं	चिकित्सा	13	60	3	539
हृत्कण्ठरोगः संमोहः	चिकित्सा	24	202	4	429
हृत्पाण्डुग्रहणीदोष	चिकित्सा	8	147	3	398
हृत्पाण्डुग्रहणीरोग	सूत्र	27	305	1	554
हृत्पाण्डुग्रहणीरोग	चिकित्सा	15	140	4	52
हृत्पाण्डुग्रहणीरोग	चिकित्सा	15	167	4	58
हृत्पाण्डुरोगं प्लीहानं	चिकित्सा	14	151	3	612
हृत्पाण्डुरोगं श्वयथुं	चिकित्सा	12	37	3	495
हृत्पार्श्वमूर्धेन्द्रियमार्ग	सिद्धि	1	16	6	150
हृत्पार्श्वशूलं सम्मोह	चिकित्सा	14	27	3	588
हृत्पार्श्वार्तिषु पानं स्यात्	चिकित्सा	18	140	4	189
हृत्पार्श्वोरःशिरःशूल	चिकित्सा	18	11	4	159
हृत्पीडा कार्श्यदौर्बल्यं	चिकित्सा	15	62	4	31
हृत्पीडोर्ध्वानिलः स्तम्भः	चिकित्सा	23	167	4	366
हृत्प्लीहपार्श्वशूलघ्नं	चिकित्सा	8	144	3	397
हृत्स्तम्भमूर्धामयगौरवा	चिकित्सा	26	26	4	475
हृदयं कफहृद्रोगे	सूत्र	17	35	1	316
हृदयं क्लोम कण्ठं च	चिकित्सा	17	37	4	125
हृदयं च गुदं चोभे	इन्द्रिय	10	10	2	574
हृदयं मन्यते स्त्यान	चिकित्सा	15	69	4	32
हृदयं समुपाश्रित्य	चिकित्सा	10	78	3	454
हृदयस्याविशुद्धिश्च	चिकित्सा	3	134	3	147
हृदयावरणाञ्जननस्य	चिकित्सा	23	36	4	334
हृदये मूर्ध्नि बस्तौ च	सिद्धि	9	9	6	333
हृदये क्लोम्नि यकृति	सूत्र	17	94	1	329
हृदये व्याकुलीभावो	सिद्धि	9	23	6	336
हृदि तिष्ठति यच्छुद्धं	सूत्र	17	74	1	325
हृदिन्द्रियशिरःकोष्ठे	चिकित्सा	9	28	3	422
हृदि मद्यगुणाविष्टे	चिकित्सा	24	39	4	393
हृदि मुक्ते नरः स्वास्थ्यं	सिद्धि	9	15	6	334

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
हृद्दाहस्तिक्तता वक्त्रे	सूत्र	17	33	1	315
हृद्यं यत् स्याद्यदौजस्यं	सूत्र	30	14	1	595
हृद्रोगं क्रिमिजं त्वेतैः	सूत्र	17	40	1	316
हृद्रोगं श्वासमानाहं	चिकित्सा	3	148	3	153
हृद्रोगं सशिरोरोग	चिकित्सा	1	32	3	13
हृद्रोगे ग्रहणीदोषे	चिकित्सा	13	132	3	556
हृद्रोगो मुखशोषश्च	चिकित्सा	28	207	5	76
हृद्विवाहे प्रसेके वा	चिकित्सा	23	180	4	369
हृन्नाभिपार्श्वोत्तमदेहदाहे	सिद्धि	3	55	6	227
हृल्लासमास्यश्रवणं	सूत्र	17	54	1	320
हृल्लासमोहक्लमसाद	सिद्धि	1	46	6	166
हृल्लासिका मारुतमूत्र	सिद्धि	1	43	6	165
हृष्टरोमा सान्द्रमूत्रः	इन्द्रिय	6	16	2	555
हृष्टारोमोच्चिटिङ्गेन	चिकित्सा	23	153	4	363
हेतवः पूर्वरूपाणि	सूत्र	10	11	1	197
हेतवः पूर्वरूपाणि	निदान	8	42	2	111
हेतुं कुर्वन्त्यपस्मारं	चिकित्सा	10	67	3	457
हेतुं द्रव्यं लिङ्गं कुष्ठानां	चिकित्सा	7	3	3	318
हेतुं प्राग्रूपमष्टानां	चिकित्सा	13	195	3	571
हेतुं वृद्धिं संज्ञां स्थानं	चिकित्सा	4	110	3	250
हेतुं संख्यां लक्षण	चिकित्सा	20	48	4	257
हेतुः प्राग्रूपलिङ्गानि	चिकित्सा	27	62	5	16
हेतुः स्थानानि मूलं	चिकित्सा	29	163	5	128
हेतुद्रव्यं लिङ्गं त्रिविधं	चिकित्सा	7	178	3	362
हेतुपर्यायनामानि	निदान	8	44	2	111
हेतुभिर्बहुभिश्चैको	निदान	8	26	2	107
हेतुभिर्लक्षणैश्चोक्तः	चिकित्सा	3	84	3	136
हेतुर्गर्भस्य निर्वृत्तौ	शारीर	3	26	2	386
हेतुर्दोषो दूष्यं मेहानां	चिकित्सा	6	59	3	316
हेतुर्योगोपदेशस्य	चिकित्सा	2/4	52	3	105
हेतुर्लिङ्गं सिद्धिः क्रियाः	चिकित्सा	5	189	3	296
हेतुर्व्याधिविशेषाणां	निदान	4	53	2	66
हेतुलक्षणकालज्ञो	चिकित्सा	14	181	3	618

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ŚLOKA	STHĀNA	CHAPTER NO.	ŚLOKA NO.	VOL.NO.	PAGE NO.
हेतुलक्षणसंसर्गाद्	चिकित्सा	14	20	3	586
हेतुलक्षणसंसर्गाद्	सूत्र	17	36	1	316
हेतुलिङ्गौषधज्ञानं	सूत्र	1	24	1	21
हेतुस्थानविशेषाच्च	चिकित्सा	28	24	5	25
हेतू यथाग्निपवनौ	चिकित्सा	22	63	4	320
हेतौ लिङ्गे प्रशमने	सूत्र	9	19	1	189
हेत्वर्तिसात्म्याग्निबलं	चिकित्सा	25	23	4	440
हेत्वौषधविशिष्टाश्च	चिकित्सा	3	129	3	145
हेमताम्रप्रवालानाम्	चिकित्सा	1/4	22	3	61
हेमन्तशिशिरौ तुल्यौ	सूत्र	6	19	1	137
हेमन्ते सलिलं स्निग्धं	सूत्र	27	205	1	529
हेमन्ते सूर्यसन्तप्ताः	चिकित्सा	3	46	3	122
हेमराजतकांस्यानां	चिकित्सा	24	154	4	419
हेमशङ्खप्रवालानां	चिकित्सा	3	261	3	197
हेमश्च धान्यकश्चोक्तौ	कल्प	12	89	6	129
हेम सर्वविषाण्याशु	चिकित्सा	23	240	4	380
हेमाद्याः सूर्यसन्तप्ताः	चिकित्सा	1/3	56	3	51
हेम्नश्च रजतात्ताम्राद्	चिकित्सा	1/3	49	3	50
हैमन्तिकं दोषचयं	शारीर	2	45	2	364
होलाकस्वेद इत्येष	सूत्र	14	63	1	283
ह्रस्वं च यः प्रश्वसिति	इन्द्रिय	7	25	2	562
ह्रस्वं दीर्घं तनु स्थूलं	सिद्धि	5	4	6	251
ह्रीमत्त्वाद्वा घृणित्वाद्वा	चिकित्सा	8	20	3	367
ह्रीवेरं चन्दनं पत्रं	सूत्र	5	21	1	112
ह्रीबेरचन्दनोशीर	चिकित्सा	4	31	3	231
ह्रीबेरबिल्वनागर	चिकित्सा	14	200	3	622
ह्रीबेरमुत्पलं लोध्रं	चिकित्सा	14	230	3	628
ह्रीबेरमूलानि पटोलपत्रं	चिकित्सा	4	75	3	241

135499

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

GURUKUL KANGRI LIBRARY

	Signature	Date
Access on		23.2.04
Class on		27-4-04
Cat on		"
Tag etc		"
Filing		"
E.A.R.		1-5-04
Any others		27-4-04
Checked		

Recommended By: डॉ. कौशल कुमार

विभागीय पुस्तकालय

Entered in Database

Signature with Date 18/6/04

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

PAÑCAKARMA THERAPY

(Classical Concepts, Traditional Practices, Guide lines of Standardisation and Recent Advances)

Prof. R.H. Singh,
Professor & Head, Department of Kāyacikitsā,
Dean, Faculty of Āyurveda,
Banaras Hindu University, Varanasi - 221 005.

The revised and enlarged 2nd edition of the book Pañcakarma Therapy produced by the well known author Prof. R. H. Singh who has the long experience of teaching, Research and practice of Ayurvedic Medicine, is being presented for the first time in the form of a complete and update work on the subject. The book deals in details the Classical Concepts of Pañcakarma Therapy in Ayurveda besides a detailed account of the traditional Keralīya Practices of Pañcakarma. The book contains separate Chapters on Biopurificatory measures of allied disciplines such as Yogic Ṣaṭkriyā and Nature Cure therapies. The book also deals in a separate Chapter with essentials of conventional modern physical medicine and rehabilitation.

The present edition of the book is highly enriched with additional Chapters on Pañcakarma Śārīra i.e. applied anatomy and physiology relevent to Pañcakarma Therapy. For the first time a critical write up has been added in this book in a Chapter on Pañcakarma Therapy for women, children and the elderly.

This book has attained a significant scientific standard because of additional extended Chapters on Recent Advances in Pañcakarma Therapy reviewing the recent researches in the relevent field and a write up on guidelines set by the author for standardisation and Clinical Research on Pañcakarma. An added attraction to this edition is the extended glossary of technical words of Ayurveda and the update bibliography and word index besides the Sanskrit text reproduced on each page as foot notes.

Thus, this is the best and the most complete book so for produced on Pancakarma Therapy written in English with update information and scientific temper. Rs. 300/-

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

DRAVYAGUṆA VIJÑĀNA

(ENGLISH-SANSKRIT) MATERIA MEDICA - VEGETABLE DRUGS

By : Dr. Gyanendra Pandey

This work deals with indigenous materia medica, pharmacology and therapeutics of Āyurveda, with special reference to drug obtained from vegetable origin or the plant drugs belonging to Indian medical science. It is the first work of its kind, fulfilling the need and demand in India and abroad. The work is in English language supported with Sanskrit text (with proper reference/contexts).

This work has been presented in three parts, enumerating more than 500 drugs, forming three volumes : First (A-J), Second (K-N) and Third P-Y).

The work covers all the relevant aspects of drugs generally dealt in the sphere of Dravyaguṇa Vijñāna of Indian Materia Medica. Being the first volume, its section I deals the classitication (gaṇa, varga etc.) of drugs and main section II entirely covers individual drugs which are to continue in further volumes. The glossary of technical and medical terms related to drugs and Dravyaguṇa Vijñāna is given; and the indices of botanical and Sanskrit names along with other lists have been provided.

The subject matter drugs and topics as required in the subject-course of Dravyaguna Vijñāna under curriculum of Central Council of Indian Medicine and other studies needs have been kept in view.

The work is useful as a text book of Dravyaguṇa course book (for graduate as well as postgraduate), reference book for higher studies (doctoral and research etc.) and handbook of plant drugs used in Indian Medicine, for research workers, scientists, physicians, teachers, pharmacists, manufacturers, research and educational institutions, libraries, botanical researchers, medicinal plants scientists, multidisciplinary scientific researchers of herbal drugs, medical and pharmaceutical institutions, pharmacies, hospitals, universities. Āyurvedic institutions and all the laymen interested in Āyurveda and drugs.

Complete In 3 vols.Rs. **1650/-**

Vol. I. Rs. **500/-**, Vol. II. Rs. **500/-** Vol. III. Rs. **650/-**

Also can be had from

KRISHNADAS ACADEMY
Oriental Publishers & Distributors
Post Box No. 1118, K. 37/118, Gopal Mandir Lane
Varanasi-221 001 (India)
Phone : 335020
E-mail : cssoffice@satyam.net.in

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar